

The Female Educators and Fertility A Case Study of Lady Teachers of the City of Allahabad

THESIS

SUBMITTED AT THE
UNIVERSITY OF ALLAHABAD
FOR THE DEGREE OF
DOCTOR OF PHILOSOPHY

UNDER THE GUIDANCE OF
Dr. A. D. Sharma
D. E. D., D. Litt.
PROFESSOR IN ECONOMICS
&
HON. DIRECTOR, AGRO-ECONOMIC RESEARCH CENTRE.

BY
Kalpna Mathur



DEPARTMENT OF ECONOMICS
UNIVERSITY OF ALLAHABAD
ALLAHABAD
1987

शिक्षक महिलायें एवं प्रजननता

(FEMALE EDUCATORS AND FERTILITY)

मुंबई नगर की शिक्षक महिलाओं का एक वैयक्तिक अध्ययन

(A CASE STUDY OF LAY-TEACHERS OF THE CITY OF MUMBAI)

प्राक्कथन

भारत की जनसंख्या की वृद्धि की दर चिन्ताजनक है। इस समय की वृद्धि की दर भारत के अपने जनांकिकी इतिहास के लिए भी भयानक और अभूतपूर्व है। 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। भारतवर्ष की जनसंख्या में 1901 - 1961 तक की अवधि में इतनी वृद्धि हो चुकी है जितनी कि भारतवर्ष की कुल जनसंख्या 1901 में थी। मानवता के प्रारम्भ से लेकर हमारी गिनती 1901 तक जितनी हो पायी थी उतनी गिनती में हम उसके बाद केवल 60 वर्ष में ही बढ़ गए। अनुमान है कि इस दर पर हमारी जनसंख्या लगभग 30 वर्ष में ही वर बार दुगुनी होती चली जाएगी। इस प्रकार भारतवर्ष की जनसंख्या 2 हजार ईसवी तक ही 100 करोड़ हो जाएगी। हम यदि इस दर पर बढ़ते रहे तो 2060 ई0 में भारतवर्ष की जनसंख्या उतनी होगी जितनी कि 1970 में सम्पूर्ण दुनियाँ की जनसंख्या थी।

जनसंख्या की इस विकट समस्याओं को देखते हुए जनसंख्या को नियन्त्रण में करना होगा। इसमें महिलाओं की एक महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, तथा यह भी देखा गया है, कि शिक्षा प्रजननता के निर्धारण में एक महत्वपूर्ण कारक है इसलिए प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में इलाहाबाद नगर के परिपेक्ष्य में शिक्षक महिलाओं के प्रजननता सम्बन्धी विचारों का अध्ययन किया गया। अध्ययन में कार्यालयी महिलाओं एवं घरेलू महिलाओं का एक तुलनात्मक अध्ययन रखने का भी प्रयास किया गया है।

मेरे शोध विषय " शिक्षक महिलायें और प्रजननता " इलाहाबाद नगर के संदर्भ में महिला अध्यापिकाओं की समस्या जिसके पूरा होने में मेरे निर्देशक डा० ए० डी० शर्मा, प्रोफेसर - अर्थशास्त्र के अविस्मरणीय व अबाध सहयोग, जिसे शब्द ज्ञान के माध्यम से धन्यवाद की प्रक्रिया के उपरोक्त बाँधकर यह औपचारिकता पूरी कर पाना मेरी सामर्थ्य के परे है। डा० शर्मा ने उस प्राचीन गुरु शिष्य

परम्परा को इस बीसवीं शताब्दी में भी प्रतिरूप देकर हमें इस प्रबन्ध के पूरा होने में जो योगदान दिया है, वह एक साक्षात् दृष्टान्त है। शोध समर्पित ऐसे गुरुवर्य को मेरा शत - शत नमः।

विभाग के अन्य लोगों में प्रोफेसर डी० एस० कुशवाहा, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, डा० बी.के. त्रिपाठी एवं उन सभी शिक्षकों की आभारी हूँ जिन्होंने प्रायः मुझे सहयोग प्रदान किया।

शोध हेतु प्रेरकों में मेरी माँ एवं पिता श्री जगदीश प्रसाद माथुर की विशेष भूमिका है, जिनके आशीर्वाद से यह शोध निर्विघ्न पूर्ण हुआ। उनसे सर्वथा ऐसे सहयोग की अपेक्षा करती रहूँगी।

शोध - प्रबन्ध के पुष्पित एवं पल्लवित होने में गुरु - पत्नी श्रीमती शैला शर्मा का अमित - स्नेह एवं सहयोग निश्चित रूप से अविस्मरणीय है।

मुझे एवं मेरे शोध - प्रबन्ध को एक नयी दिशा एवं आयाम प्रदान करने में अपने सहपाठी अनुसन्धानक डा० शीलप्रिय त्रिपाठी एवं सुश्री मुकुल दुबे सदैव रत रहे, ऐसे समर्पित सहयोगियों को ढेर ही बधाइयाँ।

मेरे परिवार के सदस्यों में बड़ी बहन डा० सुरभि माथुर, चिकित्साधिकारी, देहरादून, छोटी बहने सुश्री पूनम माथुर, शोध - छात्रा, वनस्पति विज्ञान, सुश्री रचना माथुर, शोध - छात्रा, अर्थशास्त्र, डा० शैलेश चन्द्र सिन्हा, चिकित्साधिकारी, देहरादून एवं अनुज सुमित कुमार भी धन्यवाद के पात्र हैं।

शोध की सार्थकता हेतु डा० आर० के० श्रीवास्तव, वरिष्ठ अनुसन्धक, वनस्पति विज्ञान, सहपाठी श्री योगेश चन्द्र मिश्र, शोध - छात्र, अर्थशास्त्र, सुश्री स्मिता शर्मा, श्री सुनील शर्मा एवं संजय महापात्र सहित वे सभी लोग धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने सहयोग एवं मंत्रणा दी।

नैतिक रूप से अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्व विद्यालय की आभारी हूँ, जिसकी पुस्तकालीय सहायता ने कार्य - सम्पादन में सहयोग दिया।

शोध - टंकण हेतु कु० इन्दु एवं मेसर्स श्रीवास्तव श्रीसित सेक्टर के प्रति
भी आभार - प्रदर्शन है, जिन्होंने सुरुचिपूर्ण ढंग से कार्य - सम्पादित किया।

दिनांक

फरवरी ९, १९८७

इलाहाबाद

कल्पना माथुर

॥ कल्पना माथुर ॥

विषय अनुक्रमणिका

	<u>पृष्ठ-संख्या</u>
प्राक्कथन	: i - iii
सारिणी - सूची	: iv - xiii
मानचित्र - सूची	:
<u>अध्याय</u>	
1. विषय - परिचय एवं अध्ययन का उद्देश्य	: 1-5
2. क्षेत्र एवं शोध - विधि	: 6-10
3. परिकल्पना (Hypothesis)	: 11-13
4. न्यादर्श - वितरण (Sample-Distribution)	: 14-19
5. उपपत्ति (Findings)	:
अ. शिक्षक महिलायें।	: 20-102
ब. शिक्षक महिलायें एवं पूर्ण परिवार	: 103-163
स. शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें	: 164-237
द. शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें एवं पूर्ण परिवार	: 238-305
6. निष्कर्ष (Conclusions)	: 306-320
7. सर्वेक्षण - अनुभव	: 321-323
8. नीति हेतु संस्तुतियां	: 324-326
9. भविष्य में शोध हेतु संस्तुतियां	: 327-328
10. ग्रन्थ संदर्भ - सूची (Bibliography)	: 329-340
<u>परिशिष्ट (Appendices)</u>	
अ. इलाहाबाद नगर : आकड़े एवं तथ्य	: 341-348
ब. प्रश्नावली - पत्रक	: 349-352

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
1.0	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार न्यादर्श का वितरण	15
1.1	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार न्यादर्श का वितरण	16
1.2	शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु के अनुसार न्यादर्श का वितरण	17
1.3	शिक्षक महिलाओं के कार्यकाल के अनुसार न्यादर्श का वितरण	18
1.4	शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार न्यादर्श का वितरण	19
1.5	शिक्षक महिलाओं की परिवार नियोजन के विषय में सहमति व असहमति	20
1.6	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति व असहमति	21
1.7	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति व असहमति	22
1.8	शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति व असहमति	23
1.9	शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति व असहमति	24
2.0	शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विषय में सहमति होने के कारण	25
2.1	शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विषय में असहमत होने के कारण	26
2.2	शिक्षक महिलाओं के मत के अनुसार शिक्षक वर्ग को परिवार नियोजन कार्यक्रम को जनकार्यक्रम बनाने में भूमिका	28
2.3	शिक्षक महिलाओं के अनुसार जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश की स्वीकृति व अस्वीकृति	29
2.4	शिक्षक महिलाओं के अनुसार विद्यार्थियों को जनसंख्या शिक्षा प्रदान करने के विभिन्न शैक्षिक स्तर।	30
2.5	शिक्षक महिलाओं के विचार से परिवार नियोजन कार्यक्रम को निरुत्साहित करने वाले लोगों को दण्ड की स्वीकृति एवं अस्वीकृति।	31
2.6	शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के सन्दर्भ में छात्रों को दिया गया परामर्श	32
2.7	शिक्षक महिलाओं के आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के सन्दर्भ में छात्रों को दिया हुआ परामर्श	33

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
2. 8	शिक्षक महिलाओं के शैक्षिक स्तर के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिया गया परामर्श	35
2. 9	शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में सम्बन्धी और मित्रों को दिया गया परामर्श	37
3. 0	शिक्षक महिलाओं के आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में सम्बन्धी और मित्रों को दिया गया परामर्श	38
3. 1	शिक्षक महिलाओं के शैक्षिक - स्तर के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में सम्बन्धी और मित्रों को दिया गया परामर्श	40
3. 2	शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिया गया परामर्श	42
3. 3	शिक्षक महिलाओं के आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिया गया परामर्श	43
3. 4	शिक्षक महिलाओं के शैक्षिक स्तर के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिया गया परामर्श	45
3. 5	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु	47
3. 6	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु	49
3. 7	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु	51
3. 8	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु	53
3. 9	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु	55
4. 0	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु	57
4. 1	शिक्षक महिलाओं के परिवार का आकार	59
4. 2	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार	61
4. 3	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार	64
4. 4	शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार परिवार का आकार	66
4. 5	शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार का आकार	68
4. 6	शिक्षक महिलाओं के अनुसार आदर्श परिवार का आकार	70
4. 7	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार आदर्श परिवार का	71

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
4.8	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार का आकार	73
4.9	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह एवं पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	75
5.0	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह एवं पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	77
5.1	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	79
5.2	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	81
5.3	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	83
5.4	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	85
5.5	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	87
5.6	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	89
5.7	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	91
5.8	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	93
5.9	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	95
6.0	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार चतुसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	97
6.1	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	99
6.2	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	101
6.3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार छात्रों को दिया गया परामर्श	103
6.4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार छात्रों को दिया गया परामर्श	105

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
6-5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार सम्बन्धी व मित्रों को दिया गया परामर्श	107
6-6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धी व मित्रों को दिया गया परामर्श	109
6-7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार जनसमुदाय को दिया गया परामर्श	111
6-8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिया गया परामर्श	113
6-9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु	115
7-0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु	117
7-1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु	119
7-2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु	121
7-3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु	123
7-4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु	125
7-5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार	127
7-6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार आदर्श परिवार का आकार	129
7-7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार	131
7-8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार का आकार	133
7-9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	135
8-0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	137
8-1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	139

8.2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	141
8.3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	143
8.4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	145
8.5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	147
8.6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	149
8.7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य - जन्म - अन्तराल	151
8.8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	153
8.9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तृतिरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	155
9.0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	158
9.1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	160
9.2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	162
9.3	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार छात्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	164
9.4	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार छात्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	166
9.5	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	168
9.6	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	170
9.7	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	173

9.8	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	176
9.9	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन	178
10.0	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन	180
10.1	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	183
10.2	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	185
10.3	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	187
10.4	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	189
10.5	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	191
10.6	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	194
10.7	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	197
10.8	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	200
10.9	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	203
10.10	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	205
11.1	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	208
11.2	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का	210

	विभेदात्मक अध्ययन	
11.3	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	213
11.4	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	215
11.5	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	218
11.6	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	221
11.7	शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	223
11.8	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	226
11.9	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	228
12.0	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	231
12.1	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	234
12.2	शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	236
12.3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार छात्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	238

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
12.4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार छात्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	240
12.5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार सम्बन्धियों व मित्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	242
12.6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धी व मित्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	245
12.7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	247
12.8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	250
12.9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन	252
13.0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन	254
13.1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	256
13.2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	258
13.3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	260
13.4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	262

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
13.5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	265
13.6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	268
13.7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	270
13.8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	272
13.9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	274
14.0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	277
14.1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	280
14.2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	282
14.3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	284
14.4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	286
14.5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	289

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
14.6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	291
14.7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	293
14.8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	296
14.9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	298
15.0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	300
15.1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	302
15.2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म- अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	304
15.3	इलाहाबाद नगर की जनसंख्या वृद्धि 1853-1981	341
15.4	इलाहाबाद नगर एवं जनपद की जनसंख्या वृद्धि	342
15.5	इलाहाबाद की विगत तीन जनगणना वर्षों में जनसंख्या संरचना	343
15.6	इलाहाबाद की ग्रामीण व नगरी जनसंख्या	344
15.7	धर्मानुसार जनपद की जनसंख्या - 1981	345
15.8	जनपद में मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थान	346
15.9	साक्षरता एवं जनसंख्या घनत्व 1981	347
16.0	भारत की कुल जनसंख्या	348

अध्याय - 1

विषय - परिचय एवं अध्ययन का उद्देश्य

(INTRODUCTION AND OBJECT OF THE STUDY)

विषय परिचय

भारत में असीमित जनसंख्या वृद्धि होती जा रही है। यदि इस असीमित वृद्धि पर प्रभावपूर्ण अंकुश नहीं लगाया गया तो यह कहीं तक बढ़ती जायेगी कहना कठिन है। जनसंख्या की समस्या देश और विश्व के सम्मुख उपस्थित अनेक चुनौतियों का अभिन्न अंग है। सीमित साधनों के माध्यम से असीमित जनसंख्या का भरण-पोषण करना असंभव सा है, फिर भी जो कुछ भी साधन उपलब्ध है, उसका अधिकतम प्रयोग एवं उसका लाभ हर नागरिक को प्रदान किया जाय इसके लिए आवश्यक है कि अब लोगों की संख्या में वृद्धि न हो अन्यथा लोगों के समस्त क्रिया कलाप संकुचित एवं अवरोध हो जायेंगे। स्वछन्दता एवं प्राकृतिक सौन्दर्य मात्र कैमरे की तस्वीर की परिधि एवं छायाकारों के छायांकन में ही सिमट जायेगी। आर्थिक विकास एकदम ठप्प हो जायेगा साथ ही साथ सभी शास्त्रों का मानव कल्याण उद्देश्य समाप्त होता नजर आयेगा जबकि आर्थिक विकास सर्वोत्तम गर्भ निरोधक साधन है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्तियों का जितना अधिक बौद्धिक विकास होगा उतना ही उनके मन में छोटे परिवारों की आकांक्षा उत्पन्न होगी। सन्तति निरोध की प्रक्रिया स्वयमेव प्रचारित प्रसारित होगी। यह निःसन्देह सत्य है, कि हमारे देश में जनसंख्या विस्फोट चल रहा है, जिसके कारण हमारे आर्थिक विकास के लाभ कम हो गये हैं। राष्ट्र का भविष्य और जनसंख्या दोनों मानव कल्याण के लिए प्रश्न चिन्ह से बन गए हैं।

भारत की जनसंख्या सम्बन्धी स्थिति वास्तव में बहुत भयानक है। भारतवर्ष की जनसंख्या 1971 की जनगणना के अनुसार 54.8 करोड़ थी। 1981 की जनगणना के अनुसार यह बढ़कर 68.4 करोड़ हो चुकी है। भारत से अधिक जनसंख्या वाला दुनिया में केवल एक ही देश है और वह है चीन। उत्तरी तथा दक्षिणी अमरीका दोनों की जनसंख्या मिलाकर भी भारत की

जनसंख्या से कम है। वास्तव में पृथ्वी पर लगभग हर सातवाँ व्यक्ति भारतीय है।^x 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। 1941 में जनसंख्या 31.9 करोड़ थी जो कि 1971 में 54.8 करोड़ हो गयी और वृद्धि इस प्रकार 22.9 करोड़ हुई। 1901 भारत की कुल जनसंख्या लगभग 23.8 करोड़ थी। 1971-81 के दशक में भारत की जनसंख्या में 13.6 करोड़ वृद्धि हुई। 1971-1981 के दशक में भारत में जनसंख्या की दरउस वृद्धि की दर से लगभग पाँच गुनी है जो वृद्धि की दर भारत में ही वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में थी। 1971-1981 के दशक में भारत की जनसंख्या की दर दुनिया की 1900-1950 की वृद्धि की दर का $2\frac{1}{2}$ गुना रही है।

जनसंख्या वृद्धि की दर केवल जन्म और मृत्यु दर पर ही निर्भर करती है। जन्म दर और मृत्यु दर का शुद्ध शेष ही वृद्धि दर के लगभग बराबर हो जायेगा। जन्म दर तथा मृत्यु दर के तेजी से बढ़ते हुए अन्तर के कारण जनसंख्या की वृद्धि की दर विस्फोटक आकार में बढ़ती रही है जिसके जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पैदा हो गयी। अब हमारे सम्मुख प्रश्न है कि प्रजननता क्या है। "प्रजननता" से आशय स्त्रियों द्वारा पैदा किये जाने वाले जीवित शिशुओं की वास्तविक संख्या है। प्रजननता की आधारभूत धारणा एक जनसंख्या की उपलब्धि का वह वास्तविक स्तर है जो वास्तव में होने वाले जीवित शिशु - जन्म की संख्या पर आधारित है। प्रजननता (Fertility) बहुप्रजना (Fecundity) से सर्वथा भिन्न है। बहु प्रजना (Fecundity) स्त्रियों के अधिकतम शिशु पैदा करने की भौतिक

*Population of India & Pakistan - Devis Kingsley

क्षमता को व्यक्त करती है । प्रजनन मूलतः तीन बातों पर निर्भर रहता है वे तीनों निम्नलिखित हैं :-

1. प्रजनन की शक्ति
2. प्रजनन के अवसर
3. प्रजनन सम्बन्धी निर्णय लेना

जो कारक प्रजनन पर प्रभाव डालते हुए दृष्टिगोचर होते हैं वे प्रजनन पर अपना प्रभाव इन तीन प्राथमिक कारकों को प्रभावित करके ही डालते हैं । या तो वे प्रजनन के अवसर प्रदान करते हैं जैसे विवाह की आयु तथा सबका विवाह होना अथवा वे प्रजनन का इरादा बनाने या न बनाने में मदद करते हैं जैसे शिक्षा का स्तर, सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था का असंतोषजनक होना और बच्चों में लड़कों को अधिक महत्व दिया जाना ।

महिलाओं की शिक्षा व प्रतिष्ठा जिस समाज में कम होती है उस समाज में परिवार का आकार भी बड़ा रह सकता है । ऐसे समाज में बहुधा महिलाओं को बच्चा पैदा करने की मशीन समझ लिया जाता है । समाज न उनके कल्याण की चिन्ता करता है और न उनके सुख की । न उसके स्वास्थ्य की और न ही उनके जीवन की । यदि समाज में महिलाएँ शिक्षित हो तो ऐसा समाज उनके ऊपर बहुत सारी प्रसूतियों का भार नहीं डाल सकता । यदि उनकी शिक्षा व प्रतिष्ठा होगी तो उनकी सुविधा उनके सुख उनके स्वास्थ्य और उनके जीवन का महत्व होगा और फिर उनको बहुत सारे बच्चे पैदा करने के लिए विवश नहीं किया जा सकता । इन्हीं विचारों एवं मानव कल्याण के अद्भुत प्रश्नों की उपयोगिता एवं अनिवार्यता को शोध प्रबंध अध्ययन में रखने का प्रयास किया गया है ।

अध्ययन का उद्देश्य

शोध अध्ययन का मूल उद्देश्य इलाहाबाद नगर की शिक्षक महिलाओं के प्रजननता सम्बन्धी विचारों एवं प्रजनन सम्बन्धी स्वयं के परिवार की स्थिति का अध्ययन है। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकती हैं। उनके ऊपर न केवल नयी पीढ़ी के निर्माणका दायित्व है, अपितु इनके साथ अपने घर परिवार के सुख एवं समृद्धि का प्रश्न भी जुड़ा हुआ है। शिक्षक महिलाएं जहां प्रजननता के प्रश्न पर आंशिक सहयोग प्रदान कर सकती हैं, वहां अपने गुरुत्तर दायित्व को निभाते हुए इस दिशा में पूर्ण सहयोग प्रदान कर सकती हैं, क्योंकि आज प्रारम्भिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक पाठ्यक्रम में जनसंख्या शिक्षा में समावेश किया जा चुका है। शिक्षा अपने जन्म विकास एवं प्रगति के सभी सोपान परिवार में ही चढ़ने का प्रयास करता है, और ममतामयी माँ के रूप में नारी परिवार का केन्द्र बिन्दु है।

× प्रधान का विचार था कि जो महिलाएं सामाजिक और बौद्धिक कार्यों में लगी रहती हैं, उनमें मातृत्व की इच्छा भी उतनी प्रबल नहीं रह जाती कून्ज के अनुसार महिलाओं की अधिक शिक्षा व प्रतिष्ठा के साथ-साथ परिवार का आकार घटता है। जो महिलाएं नौकरी करती हैं उनके परिवार निश्चय ही उन महिलाओं से छोटे होते हैं, जो नौकरी नहीं करती। फैल्प्स, हैन्डरसन स्वींगलर, कोल, हूबर तथा कून्ज इसी विचार के समर्थक हैं। मत यह है कि जो स्त्री घर में काम करती हैं उसके लिए बच्चे पैदा करना और पालना घर के काम के सम्बन्ध में कठिनाई पैदा नहीं करता। किन्तु उन स्त्रियों के लिए जो घर के बाहर काम करती हैं, अधिक बच्चे पैदा करना और पालना असुविधाजनक हो जाते हैं।^x

अध्ययन का उद्देश्य

शोध अध्ययन का मूल उद्देश्य इलाहाबाद नगर की शिक्षक महिलाओं के प्रजननता सम्बन्धी विचारों एवं प्रजनन सम्बन्धी स्वयं के परिवार की स्थिति का अध्ययन है। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकती हैं। उनके अपर न केवल नयी पीढ़ी के निर्माणका दायित्व है, अपितु इनके साथ अपने घर परिवार के सुख एवं समृद्धि का प्रश्न भी जुड़ा हुआ है। शिक्षक महिलाएं जहां प्रजननता के प्रश्न पर आंशिक सहयोग प्रदान कर सकती हैं, वहां अपने गुरुत्तर दायित्व को निभाते हुए इस दिशा में पूर्ण सहयोग प्रदान कर सकती हैं, क्योंकि आज प्रारम्भिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक पाठ्यक्रम में जनसंख्या शिक्षा में समावेश किया जा चुका है। शिक्षा अपने जन्म विकास एवं प्रगति के सभी सोपान परिवार में ही चढ़ने का प्रयास करता है, और ममतामयी माँ के रूप में नारी परिवार का केन्द्र बिन्दु है।

* प्रोधान का विचार था कि जो महिलाएं सामाजिक और बौद्धिक कार्यों में लगी रहती हैं, उनमें मातृत्व की इच्छा भी उतनी प्रबल नहीं रह जाती। कून्ज के अनुसार महिलाओं की अधिक शिक्षा व प्रतिष्ठा के साथ-साथ परिवार का आकार घटता है। जो महिलाएं नौकरी करती हैं उनके परिवार निश्चय ही उन महिलाओं से छोटे होते हैं, जो नौकरी नहीं करती। फैल्पस, हैन्डरसन, स्वेंगलर, कोल, हूबर तथा कून्ज इसी विचार के समर्थक हैं। मत यह है कि जो स्त्री घर में काम करती हैं उसके लिए बच्चे पैदा करना और पालना घर के काम के सम्बन्ध में कठिनाई पैदा नहीं करता। किन्तु उन स्त्रियों के लिए जो घर के बाहर काम करती हैं, अधिक बच्चे पैदा करना और पालना असुविधाजनक हो जाता है।*

शिक्षक महिलारं छोटे एवं सुखी परिवार की संकल्पना का मूर्ति रूप देते हुए बालक एवं बालिकाओं के व्यक्तित्व सर्वांगीण विकास में अपना सार्थक सहयोग प्रदान करेगी । निर्विवाद रूप से इस सत्य को सिद्ध करने हेतु ही मैंने अपनी शोध विषय का शीर्षक " शिक्षक महिलारं और प्रजननता " चुना है ।

अध्याय - 2

क्षेत्र एवं शोध - विधि

(PREMISES AND METHODOLOGY)

शोध क्षेत्र

प्रस्तुत शोध " शिक्षक महिलायें और प्रजननता " का अध्ययन है।

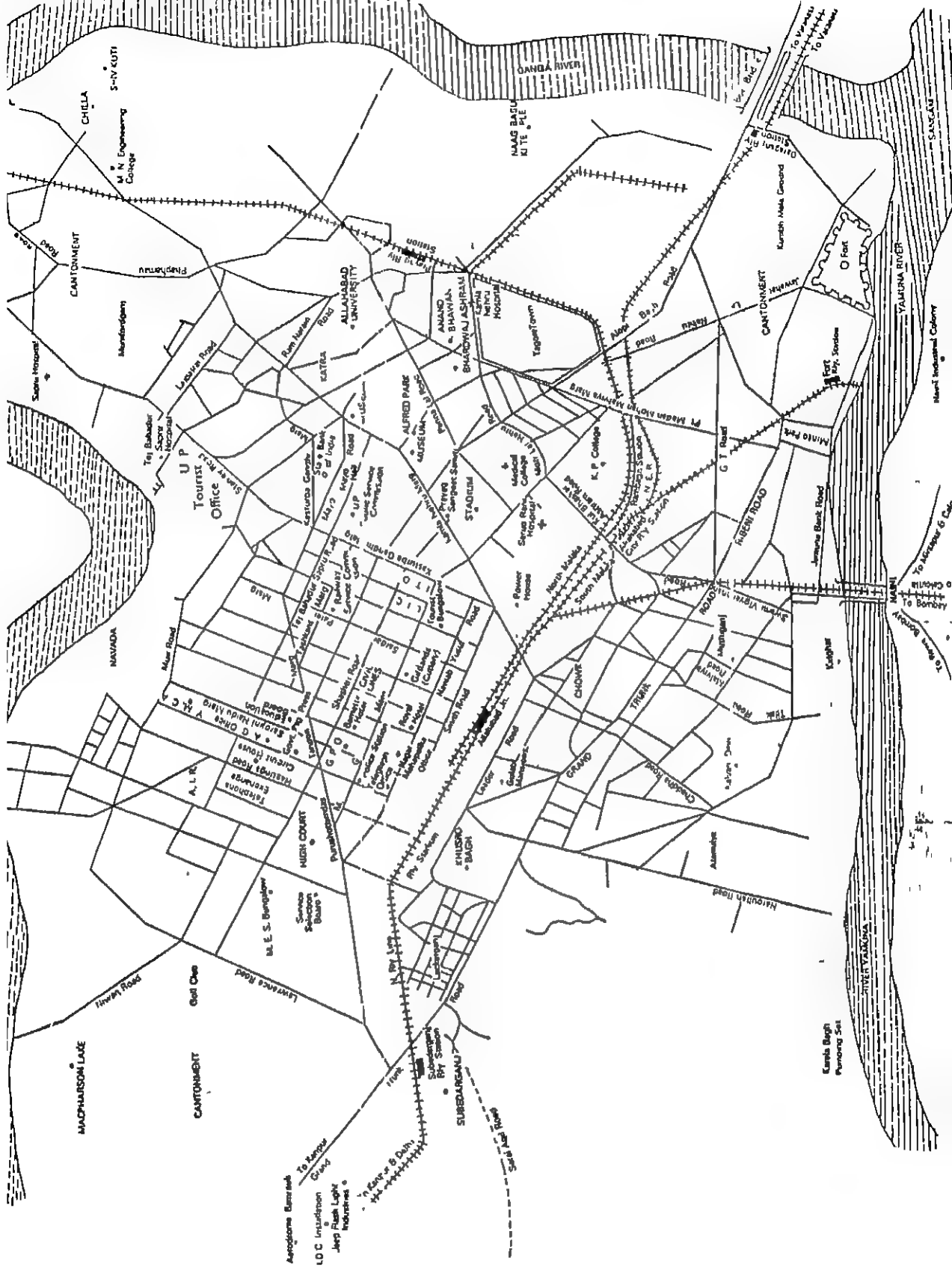
इलाहाबाद नगर के संदर्भ में होने के कारण मनुष्य के प्रजननता - व्यवहार एवं मानवीय निर्णय के साथ शोध उपोदयता की अभिव्यक्ति है ।

इलाहाबाद जिले का मुख्यालय एवं सबसे बड़ा नगर है। यह गंगा यमुना के संगम पर बसा है। इसे तीर्थराज प्रयाग भी कहते हैं । प्राचीन काल में यहाँ गंगा यमुना और सरस्वती नदियाँ मिलती थी । इन तीन नदियों के मिलने के कारण ही इसका संगम स्थल " त्रिवेणी " कहलाता है । सरस्वती नदी अब लुप्त हो चुकी है गंगा यमुना नदी के संगम एवं अदृश्य सरस्वती के आंचल में प्रकृति द्वारा बसाया गया यह नगर $25^{\circ}22'$ एवं $25^{\circ}30'$ उत्तरी आक्षांस तथा $81^{\circ}45'$ एवं $81^{\circ}55'$ पूर्वी देशान्तर रेखा पर स्थित है । 7261 वर्ग किमी के विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ यह नगर आकार की दृष्टि से प्रदेश में नवें स्थान पर है । सामान्यतः जलवायु जाड़े में अधिक ठंड एवं गर्मी में अधिक गर्मी पड़ती है । नगर की सामान्य वर्षा 976 मिली तथा उच्चतम तापमान 46.7 सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 5.2 सेन्टीग्रेट * अंकित की गयी है।

नगर की यातायात एवं परिवहन संचार व्यवस्था उन्नतशील है ।

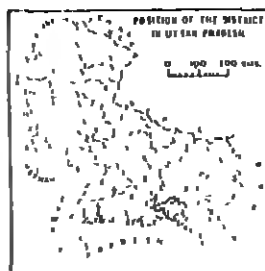
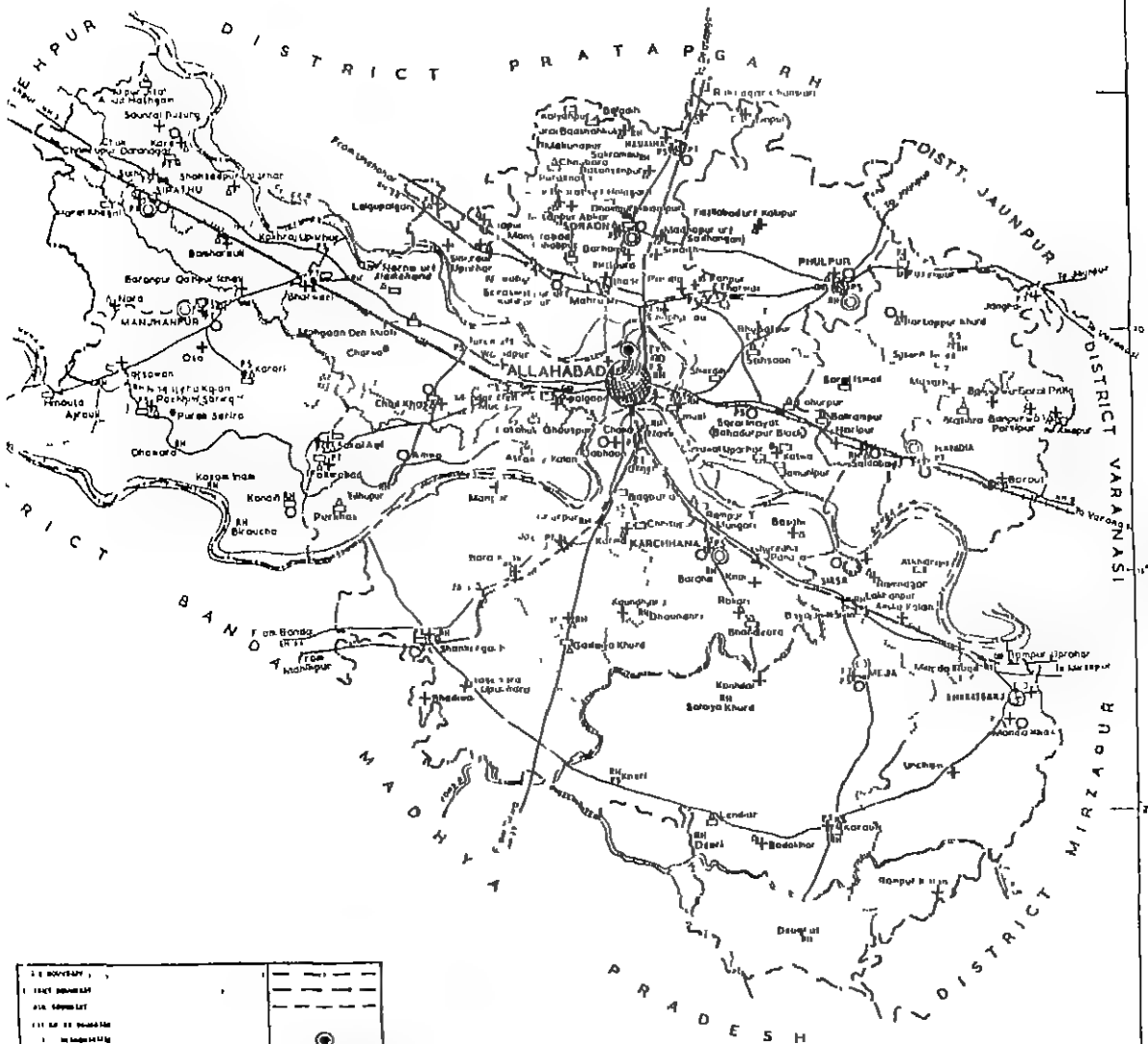
इलाहाबाद उत्तर मध्य एवं पूर्वोत्तर रेलवे का महत्वपूर्ण जंक्शन है । उत्तर की ओर फैजाबाद, उत्तर पूर्व की ओर जौनपुर बाराणसी, पूर्व की ओर हावड़ा, पश्चिम की ओर दिल्ली एवं उत्तर पश्चिम की ओर रायबरेली, लखनऊ भारतीय रेल इलाहाबाद को जोड़ती है । मध्य रेलवे इलाहाबाद को बम्बई से एवं पूर्वोत्तर

* सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद इलाहाबाद , 1984, राज्य नियोजन संस्थान अर्थ एवं संख्या प्रभाग , 30 पृ०



DISTRICT ALLAHABAD

Scale: 0 10 20 30 Miles



Name of the Tahsil	Area in Sq. Miles	Population	No. of Villages	No. of Towns
ALLAHABAD	805.2	218,730	275	—
BANAR	709.3	226,063	316	—
PRAYAG	800.2	199,152	368	1
SARAI	661.8	131,938	438	1
PHULPUR	749.6	230,317	564	1
HANUA	321.3	350,878	632	—
PARSHMANA	619.6	358,718	671	—
NO. 12	1,506.5	9,77,751	679	2
TOTAL	5,418.5	24,62,22	5,866	2

1. DISTRICT	—
2. TAHSIL	—
3. VILLAGE	—
4. RAILWAY	—
5. CANAL	—
6. ROAD	—
7. BRIDGE	—
8. TEMPLE	—
9. MUSEUM	—
10. PARK	—
11. GARDEN	—
12. LAKE	—
13. FORT	—
14. CASTLE	—
15. PALACE	—
16. MONASTERY	—
17. CHURCH	—
18. MOSQUE	—
19. TEMPLE	—
20. MUSEUM	—
21. PARK	—
22. GARDEN	—
23. LAKE	—
24. FORT	—
25. CASTLE	—
26. PALACE	—
27. MONASTERY	—
28. CHURCH	—
29. MOSQUE	—
30. TEMPLE	—

रेलवे , इलाहाबाद के रामबाग रेलवे स्टेशन को धाराणासी से जोड़ती है। भारत के वायु मानचित्र में इलाहाबाद भी अंकित है, जिसका बमरौली हवाई अड्डा सैनिक एवं असैनिक दोनों दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है । नगर के दर्शनीय स्थल जिसमें स्लफ्रेड पार्क , जवाहर प्लेनेटेरियम, भारद्वाज आश्रम , नरायण आश्रम , बड़े हनुमान जी का मंदिर , नागबासुकी का मंदिर , अलोपी देवी का मंदिर, किला, खुसबूबाग, आन्नद भवन, नेहरु बाल भवन, हाईकोर्ट देखने योग्य है ।

शैक्षिक जगत में इलाहाबाद का अपना विशिष्ट स्थान रहा है । साहित्य संगीत एवं कला के क्षेत्र में अग्रणी यह नगर क्रान्ति का प्रतीक माना जाता है । नगर की साक्षरता में भी वृद्धि हुई है। नगर की गौरवमयी परम्परा को स्थापित किये हुए यह नगर विभिन्न शैक्षिक एवं शोध अनुसन्धानों से युक्त है , जहाँ एक विश्वविद्यालय , 13 महाविद्यालय , 1 इंजीनियरिंग कालेज , 1 मेडिकल कालेज , 1 पॉलीटेक्नीक , 1 एग्रीकल्चरल इंस्टीट्यूट , 53 हाईस्कूल एवं इंटरमीडियेट कालेज जिसमें 24 बालिकाओं के एवं बड़ी संख्या में विभिन्न शैक्षिक स्तर के विद्यालय हैं *

राष्ट्रभाषा हिन्दी का प्रचार करने में संलग्न हिन्दी साहित्य सम्मेलन भी अपना अमूल्य योगदान दे रहा है । विद्वानों , कवियों, तथा साहित्यकारों की अटूट परम्परा नगर के गौरव में वृद्धि करती रही है । नगर क्षेत्र में कुमारिल भट्ट तथा शंकराचार्य की वाणी ने अपना प्रभाव दिखाया और सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला" , सुमित्रा नन्दन पन्त तथा महादेवी वर्मा जैसे सरस्वती के अमर गायकों की त्रिवेणी का भी स्थल बनाया ।

इलाहाबाद नगर का राजनैतिक महत्त्व भी कम नहीं है, प्रियदर्शि सम्राट अशोक ने कौशाम्बी में ही अपना शिलालेख खुदवाया था, बाद में इसे वहाँ से लाकर इलाहाबाद के किले में स्थापित किया गया । किले का निर्माण अकबर

* सांख्यिकीय पत्रिका , जनपद इलाहाबाद, 1984 राज्य नियोजन संस्थान

ने करवाया था । इस किले में स्थित अक्षयवट, अशोक स्तम्भ आदि प्राचीनता का बोध कराते हैं । नगर का ऐतिहासिक स्थल सुसम्बन्धित है । यह नगर देश के स्वतन्त्रता संघर्ष का महत्वपूर्ण स्थल रहा है । पं० मोती लाल नेहरू , महामना मदनमोहन मालवीय , राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन , पं० जवाहर लाल नेहरू तथा अन्य स्वतन्त्रता सेनानियो ने नगर को केन्द्र बनाकर स्वतन्त्रता आन्दोलन का संचालन किया । देश को पं० जवाहर लाल नेहरू , श्री लाल बहादुर शास्त्री और इन्दिरा गाँधी के रूप में प्रधानमंत्री देने वाला इलाहाबाद नगर ही है ।

शोध विधि

शोध विषय शिक्षक महिलायें और प्रजननता को इलाहाबाद नगर के संदर्भ में अध्ययन किया जायेगा । इलाहाबाद नगर के विभिन्न शैक्षिक स्तरीय विद्यालयों , माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की महिला अध्यापिकाओं की प्रजननता व्यवहार का अनुभवगम्य अध्ययन होगा । अनुभवगम्य अध्ययन में महत्वपूर्ण रूप से वैचारिक अध्ययन एवं परिकल्पनाओं का वास्तविक सर्वेक्षण धरातल पर अध्ययन महत्वपूर्ण है । वैचारिक अध्ययन में अध्ययन हेतु पुस्तकालय कार्य, विभिन्न विद्वानों चिन्तकों एवं अर्थशास्त्रियों के विचारों का अध्ययन होगा जो निश्चित रूप से शोध परिकल्पनाओं को दिशा निर्देशित करते हुए प्रत्यक्षतः सर्वेक्षण विधि द्वारा वास्तविकता परीक्षण हेतु प्रेरित करेंगे ।

शोध सम्बन्धी तथ्यों की खोज के लिए अनुसंधान की विभिन्न पद्धतियों में से प्रश्नावली पद्धति का चुनाव किया ।

प्रश्नावली पद्धति में विशेष प्रयोजन से निर्मित प्रश्नों की एक व्यवस्थित तालिका होती है , जिसके द्वारा विषय वस्तु से सम्बन्धित सूचनाएं प्राप्त करने में सहायता प्राप्त होती है । इस आधार पर यह कह सकते हैं , प्रश्नावली तथ्यों को एकत्रित करने का उचित माध्यम है ।

शोध अध्ययन में संरचित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है । जिसमें

अनुसंधान से पूर्व ही प्रश्नावली का निर्माण किया और कुछ प्रश्नावलियों पायलेट सर्वे के द्वारा भरवाई गयी उनकी भरी हुयी प्रश्नावली द्वारा प्राप्त उत्तरों के सत्य प्रमाणित होने पर उसी प्रकार 855 प्रश्नावली विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के मान्यता प्राप्त विद्यालयों से भरवाई गयी । प्रयोग की गयी प्रश्नावली मिश्रित प्रश्नावली है जो कि प्रतिबन्धित प्रश्नावली जिसमें प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके संभावित उत्तर दिए रहते हैं उत्तरदाता इसी में से अपने उत्तर का चुनाव करता है , जिसके परिणाम स्वरूप प्राप्त सामग्री के वर्गीकरण में सुविधा रहती है , और वर्गों का विभाजन भी पूर्व निश्चित रहता है । अप्रतिबन्धित प्रश्नावली के अन्तर्गत शीर्षक सम्बन्धी विचारों आदि को उत्तरदाता स्वतन्त्र रूप से व्यक्त कर सकता है । अतः मिश्रित प्रश्नावली सर्वेक्षण द्वारा अधिक सत्य तथ्यों की प्राप्ति हुयी ।

प्रश्नावली निर्माण तथा उसके प्रयोग के पश्चात् सैम्पल का चुनाव किया गया जिसमें मान्यता प्राप्त विद्यालयों की सूची प्राप्त की गयी , इसके बाद प्रत्येक विद्यालय की पंजिका में वर्णानुसार रैन्डम सैम्पल पद्धति की लाटरी विधि द्वारा सैम्पल का चुनाव किया गया । रैन्डम पद्धति के अन्तर्गत चुनाव करने वाला स्वेच्छा से किसी इकाई का चुनाव कर सकता संयोग तथा अवसर से जो इकाई निर्देशन में स्थान प्राप्त करती है, उसी का अध्ययन किया जाता है प्रस्तुत अनुसंधान में 20% का सैम्पल लिया गया । लाटरी विधि द्वारा वर्णानुसार लिखी गयी समग्र की सभी इकाईयों को छोटे -2 कागज पर लिख कर उनकी गोलियों बना ली गयी फिर प्रत्येक में से प्रतिदर्श की इकाई 20% के अनुसार कागज की उतनी गोलियों को निकाल लिया।

प्रतिदर्श चुनाव के बाद सारणीयन किया जिसमे वर्गीकरण के माध्यम से बिखरी हुयी संकलित सामग्री को एक व्यवस्थित रूप दिया गया । इस प्रकार सारणीयन के द्वारा शोध सामग्री को व्यवस्थित करने के पश्चात् उसकी व्याख्या की और अन्त में की गयी व्याख्या के आधार पर शोध के निष्कर्ष निकाले । शिक्षक महिलाओं के प्रजननता व्यवहार के साथ - साथ एक तुलनात्मक अध्ययन हेतु नगर

की कार्यालयी महिलाओं एवं घरेलू महिलाओं का भी अध्ययन होगा जो शिक्षक महिलाओं के प्रजननता व्यवहार में वास्तविक एवं अपेक्षित परिवर्तन का सूचक होगा ।

अध्याय - 3

" परिकल्पना "

(HYPOTHESIS)

परिकल्पना

शोध समस्या , शिक्षक महिलायें और प्रजननता को इलाहाबाद नगर के संदर्भ में अध्ययन किया जायेगा । इसके लिए द्वितीयक आँकड़ों के साथ -2 प्राथमिक समंको के द्वारा अध्ययन धरातल निर्मित होगा । परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु सर्वेक्षण विधि में अनुसूची - प्रश्नावली पत्रक का आश्रय लेना पड़ेगा । इसके लिए हम सर्वप्रथम एक Tentative प्रायोगिक पत्रक , विभिन्न पुस्तकों व शोध अनुसन्धान की सहायता से बनायेगे तत्पश्चात् कुछ शिक्षक महिलाओं से उन्हें पूरित करवायेगे , उसमें हम देखेंगे कि उन्हें आसानी व सफलतापूर्वक भरने में जो कमियाँ हमें दृष्टिगोचर होगी उनका सुधार करके प्रश्नावली पत्रक बनायेगे ।

परिकल्पना के निर्माण के लिए अर्थशास्त्रियों , समाजशास्त्रियों एवं वैज्ञानिकों के विचारों एवं स्वयं शोधकर्ता के चिन्तन मनन विभिन्न पुस्तकालयों, पाथलेट सर्वेक्षण के द्वारा परिकल्पना बनायी गयी है ।

विभिन्न पुस्तकालयों में विभागीय पुस्तकालय, अर्थशास्त्र विभाग , इलाहाबाद विश्वविद्यालय, केन्द्रीय पुस्तकालय, राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय जनसंख्या केन्द्र, लखनऊ से सम्बन्धित अध्ययन किया गया है । पुस्तकालय कार्य के साथ विभिन्न विद्वानों के सम्बन्धित कार्यों का अध्ययन किया गया है जिसमें महत्वपूर्ण रूप से जार्ज डब्लू . बर्कले, डेविड किंगले , कुमुदिनी डाडिकर, प्रो० एस० एन० अग्रवाल , एम०सी० श्रीवास्तव , डेविड एम० हीर, ग्रनार मिर्डल, विलियम पिटर्सन, माल्पस, चन्द्रशेखर और चन्द्रशेखरन , हैन्डरसन , कारसौर्न्डस आदि है ।

विभिन्न तीन चरणों की शोध प्रक्रिया से आगे बढ़ने पर परिकल्पनाओं का निर्माण हुआ, जिसका परीक्षण इलाहाबाद नगर में किया जायेगा । ये परिकल्पना इस प्रकार है --

1. शिक्षा के स्तर में वृद्धि होने के साथ प्रजननता घटती है । इस प्रकार शिक्षा तथा प्रजनन दर में प्रत्यक्ष सम्बन्ध है ।
2. शैक्षिक स्तर एवं विवाह की आयु में प्रत्यक्ष सम्बन्ध है, जिनके कारण प्रजननता प्रभावित रहती है ।
3. विवाह के समय आयु एवं प्रजननता में गुणात्मक एवं प्रत्यक्ष सम्बन्ध है ।
4. दहेज की वजह से विवाह की आयु बढ़ती है ।
5. रहन सहन का स्तर एवं प्रजननता में प्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है ।
6. व्यवसायिक संरचना प्रजननता को प्रभावित करती है ।
7. अधिकांशतः जनसंख्या के ग्रामीण होने से लोगों में अंधविश्वास, रुढ़िवादिता धर्मान्धता एवं भाग्यवाद की परम्परायें लोगों में व्याप्त है ।
8. विभिन्न धर्मों में प्रजननता के प्रति विभिन्न धारणायें पायी जाती है। हिन्दू धर्म में परिवार नियोजन भी सहमति तथा इस्लाम धर्म में असहमति पायी जाती है । स्वैच्छिक संस्थाएँ परिवार नियोजन के क्षेत्र में विशेष भूमिका निभा सकती है ।
9. शिक्षक महिलायें समाज में आदर्श वर्ग की श्रेणी में आती है ।
10. शिक्षक महिलाओं के विचारों का विद्यार्थियों, सहकर्मियों एवं अन्य सम्बन्धित लोगों पर प्रभाव पड़ता है ।
11. शिक्षक वर्ग का अत्याधिक समाजिक सम्पर्क होने के कारण जनसमुदाय पर एवं विशेषकर छात्र एवं छात्राओं एवं महिलाओं पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है ।
12. समाज में एवं विशेषकर शिक्षिकाओं में परिवार नियोजन के विचार से सहमत होने का कारण शिक्षा, अर्थिक, बच्चों का उचित पालन पोषण एवं महिलाओं का कल्याण है ।

13. जनसंख्या शिक्षा से परिवार नियोजन को प्रोत्साहन मिला है ।
14. शिक्षक वर्ग परिवार नियोजन को जन कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है
15. प्रजनन मूलर तीन बातों पर निर्भर होता है
 1. प्रजनन की शक्ति
 2. प्रजनन के अवसर
 3. प्रजनन सम्बन्धी निर्णय लेना
16. औद्योगिकरण एवं नगरीकरण प्रजननता को प्रभावित करती है
17. लड़कों को समाज में अधिक महत्व दिये जाने के कारण प्रजननता बढ़ती है।

13. जनसंख्या शिक्षा से परिवार नियोजन को प्रोत्साहन मिला है ।
14. शिक्षक वर्ग परिवार नियोजन को जन कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है
15. प्रजनन मूलर तीन बातों पर निर्भर होता है
 1. प्रजनन की शक्ति
 2. प्रजनन के अवसर
 3. प्रजनन सम्बन्धी निर्णय लेना
16. औद्योगिकरण एवं नगरीकरण प्रजननता को प्रभावित करती है
17. लड़कों को समाज में अधिक महत्व दिये जाने के कारण प्रजननता बढ़ती है।

अध्याय - 4

न्यादर्श - वितरण

(SAMPLE-DISTRIBUTION)

न्यादर्श - वितरण

हमने इस अध्ययन के लिए 20 X न्यादर्श लिया । इसके लिए शिक्षा निदेशक के कार्यालय से मान्यता प्राप्त विद्यालयों की सूची प्राप्त करके हमने न्यादर्श लिया । हमने विभिन्न चरों के अनुसार न्यादर्श का वितरण किया है ।

ये विभिन्न चर निम्न हैं :-

शैक्षिक स्तर

आयु वर्ग

धर्म

विवाह के समय आयु

कार्यकाल का विवरण

सारिणी संख्या 1.0

आयु वर्ग के अनुसार न्यादर्श का वितरण

आयु वर्ग	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
18 - 20	17	1.99
20 - 25	67	6.84
25 - 40	469	54.85
40 - 50	218	25.50
50 से अधिक	82	9.59
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 1.0 में आयु-वर्ग के अनुसार न्यादर्श का वितरण प्रदर्शित है। आयु वर्ग के अनुसार न्यादर्श के वितरण में शिक्षक महिलायें की आयु को पाँच वर्गों में विभक्त किया गया है। सम्पूर्ण न्यादर्श में शिक्षक महिलाओं की कुल संख्या 855 है, जिसमें 18-20 आयु वर्ग में 17 $\{1.99\}$, 20-25 आयु वर्ग में 67 $\{7.84\}$, 25-40 आयु वर्ग में 469 $\{54.85\}$, 40-50 आयु वर्ग में 218 $\{25.50\}$, एवं 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें की संख्या 82 $\{9.59\}$ हैं।

उपर्युक्त सारिणी से स्पष्ट है, कि 25-40 आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 469 $\{54.85\}$ रही तथा $\{18-20\}$ वर्ष की आयु में न्यूनतम रही।

सारणी संख्या 1.।

शैक्षिक स्तर के अनुसार न्यादर्श का वितरण

शैक्षिक स्तर	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
जूनियर हाई स्कूल	6	0.6
इण्टरमीडियेट	157	18.4
स्नातक	256	29.9
स्नातकोत्तर	421	49.2
डी०फिल० एवं अन्य	15	1.8
योग	855	100.0

सारणी संख्या 1.। में शैक्षिक स्तर के अनुसार न्यादर्श का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के वितरण में विभिन्न शैक्षिक स्तर को पाँच स्तरों जूनियर हाई स्कूल, इण्टरमीडियेट, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डी०फिल० स्तर में विभक्त किया गया है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें जूनियर हाई-स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाओं की संख्या 6, §0.6%§, इण्टरमीडियेट 157, §18.4%§, स्नातक 256, §29.9%§, स्नातकोत्तर 421, §49.2%§, एवं डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलाओं की संख्या 15, §1.8%§ है।

सारणी से स्पष्ट है, कि सर्वाधिक 421, §49.2%§ शिक्षक महिलायें स्नातकोत्तर हैं, लेकिन सर्वाधिक शिक्षित डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलायें की संख्या 15, §1.8%§ है। सर्वाधिक निम्न शैक्षिक स्तरीय मात्र 6 §0.6%§, जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शिक्षिकायें हैं।

सारिणी संख्या 1.2

शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु के अनुसार न्यादर्श का वितरण

विवाह की आयु १ वर्ष में	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
15 वर्ष से नीचे	31	3.62
15 - 18	148	17.31
18 - 21	141	16.49
21 - 25	227	26.55
25 - 30	119	13.92
30 वर्ष से अधिक	22	2.57
अविवाहित	167	19.53
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 1.2 में शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु के अनुसार न्यादर्श का विवरण प्रदर्शित है। 15 वर्ष से नीचे विवाह की आयु की शिक्षक महिलायें 31 [3.62%], 15-18 वर्ष की 148 [17.31%], 18-21 वर्ष की 141 [16.49%], 21-25 वर्ष की 227 [26.55%], 25-30 वर्ष की 119 [13.92%], 30 वर्ष से अधिक विवाह की आयु वाली शिक्षक महिलायें 22 [2.57%] तथा अविवाहित शिक्षक महिलायें 167 [19.53%] हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु 21-25 वर्ष तथा सबसे कम 30 वर्ष से अधिक है।

सारिणी संख्या 1.3

कार्य - काल के अनुसार न्यादर्श का वितरण

कार्य-काल का विवरण	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
0 - 5	195	22.8
5 - 10	119	13.98
10 - 15	200	23.39
15 - 20	171	20.00
20 वर्ष से अधिक	170	19.99

सारिणी संख्या 1.3 में कार्य-काल के अनुसार न्यादर्श का वितरण प्रदर्शित है। कार्य-काल के अनुसार न्यादर्श के वितरण में कार्य-काल को पाँच वर्ग अन्तरालों में विभाजित किया गया है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं। 0-5 वर्ष की कार्य-काल की अवधि में शिक्षक महिलाएँ की संख्या 195 [22.8%], 5-10 वर्ष की कार्य-काल की अवधि में 119 [13.98%], 10-15 वर्ष की अवधि में 200 [23.39%], 15-20 वर्ष की कार्य-काल की अवधि में 171 [20.00%], 20 वर्ष से अधिक कार्य-काल की अवधि में शिक्षक महिलाएँ की संख्या 170 [19.99%] है।

अतः 10-15 वर्ष की अवधि में शिक्षक महिलाएँ की संख्या सबसे अधिक 200 [23.39%] तत्पश्चात् 0-5 वर्ष की कार्य-काल की अवधि 195 [22.8%], 15-20 वर्ष की अवधि में 171, 20 वर्ष से अधिक कार्य-काल की अवधि में 170 तथा सबसे कम 5-10 वर्ष की अवधि में शिक्षक महिलाएँ की संख्या 119 [13.98%] है।

सारिणी संख्या 1.4

धर्म के अनुसार न्यादर्श का वितरण

धर्म	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हिन्दू	724	84.68
मुसलमान	68	7.96
ईसाई	37	4.32
सिक्ख	21	2.45
अन्य	5	0.59
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 1.4 में धर्म के अनुसार न्यादर्श का वितरण प्रदर्शित है। धर्म के अनुसार न्यादर्श के वितरण में धर्म को पाँच भागों, हिन्दू, मुसलमान, ईसाई, सिक्ख, एवं अन्य धर्म में विभाजित किया गया है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें से 724 [84.68%] हिन्दू, 68 [07.96%] मुसलमान, 37 [04.32%] ईसाई, 21 [02.45%] सिक्ख, 5 [0.59%] अन्य [जिसमें पिछड़ी जाति व नीची जाति] की शिक्षक महिलायें हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलायें हिन्दू 724 [84.68%] सत्प्रपात 68 [07.96%] शिक्षक महिलायें मुसलमान, 37 [04.32%] ईसाई, 21 [02.45%] सिक्ख न्यूनतम शिक्षक महिलायें 5 [0.59%] अन्य धर्म की हैं।

અધ્યાય - 5

ઉપસર્જિત

(FINDINGS)

- ૪૨૪ શિક્ષક મહિલાયે
- ૪૨૫ શિક્ષક મહિલાયે સ્વં પૂર્ણ પરિવાર
- ૪૨૬ શિક્ષક, કાર્યાલયી સ્વં ઘરેલુ મહિલાયે
- ૪૨૭ શિક્ષક, કાર્યાલયી સ્વં ઘરેલુ મહિલાયે - પૂર્ણ પરિવાર

सारिणी संख्या 1.5

शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विषय में सहमति तथा
असहमति

परिवार नियोजन के विषय में विचार	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
सहमत	846	98.95
असहमत	9	1.05
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 1.5 में शिक्षक महिलाओं की परिवार नियोजन के विषय में सहमति तथा असहमति का अध्ययन किया गया है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें 846 { 98.95% } शिक्षक महिलाएँ सहमत तथा मात्र 9 { 1.05% } असहमत हैं ।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि परिवार नियोजन के विचार से अधिकांश शिक्षक महिलाएँ सहमत तथा बहुत कम शिक्षक महिलाएँ असहमत हैं, इनके असहमत होने का कारण सम्भवतः उनका धर्म हो सकता है ।

सारिणी संख्या १.६

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति

वैचारिक सहमति	सहमत	असहमत	योग
आयु-वर्ग			
20-30	222॥25. 96॥ 100. 00	-	222॥25. 96॥ 100. 00
30-40	326॥38. 13॥ 99. 69	1॥0. 12॥ 0. 31	327॥38. 25॥ 100. 00
40-50	220॥25. 73॥ 98. 65	3॥0. 35॥ 1. 35	223॥26. 08॥ 100. 00
50-60	78॥9. 12॥ 93. 98	5॥0. 58॥ 6. 02	83॥9. 71॥ 100. 00
योग	846॥98. 95॥	9॥1. 05॥	855॥100%॥

सारिणी संख्या १.६ में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति प्रदर्शित है। 20-30 आयु वर्ग में शत प्रतिशत शिक्षक महिलायें सहमत, 30-40 आयु वर्ग में 99.7% सहमत, 40-50 में 97%, 50-60 में सबसे कम 94% सहमत है, असहमत होने वाली शिक्षक महिलायें मात्र 1% हैं जिसमें 65% 50-60 आयु वर्ग की हैं तथा 20-30 आयु वर्ग में कोई भी महिला असहमत नहीं है।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति

शिक्षा	सहमत	असहमत	योग
जूनियर हाई स्कूल	4१०.47१ 66.67	2१०.23१ 33.33	6१०.70१ 100.00
हाई स्कूल	48१5.61१ 94.12	3१०.35१ 5.88	51१5.96१ 100.00
इण्टर मीडिएट	104१12.16१ 98.11	2१०.23१ 1.89	106१12.39१ 100.00
स्नातक	255१29.82१ 99.61	1१०.12१ 0.39	256१29.94१ 100.00
स्नातकोत्तर	420१49.12१ 99.76	1१०.12१ 0.24	421१49.24१ 100.00
डी० फिल०	15१1.75१ 100.00	-	15१1.75१ 100.00
योग	846१98.95१	9१1.05१	855१100%

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा स्तर के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में उनकी सहमति एवं असहमति को देखने पर उपर्युक्त सारिणी से स्पष्ट होता है कि, 99% विभिन्न धर्मानुयायी शिक्षक महिलायें परिवार नियोजन के विचार से सहमत हैं। सारिणी से स्पष्ट है कि स्नातक स्तर से अधिक शिक्षितों में शत प्रतिशत एवं उससे नीचे क्रमशः सहमत स्तर गिरा है। असहमतों में शिक्षित महिलायें अधिक हैं। यद्यपि उनकी अधिकता की महत्ता अत्यधिक नहीं है फिर भी नगण्य नहीं कहा जा सकता।

सारिणी संख्या । ४

शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति

वैवाहिक स्थिति	वैचारिक सहमति		योग
	सहमत	असहमत	
विवाहित	667१78.01१ 99.26	5१0.58१ 0.74	672१78.57१ 100.00
अविवाहित	167१19.53१ 100.00	—	167१19.53१ 100.00
विधवा	9१1.05१ 66.67	3१0.35१ 25.00	12१1.40१ 100.00
परित्यक्ता	3१0.35१ 75.00	1१0.12१ 25.00	4१0.47१ 100.00
योग	846१98.95१	9१1.05१	855१100११

शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार नियोजन के विचार से उनकी सहमति एवं असहमति देखने पर समस्त 99% सहमत शिक्षक महिलाओं में अविवाहितों में शत प्रतिशत एवं विवाहितों में 99.26% सहमति देखी गयी। 12१1.40% विधवा में 3 एवं 4१0.47% परित्यक्ता में मात्र 1 शिक्षक महिला परिवार नियोजन के विचार से सहमत नहीं है। समस्त 9१1.05% असहमत शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 5१0.58% विवाहित है।

અધ્યાય - 5

ઉપસર્જિત

(FINDINGS)

- ૪અ૪ શિક્ષક મહિલાયે
- ૪બ૪ શિક્ષક મહિલાયે સ્વં પૂર્ણ પરિવાર
- ૪સ૪ શિક્ષક, કાર્યાલયી સ્વં ઘરેલુ મહિલાયે
- ૪દ૪ શિક્ષક, કાર્યાલયી સ્વં ઘરેલુ મહિલાયે - પૂર્ણ પરિવાર

सारिणी संख्या 2.0

शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से सहमत होने
के कारण

परिवार नियोजन के विचार से सहमत होने के कारण	शिक्षक महिलाओं के मत	प्रतिशत
आर्थिक कारणों से	502	26.66
बच्चों के अच्छे पालन पोषण के लिए	695	36.91
महिलाओं के सुखी जीवन के लिए	356	18.91
जनसंख्या बृद्धि को रोकने के लिए	330	17.52
योग	1883	100.00

सारिणी संख्या 2.0 में शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से सहमत होने के कारणों के सन्दर्भ में, विभिन्न मत प्रदर्शित है। शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से सहमत 1883 मत प्राप्त हुए हैं, जिसमें आर्थिक कारणों से 502 (26.66%), बच्चों के अच्छे पालन पोषण के विचार से 695 (36.91%), महिलाओं के सुखी जीवन के विचार से 356 (18.91%) तथा जनसंख्या बृद्धि को रोकने के विचार से 330 (17.52%) मत प्राप्त हुए हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि शिक्षक महिलाओं की परिवार नियोजन के विचार से सहमति सबसे अधिक, बच्चों के उचित पालन पोषण के विचार से है, इसके पश्चात् आर्थिक कारणों से महिलाओं के सुखी जीवन के विचार से तथा जनसंख्या बृद्धि को रोकने के विचार से हैं।

सारिणी संख्या 2.1

शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से असहमत होने
के कारण

परिवार नियोजन के विचार से असहमत होने के कारण	शिक्षक महिलाओं के मत	प्रतिशत
यह धर्म के विरुद्ध है	11	57.89
यह महिलाओं के लिए हानिकारक है	5	26.32
कोई सन्तोषजनक सुरक्षात्मक विधि उपलब्ध नहीं है	3	15.79
अन्त में संयमित जीवन न बिताने के कारण सामाजिक आदर्शों में पतन हो जाएगा	—	—
योग	19	100.00

सारिणी संख्या 2.1 में शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से असहमत होने के कारणों के सन्दर्भ में, विभिन्न मत प्रदर्शित हैं। शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से असहमत 19 मत प्राप्त हुए हैं, जिसमें 11 (57.89%) शिक्षक महिलाओं के विचार से परिवार नियोजन धर्म के विरुद्ध है, तथा 5 (26.32%) शिक्षक महिलाओं के विचार से यह महिलाओं के लिए हानिकारक है, तथा 3 (15.79%) के विचार से, कोई सन्तोषजनक सुरक्षात्मक विधि उपलब्ध नहीं है तथा अन्त में संयमित जीवन न बिताने के कारण सामाजिक आदर्शों में पतन हो जाएगा, इस विचार से कोई भी मत प्राप्त नहीं हुआ।

अतः निष्कर्षात्मक रूप से हम कह सकते हैं, कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं की परिवार नियोजन के विचार से असहमति का कारण, परिवार नियोजन को धर्म

के विरुद्ध मानना है, इसमें अधिकांश मत मुस्लिम शिक्षक महिलाओं के है, इसके पश्चात् असहमत होने का कारण, शिक्षक महिलायें, इसे महिलाओं के लिए हानिकारक समझती है, अन्त में कुछ शिक्षक महिलाओं के अनुसार, कोई सन्तोषजनक सुरक्षात्मक विधि उपलब्ध नहीं है। ऐसा उनके परिवार नियोजन के सन्दर्भ में उचित ज्ञान की कमी हो सकती है ।

सारिणी संख्या १.६

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति

वैचारिक सहमति	सहमत	असहमत	योग
आयु-वर्ग			
20-30	222॥25. 96॥ 100. 00	-	222॥25. 96॥ 100. 00
30-40	326॥38. 13॥ 99. 69	1॥0. 12॥ 0. 31	327॥38. 25॥ 100. 00
40-50	220॥25. 73॥ 98. 65	3॥0. 35॥ 1. 35	223॥26. 08॥ 100. 00
50-60	78॥9. 12॥ 93. 98	5॥0. 58॥ 6. 02	83॥9. 71॥ 100. 00
योग	846॥98. 95॥	9॥1. 05॥	855॥100%॥

सारिणी संख्या १.६ में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति प्रदर्शित है। 20-30 आयु वर्ग में शत प्रतिशत शिक्षक महिलायें सहमत, 30-40 आयु वर्ग में 99.7% सहमत, 40-50 में 97%, 50-60 में सबसे कम 94% सहमत है, असहमत होने वाली शिक्षक महिलायें मात्र 1% हैं जिसमें 65% 50-60 आयु वर्ग की हैं तथा 20-30 आयु वर्ग में कोई भी महिला असहमत नहीं है।

सारिणी संख्या 2.8

शिक्षक महिलाओं के अनुसार जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश

जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हां	820	95.91
नहीं	35	4.09
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 2.3 शिक्षक महिलाओं की जनसंख्या शिक्षा की पाठ्यक्रम में समावेश की स्वीकृति व अस्वीकृति प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें 820 {95.91%} शिक्षक महिलाओं के विचार से जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश होना चाहिए तथा 35 {4.09%} शिक्षक महिलाओं के विचार से जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश नहीं होना चाहिए।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं के विचार से जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश होना चाहिए तथा बहुत कम शिक्षक महिलाओं के विचार से जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश नहीं होना चाहिए।

सारिणी संख्या 2.4

**शिक्षक महिलाओं के अनुसार विद्यार्थियों की जनसंख्या शिक्षा
प्रदान करने के विभिन्न शैक्षिक स्तर**

जनसंख्या शिक्षा देने का शैक्षिक स्तर	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
1. प्राइमरी	21	2.46
2. जूनियर हाई-स्कूल	135	15.79
3. हाई-स्कूल	478	55.91
4. विश्वविद्यालय	221	25.85
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 2.4 में शिक्षक महिलाओं के अनुसार विद्यार्थियों की जनसंख्या शिक्षा प्रदान करने के विभिन्न शैक्षिक स्तर का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 21 (2.46%) शिक्षक महिलाओं के अनुसार विद्यार्थियों की जनसंख्या शिक्षा प्राइमरी से मिलनी चाहिए, तथा 135 (15.79%) शिक्षक महिलाओं के अनुसार जूनियर हाई-स्कूल से, 478 (55.91%) शिक्षक महिलाओं के अनुसार हाई स्कूल स्तर से तथा 221 (25.85%) शिक्षक महिलाओं के अनुसार विश्व विद्यालय स्तर से मिलनी चाहिए।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं के विचार से जनसंख्या शिक्षा हाई-स्कूल स्तर से मिलनी चाहिए तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके विचार से जनसंख्या शिक्षा, प्राइमरी स्तर से मिलनी चाहिए, उनकी संख्या सबसे कम है।

सारिणी संख्या 1.2

शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु के अनुसार न्यादर्श का वितरण

विवाह की आयु १ वर्ष में	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
15 वर्ष से नीचे	31	3.62
15 - 18	148	17.31
18 - 21	141	16.49
21 - 25	227	26.55
25 - 30	119	13.92
30 वर्ष से अधिक	22	2.57
अविवाहित	167	19.53
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 1.2 में शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु के अनुसार न्यादर्श का विवरण प्रदर्शित है। 15 वर्ष से नीचे विवाह की आयु की शिक्षक महिलायें 31 [3.62%], 15-18 वर्ष की 148 [17.31%], 18-21 वर्ष की 141 [16.49%], 21-25 वर्ष की 227 [26.55%], 25-30 वर्ष की 119 [13.92%], 30 वर्ष से अधिक विवाह की आयु वाली शिक्षक महिलायें 22 [2.57%] तथा अविवाहित शिक्षक महिलायें 167 [19.53%] हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु 21-25 वर्ष तथा सबसे कम 30 वर्ष से अधिक है।

सारिणी संख्या 2.6

शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया हुआ परामर्श

परामर्श दिया है	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	662	77.43
नहीं	193	22.57
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 2.6 में शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है, न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें 662 (77.43%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है, तथा 193 (22.57%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श नहीं दिया है।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है, तथा परामर्श न देने वाली शिक्षक महिलाएँ बहुत कम हैं। शिक्षक महिलाओं का परामर्श अधिक देने का कारण उनकी बौद्धिक जागरूकता, व अधिक सामाजिक सम्पर्क हो सकता है।

सारणी संख्या 2.7

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया गया परामर्श

आयु	परामर्श छात्रों की संख्या है	परामर्श नहीं दिया है छात्रों की संख्या है	योग
20-30	170१19.88१ 76.58	52१6.08१ 23.42	222१25.96१ 100.00
30-40	242१28.30१ 74.01	85१9.99१ 25.99	327१38.25१ 100.00
40-50	198१23.16१ 88.79	25१2.92१ 11.21	223१26.08१ 100.00
50-60	52१6.08१ 62.65	31१3.63१ 37.34	83१9.71१ 100.00
योग	662१77.43१	193१22.57१	855१100११

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के

बारे में छात्रों को परामर्श--

सारिणी संख्या 2.7. में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें से अधिकतर 662 (77.43%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है तथा कम 193 (22.57%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ (30-40) आयु वर्ग की 327 (38.25%) तत्पश्चात् (40-50) तथा (20-30) आयु की भी लगभग घराबर 223 (26.08%) तथा 222 (25.96%) तथा (50-60) आयु वर्ग की निम्नतम 83 (9.71%) है, इनमें से अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है।

सारिणी संख्या १.६

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति

वैचारिक सहमति	सहमत	असहमत	योग
आयु-वर्ग			
20-30	222॥25. 96॥ 100. 00	-	222॥25. 96॥ 100. 00
30-40	326॥38. 13॥ 99. 69	1॥0. 12॥ 0. 31	327॥38. 25॥ 100. 00
40-50	220॥25. 73॥ 98. 65	3॥0. 35॥ 1. 35	223॥26. 08॥ 100. 00
50-60	78॥9. 12॥ 93. 98	5॥0. 58॥ 6. 02	83॥9. 71॥ 100. 00
योग	846॥98. 95॥	9॥1. 05॥	855॥100%॥

सारिणी संख्या १.६ में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति प्रदर्शित है। 20-30 आयु वर्ग में शत प्रतिशत शिक्षक महिलायें सहमत, 30-40 आयु वर्ग में 99.7% सहमत, 40-50 में 97%, 50-60 में सबसे कम 94% सहमत है, असहमत होने वाली शिक्षक महिलायें मात्र 1% हैं जिसमें 65% 50-60 आयु वर्ग की हैं तथा 20-30 आयु वर्ग में कोई भी महिला असहमत नहीं है।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श-

सारिणी संख्या 2.8 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श के 855 शिक्षक महिलाओं में, 662 (77.43%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है, तथा 193 (22.57%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

न्यादर्श के समस्त शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है- जूनियर हाई स्कूल 6 (0.70%), हाईस्कूल 51 (5.96%), इण्टरमीडिएट 106 (12.39%), स्नातक 256 (29.94%), स्नातकोत्तर 421 (49.24%), डी०फिल० स्तरीय 15 (1.75%) शिक्षिकाएँ हैं। सबसे अधिक शिक्षक महिलाएँ स्नातकोत्तर हैं, तथा सबसे कम जूनियर हाई स्कूल स्तरीय हैं। सबसे अधिक शिक्षित डी०फिल० शिक्षक महिलाएँ 15 (1.75%) हैं। जूनियर हाई-स्कूल शिक्षक महिलाओं में मात्र 33.33% ने परामर्श दिया है, तथा 66.67% ने परामर्श नहीं दिया है। हाई-स्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर, डी०फिल० सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं में अधिकांश ने परामर्श दिया है, तथा इनका परामर्श देने का प्रतिशत शिक्षा के स्तर के साथ-साथ बढ़ा है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर 77.43% शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है।

सारिणी संख्या 2.9

शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे
में सम्बन्धी और मित्रों को दिया हुआ परामर्श

परामर्श दिया है	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	521	60.94
नहीं	334	39.06
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 2.9 में शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी एवं मित्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 521 $\{60.94\}$ शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श दिया है, तथा 334 $\{39.06\}$ शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी एवं मित्रों को परामर्श दिया है, तथा परामर्श न देने वाली शिक्षक महिलाएँ कम हैं।

सारणी संख्या 3.0

शिक्षित महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों का दिया हुआ परामर्श

परामर्श आयु वर्ग	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	112१ 13.09१ 50.45	110१ 12.87१ 49.55	222१ 25.96१ 100.00
30-40	218१ 25.49१ 66.67	109१ 12.75१ 33.33	327१ 38.25१ 100.00
40-50	152१ 17.78१ 68.16	71१ 8.30१ 31.84	223१ 26.08१ 100.00
50-60	39१ 4.56१ 46.99	44१ 5.73१ 53.01	83१ 9.71१ 100.00
योग	521१ 60.94१	334१ 39.06१	85१ 100.००१

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श-

सारिणी संख्या 3.9 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएं हैं जिसमें अधिक 521 (६0.94%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श दिया है, तथा 334 (39.06%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएं (30-40) वर्ष आयु वर्ग की हैं तत्पश्चात् (40-50), आयु वर्ग की 223 (26.08%), 20-30 आयु वर्ग की 222 (25.96%), तथा न्यूनतम (50-60) आयु वर्ग की 83 (9.71%), शिक्षक महिलाएं हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने सम्बन्धी व मित्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में परामर्श दिया है।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को दिया हुआ परामर्श

शिक्षा	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
जूनियर हाई-स्कूल	4१0.47१ 66.67	2१0.23१ 33.33	6१0.70१ 100.00
हाई-स्कूल	35१4.09१ 68.63	16१1.87१ 31.37	51१5.96१ 100.00
इण्टरमीडिएट	66१7.72१ 62.26	40१4.68१ 37.74	106१12.39१ 100.00
स्नातक	141१16.49१ 55.08	115१13.45१ 44.92	256१29.94१ 100.00
स्नातकोत्तर	265१30.99१ 62.95	156१18.24१ 37.05	421१49.24१ 100.00
डीग्रीफ़्लो	10१1.17१ 66.67	5१0.58१ 33.33	15१1.75१ 100.00
योग	521१60.94१	334१39.06१	855१100.११

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसारपरिवार नियोजन की वांछनीयता के

बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श-

सारिणी संख्या 3.1. में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 52।

॥60.94%॥ शिक्षक महिलाओं ने सम्बन्धी और मित्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में परामर्श दिया है, तथा 334॥39.06%॥ शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

न्यादर्श के समस्त 855 शिक्षक महिलाओं में 6॥0.70%॥ जूनियर हाई स्कूल, 51॥5.96%॥ हाई स्कूल, 106॥12.39%॥ इण्टरमीडिएट 256 ॥29.94%॥ स्नातक, 421॥49.24%॥, स्नातकोत्तर, 15॥1.75%॥, डी०एफ़ स्तरीय शिक्षक महिलाएँ हैं जिसमें सभी शैक्षिक स्तरों की अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श दिया है।

सारिणी संख्या 3.2

शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे
में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श

परामर्श दिया है	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	561	65.61
नहीं	294	34.39
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 3.2 में शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 561 (65.61%) शिक्षक महिलाओं ने जनसमुदाय को परामर्श दिया है, तथा 294 (34.39%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि, अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है तथा परामर्श न देने वाली शिक्षक महिलाएँ कम हैं।

शिक्षित महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय का परामर्श

परामर्श आयु वर्ग	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	129 ₹ 15.09 ₹ 58.11	93 ₹ 10.88 ₹ 41.89	222 ₹ 25.96 ₹ 100.00
30-40	226 ₹ 26.43 ₹ 69.11	101 ₹ 11.81 ₹ 30.89	327 ₹ 38.25 ₹ 100.00
40-50	162 ₹ 18.95 ₹ 72.65	61 ₹ 7.13 ₹ 27.35	223 ₹ 26.08 ₹ 100.00
50-60	44 ₹ 5.15 ₹ 53.01	39 ₹ 4.56 ₹ 46.99	83 ₹ 9.71 ₹ 100.00
योग	561 ₹ 65.6 ₹	294 ₹ 34.39 ₹	855 ₹ 100 ₹

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे

में जनसमुदाय को परामर्श-

सारिणी संख्या 3.3 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 561 (65.60%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है तथा 294 (34.39%) ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श नहीं दिया है।

समस्त न्यादर्श को 20-30, 30-40, 40-50, 50-60 चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 222 (25.96%) शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 129 (15.09%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है, तथा 93 (10.88%) ने परामर्श नहीं दिया है। 30-40 आयु वर्ग के 327 (38.25%) शिक्षक महिलाओं में 226 (26.43%) ने परामर्श दिया है, तथा 101 (11.81%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है। 40-50 आयु वर्ग में 223 (26.08%) शिक्षक महिलाओं ने 7.13% (16.2%) परामर्श दिया है, तथा 61 (7.13%) ने परामर्श नहीं दिया है। 50-60 आयु वर्ग में 83 (9.71%) शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 44 (5.15%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है तथा 39 (4.56%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने जनसमुदाय को परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में परामर्श दिया है इनका परामर्श अधिक देने का कारण उनकी बौद्धिक जागरूकता एवं अधिक सामाजिक सम्पर्क होने के कारण हो सकता है।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श

शिक्षा	परामर्श	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
बूनियर हाई-स्कूल	480.478 66.67	280.238 33.33	680.708 100.00	
हाई-स्कूल	3283.748 62.74	1982.228 37.25	5185.968 100.00	
इण्टरमीडिएट	6687.728 62.26	4084.688 37.74	106812.398 100.00	
स्नातक	171820.008 66.79	8589.948 33.20	256829.948 100.00	
स्नातकोत्तर	279832.638 66.27	142816.618 33.73	421849.248 100.00	
डीग्रीफ़िल0	981.058 60.00	680.708 40.00	1581.758 100.00	
योग	561865.618	294834.398	8558100.88	

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श-

सारिणी संख्या 3.4. में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें अधिकांश 561 (65.61%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है, जो कि स्वभाविक है, तथा 294 (34.3 %) शिक्षक महिलाओं का जनसमुदाय को परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में अधिक परामर्श देने का कारण उनका शिक्षित तथा सामाजिक सम्पर्क होना है, ऐसा समझा जाता है जो व्यक्ति शिक्षक होगा दूसरों को शिक्षा देगा, वह निश्चय ही अन्य से अधिक जागरूक व समझदार होगा, अतः उसका जनसमुदाय को अधिक परामर्श देना स्वभाविक ही है।

न्यादर्श के समस्त शिक्षक महिलाओं को उनकी शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है- जूनियर हाई स्कूल 6 (0.70%) हाई स्कूल 51 (5.90%) इण्टरमीडिएट 106 (12.39%) स्नातक 256 (29.94%), स्नातकोत्तर 421 (49.24%) डी०फिल० 51 (1.75%) है। इन सभी स्तरों में अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है तथा परामर्श न देने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या कम है।

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु

विवाह की आयु वर्ग	15 वर्ष से नीचे	15-18	18-21	21-25	25-30	30 वर्ष से अधिक	अविवाहित योग
20-30	280.238 0.90	680.708 2.70	3283.748 14.41	5185.968 22.97	1681.878 7.21	-	115813.458 51.80 222825.968 100.00
30-40	880.968 2.45	6287.258 18.96	6287.258 18.96	93810.888 28.44	6187.138 18.65	1281.408 3.67	2983.398 8.87 327838.258 100.00
40-50	1481.648 6.28	5386.198 23.77	3283.748 14.35	6988.078 30.94	3383.868 14.79	680.708 2.69	1681.878 7.17 223826.088 100.00
50-60	780.828 8.43	2783.168 32.53	1581.758 18.07	1481.648 16.87	981.058 10.84	480.478 4.82	780.828 8.43 8389.718 100.00
योग	3183.638	148817.318	14816.498	227826.558	119813.928	2282.578	167819.538 855810088

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु-

सांख्यिकी संख्या 35 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें अधिवाहित शिक्षक महिलाएँ 167 (19.53%) हैं। शेष शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 227 (26.55%) शिक्षक महिलाएँ 21-25 वर्ष विवाह की आयु की हैं, तत्पश्चात् 15-18 वर्ष विवाह की आयु की शिक्षक महिलाएँ 148 (17.31%), 18-21 वर्ष विवाह की आयु की 141 (16.49%), 25-30 वर्ष विवाह की आयु की 119 (13.92%) शिक्षक महिलाएँ, 15 वर्ष से कम विवाह की आयु की 31 (3.62%), 30 वर्ष से अधिक विवाह की आयु की सबसे कम 22 (2.57%) हैं।

सम्पूर्ण न्यादर्श को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 30-40 आयु की वर्ग में सबसे अधिक 327 (38.25%) शिक्षक महिलाएँ हैं। इसके पश्चात् 20-30 तथा 40-50 आयु वर्ग में लगभग बराबर 222 (25.96%) तथा 223 (26.08%) शिक्षक महिलाएँ हैं तथा 50-60 आयु वर्ग में सबसे कम शिक्षक महिलाएँ हैं। इनमें सभी आयु वर्गों की शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु अधिकतर 21-25 वर्ष है तथा सबसे कम शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु 15 वर्ष से कम तथा 30 वर्ष से अधिक है।

सारिणी संख्या १.६

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति

वैचारिक सहमति	सहमत	असहमत	योग
आयु-वर्ग			
20-30	222॥25. 96॥ 100. 00	-	222॥25. 96॥ 100. 00
30-40	326॥38. 13॥ 99. 69	1॥0. 12॥ 0. 31	327॥38. 25॥ 100. 00
40-50	220॥25. 73॥ 98. 65	3॥0. 35॥ 1. 35	223॥26. 08॥ 100. 00
50-60	78॥9. 12॥ 93. 98	5॥0. 58॥ 6. 02	83॥9. 71॥ 100. 00
योग	846॥98. 95॥	9॥1. 05॥	855॥100%॥

सारिणी संख्या १.६ में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति प्रदर्शित है। 20-30 आयु वर्ग में शत प्रतिशत शिक्षक महिलायें सहमत, 30-40 आयु वर्ग में 99.7% सहमत, 40-50 में 97%, 50-60 में सबसे कम 94% सहमत है, असहमत होने वाली शिक्षक महिलायें मात्र 1% हैं जिसमें 65% 50-60 आयु वर्ग की हैं तथा 20-30 आयु वर्ग में कोई भी महिला असहमत नहीं है।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु:-

सारिणी संख्या 3.6. में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं। जिसमें अधिवाहित शिक्षक महिलाओं की संख्या 167॥19.53॥ है। शेष शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 227॥26.55॥ शिक्षक महिलाएँ 21-25 वर्ष विवाह की आयु की हैं, तत्पश्चात् 15-18 वर्ष विवाह की आयु की शिक्षक महिलाएँ 148॥17.31॥, ॥18-21॥ वर्ष विवाह की आयु की 141॥16.49॥ तथा 15 वर्ष से कम विवाह की आयु की 31॥3.62॥ तथा 30 वर्ष से अधिक विवाह की आयु की शिक्षक महिलाएँ न्यूनतम हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ 421॥49.24॥ हैं, जिसमें अधिकतर 131॥15.32॥ शिक्षक महिलाएँ की ॥21-25॥ वर्ष विवाह की आयु है तत्पश्चात् 256॥29.94॥, स्नातक शिक्षक महिलाओं में भी अधिकतर ॥21-25॥ वर्ष विवाह की आयु की, इण्टरमीडिएट स्तरीय 106॥12.39॥ शिक्षक महिलाएँ भी अधिकतर ॥21-25॥ वर्ष विवाह की आयु की तथा 51॥5.96॥ जूनियर हाई स्कूल शिक्षक महिलाएँ की भी ॥21-25॥ वर्ष विवाह की आयु है, सर्वाधिक शिक्षित डी०फिल० 15॥1.75॥ प्रतिवर्त शिक्षक महिलाओं की भी 21-25 वर्ष विवाह की आयु है तथा 30 वर्ष से अधिक विवाह की आयु सभी शैक्षिक स्तरों में कम है।

तारिखा संख्या 37

विषयक मरिगाई की आयु 20 अन्तार मन्त्रो क तिन दिवस को जाली आयु

आयु वर्ग	विशाल को आयु आयु 21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	26 वर्ष	27 वर्ष	28 वर्ष	29 वर्ष	30 वर्ष
	मीचे									
20-30	- 580.58	380.35	480.47	880.94	11.1.29	112.13.09	44.5.15	31.3.63	480.47	- 222.25.96
	2.25	1.35	1.80	3.60	4.95	50.45	19.82	13.96	1.60	100.00
30-40	- 880.94	981.05	680.70	1181.29	1581.75	174.20.35	64.7.49	35.4.09	580.58	- 327.38.25
	2.45	2.75	1.83	3.36	4.59	53.21	19.57	10.70	1.53	100.00
40-50	- 580.58	480.47	1281.40	1581.75	1081.17	120.14.04	44.5.15	92.81	480.47	- 223.26.08
	2.24	1.79	5.38	6.73	4.48	53.81	19.73	10.76	1.79	100.00
50-60	- 280.23	380.35	380.35	180.12	480.47	44.5.15	16.1.87	9.1.05	180.12	- 83.9.71
	2.41	3.61	3.61	3.61	8.82	53.01	19.28	10.84	1.20	100.00
योग	- 2082.34	1582.22	2582.92	3584.09	4084.68	450.52.63	168.19.65	84.9.82	14.1.64	- 85.8.100

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु-

सारिणी संख्या 3-7 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें विवाह की आदर्श आयु 26 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 450 (52.63%) है, जिसमें 30-40 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 174 (20.35%) है। इसके बाद 40-50 आयु वर्ग की 120 (14%) 20-30 आयु वर्ग की 112 (13%) तथा 44 (5%) 50-60 आयु वर्ग की निम्नतम है। लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु 27 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या 168 (19.65%) है जिसमें 30-40 आयु वर्ग की 64 (7.5%), 40-50 आयु वर्ग की 64 (7.5%) तथा 50-60 आयु वर्ग में 16 (1.9%) शिक्षक महिलाएँ निम्नतम हैं। ऐसी शिक्षक महिलाएँ जो विवाह की आदर्श आयु 28 वर्ष उचित समझती है उनकी कुल संख्या 99 (11.58%) है जिसमें भी 30-40 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाएँ अधिक तथा 50-60 आयु वर्ग की कम हैं। लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु 21 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ बहुत कम 20 (2.34%), जो कि सरकार के द्वारा निर्धारित विवाह की आयु में हैं, तथापि शिक्षक महिलाएँ 26-28 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती हैं।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार बच्चों के लिए विवाह की आदर्श आयु

विवाह की आदर्श आयु नियम	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	26 वर्ष	27 वर्ष	28 वर्ष	29 वर्ष	30 वर्ष	योग
मूल्य	210.23	-	410.47	-	-	-	-	-	-	-	610.70
	33.33		66.67								100.00
हार्ड स्कूल	-	210.23	111.29	192.22	610.70	510.58	310.35	410.47	-	-	5115.96
	3.92	1.96	21.57	37.25	11.76	9.80	5.88	7.84			100.00
इण्टर मीडियट	-	210.23	510.58	410.47	810.94	4415.15	2613.04	1011.17	510.58	-	10612.39
	1.89	1.89	4.72	3.77	7.55	41.51	24.52	9.43	4.72	-	100.00
स्नातक	-	810.94	410.47	510.58	1812.10	14316.73	171.14	1411.64	110.12	-	256129.94
	3.13	1.56	0.78	1.95	7.03	55.86	23.83	5.47	0.39	-	100.00
स्नातकोत्तर	-	610.70	1211.40	310.35	710.82	251129.36	7018.19	5616.55	810.94	-	421149.24
	1.43	2.85	0.71	1.66	1.90	59.62	16.63	13.30	1.90	-	100.00
डॉक्टरेट	-	-	-	-	-	710.82	810.94	-	-	-	1511.75
						46.67	53.33				100.00
योग	-	12012.34	1912.22	2512.92	3514.09	4014.68	450122.63	6819.65	8419.82	1411.64	855110.47

शिक्षक महिलारं छोटे एवं सुखी परिवार की संकल्पना का मूर्ति रूप देते हुए बालक एवं बालिकाओं के व्यक्तित्व सर्वांगीण विकास में अपना सार्थक सहयोग प्रदान करेगी । निर्विवाद रूप से इस सत्य को सिद्ध करने हेतु ही मैंने अपनी शोध विषय का शीर्षक " शिक्षक महिलारं और प्रजननता " चुना है ।

सारणी संख्या ३१

प्रमुख माहितीसाठी का आयु के अनुसार लक्षितों के लिए विवाह की आदतें आयु

आयु वर्ग	आदतें आयु नोंचे	18	19	20	21	22	23	24	25	योग
20-30	2१0-23१ 0.90	28१3.27१ 12.61	11११.29१ 4.95	37१4.23१ 16.67	25१2.92१ 11.26	52१6.08१ 23.42	21१2.46१ 9.46	46१5.38१ 20.72	-	222१25.96१ 100.00
30-40	1१0.12१ 0.31	20१2.34१ 6.12	16११.87१ 4.89	56१६.55१ 17.13	40१४.68१ 12.23	113११3.22१ 34.56	34१3.98१ 10.39	47१५.49१ 14.37	-	327१38.25१ 100.00
40-50	-	13११.52१ 5.83	6१0.70१ 2.69	34१३.98१ 15.25	49१5.73१ 21.97	65१7.60१ 29.15	24१2.81१ 10.76	32१३.74१ 14.35	-	223१26.08१ 100.00
50-60	1१0.12१ 1.20	5१0.58१ 6.02	1१0.12१ 1.20	29१३.39१ 34.94	13११.52१ 15.66	21१2.46१ 25.30	6१0.70१ 7.23	7१0.82१ 8.43	-	83१9.71१ 100.00
कुल योग	4१0.47१	66१7.72१	34१३.98१	156११8.25१	127११4.85१	25११2.92१	85११9.94१	132११5.44१	-	555११00.००१

અધ્યાય - 5

ઉપસર્જિત

(FINDINGS)

- ૪અ૪ શિક્ષક મહિલાયે
- ૪બ૪ શિક્ષક મહિલાયે સ્વં પૂર્ણ પરિવાર
- ૪સ૪ શિક્ષક, કાર્યાલયી સ્વં ઘરેલુ મહિલાયે
- ૪દ૪ શિક્ષક, કાર્યાલયી સ્વં ઘરેલુ મહિલાયે - પૂર્ણ પરિવાર

विशेष महिलाओं की शिक्षा के अन्तर्गत नवविद्यार्थी के लिये विद्या के आदर्श आयु

वर्ष में

विद्या के आदर्श आयु	18	19	20	21	22	23	24	25	25 वर्ष में अधिक	योग
प्रारम्भिक शिक्षा	-	480.47	280.23	-	-	-	-	-	-	680.70
	66.67	33.33								100.00
हाई स्कूल	-	480.47	141.64	780.82	182.11	580.58	380.35	-	-	5185.96
	7.84		27.45	13.73	35.29	9.80	5.88			100.00
इण्टर मीडियट	180.12	580.58	680.70	1781.99	3183.63	1081.17	1281.40	-	-	106812.39
	0.94	4.72	5.66	16.03	29.24	9.43	11.32			100.00
स्नातक	180.12	3684.21	280.23	4184.79	6287.25	2983.39	3584.09	-	-	256829.94
	0.39	14.06	0.78	16.01	24.21	11.32	13.67			100.00
स्नातकोत्तर	280.23	1781.99	280.23	6287.25	131815.32	4184.79	7688.88	-	-	421849.24
	0.47	4.04	5.70	14.72	31.12	9.74	18.05			100.00
डीग्री फिल	-	-	-	-	-	981.05	680.70	-	-	1581.75
						60.00	40.00			100.00
योग	480.47	6687.72	3483.98	127814.25	251829.36	8589.94	132815.44	-	-	8558100.81

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की

आदर्श आयु-

सारिणी संख्या 4.0 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं। सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ 25।१29.36% लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु 22 वर्ष उचित समझती हैं तत्पश्चात् 20 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ 156।18.25%, 24वर्ष उचित समझने वाली 132।15.44%, 21 वर्ष उचित समझने वाली 127।14.85%, 23 वर्ष उचित समझने वाली 85।9.94% है, 18 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या कम 66।7.72% है, यद्यपि सरकार के द्वारा लड़कियों की विवाह की आयु 18 वर्ष है, तथापि शिक्षक महिलाएँ इसे आदर्श आयु न मानकर 20-24 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ स्नातकोत्तर हैं जिसमें अधिकांश शिक्षक महिलाएँ 20-24 वर्ष को, स्नातक, इण्टरमीडिएट, हाई स्कूल शिक्षक महिलाएँ भी 20-24 वर्ष को ही विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। सर्वाधिक शिक्षक डी०एफ० शिक्षक महिलाएँ भी 22 वर्ष ही विवाह की आदर्श आयु मानती हैं।

सारिणी संख्या 4.1

शिक्षक महिलाओं के परिवार का आकार

परिवार का आकार बच्चों की संख्या	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
एक बच्चा	99	11.58
दो बच्चे	253	29.59
तीन बच्चे	165	19.29
चार बच्चे	73	8.54
पाँच बच्चे	27	3.16
पाँच बच्चे से अधिक	13	1.52
कोई बच्चा नहीं	58	6.78
अविवाहित	167	19.53
योग	855	100%

सारिणी संख्या 4.1 में शिक्षक महिलाओं के परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके परिवार में मात्र एक बच्चा है, उनकी संख्या 99 (11.58%) है, तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके दो बच्चे हैं, उनकी संख्या 253 (29.59%) है, तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके तीन बच्चे हैं, उनकी संख्या 165 (19.29%) है, तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके चार बच्चे हैं, उनकी संख्या 73 (8.54%) है, तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके परिवार में पाँच बच्चे हैं, उनकी संख्या 27 (3.16%) है, तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ, जिनके परिवार में पाँच बच्चे से अधिक

है, उनकी संख्या 13 $\{1.52\}$ है तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके कोई बच्चा नहीं है, उनकी संख्या 58 $\{6.78\}$ तथा अधिवाहित शिक्षक महिलाओं की संख्या 167 $\{19.53\}$ है ।

उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि ऐसी शिक्षक महिलाएँ, जिनके परिवार में दो बच्चे हैं, उनकी संख्या सर्वाधिक 253 $\{29.59\}$ है, तथा सबसे कम 13 $\{1.52\}$ शिक्षक महिलाएँ हैं जिनके परिवार का आकार पाँच बच्चे है ।

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	योग
30 3.51	51 5.96	11 1.29	1 0.12	-	-	17 1.99	112 13.09	222 22.22	
13.51	22.97	4.95	0.45			7.66	50.45	100.00	
38 4.44	124 14.50	77 9.01	25 2.92	9 1.05	2 0.23	20 2.34	32 3.74	327 33.73	
11.62	37.92	23.55	7.65	2.75	0.61	6.12	9.79	100.00	
18 2.11	65 7.60	59 6.90	33 3.86	12 1.40	7 0.82	13 1.52	16 1.87	223 22.32	
8.07	29.15	26.46	14.79	5.38	3.14	5.83	7.17	100.00	
13 1.52	13 1.52	18 2.11	14 1.64	6 0.70	4 0.47	8 0.94	7 0.82	83 8.39	
15.66	15.66	21.69	16.87	7.23	4.82	9.64	8.43	100.00	
99 11.58	253 29.59	165 19.29	73 8.54	27 3.16	13 1.52	58 6.78	167 19.53	855 85.51	

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार-

सारणी संख्या 4.2 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें अविवाहि शिक्षक महिलाएँ 167 (19.53%), तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके कोई बच्चा नहीं है, उनकी संख्या 58 (6.78%) है। शेष शिक्षक महिलाओं में ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके मात्र दो बच्चे हैं, उनकी संख्या सर्वाधिक 253 (29.59%) है, तीन बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ 165 (19.29%), एक बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ 99 (11.58%), चार बच्चे वाली 73 (8.54%), पाँच बच्चे वाली 27 (3.16%) पाँच से अधिक बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ न्यूनतम 13 (1.52%) हैं।

सम्पूर्ण न्यादर्श की शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों 20-30, 30-40, 40-50, 50-60, में विभक्त किया गया है, सबसे अधिक 327 (38%) शिक्षक महिलाएँ 30-40 आयु वर्ग में हैं, इसके बाद लगभग बराबर शिक्षक महिलाएँ 20-30 तथा 40-50 आयु वर्ग में हैं तथा सबसे कम 50-60 आयु वर्ग में हैं। सबसे अधिक 30-40 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं में दो बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ हैं तथा पाँच से अधिक बच्चे वाली सबसे कम हैं। 20-30 आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं तत्पश्चात् एक बच्चे वाली है जिससे प्रकट होता है, इस आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं में बच्चों की संख्या की प्रवृत्ति घटने की है, 30-40, 40-50 आयु वर्ग में अधिकांशतः शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं ये संभवतः शिक्षक महिलाओं के शिक्षित होने की वजह है। 20-35 वर्ष की महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, यदि इस आयु वर्ग की महिलाओं को परिवार नियोजन सम्बन्धित उचित जानकारी दी जायेगी तो निश्चित ही जनसंख्या वृद्धि में की कमी होगी तथा इससे अधिक जन कल्याण होगा।^x 50-60 आयु वर्ग में तीन बच्चे वाली

* A study of attitudes of married couples towards family planning in Ahmedabad.

है, उनकी संख्या 13 $\{1.52\}$ है तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके कोई बच्चा नहीं है, उनकी संख्या 58 $\{6.78\}$ तथा अधिवाहित शिक्षक महिलाओं की संख्या 167 $\{19.53\}$ है ।

उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि ऐसी शिक्षक महिलाएँ, जिनके परिवार में दो बच्चे हैं, उनकी संख्या सर्वाधिक 253 $\{29.59\}$ है, तथा सबसे कम 13 $\{1.52\}$ शिक्षक महिलाएँ हैं जिनके परिवार का आकार पाँच बच्चे है ।

सारिणी संख्या 4-3

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	कोई बच्चा से अधिक नहीं	अविवाहित	योग
शिक्षा								
प्रिनियर हाई-स्कूल	-	-	380.358	-	-	180.128	280.238	680.708
			50.00			16.67	33.33	100.00
हाई स्कूल	580.588	1381.528	1481.648	1181.298	380.358	280.238	380.358	5185.968
	83.33	25.49	27.45	21.57	5.88	3.92	5.88	100.00
इण्टरमीडिएट	1281.408	2582.928	2683.048	1481.648	580.588	780.828	1281.408	106812.398
	11.32	23.58	24.53	13.21	4.72	6.60	11.32	100.00
स्नातक	1383.518	7588.778	5185.968	1982.228	880.948	480.478	2182.468	256829.948
	5.08	29.29	19.92	7.42	3.13	1.56	8.20	100.00
स्नातकोत्तर	4985.78	135815.798	6988.078	2783.168	1081.178	480.478	2783.168	421849.248
	11.64	32.07	16.39	6.41	2.38	0.95	6.41	100.00
डीप्लोमा	380.358	580.588	280.238	280.238	180.128	-	280.238	1581.758
	20.00	33.33	13.33	13.33	6.67		13.33	100.00
योग	99811.588	253829.598	165819.298	7388.548	2783.168	1381.528	5886.788	167819.538
								8558100.88

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार:-

सारिणी संख्या 4.3 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनके परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 167 (19.53%) अविवाहित तथा 588 (6.78%) ऐसी शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनके परिवार में कोई बच्चा नहीं है। शेष शिक्षक महिलाओं में, ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके परिवार में दो बच्चे हैं, उनकी संख्या सर्वाधिक 253 (29.59%) है, तत्पश्चात् तीन बच्चे रखने वाली शिक्षक महिलाएँ 165 (19.29%), एक बच्चा रखने वाली 99 (11.58%), चार बच्चे रखने वाली 73 (8.54%) तथा पाँच व पाँच से अधिक बच्चे वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या बहुत कम है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ 421 (49.24%) स्नातकोत्तर हैं, जिसमें सर्वाधिक 135 (15.79%) शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं, तत्पश्चात् स्नातक स्तरीय शिक्षक महिलाएँ 256 (29.94%) हैं जिसमें से सबसे अधिक 75 (8.77%) हैं जिसमें से शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं। सर्वाधिक शिक्षित शिक्षक महिलाएँ डी०एफ़िल० 15 (1.75%) हैं जिसमें सबसे अधिक 5 (0.58%) शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे, तत्पश्चात् एक बच्चा 3 (0.35%) रखती हैं।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं, जो वस्तुतः उनकी शिक्षा का परिणाम है, तथा सर्वाधिक शिक्षित शिक्षक महिलाओं के परिवार में भी दो बच्चे हैं।

तारिखी संख्या 4/4

शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	निःसन्तान	अविवाहित	योग
हिन्दू	82११.59१ 11.33	214१25.03१ 29.56	146१17.08१ 20.17	58१6.78१ 8.01	29१2.34१ 2.76	9१1.05१ 1.24	50१5.85१ 6.91	145१16.96१ 20.03	724१84.68१ 100.00
मुसलमान	6१0.70१ 8.82	17१1.99१ 25.00	11१1.29१ 16.18	7१0.82१ 10.29	4१0.47१ 5.88	3१0.35१ 4.41	6१0.70१ 8.82	14१1.64१ 20.59	68१7.96१ 100.00
ईसाई	8१0.94१ 21.62	10१1.17१ 27.03	5१0.58१ 13.51	7१0.82१ 18.92	-	1१0.12१ 2.70	2१0.23१ 5.41	4१0.47१ 10.81	37१4.32१ 100.00
सिख	2१0.23१ 9.52	9१1.05१ 42.86	2१0.23१ 9.52	1१0.12१ 4.76	3१0.35१ 14.29	-	-	4१0.47१ 19.05	21१2.45१ 100.00
अन्य	1१0.12१ 20.00	3१0.35१ 60.00	1१0.12१ 20.00	-	-	-	-	-	5१0.59१ 100.00
	99१1.58१	253१29.59१	165१19.29१	73१9.54१	27१3.16१	13१1.52१	58१6.78१	167१19.53१	855१100.११

शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार परिवार का आकार

सारिणी संख्या 44. में शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार परिवार का आकार प्रदर्शित है। समस्त न्यायार्थ में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं जिसमें 724 § 84.68% § हिन्दू, 68 § 7.96% § मुसलमान 4.32% ईसाई, 2.45% सिक्ख तथा 0.59% अन्य धर्म के अनुयायी हैं। हिन्दू शिक्षक महिलाओं में 41% के एक तथा दो बच्चे हैं। 32% के दो से अधिक बच्चे हैं, 7% निः सन्तान तथा 20% अविवाहित हैं। मुसलमान शिक्षक महिलाओं में 34% के मात्र एक या दो बच्चे हैं 36% के दो से अधिक बच्चे हैं। निः सन्तान 8.82% तथा 20.59% अविवाहित शिक्षक महिलाएँ हैं। ईसाई शिक्षक महिलाओं में 49% के एक या दो बच्चे हैं तथा 34% के दो से अधिक बच्चे हैं निः सन्तान 5% तथा अविवाहित 11% हैं। सिक्ख धर्मानुयायियों में 53% के मात्र दो बच्चे हैं, तथा 28% के दो से अधिक बच्चे तथा 19% अविवाहित हैं शेष अन्य धर्म की शिक्षक महिलाएँ मात्र 5 § 0.59% § हैं, जिसमें दो बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ अधिक हैं।

सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि विभिन्न धर्मानुयायी शिक्षक महिलाओं में सिक्ख, ईसाई एवं हिन्दू धर्मानुयायी महिलाओं ने एक एवं दो बच्चों को परिवार आकार में सर्वाधिक महत्व दिया जबकि अपेक्षाकृत इस्लाम धर्मानुयायियों ने दो से अधिक बच्चों को परिवार में महत्व दिया है।

सारिणी संख्या 4-5.

शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार का आकार

वैवाहिक स्थिति	परिवार का आकार					पाँच बच्चे से अधिक	निःसन्तान	योग
	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे			
विवाहित	94१13.66१ 13.99	249१36.19१ 37.05	162१23.55१ 24.11	71१10.32१ 10.57	27१3.92१ 4.02	13१1.89१ 1.93	56१8.14१ 8.33	672१97.67१ 100.00
विधवा	3१0.44१ 25.00	4१0.58१ 33.33	3१0.44१ 25.00	2१0.29१ 16.67	-	-	-	12१1.74१ 100.00
परित्यक्ता	2१0.29१ 50.00	-	-	-	-	-	2१0.29१ 50.00	4१0.58१ 100.00
योग	99१14.39१	253१36.77१	165१23.98१	73१10.61१	27१3.92१	13१1.89१	58१8.43१	68११00.००१

शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार का आकार

सारिणी संख्या 4.5 में शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार का आकार प्रदर्शित है समस्त न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं जिनमें 688 विवाहित तथा 167 अविवाहित हैं। 688 विवाहित शिक्षक महिलाओं में उनकी वैवाहिक स्थिति इस प्रकार है - 672 $\frac{97.67\%}{100}$ विवाहित, 12 $\frac{1.74\%}{100}$ विधवा, 4 $\frac{0.58\%}{100}$ परित्यक्ता है। 672 $\frac{98\%}{100}$ विवाहित शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ सर्वाधिक 37% हैं तथा पाँच बच्चे से अधिक वाली शिक्षक महिलाएँ न्यूनतम 4% एवं निः सन्तान 8% हैं। दो बच्चे के पश्चात् तीन बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ 24% हैं। एक बच्चे व दो बच्चे वाली विधवा शिक्षक महिलाएँ 58% हैं, तीन तथा चार बच्चे वाली 42% हैं, पाँच बच्चे, पाँच बच्चे से अधिक रखने वाली तथा निः सन्तान शिक्षक महिलाओं की संख्या शून्य है। परित्यक्ता शिक्षक महिलाओं में 50% शिक्षक महिलाएँ तथा 50% में मात्र एक बच्चा है, स्पष्ट है कि परित्यक्ता होने के कारण उनका परिवार का आकार नहीं बढ़ा है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि विधवा एवं परित्यक्ता शिक्षक महिलाओं का परिवार आकार विशेष अधिक नहीं है। उनकी संख्या भी अपेक्षाकृत कम होने के कारण विशेष निष्कर्ष नहीं निकल सकते। विवाहित महिलाओं का ही परिवार आकार सर्वाधिक है। जिन्होंने दो एवं तीन बच्चों को परिवार में सर्वाधिक महत्त्व दिया है।

सारिणी संख्या 4.6

शिक्षक महिलाओं के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार

परिवार का आकार	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
एक बच्चा	55	6.43
दो बच्चे	681	79.65
तीन बच्चे	106	12.39
चार बच्चे	11	1.29
पाँच बच्चे	2	0.03
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 4.6 में शिक्षक महिलाओं के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार प्रदर्शित है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें एक आदर्श परिवार में एक बच्चा उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ 55 (6.43%) दो बच्चे उचित समझने वाली 681 (79.65%), तीन बच्चे उचित समझने वाली 106 (12.39%), चार बच्चे उचित समझने वाली 11 (1.29%), पाँच बच्चे उचित समझने वाली 2 (0.03%) हैं।

अतः निष्कर्षात्मक रूप से हम कह सकते हैं, कि एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक, इसके बाद तीन बच्चे व एक बच्चा उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ हैं, चार तथा पाँच बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ बहुत कम हैं, जिनसे कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता, अतः हम यह कह सकते हैं, कि शिक्षक तीन बच्चे तक ही उचित समझती हैं।

सारिणी संख्या 4.7

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार एक "आदर्श परिवार" का आकार

आयु	आदर्श परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग					
20-30	12	1.40	192	22.46	16	1.87	1	0.12	222	25.96	100.00		
	5.41	86.49	7.21	0.45	0.45								
30-40	25	2.92	249	29.12	48	5.61	4	0.47	1	0.12	327	38.25	100.00
	7.65	76.15	14.68	1.22	0.31								
40-50	10	1.17	174	20.35	33	3.86	6	0.70			223	26.08	100.00
	4.48	78.03	14.79	2.69									
50-60	8	0.94	66	7.72	9	1.05					83	9.71	100.00
	9.64	79.52	10.84										
योग	55	6.43	681	79.65	106	12.39	11	1.29	2	0.23	855	100.00	

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार-

सारिणी संख्या 4.7 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 693 $\{81\%$ है, इसके बाद तीन बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ 96 $\{11.22\%$ एक बच्चा उचित समझने वाली 50 $\{5.85\%$, चार बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ की संख्या 12 $\{1.40\%$, पांच व पांच से अधिक बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ न्यूनतम हैं, जिनसे कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

सम्पूर्ण न्यादर्श को चार आयु वर्गों $\{20-30\}$, $\{30-40\}$, $\{40-50\}$, $\{50-60\}$, में विभक्त किया गया है। $\{20-30\}$ आयु वर्ग में 222 $\{25.96\%$ शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक 23.27% है, तत्पश्चात् एक बच्चा, तीन बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ हैं, सभी वर्गों की शिक्षक महिलाएँ एक आदर्श परिवार में दो ही बच्चे उचित समझती हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ सर्वाधिक हैं।

सारिणी संख्या 4 8

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
ग्रुनियर हाई स्कूल	-	480.478	280.238	-	=	-	680.708 100.00
		66.67	33.33				
हाईस्कूल	280.238	4284.918	580.588	280.238	-	-	5185.968 100.00
	3.92	82.35	9.80	3.92			
इण्टरमीडिएट	680.708	87810.188	1381.528	-	-	-	106812.398 100.00
	5.66	82.08	12.26				
स्नातक	1882.118	214825.038	1882.118	480.478	280.238	-	256829.948 100.00
	7.03	83.59	7.03	1.56	0.78		
स्नातकोत्तर	2883.278	320837.438	6887.928	580.588	-	-	421849.248 100.00
	6.65	76.01	16.15	1.18			
डी०फिल०	180.128	1481.648	-	-	-	-	1581.758 100.00
	7.14	93.33					
योग	5586.438	681879.658	106812.398	1181.298	280.038	-	8558100.88

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार—

सारिणी संख्या 4-8 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार के बारे में दी गयी राय प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 690 (80.58%) है, जिसमें स्नातकोत्तर शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 337 (39.42%) तथा जूनियर हाई स्कूल शिक्षक महिलाओं की संख्या न्यूनतम है। तत्पश्चात् एक बच्चे को उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या 86 (11.46%) तथा तीन बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या 67 (6.43%) है। सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ स्नातकोत्तर 421 (49.24%) हैं, जिसमें एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ सर्वाधिक (39.42%) तथा एक बच्चा उचित समझने वाली 28 (3.27%), तीन बच्चे उचित समझने वाली (5.7%) हैं। सर्वाधिक शिक्षित डी०फिल० शिक्षक महिलाओं की संख्या 15 है। जिसमें अधिकांश 14 (1.64%) दो बच्चे उचित समझती हैं।

अतः स्पष्ट है कि सर्वाधिक महिलाएँ जूनियर हाई स्कूल, हाई स्कूल शिक्षक महिलाओं ने एक आदर्श परिवार में सबसे अधिक दो बच्चों को उचित माना है तथा दूसरे स्थान पर तीन बच्चे उचित माने हैं जबकि स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षक महिलाओं ने भी दो बच्चे उचित माने हैं लेकिन दूसरे स्थान पर एक बच्चा उचित समझा है।

सारिणी संख्या 4.9

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच अन्तराल

जन्म अन्तराल आयु वर्ग	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	योग
20-30	57१6.67१	19१2.22१	12१1.40१	5१0.58१	-	17१1.99१	112१13.09१	222१25.96१
	25.68	8.56	5.41	2.25		7.66	50.45	100.00
30-40	165१19.29१	52१6.08१	48१5.61१	9१1.05१	1१0.12१	20१2.34१	30१3.51१	327१38.25१
	50.46	15.90	14.68	2.75	0.31	6.12	9.17	100.00
40-50	116१13.57१	37१4.33१	32१3.74१	6१0.70१	3१0.35१	13१1.52१	19१2.22१	223१26.08१
	52.02	16.59	14.35	2.69	1.35	5.83	8.52	100.00
50-60	40१4.68१	12१1.40१	13१1.52१	2१0.23१	1१0.12१	8१0.99१	7१0.52१	83१9.71१
	48.19	14.46	15.66	2.41	1.20	9.64	8.43	100.00
योग	378१44.21१	120१14.04१	105१12.28१	22१2.57१	5१0.58१	58१6.78१	167१19.53१	855१100.११

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म

के बीच में जन्म अन्तराल—

सारिणी संख्या 4.9. में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं जिसमें 167 § 19.53% शिक्षक महिलायें अविवाहित 58 § 6.78% शिक्षक महिलायें ऐसी हैं, जिनके कोई बच्चा नहीं है। शेष शिक्षक महिलाओं में विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में एक वर्ष के जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 378 § 44.21% हैं तत्पश्चात् दो वर्ष 120 § 14.04% तीन वर्ष 105 § 12.28% चार वर्ष 22 § 2.57%, पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें न्यूनतम 5 § 0.5% हैं। अधिकांश महिलाओं ने विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच में कम अन्तराल रखा है।

न्यादर्श की शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों में § 20-30, § 30-40, § 40-50, § 50-60 में विभक्त किया है। § 30-40 आयु वर्ग में सर्वाधिक 327 § 38.15% शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें सबसे अधिक 165 § 19.2% शिक्षक महिलाओं में एक वर्ष का जन्म अन्तराल है तथा न्यूनतम जिसे नगण्य समझना ही उचित है पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल है। समान अनुपात सभी आयु वर्गों की शिक्षक महिलाओं में देखा गया है। अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में एक वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक तथा पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल वाली न्यूनतम हैं।

सारिणी संख्या 5.0

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच आदर्श जन्म अन्तराल

वर्ष में -

आदर्श जन्म अन्तराल आयु वर्ग	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	योग
20-30	102१11.92१ 45.95	64१7.4१ 28.83	48१5.6१ 21.62	6१0.7१ 2.70	2१0.2१ 0.90	- 100.00	222१25.96१ 100.00
30-40	167१19.53१ 51.07	99१11.53१ 30.26	22१2.5१ 6.73	25१2.9१ 7.65	14१1.6१ 4.28	- 100.00	327१38.25१ 100.00
40-50	108१12.6१ 48.43	51१5.9१ 22.87	14१1.6१ 6.28	20१2.3१ 8.97	30१3.5१ 13.45	- 100.00	223१26.08१ 100.00
50-60	50१5.8१ 60.24	9१1.05१ 10.84	3१0.3१ 3.61	17१1.9१ 20.48	4१0.4१ 4.82	- 100.00	83१9.71१ 100.00
योग	427१49.9१	223१26.08१	87१10.1१	68१7.9१	50१5.8१	-	855१100.११

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहले बच्चे के जन्म के

बीच में आदर्श जन्म अन्तराल—

सारिणी संख्या 5.0. में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहले बच्चे के जन्म के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें विवाह तथा पहले बच्चे के जन्म के बीच में 427 (49.9%) शिक्षक महिलाएँ एक वर्ष का जन्म अन्तराल आदर्श मानती हैं। इसके बाद दो वर्ष का जन्म अन्तराल आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलाएँ 223 (26.08%) तथा तीन वर्ष का जन्म अन्तराल आदर्श मानने वाली 87 (10.10%), चार वर्ष का जन्म अन्तराल मानने वाली 68 (7.90%), पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे कम 50 (5.80%) हैं।

समस्त न्यादर्श को पाँच आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 222 (25.96%), तथा 30-40 आयु वर्ग में 327 (38.25%), तथा 40-50 आयु वर्ग में, 83 (9.71%), 50-60 आयु वर्ग के हैं। इसमें सभी आयु वर्ग की शिक्षक महिलाएँ एक वर्ष के जन्म के अन्तराल को विवाह तथा पहले बच्चे के जन्म के बीच उचित समझती हैं।

सारिणी संख्या ५-।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल वर्ष में—

शिक्षा	जन्म-अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	योग
प्रुनियर हाई-स्कूल	-	280.238	180.128	-	-	-	-	180.128	280.238	680.708
		33.33	16.67					16.67	33.33	100.00
हाई-स्कूल	3684.218	380.358	780.828	-	-	-	-	280.238	383.518	5185.968
	70.59	5.89	13.73					3.92	5.88	100.00
इण्टरमीडिएट	6687.728	1882.118	280.238	180.128	-	-	-	780.828	1281.408	106812.398
	62.26	16.98	1.89	0.94				6.60	11.32	100.00
स्नातक	89810.408	2983.398	5786.678	1281.408	-	-	-	2182.468	4885.618	256829.948
	34.77	11.33	22.27	4.69				8.20	17.58	100.00
स्नातकोत्तर	184821.528	6687.728	3083.518	981.058	580.588	-	-	2783.168	100811.698	421849.248
	43.71	15.68	7.13	2.14	1.19			6.41	23.75	100.00
डीग्रीजो	380.358	280.238	880.948	-	-	-	-	-	280.238	1581.758
	20.00	13.33	53.33							100.00
योग	378844.218	20814.088	105812.288	2282.578	580.588	-	-	5886.788	167819.538	8558100.88

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल—

सारिणी संख्या 5.1. में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें ऐसी शिक्षक महिलायें जिनमें विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में एक वर्ष का अन्तराल है, सर्वाधिक 378 (44.21%) है तत्पश्चात् दो वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाये 120 (14.04%) तीन वर्ष का 105 (12.28%) है, चार वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें बहुत कम हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलायें स्नातकोत्तर स्तरीय 421 (49.24%) है, जिसमें सर्वाधिक 378 (44.21%) शिक्षक महिलाओं एक वर्ष का जन्म अन्तराल है, दो वर्ष तथा तीन वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षक महिलायें स्नातकोत्तर हैं। सर्वाधिक शिक्षित डी०एल० स्तरीय शिक्षक महिलाओं में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल है, अविवाहित शिक्षक महिलाओं की संख्या 167 (19.53%) तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके परिवार में मात्र एक बच्चा है, उनकी संख्या 58 (6.78%) है। अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अधिकांश शिक्षक महिलायें विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में कम जन्म अन्तराल रखती है, यह कम जन्म अन्तराल एक वर्ष का है। पाँच तथा पाँच से अधिक जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें बहुत कम या नहीं के बराबर हैं।

सारिणी संख्या 5.2

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल

शिक्षा	आदर्श जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	पाँच वर्ष से अधिक	योग
जूनियर हाई स्कूल	-	280.238 33.33	280.238 33.33	280.238 33.33	280.238 33.33	-	-	680.708 100.00
हाई-स्कूल	2382.698 45.09	1181.298 21.57	580.588 9.80	380.358 5.58	981.058 17.85	-	-	5185.968 100.00
इण्टरमीडिएट	5185.968 48.11	3283.748 30.19	1081.178 9.43	580.588 4.72	880.948 7.55	-	-	106812.398 100.00
स्नातक	128814.978 50.00	6487.498 25.00	2683.048 10.16	1882.118 7.03	2082.348 7.81	-	-	256829.948 100.00
स्नातकोत्तर	217825.388 51.54	109812.758 25.89	4284.918 9.98	4084.688 9.50	1381.528 3.09	-	-	421849.248 100.00
डी.एफ.ओ	880.948 53.33	580.588 33.33	280.238 13.33	-	-	-	-	1581.758 100.00
योग	427849.948	223826.088	87810.188	6887.958	5085.858	-	-	85581008 100.00

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच

मैं आदर्श जन्म अन्तराल:-

सांख्यिकी संख्या 52- मैं शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच मैं आदर्श जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श मैं 855 शिक्षक महिलायें है जिसमें एक वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 427 (49.94%) है, तत्पश्चात् दो वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 223 (26.08%), तीनवर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली 87 (10.18%) चार वर्ष का अन्तराल 68 (7.95%), पांच वर्ष का अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 50 (5.85%) हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलायें स्नातकोत्तर 421 (49.24%) है, जिसमें एक वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 217 (25.3%) तत्पश्चात् दो वर्ष का अन्तराल उचित समझने वाली 109 (12.75%), तीन वर्ष, चार तथा पांच वर्ष का अन्तराल उचित समझती है। समान अनुपात स्नातक स्तरकिय, इण्टरमीडिएट हाईस्कूल, जूनियर हाई स्कूल एवं डी०एल० शिक्षक महिलाओं मैं देखा गया है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट होता है कि शिक्षक महिलायें विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच मैं कम अन्तराल ही उचित समझती हैं।

सारिणी संख्या 5.3

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म-अन्तराल

जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँचवर्ष	कोई बच्चा नहीं है	अविवाहित लागू नहीं है	योग	
आयु वर्ग									
20-30	14११.64१ 6.31	9११.05१ 4.05	26१३.04१ 11.71	8१०.94१ 3.60	6१०.70१ 2.70	17११.99१ 7.66	112११३.09१ 50.45	30१३.51१ 13.51	222१२5.96१ 100.00
30-40	38१४.44१ 11.62	50१५.85१ 15.29	92११0.76१ 28.13	33१३.86१ 10.09	24१२.81१ 7.34	20१२.34१ 6.12	32१३.74१ 9.79	38१४.44१ 11.62	327१३8.25१ 100.00
40-50	29१२.39१ 13.00	37१४.33१ 16.59	67१७.84१ 30.04	25१२.92१ 11.21	18१२.11१ 8.07	13११.52१ 5.83	16११.87१ 7.17	18१२.11१ 8.07	223१२6.08१ 100.00
50-60	9११.05१ 10.84	13११.52१ 15.66	20१२.34१ 24.09	8१०.94१ 9.64	5१०.58१ 6.02	8१०.94१ 9.64	7१०.82१ 8.43	1.52१ 15.66	83१९.71१ 100.00
योग	90११0.53१	109११2.75१	205१२3.98१	53१६.19१	53१६.19१	58१६.78१	167११9.53१	99११1.58१	85११0४११

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहले व दूसरे बच्चे के बीच में जन्म

अन्तराल-

सारिणी संख्या 5:3 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहले व दूसरे बच्चे के बीच में जन्म अन्तराल का विवरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 167 (19.53%) शिक्षक महिलाएँ अधिवाहित 99 (11.58%) शिक्षक महिलाओं के मात्र एक बच्चा है, तथा 58 (6.78%) शिक्षक महिलाओं के कोई बच्चा नहीं है। शेष शिक्षक महिलाओं के तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक 205 (23.98%) हैं, इसके बाद दो वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ 109 (12.75%) तथा एक वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली 90 (10.53%) तथा चार वर्ष का जन्म अन्तराल वाली 74 (8.68%) तथा पाँच तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे कम हैं।

न्यादर्श को पाँच आयु वर्गों में विभक्त किया गया है।

20-30 आयु वर्ग में 222 (25.96%) शिक्षक महिलाएँ हैं, 30-40 आयु वर्ग में 327 (38.25%) शिक्षक महिलाएँ, 40-50 आयु वर्ग में 223 (26.08%) शिक्षक महिलाएँ तथा 50-60 आयु वर्ग में 83 (9.71%) शिक्षक महिलाएँ हैं। इसमें सभी आयु वर्गों की शिक्षक महिलाओं में अधिकतर पहले व दूसरे बच्चे के जन्म के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल है तथा बहुत कम शिक्षक महिलाओं में पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल है।

सारिणी संख्या 5.4

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में आदर्श

जन्म अन्तराल

जन्म अन्तराल आयु वर्ग	एक	दो	तीन	चार	पाँचे	पाँचे वर्ष से अधिक है	लागू नहीं है	योग
20-30	380.358 1.35	87810.18 39.19	108812.68 48.65	1681.88 7.21	880.98 3.60	-	-	222825.968 100.00
30-40	580.588 2.25	121814.158 54.50	120814.038 54.05	4084.678 18.01	3083.508 13.51	1181.298 4.95	-	327838.238
40-50	1481.648 6.28	5083.518 13.45	110812.868 49.33	4084.688 17.93	2182.458 9.41	280.238 0.89	680.708 2.69	223826.058
50-60	1982.228 22.90	981.058 10.84	4585.268 54.2	580.588 6.02	380.358 3.61	-	280.238 2.41	8389.718
योग	4184.798	247828.898	383844.798	101811.798	6287.248	1381.528	880.938	6558100.48

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में

आदर्श जन्म अन्तराल -

सारिणी संख्या 5.4. मैशिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 383 (44.79%) हैं, तत्पश्चात् दो वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली 247 (28.89%) चार वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली 101 (11.79%), पांच वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली 62 (7.24%), एक वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली 41 (4.79%) तथा पांच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या न्यूनतम 13 (1.5%) हैं।

सम्पूर्ण न्यादर्श की शिक्षक महिलायों को चार आयु वर्गों (20-30), (30-40), (40-50), (50-60) में विभक्त किया गया है। इसमें सभी आयु वर्गों की शिक्षक महिलाओं तीन वर्ष, दो वर्ष के जन्म अन्तराल को सबसे अधिक मानती हैं, तथा पांच वर्ष से अधिक के जन्म अन्तराल को बहुत कम शिक्षक महिलायें उचित समझती हैं।

सारिणी संख्या 55

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म-अन्तराल

जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	कोई बच्चा नहीं है	लाभ नहीं है	योग
शिक्षा								
जूनियर हाई-स्कूल	180.128	280.238	-	-	-	180.128	280.238	680.708
	16.67	33.33				16.67	33.33	100.00
हाई-स्कूल	580.588	780.828	2182.468	380.358	580.588	280.238	380.358	5185.968
	9.80	13.72	41.18	5.88	9.80	3.92	5.88	100.00
इण्टरमीडिएट	1381.528	1281.408	4084.688	380.358	780.828	780.828	1281.408	106812.398
	12.26	11.32	37.74	1.89	6.60	6.60	11.32	100.00
स्नातक	2783.168	3083.518	6287.258	1181.298	2783.168	2182.468	4885.618	256829.948
	10.54	11.71	24.21	4.29	10.54	8.20	18.75	100.00
स्नातकोत्तर	4084.688	5586.438	8089.368	5786.678	1381.528	2783.168	100811.698	421849.248
	9.50	13.06	19.00	13.53	3.08	6.41	23.75	100.00
डीग्री	480.478	380.358	280.238	-	180.128	-	280.238	1581.758
	26.67	20.00	13.33		6.67		13.33	100.00
योग	90810.538	109812.758	205823.988	7488.658	5386.198	5886.788	167819.538	8558100.88

जनसंख्या से कम है। वास्तव में पृथ्वी पर लगभग हर सातवाँ व्यक्ति भारतीय है।^x 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। 1941 में जनसंख्या 31.9 करोड़ थी जो कि 1971 में 54.8 करोड़ हो गयी और वृद्धि इस प्रकार 22.9 करोड़ हुई। 1901 भारत की कुल जनसंख्या लगभग 23.8 करोड़ थी। 1971-81 के दशक में भारत की जनसंख्या में 13.6 करोड़ वृद्धि हुई। 1971-1981 के दशक में भारत में जनसंख्या की दरउस वृद्धि की दर से लगभग पाँच गुनी है जो वृद्धि की दर भारत में ही वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में थी। 1971-1981 के दशक में भारत की जनसंख्या की दर दुनिया की 1900-1950 की वृद्धि की दर का $2\frac{1}{2}$ गुना रही है।

जनसंख्या वृद्धि की दर केवल जन्म और मृत्यु दर पर ही निर्भर करती है। जन्म दर और मृत्यु दर का शुद्ध शेष ही वृद्धि दर के लगभग बराबर हो जायेगा। जन्म दर तथा मृत्यु दर के तेजी से बढ़ते हुए अन्तर के कारण जनसंख्या की वृद्धि की दर विस्फोटक आकार में बढ़ती रही है जिसके जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पैदा हो गयी। अब हमारे सम्मुख प्रश्न है कि प्रजननता क्या है। "प्रजननता" से आशय स्त्रियों द्वारा पैदा किये जाने वाले जीवित शिशुओं की वास्तविक संख्या है। प्रजननता की आधारभूत धारणा एक जनसंख्या की उपलब्धि का वह वास्तविक स्तर है जो वास्तव में होने वाले जीवित शिशु - जन्म की संख्या पर आधारित है। प्रजननता (Fertility) बहुप्रजना (Fecundity) से सर्वथा भिन्न है। बहु प्रजना (Fecundity) स्त्रियों के अधिकतम शिशु पैदा करने की भौतिक

*Population of India & Pakistan - Devis Kingsley

सारिणी संख्या 5-6

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व
दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल

आदर्श जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
शिक्षा							
जूनियर हाई स्कूल	380.358 50.00	280.238 33.33	180.128 16.67				680.708 100.00
हाई स्कूल	280.238 3.92	208.2.348 39.22	780.828 13.73	1581.758 29.41	380.358 5.89	280.238 3.92	5185.968 100.00
इण्टरमीडिएट	380.358 2.83	318.3.638 29.24	448.5.158 41.51	1581.758 14.15	580.858 4.72	280.238 1.89	106812.398 100.00
स्नातक	981.058 3.52	498.5.738 19.14	123814.398 48.05	508.5.858 19.53	208.2.348 7.81	580.588 1.95	156829.948 100.00
स्नातकोत्तर	228.2.578 5.22	137816.028 32.54	203823.748 48.22	218.2.468 4.99	348.3.988 8.08	480.478 0.95	421849.248 100.00
डीग्रीप्लेन	280.238 13.33	880.948 53.33	580.588 33.33				1581.758 100.00
योग	4184.798	247828.898	383844.798	101811.818	6287.258	1381.528	8558100.88

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में

आदर्श जन्म अन्तराल:-

सारिणी संख्या 56. मैं शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 383 (44.79%) तत्पश्चात् दो वर्ष के जन्म अन्तराल को 247 (28.89%), चार वर्ष का अन्तराल को 101 (11.81%), पांच वर्ष के जन्म अन्तराल को 62 (7.25%) एक वर्ष के जन्म अन्तराल को 41 (4.79%) तथा पांच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 13 (1.52%) न्यूनतम हैं। 8 (0.94%) शिक्षक महिलाएं ऐसी हैं, जो एक आदर्श परिवार में केवल एक बच्चा उचित समझती हैं अतः उन्होंने पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल नहीं बताया है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएं स्नातकोत्तर 421 (49.24%) हैं, तत्पश्चात् स्नातक, इण्टरमीडिएट हाई स्कूल, जूनियर हाई स्कूल हैं, जिसमें सभी शैक्षिक स्तरीय शिक्षक महिलाओं ने पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में तीनवर्ष के जन्म अन्तराल को उचित माना है। सर्वाधिक शिक्षित शिक्षक महिलायें 15 (1.75%) हैं जिसमें से अधिक 8 (0.94%) शिक्षक महिलायें दो वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित मानती हैं।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि सर्वाधिक शिक्षक महिलायें पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझती हैं तथा सर्वाधिक शिक्षित शिक्षक महिलायें पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में दो वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझती हैं।

तारिणी सख्या 5.7

शिक्षक महिलाओं का आयु के अनुसार दूतर व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल

आयु वर्ग	एक बच्चा	दो बच्चा	तीन बच्चा	चार बच्चा	पाँच बच्चा	पाँच बच्चा से अधिक	सोई बच्चा नहीं	अविवाहित	ताना नहीं है	योग
20-30	280.23% 0.90	180.12% 0.45	580.58% 2.25	380.35% 1.35	180.12% 0.45	- 7.66	1781.99%	112813.09% 50.45	8189.47% 36.48	222825.96% 100.00
30-40	880.94% 2.45	1781.99% 5.19	6887.95% 20.79	1581.75% 4.59	580.58% 1.53	- 6.12	2082.34%	3283.74% 9.78	162818.95% 49.54	327836.25% 100.00
40-50	780.82% 3.14	1681.87% 7.17	7088.19% 31.39	1481.64% 6.28	480.47% 1.79	- 5.83	1381.52%	1681.87% 7.17	8389.11% 37.22	223826.08% 100.00
50-60	580.35% 3.61	680.70% 7.23	2683.04% 31.33	580.56% 6.02	280.23% 2.41	- 9.64	480.94%	780.82% 8.43	2683.04% 31.33	8389.71% 100.00
योग	2082.34% 4084.68%	4084.68% 4084.68%	16981.99% 4084.68%	77837.4.33% 4084.68%	1281.40% 1281.40%	- 5886.78%	5886.78%	167819.53% 4084.68%	352841.17% 4084.68%	8558100% 8558100%

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल—

सारिणी संख्या 5:7 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित हैं। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 167 §19-53§ शिक्षक महिलाएँ अविवाहित, 58§6-78§ शिक्षक महिलाओं के कोई बच्चा नहीं तथा 352 §41-16§ शिक्षक महिलाओं के मात्र दो बच्चे हैं, शेष शिक्षक महिलाओं में दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के जन्म के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ इसके अधिक 169§19-77§ हैं तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे कम हैं। एक वर्ष, दो वर्ष, चार वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ बहुत कम हैं जिनसे कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

न्यादर्श को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। §30-40§ आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक महिलाएँ हैं तत्पश्चात् §20-30§, §40-50§, के लगभग बराबर तथा §50-60§ आयु वर्ग में सबसे कम हैं। इन सभी आयु वर्गों में शिक्षक महिलाओं में दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल सबसे अधिक तथा पाँच वर्ष से अधिक का अन्तराल सबसे कम है।

सारिणी संख्या 5-8

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म-अन्तराल

जन्म अन्तराल आयु वर्ग	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
20-30	880.98 3.60	2082.38 9.00	8089.38 36.03	1281.408 5.40	98811.48 44.14	480.48 1.80	-	222826.968 100.00
30-40	1981.68 5.81	4284.98 12.84	213824.918 65.14	3684.28 11.01	783.88 2.14	880.98 2.45	280.28 0.61	327838.258 100.00
40-50	1381.58 5.83	2883.28 12.56	100811.698 44.84	2482.88 10.76	4885.68 21.52	680.78 2.69	480.48 1.79	223826.088 100.00
50-60	580.58 6.02	1081.18 12.05	3483.98 40.96	880.98 9.64	1781.98 20.48	280.28 2.41	780.88 8.43	8389.718
योग	4585.28	100811.698	427849.948	8089.38	170819.888	2082.38	1381.58	8558100.88

जनसंख्या से कम है। वास्तव में पृथ्वी पर लगभग हर सातवाँ व्यक्ति भारतीय है।^x 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। 1941 में जनसंख्या 31.9 करोड़ थी जो कि 1971 में 54.8 करोड़ हो गयी और वृद्धि इस प्रकार 22.9 करोड़ हुई। 1901 भारत की कुल जनसंख्या लगभग 23.8 करोड़ थी। 1971-81 के दशक में भारत की जनसंख्या में 13.6 करोड़ वृद्धि हुई। 1971-1981 के दशक में भारत में जनसंख्या की दरउस वृद्धि की दर से लगभग पाँच गुनी है जो वृद्धि की दर भारत में ही वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में थी। 1971-1981 के दशक में भारत की जनसंख्या की दर दुनिया की 1900-1950 की वृद्धि की दर का $2\frac{1}{2}$ गुना रही है।

जनसंख्या वृद्धि की दर केवल जन्म और मृत्यु दर पर ही निर्भर करती है। जन्म दर और मृत्यु दर का शुद्ध शेष ही वृद्धि दर के लगभग बराबर हो जायेगा। जन्म दर तथा मृत्यु दर के तेजी से बढ़ते हुए अन्तर के कारण जनसंख्या की वृद्धि की दर विस्फोटक आकार में बढ़ती रही है जिसके जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पैदा हो गयी। अब हमारे सम्मुख प्रश्न है कि प्रजननता क्या है। "प्रजननता" से आशय स्त्रियों द्वारा पैदा किये जाने वाले जीवित शिशुओं की वास्तविक संख्या है। प्रजननता की आधारभूत धारणा एक जनसंख्या की उपलब्धि का वह वास्तविक स्तर है जो वास्तव में होने वाले जीवित शिशु - जन्म की संख्या पर आधारित है। प्रजननता (Fertility) बहुप्रजना (Fecundity) से सर्वथा भिन्न है। बहु प्रजना (Fecundity) स्त्रियों के अधिकतम शिशु पैदा करने की भौतिक

*Population of India & Pakistan - Devis Kingsley

सारणी संख्या 59

शिक्षण महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे या तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल

जन्म - अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	लागू नहीं है	योग
बुनियादी हाई स्कूल	-	20.23%	10.12%	-	-	10.12%	20.23%	-	60.70%
		33.33	16.67			16.67	33.33		100.00
हाई स्कूल	20.23%	40.47%	15.17%	7.82%	-	20.23%	30.35%	18.11%	51.5.96%
	3.92	7.84	29.41	13.73		3.92	5.88	35.29	100.00
इण्टर मीडियट	40.47%	12.1.40%	25.2.92%	20.2.3%	7.0.82%	7.0.82%	12.1.40%	37.4.33%	106.12.39%
	3.77	11.32	23.58	1.89	6.60	6.60	11.32	34.91	100.00
स्नातक	50.58%	20.2.3%	56.65.88%	19.2.22%	-	21.2.46%	48.5.61%	105.12-28%	256.29.94%
	1.95	0.78	21.88	7.42		9.20	18.75	41.02	100.00
स्नातकोत्तर	9.1.05%	20.2.34%	69.8.07%	9.1.05%	3.0.35%	27.3.16%	100.11.69%	184.21.52%	42.49.24%
	2.14	4.75	16.39	2.14	0.71	6.41	23.75	43.71	100.00
डाटा फिलड	-	-	30.35%	-	20.2.3%	-	20.25%	8.0.95%	15.1.75%
			20.00		13.33		13.33	53.33	100.00
योग	20.2.34%	40.4.68%	169.19.71%	37.4.33%	12.1.40%	58.6.76%	167.19.53%	352.41.17%	855.100.7%

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में

जन्म अन्तराल-

सारिणी संख्या 5.9. में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 167 (19.53%) शिक्षक महिलाएँ अधिवाजि 382 (44.1.16%) शिक्षक महिलाओं के मात्र दो बच्चे हैं तथा 58 (6.78%) शिक्षक महिलाओं के कोई बच्चा नहीं है। शेष शिक्षक महिलाओं में दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 169 (19.76%) है, तथा पाँच व पाँच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ बहुत कम 12 (1.50%) है। तीन वर्ष के जन्म अन्तराल के बाद दो वर्ष, चार वर्ष तथा एक वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ स्नातकोत्तर 421 (49.24%) है, तत्पश्चात् स्नातक 256 (29.94%) इण्टरमीडिएट 106 (12.39%), हाई स्कूल 51 (5.96%) तथा जूनियर हाई स्कूल 6 (0.70%) शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें तीन वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ सर्वाधिक 169 (19.76%) है। 352 (41.16%) शिक्षक महिलाओं के मात्र दो बच्चे हैं, जिसके दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल का ध्यान नहीं उठता ।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक तथा पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल बहुत कम तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल नहीं हैं।

सारिणी संख्या 6.0

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म-अन्तराल

आदर्श जन्म-अन्तराल	सक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	पाँच वर्ष अधिक	लागू नहीं है	योग
शिक्षा								
जूनियर हाई-स्कूल	-	-	380.358	180.128	280.238	-	-	680.708
			50.00	16.67	33.33			100.00
हाई-स्कूल	380.358	981.058	3183.638	380.358	380.358	-	280.238	5185.968
	5.88	17.65	60.78	5.88	5.88		3.92	100.00
इण्टरमीडिएट	280.238	1581.768	2082.348	2683.048	3483.988	1081.178	-	106812.398
	1.89	14.15	18.87	24.52	32.08	9.43		100.00
स्नातक	-	2582.928	130815.208	3083.518	6587.608	280.238	480.478	256829.948
		9.77	50.78	11.72	25.39	0.78	1.56	100.00
स्नातकोत्तर	3884.448	4585.268	136815.918	2082.348	6687.728	880.948	780.818	421849.248
	9.03	10.69	32.30	4.75	15.68	1.90	1.66	100.00
डीग्री	280.238	680.708	780.828	-	-	-	-	1581.758
	13.33	40.00	46.67					100.00
योग	4585.268	100811.708	427849.948	8089.368	170819.888	2082.348	1381.528	8558100.88

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में आदर्श

जन्म अन्तराल:-

सारिणी संख्या 6.0 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल का विवरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें तीन वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 427 (49.9%) है तत्पश्चात् पाँच वर्ष का अन्तराल उचित समझती है। एक वर्ष तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या बहुत कम है।

सम्पूर्ण न्यादर्श के सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ स्नातकोत्तर हैं, तत्पश्चात् स्नातक, इण्टरमीडिएट, डी०फिल० व जूनियर हाई स्कूल स्तरीय हैं, जिसमें तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि शिक्षक महिलाएँ दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल अधिक उचित समझती हैं तत्पश्चात् पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझती हैं।

जन्म अन्तराल एक दो वर्ष तीन वर्ष चार वर्ष पांच वर्ष षोडश वर्ष अष्टादश वर्ष बीस वर्ष बीस वर्ष से अधिक नहीं नहीं नहीं योग

आयुवर्ग

20-30	-	-	-	-	180.128	-	1781.998	112813.098	92810.768	222825.968	100.00
					0.45		7.66	50.45	41.44		
30-40	580.588	580.588	182.118	480.478	380.358	180.128	2082.348	3283.748	239827.958	327838.258	100.00
	1.53	1.53	5.50	1.22	0.92	0.31	6.12	9.79	73.09		
40-50	880.958	780.828	2582.928	680.708	580.588	180.128	1381.528	1681.878	142816.618	223826.088	100.00
	3.59	3.14	11.21	2.69	2.24	0.45	5.83	7.17	63.68		
50-60	480.478	380.358	1281.408	280.238	380.358	-	880.938	780.828	4485.158	8389.718	100.00
	4.82	3.61	14.46	2.41	3.61		9.64	8.43	53.01		
योग	1781.998	1581.758	5586.438	1281.408	1281.408	280.238	5886.788	167819.538	517860.478	8558100.88	

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच में

जन्म अन्तराल-

सारणी संख्या 6.1. में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 167 $\{19.53\}$ अविवाहित 588 $\{6.78\}$ शिक्षक महिलाओं के कोई बच्चा नहीं तथा 517 $\{60.47\}$ शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं। कुछ शिक्षक महिलाओं में तीसरे व चौथे बच्चे के बीच में सबसे अधिक अन्तराल तीन वर्ष तथा सबसे कम पाँच वर्ष से अधिक का है एक वर्ष, दो वर्ष, चार, पाँच वर्ष के जन्म अन्तराल के कम होने के कारण कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

सम्पूर्ण न्यादर्श को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। $\{30-40\}$ आयु वर्ग में सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ हैं तथा $\{20-30\}$, $\{40-50\}$, आयु वर्ग में लगभग बराबर शिक्षक महिलाएँ हैं तथा $\{50-60\}$ आयु वर्ग में सबसे कम शिक्षक महिलाएँ हैं। इन सभी आयु वर्गों की शिक्षक महिलाओं में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल सबसे अधिक तथा पाँच वर्ष से अधिक का अन्तराल सबसे कम है।

वारिषा रीक्या 6 2

विश्वक महिलाओं को शिक्षा के अन्तार तीतर बच्चे ॥ चौथे बच्चे के बीच अन्य अन्तराल

शिक्षा	अन्य-अन्तराल	सब बर्ष	दो बर्ष	तीन बर्ष	चार बर्ष	पाँच बर्ष	पाँच बर्ष से अधिक	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	नाग्न नही	योग
यूनियर हाई स्कूल	-	-	-	-	-	-	-	180.128	280.238	380.358	680.708
								16.67	33.33	50.00	100.00
हाई स्कूल	280.238	180.128	280.238	480.478	480.478	180.128	180.128	280.238	380.358	328.748	518.968
	3.92	1.96	3.92	7.84	7.84	1.96	1.96	3.92	5.88	62.75	100.00
इण्टर मीडियट	180.128	380.358	158.1.758	380.358	280.238	280.238	-	780.828	128.1.408	638.7.378	1068.12.398
	0.94	2.83	14.15	2.83	1.89	1.89	-	6.60	11.32	59.43	100.00
स्नातक	580.588	680.708	118.1.298	280.238	680.708	180.128	180.128	218.2.468	488.5.618	1568.18.208	2368.29.948
	1.95	2.34	4.29	0.78	2.34	0.39	0.39	8.20	18.75	160.94	100.00
स्नातकोत्तर	680.708	580.588	278.3.168	380.358	-	-	-	278.3.168	1008.11.698	2538.29.598	4218.49.248
	1.43	1.19	6.41	0.71	-	-	-	6.41	23.75	60.09	100.00
डीग फिलो	380.358	-	-	-	-	-	-	-	280.238	108.1.168	158.1.758
	20.00								13.33	66.67	100.00
योग	178.1.998	158.1.758	558.6.438	128.1.408	128.1.408	280.238	280.238	588.6.788	1678.19.538	5178.60.468	8558.100.788

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के बीच में

जन्म अन्तराल-

सांख्यिकी संख्या 6:2- में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 167 (19.53%) अविवाहित, 58 (6.78%) जिनके कोई बच्चा नहीं तथा 817 (60.47%) जिनके मात्र दो बच्चे हैं। शेष शिक्षक महिलाओं में तीसरे व चौथे बच्चों के जन्म के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 55 (6.43%) है, तत्पश्चात् एक तथा दो वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ हैं। पाँच वर्ष से अधिक जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाओं का संख्या न्यूनतम है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ 421 (49.24%) हैं, जिसमें अधिकतर शिक्षक महिलाओं में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल है। सर्वाधिक शिक्षित डी०फिल० 15 (1.75%) शिक्षक महिलाओं में अधिकांश 10 (1.17%) शिक्षक महिलाओं के मात्र एक या दो बच्चे हैं, जिनके तीसरे व चौथे बच्चों के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता ।

अतः स्पष्ट है, कि अधिकांश 517 (60.47%) शिक्षक महिलाओं के मात्र एक या दो बच्चे हैं, अतः तीसरे व चौथे बच्चों के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता, शेष शिक्षक महिलाओं में तीसरे व चौथे बच्चों के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या न्यूनतम है।

सारिणी संख्या 6.3

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार
नियोजन की वांछनीयताके संदर्भ में छात्रों को दिया हुआ परामर्श

आयु वर्ग	परामर्श दिया	परामर्श नहीं दिया	योग
20-30	482.198 100.00	-	482.198 100.00
30-40	20810.998 32.79	41822.538 67.21	61833.528 100.00
40-50	43823.638 40.19	64835.168 59.81	107858.798 100.00
50-60	582.758 50.00	582.758 50.00	1085.498 100.00
योग	72839.568	110860.448	18281008

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की आयु

के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में उनके द्वारा छात्रों

को दिया हुआ परामर्श:-

सारिणी संख्या 6.3 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 182 शिक्षक महिलाओं में 110 §50.44%§ शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श नहीं दिया है, तथा 72 §39.65%§, शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं को चार आयु-वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 4§2.19%§ महिलाएँ, 30-40 आयु वर्ग में 61§33.52%§, §40-50 आयु वर्ग में 107 §58.79%§ एवं 10§5.49%§ शिक्षक महिलाएँ 50-60 आयु वर्ग की हैं। परामर्श देने वाली सभी महिलाओं में 20-30 आयु वर्ग की सभी शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, परन्तु आयु बढ़ने के साथ-साथ परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या घटी है। संभवतः इसका कारण अधिक आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं का छात्रों को परिवार नियोजन सम्बन्धित ज्ञान देने में शर्म व संकोच हो सकता है।

सारिणी संख्या - 6.4

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार निर्माण की
वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया गया परामर्श

परामर्श शिक्षा	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
जूनियर हाई-स्कूल	2६1.09६ 66.67	1४0.55४ 33.33	3४१.65४ 100.00
हाई-स्कूल	6४3.29४ 31.58	13४7.14४ 68.42	19४10.44४ 100.00
इंटरमीडिएट	10४5.49४ 34.48	19४10.44४ 65.52	29४15.93४ 100.00
स्नातक	18४9.89४ 34.62	34४18.68४ 65.38	52४28.57४ 100.00
स्नातकोत्तर	33४18.13४ 44.00	42४23.08४ 56.00	75४41.21४ 100.00
डॉक्टरेट	3४1.65४ 75.00	1४0.55४ 25.00	4४2.19४ 100.00
योग	72४39.56४	110४60.44४	182४100.४४

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिया गया परामर्श:-

सारिणी संख्या 6.4 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिया गया परामर्श प्रदर्शित है। न्यादश में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनके परिवार पूर्ण हो चुके हैं। 182 शिक्षक महिलाओं में 72 या 39.56% ने छात्रों को परामर्श दिया है, तथा 110 या 10.44% ने परामर्श नहीं दिया है।

न्यादश के शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है -
 जूनियर हाई स्कूल 381.65%, हाई स्कूल 19 या 10.44%, इण्टर मीडिएट 29 या 15.93%, स्नातक 52 या 28.57%, स्नातकोत्तर 75 या 41.21%, डी० फिल० मात्र 4 या 2.19%, है। जूनियर हाई स्कूल व डी० फिल० शिक्षक महिलाओं ने छात्रों को अधिक परामर्श दिया है, तथा हाई स्कूल, इण्टर मीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर ने छात्रों को परामर्श नहीं दिया है।

सारिणी संख्या-65

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के संदर्भ में तम्बन्धी व मित्रों को दिया

हुआ परामर्श

आयु वर्ग	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	381.658	180.558	482.198
	75.00	25.00	100.00
30-40	35819.238	26814.298	61833.528
	57.38	42.62	100.00
40-50	71839.018	36819.788	107858.798
	66.36	33.64	100.00
50-60	482.198	683.298	1085.498
	40.00	60.00	100.00
योग	113862.098	69837.918	1828100.8

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की
वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी व मित्रों को दिया हुआ परामर्श-

सारिणी संख्या 6.5 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी व मित्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें पूर्ण परिवार वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनमें 113 (62.09%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी व मित्रों को परामर्श दिया है, तथा 69 (37.9%) ने परामर्श नहीं दिया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को उनकी आयु के अनुसार चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 4 (2.19%), 30-40 आयु वर्ग में 61 (33.52%), 40-50 आयु वर्ग में 107 (58.79%), 50-60 आयु वर्ग में 10 (5.49%) हैं। इसमें 20-30, 30-40, 40-50, आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है तथा 50-60 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं में अधिक ने परामर्श नहीं दिया, इस आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं का परामर्श कम देने का कारण परिवार नियोजन से सम्बन्धित कम ज्ञान होना तथा परिवार नियोजन सम्बन्धित जानकारी देने में शर्म व संकोच आदि हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को दिया गया परामर्श

शिक्षा	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
बुनियादी हाई-स्कूल	2११.09१ 66.67	1१0.55१ 33.33	3११.65१ 100.00
हाई-स्कूल	13१7.14१ 68.42	6१3.29१ 31.58	19१10.44१ 100.00
इण्टरमीडिएट	16१8.79१ 55.17	13१7.14१ 44.83	29१15.93१ 100.00
स्नातक	31१17.03१ 59.62	21१11.54१ 40.38	52१28.57१ 100.00
स्नातकोत्तर	47१25.82१ 62.67	28१15.38१ 37.33	75१41.21१ 100.00
डीग्री	4१2.19१ 100.00	-	4१2.19१ 100.00
योग	113१62.09१	69१37.91१	182१100.००

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को

दिया हुआ परामर्श-

सारिणी संख्या 6.6 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 182 शिक्षक महिलाओं में 113 § 62.09% § शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श दिया है तथा 69 § 37.91% § ने परामर्श नहीं दिया है।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है- जूनियर हाई स्कूल स्तरीय 3 § 1.65 § हाईस्कूल 19 § 10.44 § इण्टरमीडिएट 29 § 15.93% §, स्नातक 52 § 28.57% §, स्नातकोत्तर 75 § 41.21% §, डी०फिल० स्तरीय 4 § 2.19% § है। जूनियर हाईस्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाओं में 50% ने परामर्श दिया है, तथा 50% ने परामर्श नहीं दिया है। हाई-स्कूल, इण्टरमीडिएट स्नातक, स्नातकोत्तर, शैक्षिक स्तरों की अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, तथा डी०फिल० शिक्षक महिलाओं में शत-प्रतिशत ने परामर्श दिया है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी व मित्रों को परामर्श दिया है।

सारिणी संख्या - 6.7

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार
परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय
को दिया हुआ परामर्श

आयु वर्ग	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	3१1.65१	1१0.55१	4१2.19१
	75.00	25.00	100.00
30-40	39१21.43१	22१12.09१	61१33.52१
	63.93	36.07	100.00
40-50	78१42.86१	29१15.93१	107१58.79१
	72.89	27.10	100.00
50-60	6१3.29१	4१2.19१	10१5.49१
	60.00	40.00	100.00
योग	126१69.23१	56१30.77१	182१100.००१

पूर्ण परिवार §Completed family§ वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार
परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श

सारिणी संख्या 6.7 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिसमें 126§69.23%§ शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को परामर्श दिया है, तथा 56§30.77%§ ने परामर्श नहीं दिया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को उनकी आयु के अनुसार चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 4§2.19%§, 30-40 आयु वर्ग में 61§33.52%§, 40-50 आयु वर्ग में 107§58.79%§, 50-60 आयु वर्ग में 10§5.49%§ है। इसमें सभी आयु वर्ग भी अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को परामर्श दिया है।

सारिणी संख्या - 6.8

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया गया परामर्श

शिक्षा	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
जूनियर हाई-स्कूल	180.558 33.33	281.098 66.67	381.658 100.00
हाई-स्कूल	1186.048 57.89	884.398 42.11	19810.448 100.00
इण्टरमीडिएट	19810.448 65.52	1085.498 34.48	29815.938 100.00
स्नातक	36819.788 69.23	1688.798 30.77	52828.578 100.00
स्नातकोत्तर	55830.228 73.33	20810.998 26.67	75841.218 100.00
डीग्री	482.198 100.00	-	482.198 100.00
योग	126869.238	56834.778	182810.018

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श

सारिणी संख्या 6.8 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 182 शिक्षक महिलाओं में 126 § 69.23% § शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है, तथा 56 § 30.77% § शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है— जूनियर हाई-स्कूल 3 § 1.65% §, हाई स्कूल 19 § 10.44% §, इण्टरमीडिएट 29 § 15.93% §, स्नातक 52 § 28.57% §, स्नातकोत्तर 75 § 41.21% §, डी०फिल० 4 § 2.19% § है। जूनियर हाई स्कूल शिक्षक महिलाओं में अधिक 75% शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है, तथा मात्र 25% ने परामर्श दिया है। विभिन्न शैक्षिक स्तरीय शिक्षक महिलाओं में अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, तथा शैक्षिक स्तर के बढ़ने के साथ-साथ अधिक परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या घड़ी है, तथा सबसे अधिक शिक्षित डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलाओं ने शीत प्रतिशत परामर्श दिया है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु

विवाह की आयु						
आयु वर्ग	15 वर्ष से नीचे	15-18 वर्ष	18-21 वर्ष	21-25 वर्ष	25-30 वर्ष	30 वर्ष से अधिक
20-30	-	-	31.65	180.55	-	42.19
			75.00	25.00		100.00
30-40	-	42.19	180.55	348.18.68	158.24	73.85
	-	6.56	1.64	55.73	24.59	11.48
						100.00
40-50	-	73.85	180.55	6937.91	26814.29	42.19
	-	6.54	0.93	64.49	24.29	3.74
						100.00
50-60	-	180.55	42.19	52.75	-	-
	-	10.00	40.00	50.00		
योग	-	1286.59	94.95	10959.89	4122.53	116.04
						1828100.88

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु

सारिणी संख्या 6.9 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें ऐसी शिक्षक महिलायें जिनकी विवाह की आयु 21-25 वर्ष है उनकी संख्या सर्वाधिक 60% है। 15 वर्ष से कम किसी भी शिक्षक महिला की विवाह की आयु नहीं है। 21 वर्ष से नीचे विवाह की आयु वाली 11% शिक्षक महिलायें तथा 25 वर्ष से अधिक विवाह की आयु वाली 29% शिक्षक महिलायें हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 482.19% शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें अधिक 75% की विवाह की आयु 18-21 वर्ष है 30-40 आयु वर्ग 56% की 21-25 वर्ष विवाह की आयु है तथा लगभग 8% की 21 वर्ष से कम है, तथा 25 वर्ष से अधिक लगभग 36% शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु है। 40-50 आयु वर्ग में लगभग 65% शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु 21-25 वर्ष है तथा लगभग 8% की 21 वर्ष से कम है, तथा 28% की 25 वर्ष से अधिक है। 50-60 आयु वर्ग में 50% शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु 21-25 वर्ष है, 21 वर्ष से कम विवाह की आयु वाली 50% शिक्षक महिलायें हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनकी विवाह की आयु

विवाह की आयु	15 वर्ष से नीचे	18-21 वर्ष	21-25 वर्ष	25-30 वर्ष	30 वर्ष से अधिक	योग
शिक्षा						
जूनियर हाई स्कूल	-	381.658	-	-	-	381.658
		100.00				100.00
हाई स्कूल	-	984.958	-	683.298	381.658	1980.558
		47.37		31.58	15.78	5.26
						100.00
इण्टर मीडियट	-	-	180.558	1688.798	984.958	381.658
			3.45	55.17	31.03	10.34
						100.00
स्नातक	-	-	482.198	31817.038	1789.348	-
			7.69	59.62	32.69	
						52828.578
						100.00
स्नातकोत्तर	-	-	482.198	53829.128	1186.048	783.858
			5.33	70.67	14.67	9.33
						100.00
डीग फिलो	-	-	-	381.658	180.558	-
				75.00	25.00	
						482.198
						100.00
योग	-	1286.598	984.958	109859.898	41822.538	1186.048
						1828100.88

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनकी विवाह

की आयु:-

सारिणी संख्या 7.0 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनकी विवाह की आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनके परिवार पूर्ण हो चुके हैं। 182 शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 109 § 59.89% § शिक्षक महिलाएँ 21-25 वर्ष विवाह की आयु की हैं, तत्पश्चात् 25-30 वर्ष विवाह की आयु की 41 § 22.53 § 30 वर्ष से अधिक 11 § 6.04% § 6.04% § तथा 18-21 वर्ष विवाह की आयु को 9 § 4.95% § न्यूनतम है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ 75 § 41.21% § स्नातकोत्तर हैं, जिसमें अधिक 53 § 29.12% § शिक्षक महिलाओं का विवाह की आयु 21-25 वर्ष 11 § 6.04% § शिक्षक महिलाओं को 25-30 वर्ष है, स्नातक इण्टर मीडियट, हाई स्कूल, डी० फ़िन० सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु 21-25 वर्ष अधिकतर है।

सांख्यिकी तालिका - 7 I

पूर्व परिवार वाली शिक्षण महिलाओं का आयु के अनुसार नज़रों के लिए विवाह को आदर्श आयु

आयु वर्ग	विवाह को आदर्श आयु 21 वर्ष 21 वर्ष से कम	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	26 वर्ष	27 वर्ष	28 वर्ष	29 वर्ष	30 वर्ष	योग
20-30	-	-	-	-	100.55	211.09	110.55	-	-	-	422.19
					25.00	50.00	25.00				100.00
30-40	-	-	-	211.09	150.24	1387.14	422.19	2212.09	512.75	-	6133.52
			3.28	24.59	21.31	6.56	36.19	8.19			100.00
40-50	-	100.55	-	811.39	1085.49	66336.20	914.95	984.05	482.19	-	107158.79
	0.93			7.48	5.35	61.68	6.41	5.41	3.74		100.00
50-60	-	211.09	-	110.55	422.19	-	110.55	-	110.55	-	1015.47
	20.00		10.00	10.00	40.00		10.00		10.00		100.00
योग	-	311.65	-	110.55	1116.04	30816.40	6144.51	15.824	3117.03	-	162100.00

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु:-

सारिणी संख्या 7/1 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु के बारे में राय प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनमें परिवार पूर्ण हो चुके हैं। लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु 26 वर्ष आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक 81 § 44.51% § है, इसके पश्चात् 28 वर्ष को 31 § 17.03% § शिक्षक महिलाएँ आदर्श मानती हैं, 25 वर्ष को आदर्श मानने वाली 30 § 16.48% § है। 28 वर्ष से ऊपर आयु को आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलाएँ शून्य तथा 25 वर्ष से नीचे आदर्श मानने वाली 8% हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 4 § 2.19% § शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 50%, 26 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। 30-40 आयु वर्ग में 61 § 33.52% § शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 22 § 12.09% §, 28 वर्ष को तथा 15 § 8.24% §, 25 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। 40-50 आयु वर्ग में अधिकतर 26 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। 50-60 आयु वर्ग में 25 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। 20-30 तथा 50-60 आयु वर्ग में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या कम होने के कारण कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। 30-40 आयु वर्ग की महिलाओं ने 28 वर्ष एवं 40-50 आयु वर्गीय महिलाओं ने 26 वर्ष आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु

सारिणी संख्या 7.2 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु के बारे में दी गयी राय प्रदर्शित है। सर्वाधिक 81.44.51% शिक्षक महिलायें 26 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। इसके पश्चात् 28 वर्ष को 17.03% तथा 25 वर्ष को 16.48% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श माना है। सारिणी से स्पष्ट है कि 25 वर्ष व उससे अधिक आयु को आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलायें 92% हैं, तथा 25 वर्ष से कम आयु को आदर्श मानने वाली मात्र 8% हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं में जूनियर हाई स्कूल स्तरीय मात्र 3 हैं, जिनमें 66.67% ने 21 वर्ष को आदर्श माना है, हाई स्कूल स्तरीय 19 में अधिकता 25 तथा 26 वर्ष, को 42% ने, स्नातक स्तरीय में 39% ने 26 वर्ष को, स्नातकोत्तर में 55%, 26 वर्ष को तथा 22%, 28 वर्ष को डी० फिल० स्तरीय में 75% 26 वर्ष को आदर्श माना है। शिक्षा स्तर में वृद्धि के साथ-साथ शिक्षक महिलाओं ने लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु में वृद्धि दिखायी पड़ी है।

सांख्यिकी लेखा - 7 3

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को आयु के अनुसार तकियाओं के लिए विवाह की आदमी आयु

विवाह की आदमी आयु 18 वर्ष से नीचे	18 वर्ष	19 वर्ष	20 वर्ष	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	25 वर्ष योग से ऊपर
20-30	-	-	-	-	-	211.098	211.098	-	422.196
						50.00	50.00		100.00
30-40	-	-	211.11-548	422.198	231.12.648	422.198	914.958	-	61833.528
			34.43	6.56	37.70	6.56	14.75		100.00
40-50	-	613.298	211.098	1618.798	351.19-238	291.15.938	118.018	814.398	107158.798
		5.61	1.67	14.95	32.71	27.10	10.28	7.48	100.00
50-60	-	412.198	110.558	-	211.098	-	31.658	-	1015.498
		40.00	10.00	20.00	30.00				100.00
योग	-	1015.498	311.658	37820.35	41122.52	152128.528	20110.998	19110.448	1821100.88

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिए

विवाह की आदर्श आयु:-

सारिणी संख्या 7.3 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु के बारे में राय प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। इन शिक्षक महिलाओं में लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु 22 वर्ष आदर्श समझने वाली शिक्षक महिलाएँ सर्वाधिक 52% 28.57% हैं, तत्पश्चात् 21 वर्ष, आदर्श समझने वाली 41% 22.52% हैं, 21 वर्ष आदर्श समझने वाली 37% 20.33% 24 वर्ष उचित समझने वाली 19% 10.44% हैं, 23 वर्ष 20% 10.99% शिक्षक महिलाएँ हैं। 20 वर्ष से कम विवाह की आयु आदर्श समझने वाली शिक्षक महिलाएँ मात्र 8% हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है - 20-30 आयु वर्ग में 4% 2.19% शिक्षक महिलाएँ हैं जिनमें 23 व 24 वर्ष की शिक्षक महिलाएँ विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। 30-40 आयु वर्ग में 20 तथा 22 वर्ष की तथा 40-50 में 20 वर्ष 21 वर्ष तथा 22 वर्ष की तथा 50-60 आयु वर्ग में 18 वर्ष की विवाह की आदर्श आयु मानती हैं।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाएँ लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु 20 से 22 वर्ष आदर्श मानती हैं तथा सबसे अधिक 22 वर्ष की आदर्श आयु मानती हैं।

तारिणी लेखा- 7.4

पूर्व परिवार वार्ग निष्क मरिणां व. विद्या दे अनुसार नृदिने के निर दिवादे को मर्यादा आयु

विद्या की आदसी आयु 18 वर्ष के कम विद्या	18 वर्ष	19 वर्ष	20 वर्ष	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	25 वर्ष से अपर	कुल योग
पुनियर हाई स्कूल	-	10.55	21.09	-	-	-	-	-	-	381.65
	33.33	66.67								100.00
हाई स्कूल	-	31.65	-	21.09	73.95	21.09	31.65	-	-	191.04
	15.78		10.53	36.84	10.53	10.53	15.79			100.00
इण्टर मीडियट	-	10.55	-	94.95	84.39	94.95	21.09	-	-	291.53
	3.45		31.03	27.59	31.03	6.89				100.00
स्नातक	-	10.55	10.55	158.24	116.04	137.14	63.29	52.75	-	522.87
	1.92	1.92	28.85	21.15	25.00	11.54	9.62			100.00
स्नातकोत्तर	-	42.19	-	116.04	158.24	281.53	73.85	105.49	-	754.12
	5.33		14.67	20.00	37.33	9.33	13.33			100.00
डीग्रे फिल	-	-	-	-	-	31.65	10.55	-	-	42.19
						75.00	25.00			100.00
कुल योग	-	105.49	31.65	372.03	412.25	522.87	201.09	191.04	-	1821.00

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु

सारिणी संख्या 7.4 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु के बारे में दी गयी राय प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं जिसमें 22 वर्ष को आदर्श आयु मानने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 29% हैं 21 वर्ष को 23% तथा 20 वर्ष को 20% शिक्षक महिलायें आदर्श मानती हैं। 18 वर्ष से कम विवाह की आदर्श आयु को किसी भी शिक्षक महिला ने नहीं स्वीकारा है। 19-20 को आदर्श मानने वाली 3% शिक्षक महिलायें 22 वर्ष से अधिक 23 वर्ष व 24 वर्ष को 21% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श माना है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है, जूनियर हाई स्कूल स्तरीय अधिकांशतः 19 वर्ष को आदर्श मानती हैं हाई स्कूल स्तरीय 21 वर्ष को, इण्टर मीडिएट व स्नातक स्तरीय 20-22 वर्ष को, स्नातकोत्तर 22 वर्ष को तथा डी० फिल० 23 वर्ष को आदर्श मानती हैं सर्वाधिक स्नातकोत्तर शिक्षक महिलायें 22 वर्ष को, तथा सर्वाधिक शिक्षित डी० फिल० स्तरीय 23 वर्ष को आदर्श मानती हैं। विवेचन से स्पष्ट है कि शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ विवाह की आदर्श आयु में वृद्धि दिखायी पड़ी है।

सारिणी संख्या - 7.5

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पांच बच्चे	पांच बच्चे से अधिक	योग
20-30	-	180.558	381.658	-	-	-	482.198
		25.00	75.00				100.00
30-40	683.298	25813.748	1789.348	783.858	582.758	180.558	61833.528
	9.84	40.98	27.87	11.48	8.19	1.64	100.00
40-50	1186.048	34818.688	36819.788	1487.698	683.298	683.298	107858.798
	10.28	31.78	33.64	13.08	5.61	5.61	100.00
50-60	-	482.198	-	683.298	-	-	1085.498
		40.00		60.00			100.00
योग	1789.348	64835.168	56830.778	27814.848	1186.048	783.858	1828 10088

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार

सारिणी संख्या 7.5 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं। ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके दो बच्चे हैं, उनकी संख्या सबसे अधिक 64 § 35.16% § है इसके बाद तीन बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ 56 § 30.77% §, चार बच्चे वाली 27 § 14.84% §, एक बच्चे वाली 17 § 9.34% §, पाँच बच्चे वाली 11 § 6.04% § तथा पाँच बच्चे से अधिक वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे कम 7 § 3.85% § हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 4 § 2.19% §, 30-40 आयु वर्ग में 61 § 33.52% §, 40-50 आयु वर्ग में 107 § 58.79% §, 50-60 आयु वर्ग में 10 § 5.49% § हैं। 40-50 आयु वर्ग में 107 § 58.79% § शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें तीन बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ 36 § 19.78% § हैं दो बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ 34 § 18.68% § हैं। सबसे कम पाँच बच्चे और पाँच बच्चे से अधिक वाली शिक्षक महिलाएँ न्यूनतम हैं। 30-40 आयु वर्ग में 61 33.52% § शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें दो बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ 25 § 13.74% § हैं, तीन बच्चे वाली 17 § 9.34% §, तथा पाँच बच्चे से अधिक वाली शिक्षक महिलाएँ बहुत कम मात्र 1 § 0.55% § हैं। 20-30 आयु वर्ग में 4 § 2.19% § शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें तीन बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक हैं। 50-60 आयु वर्ग में 10 § 5.49% § हैं जिसमें चार बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक हैं।

सारिणी संख्या - 7-6

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आय के अनुसार आदर्श परिवार का आकार

आय	आदर्श परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
20-30		180.558	180.558	281.098	-	-	-	482.198
		25.00	25.00	50.00				100.00
30-40		118.048	398.21.438	984.958	281.098	-	-	61833.528
		18.03	63.93	14.75	3.28			100.00
40-50		1085.498	82845.068	1588.248	-	-	-	107858.798
		9.35	76.64	14.02				100.00
50-60		180.558	381.658	683.298	-	-	-	1085.498
		10.00	30.00	60.00				100.00
योग		23812.648	125868.688	32817.588	281.098	-	-	182810088

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार

का आकार:-

सारिणी संख्या $\frac{7.6}{-}$ में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं $\{$ पूर्ण परिवार वाली $\}$ का अध्ययन किया गया है।

एक आदर्श परिवार में दो बच्चे आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलाओं का संख्या सर्वाधिक 125 $\{$ 68.68% $\}$ है, इसके बाद तीन बच्चे 32 $\{$ 17.58% $\}$ एक बच्चा 23 $\{$ 12.64% $\}$ तथा चार बच्चे आदर्श मानने वाली न्यूनतम मान 2 $\{$ 1.09% $\}$ है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है, 20-30 आयु वर्गों में 4 $\{$ 2.19% $\}$, शिक्षक महिलायें हैं, 30-40 आयु वर्ग में 61 $\{$ 33.52% $\}$ शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें अधिकतर दो बच्चे आदर्श मानती हैं, 40-50 आयु वर्ग में 107 $\{$ 58.79% $\}$ में 82 $\{$ 45.06% $\}$ दो बच्चे तथा 50-60 आयु वर्ग में तीन बच्चे आदर्श मानती हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि लगभग 70% शिक्षक महिलायें $\{$ पूर्ण परिवार वाली $\}$ एक आदर्श परिवार में दो बच्चे आदर्श मानती हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं का शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
शिक्षा							
जूनियर हाईस्कूल	-	-	381.658	-	-	-	381.658 100.00
हाईस्कूल	180.558	683.308	783.858	281.098	381.658	-	19810.448 100.00
	5.26	31.58	36.84	10.53	15.78	-	
इण्टरमीडिएट	381.658	884.398	984.958	482.198	281.098	381.658	29815.938 100.00
	10.34	27.59	31.03	13.79	6.89	10.34	
स्नातक	582.758	1588.248	1789.348	1186.048	281.098	281.098	52828.578 100.00
	9.62	28.85	32.69	21.15	3.85	3.85	
स्नातकोत्तर	884.408	31817.038	20810.998	1085.498	482.198	281.098	75841.218 100.00
	10.67	41.33	26.67	13.33	5.33	2.67	
डॉक्टरेट	-	482.198	-	-	-	-	482.198 100.00
		100.00					
योग	1789.358	64835.168	56830.778	27814.848	1186.048	783.358	1828100.88

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार परिवार का आकार :-

सारिणी संख्या 7.7 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। ऐसी शिक्षक महिलाएँ, जिनके परिवार में दो बच्चे हैं, उनकी संख्या सबसे अधिक 64 § 35.16% है, इसके बाद तीन बच्चे वाली 56 § 30.77%, चार बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ 27 § 14.84%, एक बच्चा रखने वाली शिक्षक महिलाएँ 17 § 9.35%, पाँच बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ 11 § 6.04%, तथा पाँच बच्चे से अधिक वाली शिक्षक महिलाएँ मात्र 7 § 3.85% हैं।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है-- जूनियर हाई-स्कूल 38 § 1.65%, हाई-स्कूल 19 § 10.44%, इण्टरमीडिएट 29 § 15.93%, स्नातक 52 § 28.57%, स्नातकोत्तर 75 § 41.21%, डी०फिल० 4 § 2.19% है, जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाओं में 100% शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं।

हाई-स्कूल इण्टरमीडिएट, स्नातक स्तरीय शिक्षक महिलाओं के परिवार में तीन बच्चे सबसे अधिक 33% है इसके बाद दो बच्चे हैं परन्तु स्नातकोत्तर व डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलाओं के परिवार में, स्नातकोत्तर शिक्षक महिलाओं में अधिकतर 41.23% दो बच्चे हैं, तथा डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलाओं के शत प्रतिशत दो बच्चे हैं।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि शिक्षा स्तर बढ़ने से परिवार का आकार घटा है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार का आकार

आदर्श परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
शिक्षा							
जूनियर हाई-स्कूल	-	180.55	281.09	-	-	-	381.65
		33.33	66.67				100.00
हाई स्कूल	-	137.14	482.19	281.09	-	-	19810.44
		68.42	21.05	11.11			100.00
इण्टरमीडिएट	281.09	19810.44	884.39	-	-	-	29815.93
	6.89	65.52	27.59				100.00
स्नातक	482.19	37820.33	1186.04	-	-	-	52828.57
	7.69	71.15	21.15				100.00
स्नातकोत्तर	1789.34	51828.02	783.85	-	-	-	75841.21
	22.67	68.00	9.33				100.00
डॉक्टरेट	-	482.19	-	-	-	-	482.19
		100.00					100.00
योग	25812.64	125868.68	32817.58	281.09	-	-	1828100.88

जनसंख्या से कम है। वास्तव में पृथ्वी पर लगभग हर सातवाँ व्यक्ति भारतीय है।^x 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। 1941 में जनसंख्या 31.9 करोड़ थी जो कि 1971 में 54.8 करोड़ हो गयी और वृद्धि इस प्रकार 22.9 करोड़ हुई। 1901 भारत की कुल जनसंख्या लगभग 23.8 करोड़ थी। 1971-81 के दशक में भारत की जनसंख्या में 13.6 करोड़ वृद्धि हुई। 1971-1981 के दशक में भारत में जनसंख्या की दरअसल वृद्धि की दर से लगभग पाँच गुनी है जो वृद्धि की दर भारत में ही वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में थी। 1971-1981 के दशक में भारत की जनसंख्या की दर दुनिया की 1900-1950 की वृद्धि की दर का $2\frac{1}{2}$ गुना रही है।

जनसंख्या वृद्धि की दर केवल जन्म और मृत्यु दर पर ही निर्भर करती है। जन्म दर और मृत्यु दर का शुद्ध शेष ही वृद्धि दर के लगभग बराबर हो जायेगा। जन्म दर तथा मृत्यु दर के तेजी से बढ़ते हुए अन्तर के कारण जनसंख्या की वृद्धि की दर विस्फोटक आकार में बढ़ती रही है जिसके जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पैदा हो गयी। अब हमारे सम्मुख प्रश्न है कि प्रजननता क्या है। "प्रजननता" से आशय स्त्रियों द्वारा पैदा किये जाने वाले जीवित शिशुओं की वास्तविक संख्या है। प्रजननता की आधारभूत धारणा एक जनसंख्या की उपलब्धि का वह वास्तविक स्तर है जो वास्तव में होने वाले जीवित शिशु - जन्म की संख्या पर आधारित है। प्रजननता (Fertility) बहुप्रजना (Fecundity) से सर्वथा भिन्न है। बहु प्रजना (Fecundity) स्त्रियों के अधिकतम शिशु पैदा करने की भौतिक

*Population of India & Pakistan - Devis Kingsley

सारिणी संख्या - 7.9

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले

बच्चों के जन्म के बीच जन्म अन्तराल

जन्म अन्तराल आयु	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
20-30	2११.09१ 50.00	-	2११.09१ 50.00	-	-	-	4१२.19१ 100.00
30-40	25११3.74१ 40.98	29११5.93१ 47.50	4१२.19१ 6.56	2११.09१ 3.76	११०.55१ १.64	-	6११३3.52१ 100.00
40-50	48१२6.37१ 44.86	37१२0.33१ 34.58	१4१७.69१ १3.08	6१३.29१ 5.4	2११.09१ १.87	-	१07१58.79१ 100.00
50-60	११०.55१ १0.00	8१४.39१ 80.00	११०.55१ १0.00	-	-	-	१0११5.49१ 100.00
योग	76१४१.76१	74१४0.66१	2११११.54१	8१४.39१	3११.65१	-	१82११00.११

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले

बच्चे के जन्म के बीच जन्म - अन्तराल:-

सारिणी संख्या 7.9 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनके परिवार पूर्ण हो चुके हैं। ऐसी शिक्षक महिलायें, जिनमें विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच एक वर्ष का जन्म अन्तराल है उनकी संख्या सबसे अधिक 76 $\%$ 41.76 $\%$, इसके बाद दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें 74 $\%$ 40.66 $\%$, तीन वर्ष का जन्म-अन्तराल वाली 8 $\%$ 4.39 $\%$, पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली 3 $\%$ 1.65 $\%$ न्यूनतम है। 20-30 आयु वर्ग में 4 $\%$ 2.19 $\%$ शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें एक और तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें हैं। 30-40 आयु वर्ग में 61 $\%$ 33.52 $\%$ शिक्षक महिलायें हैं जिसमें एक तथा दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें बराबर 25 $\%$ 13.74 $\%$ हैं तथा चार तथा पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल मात्र 1 $\%$ 0.55 $\%$ है। 40-50 आयु वर्ग में 107 $\%$ 58.79 $\%$ है जिसमें एक वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक 48 $\%$ 26.37 $\%$ तथा पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें न्यूनतम है। 50-60 आयु वर्ग में 10 $\%$ 5.59 $\%$ शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें दो वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक है।

सारिणी संख्या- ४.०

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह
तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल

आयु वर्ग	आदर्श जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
20-30	-	-	3११.65१	1१0.55१	-	-	-	4१2.19१
			75.00	25.00				100.00
30-40		4१2.19१	4११22.53१	10१5.49१	6१3.29१	-	-	61१33.52१
		6.56	67.21	16.39	9.84			100.00
40-50		39१21.43१	51१28.02१	9१4.94१	4१2.19१	4१2.19१	-	107१58.79१
		36.45	47.66	8.41	3.74	3.74		100.00
50-60		1१0.55१	9१8.41१	-	-	-	-	10१5.49१
		10.00	90.00					100.00
योग		44१24.18१	104१57.14१	20१10.99१	10१5.49१	4१2.19१	-	182१100.४१

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले

बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल:-

सारिणी संख्या $\frac{8.0}{-}$ में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म - अन्तराल आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक 104 § 57.14% § तथा पांच तथा पांच से अधिक जन्म - अन्तराल आदर्श मानने वाली न्यूनतम 4 § 2.19% § है। दो वर्ष के पश्चात् एक वर्ष आदर्श मानने वाली 44 § 24.18% §, तीन वर्ष 20 § 10.99% § तथा चार वर्ष 10 § 5.49% § शिक्षक महिलायें आदर्श मानती हैं।

सम्पूर्ण न्यादर्श को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है 20-30 आयु वर्ग में 4 § 2.19% §, 30-40 आयु वर्ग में 61 § 33.52% §, 40-50 आयु वर्ग में 10 § 5.49% § है। इसमें सभी आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें दो वर्ष को विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल मानती हैं।

सारिणी संख्या 8।

पूर्व परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच जन्म अन्तराल

जन्म वर्ष में	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	योग
शिक्षा अन्तराल							
जूनियर हाई-स्कूल	-	281.098	180.558	-	-	-	381.654 100.00
		66.67	33.33				
हाई-स्कूल	84.398 42.11	683.298 31.58	381.658 15.79	180.558 5.26	180.558 5.26	-	19810.448 100.00
इण्टरमीडिएट	1085.498 34.48	1186.048 37.93	783.858 24.14	-	180.558 3.45	-	29815.938 100.00
स्नातक	22812.098 42.31	23812.648 44.23	482.198 7.69	281.098 3.85	180.558 1.92	-	52828.578 100.00
स्नातकोत्तर	33818.138 44.00	31817.038 41.33	683.298 8.00	582.758 6.67	-	-	75841.218 100.00
डिग्री	381.658 75.00	180.558 25.00	-	-	-	-	482.198 100.00
योग	76841.768	74840.668	21811.548	84.398	381.658	-	1828100.88

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच जन्म अन्तराल:-

सांख्यिकी संख्या ४.१ में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच जन्म-अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में ८५५ शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली १८२ शिक्षक महिलाओं में विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच एक वर्ष का जन्म-अन्तराल रखने शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक ७६§४१.७६§, दो वर्ष का जन्म-अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ ७४§४०.६६§, तीन वर्ष का जन्म-अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ ८४§४.३९§ एवं पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ मात्र ३§१.६५§ है।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षक स्थिति इस प्रकार है-- जूनियर हाई स्कूल स्तरीय ३ §४.६५§, शिक्षक महिलाएँ हाई स्कूल स्तरीय १७§ १०.४६§, इण्टरमीडिएट, स्तरीय २९§१५.९३§, स्नातक ५२§२८.५७§, स्नातकोत्तर ७५§४१.२१§, एवं डी०फिल० स्तरीय ४§२.१९§ शिक्षक महिलाएँ हैं। इसमें जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाएँ विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच तीन वर्ष का जन्म अन्तराल अधिक उचित समझती है। हाई-स्कूल, इण्टरमीडिएट स्नातक स्नातकोत्तर शिक्षक महिलाएँ एक वर्ष एवं दो वर्ष के जन्म अन्तराल दोनों को अधिक उचित समझती है। डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलाएँ विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच एक वर्ष का जन्म अन्तराल अधिक उचित समझती है। अधिक समय तक शिक्षक जीवन के बाद प्रथम सन्तान की शीघ्र हज्जा इन शिक्षक महिलाओं के मनोवृत्तियों को दर्शाती है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे
के बीच आदर्श जन्म-अन्तराल

वर्ष में--

शिक्षा	आदर्श जन्म अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच वर्ष से अधिक	योग
जूनियर हाई-स्कूल	-	2१1.०9१	1१0.55१	-	-	-	-	3४1.65१
		66.67	33.33					100.00
हाई-स्कूल	5१2.75१	11१6.०4१	3१1.65१	-	-	-	-	19१10.44१
	26.32	57.29	15.79					100.00
इण्टरमीडिएट	6१3.29१	13१7.14१	8१4.39१	-	2१1.०9१	-	-	29१15.93१
	20.69	44.83	27.59		6.89			100.00
स्नातक	16१8.79१	24१13.18१	2१1.०9१	8१4.39१	2१1.०9१	-	-	52१28.57१
	30.77	46.15	3.85	15.38	3.85			100.00
स्नातकोत्तर	17१9.34१	50१27.47१	6१3.29१	2१1.०9१	-	-	-	75१41.21१
	22.67	66.67	8.00	2.67	-			100.00
डी०एफ०	-	4१2.19१	-	-	-	-	-	4१2.19१
		100.00						100.00
गैंग	44१24.18१	104१57.14१	20१10.99१	1०१5.49१	4१2.19१	-	-	182१100.४११

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म-अन्तराल-

सारिणी संख्या 8.2 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 182 शिक्षक महिलाओं में विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच दो वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सबसे अधिक 104 § 57.14% § है। एक वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ 44 § 24.18% §, तीन वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली 20 § 10.99% §, चार वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली 10 § 5.49% § तथा पांच वर्ष का जन्म-अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे कम 4 § 2.19% § हैं।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है-- जूनियर हाई स्कूल 3 § 1.65% §, हाई स्कूल 19 § 10.44% §, इण्टरमीडिएट 29 § 15.93% §, स्नातक 52 § 28.57% §, स्नातकोत्तर 75 § 41.21% §, डी०फिल० 4 § 2.19% §, है। जूनियर हाई-स्कूल शिक्षक महिलाएँ दो वर्ष तथा तीन वर्ष के अन्तराल को एक बराबर उचित समझती हैं, हाई-स्कूल इण्टरमीडिएट शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक दो वर्ष के अन्तराल को तथा इसके बाद तीन वर्ष के अन्तराल को उचित समझती हैं। स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक दो वर्ष के अन्तराल को, तत्पश्चात् एक वर्ष के अन्तराल को उचित समझती हैं तथा डी०फिल० शिक्षक महिलाएँ शत प्रतिशत दो वर्ष के अन्तराल को ही उचित समझती हैं।

उपरोक्त विवेचन में स्पष्ट है, कि पूर्ण परिवार § Completed family § वाली सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाएँ विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच दो वर्ष के अन्तराल को सबसे अधिक उचित समझती हैं।

सारिणी तंख्या - ४.३

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म-अन्तराल

वर्ष में--	जन्म-अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	लागू नहीं	योग
आयु									
20-30	1४०.55४	-	3४1.65४	-	-	-	-	-	4४2.19४
	25.00		75.00						100.00
30-40	14४7.69४	23४12.64४	13४7.14४	3४1.65४	2४1.09४	-	-	6४3.29४	61४33.52४
	22.95	37.70	24.59	4.92	3.28			9.84	100.00
40-50	22४12.09४	37४20.32४	22४12.09४	7४3.85४	8४4.39४	-	-	11४6.04४	107४58.79४
	20.56	34.57	20.56	6.54	7.48			10.28	100.00
50-60	-	-	6४3.29४	4४2.19४	-	-	-	-	10४5.49४
			60.00	40.00					100.00
योग	37४20.33४	60४32.97४	44४24.18४	14४7.69४	10४5.49४	-	-	17४9.34४	182४100.४४

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे

बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल:-

सारिणी संख्या 8.3 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनके परिवार पूर्ण हो चुके हैं। 182 शिक्षक महिलाओं में 17 $\%$ 9.34% शिक्षक महिलाओं के मात्र एक बच्चा है, अतः पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। शेष शिक्षक महिलाओं में, दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक हैं, तथा पाँच तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म - अन्तराल वाली न्यूनतम हैं। एक वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली 37 $\%$ 20.33% तथा तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली 44 $\%$ 24.18%, चार वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली 14 $\%$ 7.61% हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार स्थिति इस प्रकार है - 20-30 आयु वर्ग में 4 $\%$ 2.19%, 30-40 आयु वर्ग में 61 $\%$ 33.52%, 40-50 आयु वर्ग में 107 $\%$ 58.79%, 50-60 आयु वर्ग में 10 $\%$ 5.49% है। 20-30 आयु वर्ग में तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक हैं। 30-40, 40-50 आयु वर्ग में दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली सर्वाधिक हैं। 50-60 में तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें अधिक हैं। 20-30 तथा 50-60 आयु वर्ग में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या कम होने के कारण कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकला जा सकता है। 30-40, 40-50 में शिक्षक महिलाओं में दो वर्ष का जन्म - अन्तराल अधिक है अतः हम देखते हैं कि पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं में पहिले व दूसरे बच्चे के बीच अधिकतर दो वर्ष का जन्म - अन्तराल है।

सारिणी संख्या - 8.4

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पाँचले वयों में दूसरे वयों के बीच
आदर्श जन्म - अन्तराल

वर्ष में --						
आदर्श जन्म अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक
आयु						
20-30	1१0.55१	-	1१0.55१	2१1.09१	-	-
	25.00		25.00	50.00		
						4१2.19१
						100.00
30-40	4१2.19१	16१8.79१	31१17.03१	4१2.19१	4१2.19१	2१1.09१
	6.56	26.23	50.81	6.56	6.56	3.28
						61१33.52१
						100.00
40-50	6१3.29१	23१12.64१	44१24.18१	11१6.04१	15१8.24१	2१1.09१
	5.61	21.49	41.12	10.28	14.02	1.87
						5.61
						107१58.79१
						100.00
50-60	2१1.09१	-	5१2.75१	2१1.09१	-	-
	20.00		50.00	20.00		
						10१5.49१
						100.00
योग	13१7.14१	39१21.43१	81१44.51१	19१10.43१	19१10.43१	4१2.19१
						7१3.85१
						182१100.१

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे

बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल:-

सारिणी संख्या 8.4 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 182 पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिसमें 7 § 3.85% § शिक्षक महिलाओं ने पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श नहीं बताया है। शेष शिक्षक महिलाओं में 81 § 44.51% § ने तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को आदर्श माना है इसके पश्चात् दो वर्ष के जन्म - अन्तराल को चार तथा पाँच वर्ष को बराबर तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म - अन्तराल आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलाएँ मात्र 4 § 2.19% § हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को आयु के अनुसार चार आयु वर्गों: 20-30, 30-40, 40-50, 50-60 में विभक्त किया गया है। इसमें 20-30 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाएँ, अधिकतर चार वर्ष में तथा शेष सभी आयु वर्ग की तीन वर्ष को आदर्श जन्म - अन्तराल मानती हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल वर्ष में--

जन्म अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	लागू नहीं है	योग
शिक्षा								
जूनियर हाई-स्कूल	10.55	21.09	-	-	-	-	31.65	100.00
	33.33	66.67						
हाई-स्कूल	10.55	63.29	58.75	10.55	52.75	-	10.55	1910.44
	5.26	31.57	26.32	5.26	26.32		5.56	100.00
इण्टरमीडिएट	73.85	63.29	116.04	10.55	10.55	-	31.65	2915.93
	24.15	20.69	37.93	3.45	3.45		10.34	100.00
स्नातक	147.69	179.34	116.04	10.55	42.19	-	52.75	5228.57
	26.92	32.69	21.15	1.92	7.69		9.62	100.00
स्नातकोत्तर	137.14	2714.83	168.79	116.04	-	-	84.39	7541.21
	17.33	36.00	21.33	14.67			10.67	100.00
डीओफिलो	10.55	21.09	10.55	-	-	-	-	42.19
	25.00	50.00	25.00					100.00
योग	3720.33	6031.98	4424.18	147.69	105.49	-	179.34	182100.00

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल:-

सारिणी संख्या 8.5 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे में बीच जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 17§9.34% शिक्षक महिलाएँ ऐसी हैं, जिनके परिवार में मात्र एक बच्चा है। जिसमें ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म अन्तराल है, उनकी संख्या सबसे अधिक 51§28.02% है। इसके पश्चात् तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ 44§24.18%, एक वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ 37§20.33%, चारवर्ष का जन्म अन्तराल वाली 14§7.69% तथा पाँच वर्ष से अधिक जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ न्यूनतम मात्र 9§4.95% है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है।—
जूनियर हाई स्कूल स्तरीय 3§1.65%, शिक्षक महिलाएँ हाई-स्कूल स्तरीय 19§9.44%, इण्टरमीडिएट स्तरीय 29§15.93%, स्नातक 52§28.57%, स्नातकोत्तर 75§41.21%, एवं डी०फिल स्तरीय 4§2.19% शिक्षक महिलाएँ हैं। इसमें सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं के पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म अन्तराल है। * अधिकांश महिलाओं में औसत अन्तराल 2.2 वर्ष पाया गया है। अध्ययन में भी यह तथ्य स्पष्ट रूप से परिलक्षित है।

* Differential urban Fertility- Lucknow-Dr. Saksena, D.N.

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श

जन्म अन्तराल

वर्ष में--

शिक्षा	आदर्श जन्म अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	लागू नहीं है	योग
जूनियर हाई-स्कूल	281.098	1.	-	-	-	-	-	-	381.658
	66.67	33.33							100.00
हाई-स्कूल	281.098	783.858	683.298	482.198	-	-	-	-	19810.448
	11.11	36.84	31.58	21.05					100.00
इण्टरमीडिएट	180.558	1387.148	884.398	381.658	180.558	180.558	281.098	29815.938	29815.938
	3.45	44.83	27.59	10.34	3.45	3.45	6.89	100.00	100.00
स्नातक	381.658	884.398	19810.448	482.198	186.048	381.658	482.198	52828.578	52828.578
	5.77	15.38	36.54	7.69	21.15	5.77	7.69	100.00	100.00
स्नातकोत्तर	582.758	1085.498	47825.828	582.758	783.858	-	180.558	75841.218	75841.218
	6.67	13.33	62.67	6.67	9.33		1.33	100.00	100.00
डिप्लोमा	-	-	180.558	381.658	-	-	-	482.198	482.198
			25.00	75.00				100.00	100.00
योग	187.148	39821.488	81844.508	19810.448	19810.448	482.198	783.858	182810088	182810088

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के

अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल—

सारिणी संख्या 8.6 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म-अन्तराल का विवरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 182 शिक्षक महिलाओं में पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक 65 § 35.71% § है, दो वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली 39 § 21.43% §, चार वर्ष तथा पाँच वर्ष के जन्म-अन्तराल को उचित समझने वाली एक बराबर 19 § 10.44% §, एक वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली 13 § 7.14% §, तथा पाँच वर्ष से अधिक जन्म-अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे कम 4 § 2.19% § है, तथा 23 § 12.64% § शिक्षक महिलाएँ ऐसी हैं, जो मान एक बच्चा उचित समझती है, अतः पहिले व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है— जूनियर हाई स्कूल 3 § 1.65% §, हाई-स्कूल 19 § 10.44% §, इण्टरमीडिएट 29 § 15.93% §, स्नातक 52 § 28.57% § स्नातकोत्तर 75 § 41.21% §, डी०फिल० 4 § 2.19% § है। जूनियर हाई-स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाएँ एक तथा दो वर्ष के जन्म अन्तराल को एक बराबर उचित समझती हैं हाई स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाएँ दो तथा तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को एक बराबर, इण्टरमीडिएट स्तरीय दो वर्ष के जन्म अन्तराल को, तत्पश्चात् तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझती हैं। स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरीय शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझती हैं। डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलाएँ चार वर्ष में जन्म अन्तराल को सबसे अधिक उचित समझती हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चों के दीय जन्म - अन्तराल

अन्य- अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक है	योग
आयु वर्ग							
20-30	180.558 25.00	-	281.098 50.00	-	-	180.558 25.00	482.108 100.00
30-40	884.398 13.11	1588.248 24.59	783.858 11.48	-	-	31819.238 57.38	61833.528 100.00
40-50	786.548 3.85	16814.958 8.79	21819.638 11.54	683.298 5.61	1286.598 11.21	45824.728 42.06	107858.798 100.00
50-60	381.658 30.00	-	381.658 30.00	-	-	482.198 40.00	1085.498 100.00
योग	19810.448	31817.038	33818.138	683.298	1286.598	81844.518	1828100.88

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे

बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल:-

सारिणी संख्या 8.7 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का विवरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें 182 शिक्षक महिलाएँ पूर्ण परिवार वाली हैं का अध्ययन किया गया है। 81 हैं 44.51% हैं शिक्षक महिलाओं के मात्र दो बच्चे हैं, अतः दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक 33 हैं 18.13% हैं, चार वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली 6 हैं 3.29% एक तथा दो वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ क्रमशः 19 हैं 10.44% हैं, एवं 31 हैं 17.03% हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार स्थिति इस प्रकार है 20-30 आयु वर्ग में 4 हैं 2.19% हैं, 30-40 आयु वर्ग में 61 हैं 33.52% 40-50 आयु वर्ग में 107 हैं 58.79% हैं, 50-60 आयु वर्ग में 10 हैं 5.49% हैं। 20-30 आयु वर्ग मात्र 4 हैं 2.19% हैं पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाएँ हैं जिनमें तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ अधिक हैं। 30-40 आयु वर्ग में 61 हैं 33.52% हैं जिनमें दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ अधिक हैं। 40-50 आयु वर्ग में भी तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ अधिक हैं। 50-60 आयु वर्ग में तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ तीन हैं 30-40 तथा 40-50 आयु वर्ग में दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ अधिक तथा 20-30 तथा 50-60 आयु वर्ग में तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ भी हैं, लेकिन इनकी संख्या बहुत कम होने के कारण इनमें कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। इस प्रकार दूसरे बच्चे व तीसरे के मध्य तीन एवं दो वर्ष अन्तराल वाली सर्वाधिक महिलाएँ हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चों के बीच आदर्श जन्य - अन्तराल

आयु वर्ग	जन्म अन्तराल वर्ष में	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
20-30	-	-	42.19	-	-	-	-	42.19	100.00
30-40	52.75	126.59	3619.78	-	-	63.29	21.10	6133.52	100.00
	8.19	19.67	59.02			9.84	3.28		
40-50	137.14	1910.44	4725.82	63.29	126.59	63.29	42.19	10758.79	100.00
	12.15	17.76	43.93	5.61	11.21	5.61	3.74		
50-60	110.55	-	31.65	-	-	21.09	42.19	105.49	100.00
	10.00		30.00			20.00	40.00		
योग	1910.44	3117.03	9049.45	63.29	126.59	147.69	105.49	182100.2	

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल

सारिणी संख्या 8.8 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें सभी आयु वर्ग की अधिकांश लगभग 50% महिलायें तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को आदर्श मानती हैं, इसके पश्चात् दो वर्ष के जन्म अन्तराल को 17% तथा एक वर्ष में जन्म - अन्तराल को 10% शिक्षक महिलाये तथा तीन वर्ष से अधिक जन्म - अन्तराल को 17% शिक्षक महिलायें आदर्श मानती हैं तथा लगभग 6% ने दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श नहीं बताया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु वर्ग के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि 20-30 आयु वर्ग में शी प्रतिशत शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को, 30-40 आयु वर्ग में 59% तीन वर्ष तथा लगभग 20% दो वर्ष तथा 8% एक वर्ष के जन्म - अन्तराल को तथा तीन वर्ष से अधिक लगभग 10% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श माना है। 40-50 आयु वर्ग में लगभग 44% तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को 30% तीन वर्ष से कम अन्तराल को तथा 22% तीन वर्ष से अधिक अन्तराल को शिक्षक महिलाओं ने आदर्श माना है। 50-60 आयु वर्ग में 30% ने तीन वर्ष तथा 10% तीन वर्ष से कम तथा 20% तीन वर्ष से अधिक जन्म अन्तराल को आदर्श माना है।

इस प्रकार 30-40 एवं 50-60 आयु वर्ग की अपेक्षा 40-50 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने सर्वाधिक महत्त्व तीन वर्ष अन्तराल को एवं तीन से कम वर्ष अन्तराल को अपेक्षाकृत तीन से अधिक वर्ष जन्म - अन्तराल को अधिक महत्त्व दिया है।

दूर परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच

जन्म अन्तराल

वर्ष में-

जन्म-अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	लागू नहीं है	योग
--------------	----	----	-----	-----	------	--------------	--------------	-----

शिक्षा								3१1.65१
जूनियर हाई स्कूल	-	2१1.09१	1४0.55१	-	-	-	-	100.00
		66.67	33.33					
हाई-स्कूल	2४1.09१	4१2.19१	4१2.19१	1४०.55१	1४0.55१	-	7१3.85१	1११10.44१
	110.53	21.05	21.05	5.26	5.26		36.84	100.00
इंटरमीडिएट	3१1.65१	4१2.19१	8१4.39१	1४0.55१	2१1.09१	-	11१6.04१	29१15.93१
	1०.34	13.79	27.59	3.45	6.89		37.93	100.00
स्नातक	7१3.85१	11१6.04१	6१3.29१	2१1.09१	6१3.29१	-	20१10.99१	52१28.57१
	13.46	21.15	11.54	3.85	11.54		38.46	100.00
स्नातकोत्तर	7१3.85१	10१5.49१	14१7.69१	2१1.09१	3१1.65१	-	39१21.43१	75१41.21१
	9.33	13.33	18.67	2.67	4.00		52.00	100.00
डीग्रीफ़िल	-	-	-	-	-	-	4१2.19१	4१2.19१
							100.00	100.00
योग	19१10.44१	31१17.03१	33१18.13१	6१3.29१	12१6.59१	-	81१44.51१	182१100.११

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की
 शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल:-

सारिणी संख्या 8.9 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 81.44.51%, शिक्षक महिलायें ऐसी हैं, जिनके मात्र दो बच्चे हैं, अतः उनके दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। इस प्रकार यह 101 शिक्षिकाओं में दूसरे तीसरे बच्चे के मध्य जन्म अन्तराल का वास्तविक अध्ययन है। दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक तथा चार वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें सबसे कम हैं।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है-- जूनियर हाई स्कूल स्तरीय 31.65%, हाई स्कूल 19.44%, इण्टरमीडिएट 29.93%, स्नातक 52.28.57%, स्नातकोत्तर 75.41.21%, डी०फिल० स्तरीय 42.19% है। इसमें अधिकतर सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं के दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म अन्तराल है। * अधिकतर महिलाओं में औसत अन्तराल 2.2 वर्षों का देखा गया है। *

दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म अन्तराल रखने वाली 101 शिक्षक महिलाओं में जहाँ सर्वाधिक 31 शिक्षक महिलायें के 2 वर्ष का जन्म अन्तराल रखा वहीं सर्वाधिक शिक्षित लगभग 21 शिक्षक महिलायें स्नातक स्नातकोत्तर हैं। अध्ययन में महत्वपूर्ण रूप से एक तथ्य और भी उभर कर आया, वह यह कि, लोगों के चार से अधिक वर्ष का भी जन्म अन्तराल रखा है। चार वर्ष का जन्म अन्तराल

जहाँ 3.29% लोगों ने रखा वहीं पर पाँच एवं पाँच से अधिक वर्ष का जन्म अन्तराल लगभग 14% महिलाओं ने रखा। जहाँकि मैं इसका प्रभाव अपेक्षाकृत अच्छा ही होगा। क्यों कि अध्ययन में जहाँ 45% महिलाओं ने मात्र 2 बच्चों के बाद पूर्ण परिवार के आकार को अपनाया वहीं शेष 55% में लोगों ने शीघ्र ही 3 बच्चों के बाद पूर्ण परिवार के विचार को अपनाया। बच्चों के मध्य जन्म अन्तराल के वर्षों के बढ़ने से निश्चित ही माँ एवं बच्चे के स्वास्थ्य पर धनात्मक प्रभाव पड़ेगा।^x

x Family, Magazine-Ministry of family welfare
Government of India.

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा की अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल

जन्म- अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	पाँच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
प्रसिनयर टाई स्कूल	-	-	2१1.09१	1१0.55१	-	-	-	3१1.65१ 100.00
टाई-स्कूल	2१1.09१ 10.53	2१1.09१ 10.53	11१6.04१ 57.89	-	2१1.09१ 10.53	-	2१1.09१ 10.53	19१10.44१ 100.00
इण्टर मीडिएट	1१0.55१ 3.45	4१2.19१ 13.79	9१4.95१ 31.03	2१1.09१ 6.89	5१2.75१ 17.24	8१4.39१ 27.59	-	29१15.93१ 100.00
स्नातक	-	5१2.75१ 9.62	38१20.87१ 73.08	4१2.19१ 7.69	3१1.65१ 5.77	2१1.09१ 3.85	2१1.09१ 3.85	52१28.57१ 100.00
स्नातकोत्तर	14१7.69१ 18.67	20१10.99१ 26.67	29१15.93१ 38.67	-	2१1.09१ 2.67	4१2.19१ 5.33	6१3.29१ 8.00	75१41.21१ 100.00
डी० फिल०	2१1.09१ 50.00	1१0.55१ 25.00	1१0.55१ 25.00	-	-	-	-	4१2.19१ 100.00
योग	19१10.44१	31१17.03१	90१49.45१	6१3.29१	12१6.59१	14१7.69१	10१5.49१	182१100.११

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल

सारिणी संख्या 9.0 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें अधिकतर 50% शिक्षक महिलायें तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल उचित समझती हैं। तीन वर्ष के पश्चात् दो वर्ष के अन्तराल को 17% तथा एक वर्ष के अन्तराल को लगभग 10% शिक्षक महिलायें उचित समझती हैं। तीन वर्ष से अधिक के जन्म - अन्तराल को लगभग 18% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श माना है, तथा 6% ने दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श नहीं बताया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को आदर्श माना है, जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष के पश्चात् चार वर्ष को आदर्श माना है, एक व दो वर्ष को आदर्श मानने वाली जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शून्य है। हाई स्कूल स्तरीय तीन वर्ष से कम वर्ष को 21% ने, इंटर मीडिएट स्तरीय 17% ने, स्नातक लगभग 10% ने, स्नातकोत्तर लगभग 45% ने तथा डी० फिल० स्तरीय 75% ने आदर्श माना है।

इस प्रकार जहाँ अपेक्षाकृत कम शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने अधिक जन्म अन्तराल को आदर्श नहीं माना है वहीं पर उच्च शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने कम जन्म - अन्तराल के साथ - साथ अधिक जन्म - अन्तराल को भी उचित एवं आदर्श माना है।

सारिणी संख्या - 9.1

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल

जन्म अन्तराल आयु	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	पाँच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
20-30	-	-	-	-	-	-	482.198 100.00	482.198 100.00
30-40	381.658 4.92	582.758 8.19	482.198 6.56	180.558 1.64	-	-	48826.378 78.69	61833.528 100.00
40-50	482.198 3.74	783.858 6.54	1387.148 12.15	281.098 1.87	-	-	81844.518 75.70	107858.798 100.00
50-60	180.558 10.00	381.658 30.00	180.558 10.00	180.558 10.00	-	-	482.198 40.00	1085.498 100.00
योग	884.398	1588.248	1889.898	482.198			137875.278	1828100.88

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल

सारिणी संख्या 9.1 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। न्यायार्थ में 855 शिक्षक महिलायें हैं जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें 75% शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं, अतः तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। शेष शिक्षक महिलाओं अधिक लगभग 10% शिक्षक महिलाओं के तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल है, इसके पश्चात् 8% दो वर्ष को तथा 4% एक वर्ष जन्म अन्तराल वाली तथा न्यूनतम चार वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु वर्ग के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि 20-30 आयु वर्ग में सभी शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं फलतः तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य अन्तराल हेतु कोई उत्तर नहीं दिया है। शेष जितनी शिक्षिकाओं ने जन्म - अन्तराल बताया है उनकी संख्या विभिन्न आयु वर्गानुसार इतनी कम है जिससे हम किसी विशेष निष्कर्ष पर नहीं पहुँच सकते। सारिणी से भी यह तथ्य स्पष्ट है कि 75% महिलाओं पर यह लागू नहीं है मात्र 25% ने ही उत्तर दिया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल

सारिणी संख्या 9.1 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें 75% शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं, अतः तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। शेष शिक्षक महिलाओं अधिक लगभग 10% शिक्षक महिलाओं के तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल है, इसके पश्चात् 8% दो वर्ष को तथा 4% एक वर्ष जन्म अन्तराल वाली तथा न्यूनतम चार वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु वर्ग के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि 20-30 आयु वर्ग में सभी शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं फलतः तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य अन्तराल हेतु कोई उत्तर नहीं दिया है। शेष जितनी शिक्षिकाओं ने जन्म - अन्तराल बताया है उनकी संख्या विभिन्न आयु वर्गानुसार इतनी कम है जिससे हम किसी विशेष निष्कर्ष पर नहीं पहुँच सकते। सारिणी से भी यह तथ्य स्पष्ट है कि 75% महिलाओं पर यह लागू नहीं है मात्र 25% ने ही उत्तर दिया है।

सारिणी संख्या- 9.2

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तोलने बच्चे व चौथे बच्चे के बीच जन्म-अन्तराल

वर्ष में —

जन्म-अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	लागू नहीं है	योग
शिक्षा								
पुनियर हाई-स्कूल	-	-	-	-	-	-	3११.65१	3११.65१
							100.00	100.00
हाई-स्कूल	2११.09१	1१0.55१	1१0.55१	1१0.55१	-	-	14१7.69१	19११0.44१
	10.53	5.२२	5.26	5.26			73.68	100.00
इंटरमीडिएट	2११.09१	1१0.55१	5१2.75१	1१0.55१	-	-	20११0.99१	29११5.93१
	6.89	3.45	17.24	3.45			68.97	100.00
स्नातक	2११.09१	5१2.75१	8१4.39१	-	-	-	37१20.33१	52१28.57१
	3.85	9.62	15.38				71.15	100.00
स्नातकोत्तर	2११.09१	10१5.49१	1१0.55१	2११.09१	-	-	59१32.42१	75१4१.21१
	2.67	13.33	1.33	2.67			73.67	100.0०
जीओप्रिगो	-	-	-	-	-	-	4१2.19१	4१2.19१
							100.00	100.00
योग	6१4.39१	17,१34१	15१6.24१	4१2.1११	-	-	137,75.27१	132११00१११

पूर्ण परिवार § - Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की

शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल:-

सारिणी संख्या 9.2 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 137 § 75.27X § शिक्षक महिलाएँ ऐसी हैं, जिनके मात्र तीन बच्चे हैं, अतः तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता लगभग 44 X शिक्षक महिलाओं के तीसरे चौथे बच्चों के मध्य जन्म अन्तराल में अध्ययन किया गया है। तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक, इसके पश्चात् तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ 15 § 8.24X § हैं, तथा सबसे कम चार वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ हैं। पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है--जूनियर हाई स्कूल 3 § 1.45X §, हाई स्कूल 19 § 10.44X §, इण्टरमीडिएट 29 § 15.93X §, स्नातक 52 § 28.57X §, स्नातकोत्तर 75 § 41.21X § डी०फिल० स्तरीय 4 § 2.19X § है। जूनियर हाई स्कूल हाई स्कूल शिक्षक महिलाओं के तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल कम है। इण्टरमीडिएट स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षक महिलाओं में तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल अधिक है शैक्षिक स्तर के बढ़ने के साथ-2 शिक्षक महिलाओं में तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल अधिक रहा है।

इस प्रकार सारिणी से स्पष्ट है कि शिक्षक महिलाएँ में तीसरे -चौथे संतान के मध्य जन्म अंतराल कम वर्ष अधिक पायी गयी है। चार वर्ष के जन्म अंतराल करने की प्रवृत्ति सबसे कम एवं इससे अधिक जन्म अन्तराल करने की प्रवृत्ति को अधिक स्पष्ट करती है। वैसे कम शिक्षित शिक्षिकाओं मात्र एक वर्ष के अंतराल को एवं अधिक शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने एक से अधिक 2 एवं 3 वर्ष के अंतराल को स्वीकार किया है।

सांख्यिकी-संख्या-९३

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों

को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

वर्ग आयुवर्ग	महिलाये	परामर्श दिया	परामर्श नहीं दिया	योग
20-30	शिक्षक	170 {19.89 }	52 {6.09 }	222 {25.96 }
		76.88	23.42	100.00
	कार्यालयी	-	-	-
30-40	घरेलू	-	-	-
	शिक्षक	242 {28.30 }	85 {9.94 }	327 {38.24 }
		74.01	25.99	100.00
40-50	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
	शिक्षक	179 {23.16 }	25 {2.92 }	223 {26.08 }
50-60		83.79	11.21	100.00
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
योग	शिक्षक	52 {6.09 }	31 {3.63 }	83 {9.71 }
		62.65	37.34	100.00
	कार्यालयी	-	-	-
योग	घरेलू	-	-	-
	शिक्षक	662 {77.43 }	193 {22.57 }	855 {100.00 }
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 9.3 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिए गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिए गए परामर्श के सम्बन्ध में मात्र शिक्षक महिलायें ही महत्वपूर्ण हैं। अन्य महिलाओं का छात्रों को परामर्श देने का औचित्य ही नहीं उठता। न्यायार्थ की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 77% ने छात्रों का परामर्श दिया है, जबकि शेष 23% ने परामर्श नहीं दिया है।

छात्रों को परामर्श देने वाली 77% शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 28.30% 30-40 आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें हैं जो न्यायार्थ की समस्त शिक्षक महिलाओं का 38% है। 40-50 आयु वर्ग में सबसे अधिक 88% शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात् 20-30 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं 30-40 आयु वर्ग की तथा 50-60 आयु वर्ग की भी शिक्षक महिलाओं ने तुलनात्मक रूप से सबसे कम परामर्श दिया है।

सारणी-संख्या १.५

शिक्षक कार्यालयी एवं शैक्षिक महिलाओं की शिक्षा के अवकाश परियोजना नियोजन की साक्षरता के बारे में छात्रों को दिये गये परामर्श का विवेकात्मक अंश

परामर्श शिक्षा	महिलाये	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
प्राथमिकी	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
जूनियर हाई स्कूल	शिक्षक	2 80 23 8 33.33	4 80 47 8 66.67	6 80 70 8 100.00
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
हाई स्कूल	शिक्षक	35 84 09 8 68.63	16 81 87 8 31.37	51 85 96 8 100.00
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
इंटरमीडिएट	शिक्षक	76 89 89 8 71.69	30 83 51 8 29.30	106 812 39 8 100.00
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
स्नातक	शिक्षक	196 822 92 8 76.56	60 87 02 8 23.44	256 829 94 8 100.00
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
स्नातकोत्तर	शिक्षक	339 839 65 8 80.52	82 89 59 8 19.49	421 849 24 8 100.00
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
डी. फिल.	शिक्षक	10 81 17 8 66.67	5 80 58 8 33.33	15 81 75 8 100.00
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
योग	शिक्षक	662 877 43 8	193 822 57 8	855 8100 7 8
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या १.५- में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिये गए परामर्श के सम्बन्ध में मात्र शिक्षक महिलायें ही महत्वपूर्ण हैं। अन्य महिलाओं का छात्रों को परामर्श का औचित्य ही नहीं उठता। न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 77% ने छात्रों को परामर्श दिया है, जबकि शेष 23% ने परामर्श नहीं दिया है।

छात्रों को परामर्श देने वाली 77% शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 81% स्नातकोत्तर महिलायें हैं, जो न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं का 40% है। शिक्षा स्तर में वृद्धि के साथ छात्रों को अधिक संख्या में परामर्श देने की प्रवृत्ति दिखायी पड़ी है। परामर्श न देने 23% में सर्वाधिक स्नातकोत्तर स्तरीय है। इनमें भी शिक्षा स्तर में वृद्धि के साथ छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है।

तालिका-संख्या ३५

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार-नियोजन की वांछनीयता के बारे में

सम्बन्धी एवं मित्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

परामर्श आयु वर्ग	महिलाये	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	शिक्षक	112 § 13.09 § 50.45	110 § 12.97 § 49.55	222 § 25.96 § 100.00
	कार्यालयी	154 § 19.44 § 42.78	206 § 26.01 § 57.22	360 § 45.45 § 100.00
	घरेलू	213 § 25.46 § 55.05	178 § 20.79 § 44.95	396 § 46.26 § 100.00
	शिक्षक	213 § 25.49 § 66.67	109 § 12.75 § 33.33	327 § 39.25 § 100.00
	कार्यालयी	114 § 14.39 § 36.54	179 § 25.00 § 63.46	312 § 37.39 § 100.00
	घरेलू	103 § 12.03 § 43.64	133 § 15.54 § 56.36	236 § 27.57 § 100.00
40-50	शिक्षक	152 § 17.78 § 68.16	71 § 9.30 § 31.84	223 § 26.09 § 100.00
	कार्यालयी	48 § 5.61 § 60.76	31 § 3.62 § 39.24	79 § 9.97 § 100.00
	घरेलू	53 § 6.19 § 36.81	91 § 13.63 § 63.19	144 § 16.92 § 100.00
	शिक्षक	39 § 4.56 § 46.99	44 § 5.73 § 53.01	83 § 9.71 § 100.00
	कार्यालयी	19 § 2.39 § 46.34	22 § 2.79 § 53.66	41 § 5.19 § 100.00
	घरेलू	25 § 2.92 § 31.25	55 § 6.43 § 55.75	80 § 9.35 § 100.00
योग	शिक्षक	521 § 60.94 §	334 § 39.06 §	855 § 100.2 §
	कार्यालयी	335 § 42.29 §	457 § 57.70 §	792 § 100.2 §
	घरेलू	399 § 46.61 §	457 § 53.39 §	856 § 100.2 §

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के संदर्भ में सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिए गए परामर्श का

विभेदात्मक अध्ययन:—

सारिणी संख्या 9.5— में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग अन्तराल के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिए गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

20-30 आयु वर्ग में सबसे अधिक घरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात शिक्षक तथा कार्यालयी महिलाओं ने परामर्श दिया है।

30-40 आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, इसके पश्चात कार्यालयी एवं घरेलू महिलाये है, इस आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है। इसके पश्चात घरेलू महिलाये है परामर्श देने में कार्यालयी महिलाये सबसे पीछे है।

40-50 आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया है। इस आयु वर्ग में परामर्श देने में कार्यालयी महिलाओं का स्थान दूसरा है।

50-60 आयु वर्ग में शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाये परामर्श देने में लगभग बराबर है, तथा घरेलू महिलाये परामर्श देने में पीछे है।

सारिणी से स्पष्ट है, कि शिक्षक महिलाये परामर्श देने में सबसे आगे है, इसके पश्चात घरेलू तथा कार्यालयी महिलाये है। 20-30 आयु वर्ग में घरेलू महिलाओं का स्थान प्रथम है, जबकि अन्य आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं का स्थान पहला तथा कार्यालयी महिलाओं का स्थान दूसरा है।

आदिशर्मा-सूचकांक 9.6

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की साक्षरता के बारे में सम्बन्धी प्रश्नों को दिये गये परामर्श का विवेकात्मक उत्तर

परामर्श शिक्षा	महिलाएं	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	4 १०.४७ १ 5 ३३	64 १७.४८ १ 94 12	68 १७.९४ १ 100 00
प्राथमिकी	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	21 १२.४५ १ 30.00	49 १५.७२ १ 70 00	70 १८.१८ १ 100 00
जूनियर हाई स्कूल	शिक्षक	4 १०.४७ १ 66.67	2 १०.२३ १ 33.33	6 १०.७० १ 100.00
	कार्यालयी	5 १०.६३ १ 31.25	11 ११.३९ १ 68.75	16 १२.०२ १ 100.00
	घरेलू	36 १४.२१ १ 47.37	40 १४.६७ १ 52.63	76 १८.८८ १ 100.00
हाई स्कूल	शिक्षक	35 १४.०९ १ 68.63	16 ११.८७ १ 31.37	51 १५.९६ १ 100.00
	कार्यालयी	17 १२.१५ १ 35.42	31 १३.९१ १ 64.58	48 १६.०६ १ 100.00
	घरेलू	76 १८.८८ १ 52.78	68 १७.९४ १ 47.22	144 १६.९२ १ 100.00
इंटरमीडियेट	शिक्षक	66 १७.७२ १ 62.26	40 १४.६८ १ 37.74	106 १६.३९ १ 100 00
	कार्यालयी	31 १३.९१ १ 35.23	57 १७.१९ १ 64.77	88 १६.११ १ 100 00
	घरेलू	60 १७.०१ १ 51.72	56 १६.५४ १ 48.28	116 १६.५५ १ 100.00
स्नातक	शिक्षक	141 १६.४९ १ 55.08	115 १३.४५ १ 44.92	256 १९.९४ १ 100.00
	कार्यालयी	116 १४.६५ १ 40.70	169 १२.३४ १ 59.29	285 १५.९८ १ 100 00
	घरेलू	72 १८.४१ १ 37.50	120 १४.०२ १ 62.50	192 १६.४३ १ 100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षक	265 १३०.९९ १ 62.95	156 ११९.२४ १ 37.05	421 १४९.२४ १ 100 00
	कार्यालयी	164 १२०.७१ १ 46.86	350 १४४.१९ १ 100.00	514 १६०.९० १ 100.00
	घरेलू	128 ११४.९५ १ 68.09	60 १७.०१ १ 31.71	188 १२१.७६ १ 100.00
डी फिल.	शिक्षक	10 ११.१७ १ 66.67	5 १०.५८ १ 33.33	15 ११.७५ १ 100 00
	कार्यालयी	2 १०.२५ १ 40.00	3 १०.३१ १ 60 00	5 १०.६३ १ 100.00
	घरेलू	2 १०.२३ १ 100.00	-	2 १०.२३ १ 100.00
योग	शिक्षक	521 १६०.९४ १	334 १३९.०६ १	855 ११००.४ १
	कार्यालयी	335 १४२.२९ १	4५७ १५७.७० १	792 ११००.४ १
	घरेलू	399 १४६.६१ १	4५७ १५३.३९ १	856 ११००.४ १

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिये गए परामर्श का

विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 9.6- में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में "सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिये गए परामर्श" का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि, शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक जागरूकता समाज कल्याण के प्रति होती है। न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 61% ने सम्बन्धियों एवं मित्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में परामर्श दिया है। घरेलू महिलाओं में लगभग 47% ने परामर्श दिया है, जबकि समस्त कार्यालयी महिलाओं में मात्र 42% ने ही परामर्श दिया है।

अशिक्षित एवं प्राथमरी तक शिक्षित घरेलू महिलाओं ने परिवार नियोजन हेतु परामर्श सबसे कम दिया है। शिक्षक महिलाओं में जूनियर हाई स्कूल से लेकर विभिन्न शैक्षिक स्तरों की सर्वाधिक महिलाओं ने परामर्श दिया है। लगभग 67% जूनियर हाई स्कूल स्तरीय ने 69% हाई स्कूल स्तरीय ने, 62% इण्टर मीडिएट स्तरीय ने 55% स्नातकों ने, 63% स्नातकोत्तरों ने एवं 67% डी० फि० स्तरीय उच्च शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है।

समस्त कार्यालयी महिलाओं में 42.29% ने ही परामर्श दिया है, जो शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं से कम है, लेकिन उनमें उच्च शिक्षितों ने अपेक्षाकृत अधिक परामर्श दिया है। इण्टर मीडिएट एवं उससे कम शिक्षित कार्यालयी महिलाओं में परामर्श की प्रवृत्ति कम दिखायी पड़ी है।

घरेलू महिलाओं में शिक्षक महिलाओं से कम लेकिन कार्यालयी महिलाओं से अधिक परामर्श देने की प्रवृत्ति दिखायी पड़ी है। अशिक्षितों एवं प्राथमरी शिक्षितों में तो सबसे कम लेकिन जूनियर हाई स्कूल से लेकर स्नातक स्तर तक परामर्श देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। स्नातकोत्तर स्तर में सर्वाधिक 68% घरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया जो महत्वपूर्ण है।

इस प्रकार शिक्षा, परिवार नियोजन परामर्श देने की प्रवृत्ति में प्रभावी होती है। शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक घरेलू महिलाओं में उतने कम लेकिन कार्यालयी महिलाओं में कुछ विकृचित सा स्वस्थ दिखायी पड़ा है, फिर भी अधिक शिक्षित कार्यालयी महिलाओं में यह प्रवृत्ति अपेक्षाकृत अधिक है।

सारणी-क्या-११

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार-नियोजन की वांछनीयता के बारे में

जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन				
प्राथमिक आयुवर्ग	महिलाये	परामर्श दिया	परामर्श नहीं दिया	योग
20-30	शिक्षक	129 15.09 1	93 10.88 1	222 25.96 1
		55.11	41.89	100.00
	कार्यालयी	186 23.48 1	174 21.97 1	360 45.45 1
		51.67	48.33	100.00
	घरेलू	68 7.94 1	328 38.32 1	396 46.26 1
		17.17	82.92	100.00
30-40	शिक्षक	226 26.43 1	101 11.91 1	327 38.25 1
		69.11	30.89	100.00
	कार्यालयी	74 9.34 1	238 30.05 1	312 39.39 1
		23.72	76.28	100.00
	घरेलू	32 3.74 1	204 23.93 1	236 27.57 1
		13.56	86.44	100.00
40-50	शिक्षक	162 18.95 1	61 7.13 1	223 26.08 1
		72.65	27.35	100.00
	कार्यालयी	17 2.14 1	62 7.93 1	79 9.97 1
		21.52	78.48	100.00
	घरेलू	60 7.01 1	84 9.91 1	144 16.92 1
		41.67	58.33	100.00
50-60	शिक्षक	44 5.15 1	39 4.56 1	83 9.71 1
		53.01	46.99	100.00
	कार्यालयी	20 2.53 1	21 2.65 1	41 5.18 1
		48.78	51.22	100.00
	घरेलू	30 3.50 1	50 5.84 1	80 9.35 1
		37.50	62.50	100.00
योग	शिक्षक	561 65.61 1	294 34.39 1	855 100.00 1
	कार्यालयी	297 37.50 1	495 62.50 1	792 100.00 1
	घरेलू	394 46.03 1	462 53.97 1	856 100.00 1

शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की

वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या -१७- में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

20-30 आयु वर्ग में, सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात कार्यालयी महिलाओं ने परामर्श दिया है, जबकि इसी वर्ग की घरेलू महिलायें परामर्श देने में अत्यधिक पीछे हैं। इस आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं की संख्या यद्यपि अपेक्षाकृत कम है, लेकिन महत्वपूर्ण है, दूसरी ओर इस वर्ग में अन्य महिलाओं की संख्या अधिक है, लेकिन उन्होंने परामर्श कम दिया है।

30-40 आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, इसके पश्चात कार्यालयी व घरेलू महिलायें हैं, इस आयु वर्ग में भी सबसे अधिक 69% शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, दूसरी ओर अन्य महिलाओं ने परामर्श बहुत कम दिया है।

40-50 आयु वर्ग में भी सबसे अधिक 72.65% शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, कार्यालयी महिलाओं में 21% ने परामर्श दिया है तथा अधिक 78% ने परामर्श नहीं दिया है घरेलू में 42% ने परामर्श दिया है, तथा 58% ने परामर्श नहीं दिया।

50-60 आयु वर्ग में भी सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात कार्यालयी महिलाओं ने तथा सबसे कम घरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया है।

सारिणी से स्पष्ट है कि शिक्षक महिलाओं ने सबसे अधिक 65.61% ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात घरेलू महिलाओं 46% ने तथा सबसे कम कार्यालयी

महिलाओं 37% ने परामर्श दिया है। निश्चित रूप से कार्यालयी महिलाओं में परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में परामर्श देने के विषय में उनकी ज़ुगुप्ता निराशाजनक है, इसके विपरीत शिक्षक महिलाओं का व्यवहार उत्साहजनक रहा है।

घाटिणी - संवत् १९४३

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की
वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विवेकात्मक आयोजन

परामर्श शिक्षा	महिलाये	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	68 87.94 8	68 87.94 8
			100.00	100.00
प्राथमिकी	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	28 83.27 8	42 84.91 8	70 88.18 8
		40.00	60.00	100.00
जूनियर हाई स्कूल	शिक्षक	4 80.47 8	2 80.73 8	6 80.70 8
		66.67	33.33	100.00
	कार्यालयी	2 80.25 8	14 81.77 8	16 82.02 8
		12.50	87.50	100.00
	घरेलू	36 84.21 8	40 84.67 8	76 88.88 8
		47.37	52.63	100.00
हाई-स्कूल	शिक्षक	32 83.74 8	19 82.22 8	51 85.96 8
		62.74	37.25	100.00
	कार्यालयी	10 81.26 8	38 84.79 8	48 86.06 8
		20.83	79.17	100.00
	घरेलू	72 88.41 8	72 88.41 8	144 88.92 8
		50.00	50.00	100.00
इण्टरमीडिएट	शिक्षक	66 87.72 8	40 84.68 8	106 88.12.39 8
		62.26	37.74	100.00
	कार्यालयी	24 83.03 8	64 88.08 8	88 88.11.11 8
		27.27	72.73	100.00
	घरेलू	60 87.01 8	56 86.54 8	116 86.77.55 8
		51.72	48.28	100.00
स्नातक	शिक्षक	171 820.00 8	85 89.94 8	256 89.97 8
		66.79	33.20	100.00
	कार्यालयी	114 814.39 8	171 821.59 8	285 835.98 8
		40.00	60.00	100.00
	घरेलू	72 88.41 8	120 814.02 8	192 822.43 8
		37.5	62.5	100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षक	279 832.63 8	142 818.61 8	421 849.24 8
		66.27	33.73	100.00
	कार्यालयी	145 818.31 8	205 825.89 8	350 844.19 8
		41.43	58.57	100.00
	घरेलू	124 814.49 8	64 87.48 8	188 821.96 8
		65.96	34.04	100.00
डी.फिल.	शिक्षक	9 81.05 8	6 80.70 8	15 81.75 8
		60.00	40.00	100.00
	कार्यालयी	2 80.25 8	3 80.38 8	5 80.63 8
		40.00	60.00	100.00
	घरेलू	2 80.23 8	-	2 80.23 8
		100.00		100.00
योग	शिक्षक	561 865.61 8	294 834.39 8	855 880.4 8
	कार्यालयी	297 837.30 8	495 862.50 8	792 880.4 8
	घरेलू	394 846.03 8	462 853.97 8	856 880.4 8

सारिणी संख्या 4 8

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
शिक्षा							
जूनियर हाई स्कूल	-	4१0.47१	2१0.23१	-	=	-	6१0.70१ 100.00
		66.67	33.33				
हाईस्कूल	2१0.23१	42१4.91१	5१0.58१	2१0.23१	-	-	51१5.96१ 100.00
	3.92	82.35	9.80	3.92			
इण्टरमीडिएट	6१0.70१	87१10.18१	13१1.52१	-	-	-	106१12.39१ 100.00
	5.66	82.08	12.26				
स्नातक	18१2.11१	214१25.03१	18१2.11१	4१0.47१	2१0.23१	-	256१29.94१ 100.00
	7.03	83.59	7.03	1.56	0.78		
स्नातकोत्तर	28१3.27१	320१37.43१	68१7.92१	5१0.58१	-	-	421१49.24१ 100.00
	6.65	76.01	16.15	1.18			
डी०फिल०	1१0.12१	14१1.64१	-	-	-	-	15१1.75१ 100.00
	7.14	93.33					
योग	55१6.43१	681१79.65१	106१12.39१	11१1.29१	2१0.03१	-	855१100.११

नामिका-संख्या- 99

सिमांक, कार्यालयी एवं घरेलू भट्टसंख्या की आय के अनुसार उनकी प्रकार की आय का विवरण अलग

वर्ष की शुरुआत से	15-18 वर्ष	19-21	21-25	25-30	30 वर्ष से अधिक	विवरण	योग
20-30							
सिमांक	210-238 0-90	680-708 2-70	3283-748 14-41	5185-968 22-97	1082-228 8-56	112813-098 50-45	222825 968 100-00
कार्यालयी	210-258 0-56	780-838 1-94	101812-758 28-06	183823-118 50-83	1982-398 5-29	48886-068 13 33	360845 458 100 00
घरेलू	4885-618 12-12	6988-068 17-42	198123-138 50 00	4585-268 11-36	3383-868 9-33	380-358 0-76	396840-268 100-00
30-40							
सिमांक	880 768 2-45	6287-258 18 96	6287-258 19 96	93810-998 28-44	5986 798 17-74	3283-748 9-79	327839 258 100-00
कार्यालयी	380-398 0-96	1181-398 3-53	5687-078 17-95	227823-668 72-76	580-638 1-60	881-018 2-56	312855-398 100-00
घरेलू	1081-178 4-24	2182-458 9-89	10811-798 42-79	6587-598 27-54	3984-568 16-53	-	23683 048 100 00
40-50							
सिमांक	1481-648 6-29	53-6 198 23-77	3283-748 14 35	5989-078 30-94	3383-968 14-79	1681 978 7-17	223826-098 100 00
कार्यालयी	480-518 5-06	1982 398 24-05	4185-198 51-29	881-018 10-13	480-518 3-06	280-258 2-53	7989-978 100-00
घरेलू	380-358 2-09	3784-328 23-69	7483-648 51-39	1781-998 11-91	480-478 2-79	981 058 6-25	144816 82 8 100-00
50-60							
सिमांक	780-828 8-43	2783 168 32-53	1581-758 13-07	1481-648 16-97	981-058 10-94	780-928 4-43	9389-718 100-00
कार्यालयी	680-768 14-63	2483-038 59-54	881-018 6 51	280-258 4 93	-	180-138 2-44	4185-198 100-00
घरेलू	280-398 6-25	3884-448 47-50	2082 348 2 50	1181-298 13-75	680-708 7 50	-	9080-938 100-00
योग							
सिमांक	388 628 1581-398	129 17-318 6187 708	14816-498 206826-018	227826-558 442083 038	119813-928 2983-548	2282-578 480-518	955810028 792810028
कार्यालयी	6687-718 165819 288		393845-918 8138816-128	8289-598		1281-408	955810048

शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 9.9 में विभिन्न महिलाओं का उनकी आयु के अनुसार "विवाह की आयु" का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21-25 आयु में एवं घरेलू महिलाओं का 18-21 आयु में हुआ है। सर्वेक्षण में लगभग 20% शिक्षक, 7% कार्यालयी एवं 1% घरेलू महिलायें अविवाहित पायी गईं।

समस्त शिक्षक महिलाओं में मात्र लगभग 4% का विवाह 15 वर्ष से कम आयु में हुआ है। 15-18 आयु में 17%, 18-21 आयु में 16%, 21-25 आयु में 27% एवं 25 से अधिक आयु में लगभग 17% का विवाह होना पाया गया। कार्यालयी महिलाओं में सबसे कम मात्र 2% का विवाह 15 से कम आयु में देखा गया। सर्वाधिक 53% कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21-25 आयु में पाया गया। 25 से अधिक आयु में मात्र 4% का विवाह हुआ है। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 46% का विवाह 18-21 आयु में एवं 19% का 15-18 आयु में पाया गया। लगभग 10% घरेलू महिलाओं का विवाह 25 से अधिक आयु में देखा गया।

आयु - वर्ग के अनुसार उनके विवाह आयु को देखने पर यह देखा गया कि 20-30 आयु वर्ग की सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21 वर्ष के बाद ही पाया गया जबकि सर्वाधिक घरेलू महिलाओं का कुछ शीघ्र आयु में विवाह होना देखा गया।

सारणी-कृपा-100

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनकी विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन

विवाह की आयु	महिलाये	15वर्ष से नीचे	15-13वर्ष	13-21वर्ष	21-25वर्ष	25-30वर्ष	30वर्ष से अधिक	अविवाहित	योग
शिक्षा									
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	32.3.74 47.06	21.82.45 30.89	8.0.93 11.76	7.0.82 10.29	-	-	-	68.7.94 100.00
प्राथमरी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	19.2.22 27.14	34.3.97 48.57	7.0.82 10.00	6.0.70 8.57	-	-	4.0.47 5.71	70.8.13 100.00
जूनियर	शिक्षक	4.0.47 66.67	-	-	-	-	-	2.0.23 33.33	8.0.70 100.00
हाई स्कूल	कार्यालयी	5.0.63 31.25	4.0.51 25.00	5.0.63 31.25	2.0.25 12.50	-	-	-	16.2.02 100.00
	घरेलू	9.1.09 11.84	23.2.69 30.26	19.2.22 25.00	15.1.75 19.74	7.0.82 9.21	-	-	76.8.88 100.00
हाई स्कूल	शिक्षक	4.0.47 7.84	26.3.04 50.98	4.0.47 7.84	10.1.17 19.61	3.0.35 5.88	1.0.12 1.96	3.0.35 5.88	51.5.96 100.00
	कार्यालयी	7.0.88 14.58	9.1.14 18.75	12.1.52 25.00	11.1.39 22.92	5.0.63 10.42	-	4.0.51 8.33	43.6.06 100.00
	घरेलू	6.0.70 4.17	30.3.50 20.83	9.7.11.33 67.36	4.0.47 2.78	3.0.35 2.09	-	4.0.47 2.78	144.16.92 100.00
इट-1	शिक्षक	11.0.70 5.66	32.3.74 30.19	24.2.81 22.64	16.1.87 15.09	11.1.29 10.38	5.0.55 4.72	12.1.40 11.32	106.12.39 100.00
मीडियट	कार्यालयी	3.0.38 3.41	9.1.14 10.23	54.16.82 61.36	17.2.15 19.32	-	-	5.0.63 5.68	88.11.11 100.00
	घरेलू	-	6.0.70 5.17	92.10.75 79.31	12.1.40 10.34	6.0.70 5.17	-	-	116.13.55 100.00
स्नातक	शिक्षक	11.1.29 4.30	41.4.79 16.02	46.5.38 17.97	65.7.60 25.39	38.4.44 14.84	7.0.82 2.73	48.5.61 18.75	256.29.94 100.00
	कार्यालयी	-	11.1.39 3.86	66.5.33 23.16	180.22.73 63.16	9.1.14 3.16	2.0.25 0.70	19.2.39 6.67	285.35.98 100.00
	घरेलू	-	30.3.50 15.63	84.19.81 43.75	51.5.96 26.56	26.3.03 13.54	-	4.0.47 2.08	192.22.43 100.00
स्नातक	शिक्षक	10.1.17 2.39	43.5.03 10.21	65.7.60 15.44	131.15.32 31.12	63.7.37 14.96	9.1.05 2.14	100.11.69 23.75	421.49.24 100.00
कोत्तर	कार्यालयी	-	28.3.54 8.00	69.8.71 19.71	210.26.52 60.00	11.1.39 3.14	-	30.3.79 8.57	350.44.10 100.00
	घरेलू	-	21.2.45 11.17	86.10.05 45.74	41.4.79 21.81	40.4.67 21.28	-	-	188.21.96 100.00
डी.फिल.	शिक्षक	-	2.0.23 13.33	2.0.23 13.33	5.0.55 33.33	4.0.47 20.67	-	2.0.23 13.33	15.1.75 100.00
	कार्यालयी	-	-	-	-	3.0.38 60.00	2.0.25 0.57	-	5.0.63 100.00
	घरेलू	-	-	-	2.0.23 100.00	-	-	-	2.0.23 100.00
योग	शिक्षक	31.3.62	148.17.31	141.16.49	227.26.55	119.13.92	22.2.57	167.19.53	855.100.2
	कार्यालयी	15.1.89	61.7.70	206.26.01	420.53.03	28.3.54	4.0.51	58.7.32	792.100.2
	घरेलू	66.7.71	165.19.28	393.45.91	138.16.12	92.9.59	-	12.1.40	856.100.2

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 10.0 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनकी विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि न्यादर्श की समस्त शिक्षिकाओं में लगभग 20% कार्यालयी महिलाओं में लगभग 7% एवं घरेलू महिलाओं में 1.4% अविवाहित होने के कारण उनकी विवाह आयु के विषय में कुछ नहीं कहा जा सकता है। लेकिन शेष महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षिकाओं एवं कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21-25 आयु में हुआ है। सर्वाधिक घरेलू महिलाओं का विवाह 18-21 आयु में हुआ है। 18-21 आयु में सबसे कम शिक्षिकाओं ने एवं सबसे अधिक घरेलू महिलाओं ने किया है। 21-25 आयु में सर्वाधिक कार्यालयी एवं सबसे कम घरेलू महिलाओं ने विवाह किया है। 25 से अधिक आयु में विवाह शिक्षिकाओं ने सर्वाधिक एवं कार्यालयी महिलाओं ने सबसे कम किया है। 15 वर्ष से कम आयु में विवाह घरेलू महिलाओं ने सर्वाधिक किये हैं। यदि 21 वर्ष से कम एवं उससे अधिक आयु में विवाहित महिलाओं के विषय में देखें तो सारिणी से स्पष्ट होता है कि 21 से कम आयु में शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाएँ बराबर हैं, वहीं घरेलू महिलाओं से उनका 1:2 का अनुपात है। लगभग 36% शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं की तुलना में 73% घरेलू महिलाओं का विवाह 21 से कम आयु में हुआ है।

शिक्षा के अनुसार उनके विवाह आयु को देखने पर स्पष्ट होता है कि 15 वर्ष से कम आयु में विवाहित शिक्षक महिलाओं में शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ उनकी संख्या में कमी आयी। ठीक यही बात 15-18 एवं 18-21 आयु में विवाहित शिक्षक महिलाओं के साथ देखा गया लेकिन 21-25 आयु में विवाहित कम शिक्षित शिक्षिका में विवाह की कम प्रवृत्ति एवं अधिक शिक्षितों में इस आयु वर्ग में विवाह की अधिक प्रवृत्ति देखी गयी है।

कार्यालयी एवं शिक्षक महिलाओं में निम्न स्तरीय शिक्षा छोड़ विवाह प्रवृत्ति एवं उच्च शिक्षा विलम्ब विवाह को बढ़ावा देती है। यह बात सर्वेक्षण

से स्पष्ट हुई। यह तथ्य घरेलू महिलाओं में भी देखा गया लेकिन उनमें उच्च शिक्षितों की कमी के कारण विशेष महत्वपूर्ण तथ्य प्रकाश में नहीं आये। न्यादर्श में 30 से अधिक आयु में विवाह करने वाली घरेलू शून्य, कार्यालयी मात्र 0.51% एवं शिक्षक महिलायें 2.57% है।

विद्यार्थी का विद्यार्थी ४६५५

विभाग के माहसले का दिनांक	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	26 वर्ष	27 वर्ष	28 वर्ष	29 वर्ष	30 वर्ष	योग
आयुर्ग											
रिहात	-	50-58, 2-25	3-0-35, 1-35	4-0-47, 1-30	9-10-94, 3-60	11-1-29, 4-95	11-2-26, 5-0-45	44-5-15, 31-3-63	4-0-47, 1-30	-	222, 225-96, 100-00
कार्यालयी	-	-	2-80-23, 0-56	1-80-13, 0-28	6-80-76, 1-67	19-82-39, 5-28	10-11-26, 2-78	55-6-94, 25-2-83	10-11-26, 2-78	1-39	50-63, 360, 45-45, 100-00
घरेलू	2-80-23, 0-51	1-80-12, 0-25	2-80-23, 0-51	-	9-1-05, 1-40-16	2-1-96, 5-36	21-1-96, 5-36	26-3-04, 21-1-96	3-0-35, 1-01	100-00	4-0-47, 1-30, 50-63, 360, 45-45, 100-00
रिहात	-	8-80-94, 2-45	9-1-05, 2-75	6-80-70, 1-83	11-1-29, 3-36	15-1-75, 4-59	17-4-20, 53-21	64-7-49, 19-57	5-10-51, 1-53	-	327, 38-25, 100-00
कार्यालयी	-	-	2-80-25, 0-64	2-80-25, 0-64	7-40-33, 2-24	25-3-16, 8-01	80-1-10, 25-64	46-5-81, 14-74	9-1-01, 2-56	2-0-25, 0-64	312, 39-39, 100-00
घरेलू	2-80-23, 0-85	1-80-12, 0-51	1-80-12, 0-42	1-80-12, 0-42	18-2-10, 7-63	14-2-25, 51-69	55-6-43, 23-31	7-0-82, 2-97	2-0-23, 0-85	0-85	2-0-23, 236, 27-57, 100-00
रिहात	-	5-80-58, 2-24	4-0-47, 1-79	12-1-40, 5-38	15-1-75, 6-73	10-1-17, 4-48	120-14-04, 53-81	44-5-15, 19-73	4-0-47, 1-79	-	223, 26-08, 100-00
कार्यालयी	-	-	4-0-51, 5-06	4-0-51, 5-06	7-0-38, 9-3	20-2-53, 25-32	15-1-89, 13-99	14-81-77, 17-72	7-0-38, 3-86	-	79, 9-97, 100-00
घरेलू	18-2-10, 12-50	11-1-29, 7-64	5-0-53, 3-47	-	16-1-97, 11-11	60-7-01, 41-67	6-0-70, 4-17	3-80-35, 2-08	1-80-12, 0-69	1-80-12, 0-69	1-80-12, 0-69, 100-00
रिहात	-	2-80-23, 2-41	3-0-35, 3-61	3-0-35, 3-61	1-80-12, 3-0-35	4-0-47, 4-82	4-0-47, 20-48	16-1-87, 19-28	1-0-12, 1-20	-	83, 9-71, 100-00
कार्यालयी	-	1-80-13, 2-44	6-80-76, 14-63	5-0-63, 12-19	8-1-01, 19-51	5-80-63, 12-19	2-0-25, 4-88	6-80-76, 14-63	2-0-25, 4-39	-	41, 5-13, 100-00
घरेलू	25-2-92, 31-25	2-81-40, 15-00	4-0-47, 3-75	3-80-35, 3-75	11-1-29, 13-75	6-0-70, 7-50	4-0-47, 5-00	2-80-23, 2-90	1-0-12, 1-25	1-0-12, 1-25	30, 9-35, 100-00
रिहात	-	20-2-34, 1-0-13	19-2-24, 14-1-77	25-2-92, 12-1-52	35-4-09, 28-5-54	40-4-68, 67-3-71	45-0-52, 107-13-51	84-9-65, 115-28-64	14-1-64, 41-20-27	-	855, 100-28, 792, 100-28
कार्यालयी	-	-	4-80-47, 4-80-47	4-80-47, 4-80-47	54-6-31, 54-6-31	25-3-29, 25-3-29	25-3-29, 25-3-29	33-4-44, 63-7-94	63-7-94, 63-7-94	63-7-94, 63-7-94	956, 100-28

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10.1 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

लड़कों हेतु आदर्श विवाह आयु के 21 वर्ष से नीचे एवं 21 से 30 वर्ष की परिधि में शिक्षक महिलाओं ने 21 से नीचे एवं 30 वर्ष में विवाह की आदर्श नहीं माना है। सर्वाधिक 53% शिक्षक महिलायें 26 वर्षायु में विवाह आदर्श मानती हैं। 26 से कम आयु में विवाह को 16% एवं 26 से अधिक आयु में विवाह को लगभग 31% ने महत्व दिया है। सर्वेक्षण में पाया गया कि 20-30 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक ने 26, 27 एवं 28 वर्ष में विवाह की आदर्श महत्व दिया है लेकिन अन्य आयु वर्ग की महिलाओं ने सर्वाधिक 26 तथा 27 वर्षायु में विवाह की आदर्श महत्व दिया है।

लगभग 51% कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्षायु में विवाह लड़कों हेतु आदर्श माना है। 28 के बाद इन्होंने कम महत्व दिया है। 21 वर्ष से कम आयु में विवाह की आदर्श नहीं माना है। 21-24 को भी आंशिक महत्व दिया है लेकिन 25-27 वर्षायु में विवाह को लगभग 38% ने महत्व दिया है। यद्यपि सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्षायु को महत्व दिया है लेकिन इसमें 20-30 एवं 30-40 आयु वर्ग की महिलायें अन्य आयु से अत्यधिक हैं।

घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक 38% ने 25 वर्षायु में लड़कों का विवाह आदर्श माना है। लगभग 18% ने 25 से कम आयु में विवाह की आदर्श माना है। लगभग 30% महिलाओं ने 26 को भी महत्व दिया है। लेकिन 26 के बाद 14% ने ही आदर्श माना है। यद्यपि सर्वाधिक महिलाओं ने 25 वर्षायु को आदर्श माना है लेकिन इसमें 20-30 वर्ग की महिलायें सर्वाधिक नहीं हैं। इन्होंने 26 वर्षायु में विवाह को सर्वाधिक महत्व दिया है।

सामग्री-संयोजन-193

रिहात, कार्यलयी एवं घोस गलियाओं की शिवा के अनुसार लक्ष्यों के लिए रिहात की खर्च राशु का विवरणक प्रयोग

खर्च विभाग	रिहात	21वर्ष से मी	21वर्ष	22वर्ष	23वर्ष	24वर्ष	25वर्ष	26वर्ष	27वर्ष	28वर्ष	29वर्ष	30वर्ष	योग
बोर्डिंग	रिहात	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	घोस	16 1/2 87 1/2	-	-	-	8 20 93 1/2	12 1/2 40 1/2	24 1/2 80 1/2	4 10 47 1/2	4 10 47 1/2	-	-	7 94 1/2
		23 53	-	-	-	11 76	17 65	35 29	5 88	5 88	-	-	100 00
गृह- माली	रिहात	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	घोस	12 1/2 40 1/2	-	-	-	-	20 1/2 34 1/2	28 1/2 27 1/2	6 10 70 1/2	4 10 47 1/2	-	-	70 1/2 18 1/2
		17 14	-	-	-	-	28 57	40 00	8 57	5 71	-	-	100 00
जूनियर- हार्ड	रिहात	-	2 10 23 1/2	-	4 10 47 1/2	-	-	-	-	-	-	-	6 10 70 1/2
	कार्यलयी	-	1 10 13 1/2	6 10 76 1/2	4 10 51 1/2	3 10 39 1/2	2 10 25 1/2	-	-	-	-	-	16 1/2 02 1/2
	घोस	4 10 47 1/2	3 10 35 1/2	5 10 59 1/2	-	5 10 58 1/2	39 1/2 56 1/2	12 1/2 40 1/2	-	9 10 93 1/2	-	-	76 1/2 88 1/2
		5 26	3 95	6 58	-	6 58	51 32	15 79	-	10 53	-	-	100 00
हार्ड- माली	रिहात	-	2 10 23 1/2	1 10 12 1/2	11 1/2 29 1/2	19 1/2 22 1/2	6 10 70 1/2	5 10 58 1/2	3 10 35 1/2	4 10 47 1/2	-	-	51 1/2 96 1/2
	कार्यलयी	-	3 92	1 96	21 57	37 25	11 76	9 80	5 88	7 94	-	-	100 00
	घोस	4 10 47 1/2	15 1/2 75 1/2	3 10 35 1/2	4 17	10 42	12 50	35 42	22 92	14 58	-	-	48 1/2 06 1/2
		2 78	10 42	2 08	-	7 10 82 1/2	45 1/2 26 1/2	48 1/2 61 1/2	-	12 1/2 40 1/2	6 10 70 1/2	4 10 47 1/2	144 1/2 82 1/2
						4 86	31 25	33 33	-	8 33	4 17	2 78	100 00
मजदूर- मीन	रिहात	-	2 10 23 1/2	2 10 23 1/2	5 10 58 1/2	4 10 47 1/2	8 10 94 1/2	44 1/2 15 1/2	26 1/2 30 1/2	10 1/2 17 1/2	5 10 58 1/2	-	106 1/2 39 1/2
	कार्यलयी	-	1 99	1 99	4 72	3 77	7 95	41 51	24 52	9 43	4 72	-	100 00
	घोस	4 10 47 1/2	8 10 93 1/2	12 1/2 40 1/2	-	7 10 82 1/2	47 1/2 40 1/2	20 1/2 34 1/2	-	12 1/2 40 1/2	-	4 10 47 1/2	116 1/2 55 1/2
		3 45	6 39	10 34	-	7 76	40 52	17 24	-	10 34	-	3 45	100 00
नौतिक- नौतिक	रिहात	-	8 10 94 1/2	4 10 47 1/2	2 10 23 1/2	5 10 58 1/2	18 1/2 10 1/2	14 1/2 16 1/2	61 1/2 14 1/2	14 1/2 64 1/2	1 10 17 1/2	-	256 1/2 94 1/2
	कार्यलयी	-	3 1/2	1 56	0 78	1 95	7 03	55 86	22 83	5 47	0 39	-	100 00
	घोस	7 10 82 1/2	-	4 10 47 1/2	-	17 1/2 99 1/2	88 1/2 10 25 1/2	16 07 1/2	20 1/2 34 1/2	4 10 47 1/2	-	-	192 1/2 43 1/2
		3 65	-	2 08	-	8 85	45 83	10 42	10 42	2 05	-	-	100 00
नौतिक- नौतिक	रिहात	-	6 10 70 1/2	12 1/2 40 1/2	3 10 35 1/2	7 10 82 1/2	8 10 94 1/2	25 1/2 29 36 1/2	70 1/2 19 1/2	56 1/2 53 1/2	4 10 94 1/2	-	421 1/2 24 1/2
	कार्यलयी	-	1 43	2 85	0 71	1 66	1 90	59 62	16 63	13 30	1 90	-	100 00
	घोस	-	-	0 57	3 10 38 1/2	9 1/2 14 1/2	19 1/2 39 1/2	21 1/2 62 1/2	62 1/2 83 1/2	21 1/2 26 89 1/2	14 1/2 77 1/2	7 10 82 1/2	350 1/2 19 1/2
		-	-	-	0 86	2 57	5 43	6 00	17 71	60 88	4 00	2 00	100 00
		-	-	-	4 10 47 1/2	8 10 93 1/2	76 1/2 99 1/2	68 1/2 79 1/2	8 10 93 1/2	24 1/2 80 1/2	-	-	188 1/2 106 1/2
		-	-	-	2 15	4 26	40 43	56 17	4 26	12 77	-	-	100 00
जी फिल-रिहात	रिहात	-	-	-	-	-	-	7 10 82 1/2	8 10 94 1/2	-	-	-	15 1/2 75 1/2
	कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	46 67	53 33	-	-	-	100 00
	घोस	-	-	-	-	-	-	-	-	4 10 51 1/2	1 10 13 1/2	-	5 10 63 1/2
		-	-	-	-	-	-	-	-	80 00	20 00	-	100 00
		-	-	-	-	-	1 10 12 1/2	1 10 12 1/2	-	-	-	-	2 10 23 1/2
		-	-	-	-	-	50 00	50 00	-	-	-	-	100 00
योग	रिहात	-	120 1/2 34 1/2	19 1/2 22 1/2	25 1/2 92 1/2	35 1/2 09 1/2	60 1/2 63 1/2	450 1/2 52 63 1/2	119 1/2 65 1/2	54 1/2 9 1/2	14 1/2 64 1/2	-	855 1/2 100 1/2
	कार्यलयी	-	1 10 13 1/2	14 1/2 7 1/2	12 1/2 52 1/2	29 1/2 34 1/2	159 1/2 71 1/2	107 1/2 13 51 1/2	113 1/2 29 1/2	406 1/2 1 26 1/2	27 1/2 41 1/2	7 10 93 1/2	792 1/2 103 1/2
	घोस	47 1/2 49 1/2	26 1/2 3 04 1/2	24 1/2 80 1/2	4 10 47 1/2	34 1/2 6 31 1/2	328 1/2 38 1/2	293 1/2 29 1/2	56 1/2 39 1/2	4 44 1/2	69 1/2 79 1/2	6 10 70 1/2	956 1/2 100 1/2

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 10.2 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 53% ने लड़कों हेतु विवाह की आदर्श आयु 26 वर्ष उचित बताया। लगभग 30% शिक्षक महिलाओं ने 26 वर्ष से अधिक आयु को भी आदर्श विवाह आयु बताया। शिक्षक महिलाओं के शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ लड़कों हेतु विवाह की आदर्श आयु बताने में भी परिवर्तन व वृद्धि के रूप में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गयी। जहाँ सामान्य शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने 25 से कम आयु को आदर्श कहा वहीं शिक्षित एवं उच्च शिक्षितों ने 25 एवं 25 से अधिक आदर्श विवाह आयु को भी महत्व दिया।

कार्यालयी महिलाओं में अपेक्षाकृत शिक्षक महिलाओं के अधिक आयु में विवाह को उचित एवं आदर्श निरूपित करने का तथ्य पाया गया। सर्वाधिक 51% कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्ष एवं 29 वर्ष से अधिक को भी लगभग 4% ने आदर्श आयु कहा। अधिक उच्च शिक्षितों में 26 वर्ष से अधिक आयु को विवाह की आदर्श आयु निरूपित करते पाया।

घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक 38% लोगों ने 25 वर्ष आदर्श विवाह आयु लड़कों हेतु बताया। शिक्षा का इनके आदर्श विवाह आयु की विचारधारा पर भी प्रभाव पड़ा है। सारिणी से स्पष्ट है कि लगभग 44% घरेलू महिलाओं ने 25 वर्ष से अधिक आयु को लड़कों हेतु आदर्श विवाह आयु बताया।

इस प्रकार सारिणी से स्पष्ट है तीनों प्रकार की महिलाओं में उनकी शिक्षा का आदर्श विवाह आयु व लड़कों हेतु पर प्रभाव पड़ा है। यह अवश्य रहा कि कार्यालयी एवं शिक्षक महिलाओं में 25 से कम आयु में विवाह को कम आदर्श कहा जबकि घरेलू महिलाओं ने अधिक।

गारिणी - संख्या - 103

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लक्ष्यों के लिये विकास की आदर्श आयु का विस्तारत्मक अध्ययन

विकास की महिलाये आदर्श आयु आयु वर्ग	19 वर्ष से नीचे	18 वर्ष	19 वर्ष	20 वर्ष	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	25 वर्ष से ऊपर
20-30	विस्तार 0-90	28 1/2-27 1/2	11 1/2-29 1/2	37 1/2-32 1/2	25 1/2-92 1/2	52 1/2-68 1/2	21 1/2-46 1/2	46 1/2-38 1/2	-	222 1/2-91 1/2 100-00
	कार्यालयी	12-61	4-95	16-67	11-24	23-42	9-46	20-72	-	360 1/2-45 1/2 100-00
	घरेलू	4 1/2-5 1/2	8 1/2-0 1/2	17 1/2-15 1/2	14 1/2-02 1/2	18 1/2-27 1/2	40 1/2-05 1/2	252 1/2-18 1/2	5 1/2-63 1/2	390 1/2-26 1/2 100-00
30-40	विस्तार 0-31	25 1/2-92 1/2	12 1/2-40 1/2	21 1/2-25 1/2	37 1/2-82 1/2	40 1/2-67 1/2	8 1/2-93 1/2	4 1/2-41 1/2	8 1/2-93 1/2	100-00
	कार्यालयी	1-77	6-31	3-03	54-54	19-19	10-10	2-02	1-01	2-02
	घरेलू	1 1/2-12 1/2	20 1/2-34 1/2	16 1/2-87 1/2	56 1/2-55 1/2	40 1/2-68 1/2	113 1/2-22 1/2	34 1/2-49 1/2	-	327 1/2-25 1/2 100-00
40-50	विस्तार 0-42	5-83	2-69	15-25	21-97	29-15	10-76	14-35	-	79 1/2-97 1/2 100-00
	कार्यालयी	8 1/2-0 1/2	2 1/2-5 1/2	9 1/2-14 1/2	8 1/2-0 1/2	15 1/2-89 1/2	24 1/2-03 1/2	10 1/2-26 1/2	3 1/2-38 1/2	14 1/2-82 1/2 100-00
	घरेलू	10-13	2-53	11-39	10-13	18-99	30-58	12-66	3-79	8 1/2-93 1/2
50-60	विस्तार 0-25	1 1/2-52 1/2	6 1/2-70 1/2	34 1/2-98 1/2	49 1/2-75 1/2	65 1/2-60 1/2	24 1/2-91 1/2	5 1/2-74 1/2	-	223 1/2-09 1/2 100-00
	कार्यालयी	5-83	2-69	15-25	21-97	29-15	10-76	14-35	-	83 1/2-71 1/2 100-00
	घरेलू	8 1/2-0 1/2	2 1/2-5 1/2	9 1/2-14 1/2	8 1/2-0 1/2	15 1/2-89 1/2	24 1/2-03 1/2	10 1/2-26 1/2	3 1/2-38 1/2	41 1/2-18 1/2 100-00
60-70	विस्तार 0-20	1 1/2-52 1/2	6 1/2-70 1/2	34 1/2-98 1/2	49 1/2-75 1/2	65 1/2-60 1/2	24 1/2-91 1/2	5 1/2-74 1/2	-	83 1/2-71 1/2 100-00
	कार्यालयी	5-83	2-69	15-25	21-97	29-15	10-76	14-35	-	83 1/2-71 1/2 100-00
	घरेलू	8 1/2-0 1/2	2 1/2-5 1/2	9 1/2-14 1/2	8 1/2-0 1/2	15 1/2-89 1/2	24 1/2-03 1/2	10 1/2-26 1/2	3 1/2-38 1/2	41 1/2-18 1/2 100-00
योग	विस्तार 0-20	1 1/2-52 1/2	6 1/2-70 1/2	34 1/2-98 1/2	49 1/2-75 1/2	65 1/2-60 1/2	24 1/2-91 1/2	5 1/2-74 1/2	-	83 1/2-71 1/2 100-00
	कार्यालयी	5-83	2-69	15-25	21-97	29-15	10-76	14-35	-	83 1/2-71 1/2 100-00
	घरेलू	8 1/2-0 1/2	2 1/2-5 1/2	9 1/2-14 1/2	8 1/2-0 1/2	15 1/2-89 1/2	24 1/2-03 1/2	10 1/2-26 1/2	3 1/2-38 1/2	41 1/2-18 1/2 100-00

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10-3 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि सर्वाधिक 23% शिक्षक महिलाओं ने लड़कियों हेतु आदर्श विवाह आयु 22 वर्ष, 47% कार्यालयी महिलाओं ने 24 वर्ष, एवं 48% घरेलू महिलाओं ने 20 वर्ष आदर्श आयु व्यक्त किया।

समस्त शिक्षक महिलाओं में 22 वर्ष से अधिक आदर्श आयु हेतु 25% ने, 68% कार्यालयी महिलाओं ने एवं 10% घरेलू महिलाओं ने 22 वर्ष से अधिक आयु में विवाह आदर्श व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलायें विलम्ब विवाह एवं घरेलू महिलायें शीघ्र विवाह तथा शिक्षक महिलायें दोनों के मध्य 22 वर्षायु के विवाह को प्रोत्साहित एवं आदर्श मानती हैं।

20-30 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने 18 वर्ष से कम आयु में विवाह की आदर्श विवाह आयु \parallel लगभग \parallel नहीं माना है। ठीक यही, विचार धारा लगभग प्रत्येक आयु की शिक्षक महिलाओं का है। 25 वर्ष के बाद भी विवाह, आदर्श विवाह आयु नहीं माना है।

कार्यालयी महिलाओं ने तो 18 से कम की तो धिक्कुल नहीं, परन्तु 18 एवं 19 वर्षायु में भी विवाह को अधिक लोगों ने आदर्श नहीं माना है सर्वाधिक ने 24 वर्षायु में विवाह आदर्श माना है इसमें 20-30 आयु वर्ग की सर्वाधिक महिलायें हैं। शिक्षक महिलाओं की अपेक्षा दो वर्ष विलम्ब विवाह को इन्होंने महत्व दिया जो विवाह आयु के दोनों छोर पर दिखायी पड़ता है।

घरेलू महिलाओं ने अपेक्षाकृत शीघ्र विवाह को आदर्श माना है। इसमें लगभग प्रत्येक आयु वर्ग की महिलायें हैं। 22 वर्ष के बाद विवाह को कम महिलाओं ने उचित एवं आदर्श माना है।

सापिणी - (कपा- 104)

शिक्षक, कार्यपालकी एवं बोर्ड सदस्यों की शिक्षा के अनुसार रुझियों के लिये विधायक की आदमी आय का पिछला तमक प्रमाण

आदमी कायु शिक्षा	महिलाये	18वर्ष से नीचे	18वर्ष	19वर्ष	20वर्ष	21वर्ष	22वर्ष	23वर्ष	24वर्ष	25वर्ष	25वर्ष से योग उमर
अभिज्ञ	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यपालकी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	बोर्ड	11 1/2 29 1/2	13 1/2 52 1/2	-	20 1/2 34 1/2	7 1/2 82 1/2	9 1/2 105 1/2	5 1/2 58 1/2	3 1/2 35 1/2	-	68 1/2 794 1/2
		16 1/2 18	19 1/2 12	-	29 1/2 41	10 1/2 29	13 1/2 24	7 1/2 35	4 1/2 41	-	100 1/2 00
ग्रामारी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यपालकी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	बोर्ड	8 1/2 93 1/2	10 1/2 117 1/2	-	32 1/2 74 1/2	20 1/2 34 1/2	-	-	-	-	70 1/2 18 1/2
		11 1/2 43	14 1/2 29	-	45 1/2 71	28 1/2 57	-	-	-	-	100 1/2 00
मुक्तिपुर	शिक्षक	-	4 1/2 47 1/2	2 1/2 23 1/2	-	-	-	-	-	-	6 1/2 70 1/2
		-	66 1/2 67	33 1/2 33	-	-	-	-	-	-	100 1/2 00
हाई स्कूल	कार्यपालकी	-	2 1/2 25 1/2	1 1/2 13 1/2	5 1/2 63 1/2	2 1/2 25 1/2	3 1/2 30 1/2	-	3 1/2 38 1/2	-	16 1/2 207 1/2
		-	12 1/2 50	6 1/2 25	31 1/2 25	12 1/2 50	18 1/2 75	-	18 1/2 75	-	100 1/2 00
	बोर्ड	-	28 1/2 3 27 1/2	4 1/2 47 1/2	16 1/2 87 1/2	12 1/2 40 1/2	4 1/2 47 1/2	3 1/2 35 1/2	9 1/2 105 1/2	-	76 1/2 88 1/2
		-	36 1/2 84	5 1/2 26	21 1/2 05	15 1/2 79	5 1/2 26	3 1/2 35 1/2	11 1/2 64	-	100 1/2 00
हाई स्कूल	शिक्षक	-	4 1/2 47 1/2	-	14 1/2 64 1/2	7 1/2 82 1/2	18 1/2 11 1/2	5 1/2 38 1/2	3 1/2 35 1/2	-	51 1/2 596 1/2
		-	7 1/2 84	-	27 1/2 45	13 1/2 73	35 1/2 29	9 1/2 50	5 1/2 88	-	100 1/2 00
	कार्यपालकी	-	9 1/2 14 1/2	11 1/2 39 1/2	19 1/2 39 1/2	5 1/2 63 1/2	2 1/2 25 1/2	2 1/2 25 1/2	-	-	48 1/2 606 1/2
		-	18 1/2 75	22 1/2 92	39 1/2 58	10 1/2 42	4 1/2 17	4 1/2 17	-	-	100 1/2 00
	बोर्ड	4 1/2 47 1/2	32 1/2 74 1/2	-	56 1/2 54 1/2	8 1/2 93 1/2	24 1/2 50 1/2	3 1/2 35 1/2	5 1/2 59 1/2	12 1/2 40 1/2	144 1/2 16 1/2 92 1/2
		2 1/2 78	22 1/2 22	-	38 1/2 59	5 1/2 55	16 1/2 67	2 1/2 08	3 1/2 47	8 1/2 33	100 1/2 00
बंदा	शिक्षक	1 1/2 12 1/2	5 1/2 58 1/2	6 1/2 70 1/2	24 1/2 81 1/2	17 1/2 99 1/2	31 1/2 63 1/2	10 1/2 17 1/2	12 1/2 40 1/2	-	106 1/2 12 1/2 39 1/2
		0 1/2 94	4 1/2 72	5 1/2 66	22 1/2 64	16 1/2 03	29 1/2 24	9 1/2 43	11 1/2 32	-	100 1/2 00
मीठाउपट	कार्यपालकी	-	6 1/2 76 1/2	7 1/2 88 1/2	12 1/2 52 1/2	18 1/2 27 1/2	22 1/2 78 1/2	11 1/2 39 1/2	12 1/2 52 1/2	-	88 1/2 11 1/2 11 1/2
		-	6 1/2 82	7 1/2 95	13 1/2 64	20 1/2 45	25 1/2 00	12 1/2 50	13 1/2 64	-	100 1/2 00
	बोर्ड	4 1/2 47 1/2	33 1/2 86 1/2	7 1/2 82 1/2	28 1/2 3 27 1/2	20 1/2 34 1/2	12 1/2 40 1/2	-	4 1/2 47 1/2	8 1/2 93 1/2	116 1/2 1 1/2 55 1/2
		3 1/2 45	28 1/2 45	6 1/2 03	24 1/2 14	17 1/2 24	10 1/2 34	-	3 1/2 45	6 1/2 89	100 1/2 00
स्नातक	शिक्षक	1 1/2 12 1/2	3 1/2 4 1/2 21 1/2	2 1/2 23 1/2	50 1/2 5 1/2 5 1/2	4 1/2 6 1/2 70 1/2	62 1/2 7 1/2 25 1/2	29 1/2 3 1/2 39 1/2	35 1/2 4 1/2 09 1/2	-	256 1/2 29 1/2 74 1/2
		0 1/2 39	14 1/2 06	0 1/2 78	19 1/2 53	16 1/2 01	24 1/2 21	11 1/2 32	13 1/2 67	-	100 1/2 00
	कार्यपालकी	-	5 1/2 63 1/2	4 1/2 81 1/2	11 1/2 39 1/2	20 1/2 2 1/2 33 1/2	21 1/2 2 1/2 65 1/2	50 1/2 6 1/2 31 1/2	161 1/2 20 1/2 33 1/2	13 1/2 1 1/2 64 1/2	285 1/2 35 1/2 98 1/2
		-	1 1/2 75	1 1/2 40	3 1/2 86	7 1/2 08	7 1/2 37	17 1/2 54	56 1/2 49	4 1/2 56	100 1/2 00
	बोर्ड	-	24 1/2 80 1/2	8 1/2 94 1/2	92 1/2 10 1/2 75 1/2	36 1/2 4 1/2 21 1/2	88 1/2 3 1/2 27 1/2	4 1/2 47 1/2	-	-	192 1/2 22 1/2 43 1/2
		-	12 1/2 50	4 1/2 17	47 1/2 92	18 1/2 75	14 1/2 58	2 1/2 08	-	-	100 1/2 00
स्नात	शिक्षक	2 1/2 23 1/2	17 1/2 99 1/2	24 1/2 81 1/2	68 1/2 7 1/2 95 1/2	62 1/2 7 1/2 25 1/2	131 1/2 5 1/2 32 1/2	41 1/2 4 1/2 79 1/2	76 1/2 9 1/2 59 1/2	-	421 1/2 40 1/2 24 1/2
		0 1/2 47	4 1/2 04	5 1/2 70	16 1/2 15	14 1/2 72	31 1/2 12	9 1/2 74	18 1/2 05	-	100 1/2 00
कोत्तर	कार्यपालकी	-	3 1/2 38 1/2	13 1/2 64 1/2	7 1/2 88 1/2	7 1/2 88 1/2	34 1/2 4 1/2 29 1/2	79 1/2 9 1/2 91 1/2	197 1/2 24 1/2 87 1/2	10 1/2 1 1/2 26 1/2	350 1/2 44 1/2 19 1/2
		-	0 1/2 86	3 1/2 71	2 1/2 00	2 1/2 00	9 1/2 71	22 1/2 57	56 1/2 29	2 1/2 86	100 1/2 00
	बोर्ड	-	12 1/2 40 1/2	4 1/2 47 1/2	68 1/2 7 1/2 94 1/2	48 1/2 5 1/2 61 1/2	28 1/2 3 1/2 27 1/2	7 1/2 82 1/2	9 1/2 105 1/2	12 1/2 40 1/2	185 1/2 21 1/2 96 1/2
		-	6 1/2 36	2 1/2 13	36 1/2 17	25 1/2 53	14 1/2 89	3 1/2 72	4 1/2 79	6 1/2 39	100 1/2 00
जी. पि. ए.	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	9 1/2 105 1/2	-	6 1/2 70 1/2	13 1/2 1 1/2 75 1/2
		-	-	-	-	-	-	60 1/2 00	-	40 1/2 00	100 1/2 00
	कार्यपालकी	-	-	-	-	-	1 1/2 13 1/2	1 1/2 13 1/2	3 1/2 35 1/2	-	5 1/2 63 1/2
		-	-	-	-	-	20 1/2 00	20 1/2 00	60 1/2 00	-	100 1/2 00
	बोर्ड	-	1 1/2 12 1/2	-	-	-	1 1/2 12 1/2	-	-	-	2 1/2 23 1/2
		-	50 1/2 00	-	-	-	50 1/2 80	-	-	-	100 1/2 00
योग	शिक्षक	4 1/2 47 1/2	66 1/2 72 1/2	34 1/2 3 1/2 98 1/2	156 1/2 18 1/2 25 1/2	127 1/2 14 1/2 85 1/2	251 1/2 29 1/2 36 1/2	85 1/2 9 1/2 94 1/2	132 1/2 15 1/2 44 1/2	-	955 1/2 100 1/2 2 1/2
	कार्यपालकी	-	25 1/2 16 1/2	36 1/2 4 1/2 55 1/2	54 1/2 6 1/2 82 1/2	52 1/2 6 1/2 57 1/2	93 1/2 10 1/2 48 1/2	143 1/2 18 1/2 06 1/2	376 1/2 47 1/2 47 1/2	123 1/2 20 1/2 90 1/2	792 1/2 100 1/2 2 1/2
	बोर्ड	27 1/2 3 1/2 15 1/2	153 1/2 17 1/2 87 1/2	23 1/2 2 1/2 69 1/2	312 1/2 36 1/2 45 1/2	151 1/2 17 1/2 64 1/2	106 1/2 12 1/2 38 1/2	22 1/2 2 1/2 57 1/2	30 1/2 3 1/2 50 1/2	32 1/2 3 1/2 74 1/2	856 1/2 100 1/2 2 1/2

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श - आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 10.4 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श - आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि शिक्षित महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 29% ने लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु 22 वर्ष, कार्यालयी महिलाओं 47% ने 24 वर्ष, घरेलू 36% महिलाओं ने 20 वर्ष विवाह की आदर्श आयु कहा है।

शिक्षक महिलाओं में देखा गया कि शिक्षा में वृद्धि के साथ उनकी आदर्श विवाह आयु की विचारधारा में भी परिवर्तन वृद्धि के रूप में हुआ। कम शिक्षितों ने 20 वर्ष से कम आयु को ही आदर्श विवाह आयु कहा लेकिन अधिक एवं अन्य शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने अधिक आयु 22 वर्ष 22 को आदर्श बताया। लगभग 25% शिक्षित महिलाओं ने 22 वर्ष से अधिक आयु को आदर्श बताया है।

कार्यालयी महिलाओं ने अपेक्षाकृत शिक्षकों के अधिक आयु को आदर्श विवाह आयु कहा। जहाँ सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 22 वर्ष आदर्श बताया वहीं कार्यालयी महिलाओं ने 24 वर्ष आदर्श आयु कहा। इनमें भी शिक्षा स्तर में वृद्धि के साथ आदर्श विवाह आयु के विचार में परिवर्तन आया।

घरेलू महिलाओं में शिक्षा का अधिक प्रभाव आदर्श विवाह आयु पर पड़ा लेकिन उतना महत्वपूर्ण नहीं जितना शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं पर पड़ा है। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने कम आयु में विवाह की आदर्श आयु बताया है।

सिमांक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार के आकार का विवेकात्मक अध्ययन

परिवार का महिलाओं की आयु का	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच से अधिक	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	योग
20-30									
सिमांक	3083-518	5185-968	1181-298	180-128	-	-	1781-998	112813-098	222825-968
कार्यालयी	13-51	22-97	4-95	0-45	-	-	7-66	50-45	100-00
घरेलू	5787-198	157819-828	6187-788	1281-528	-	-	2583-168	4886-068	360845-458
	15-83	43-61	16-94	3-33	-	-	6-94	13-33	100-00
30-40									
सिमांक	101811-798	130815-198	8189-468	2683-048	3584-088	-	1982-228	4880-468	396846-268
कार्यालयी	25-51	32-33	20-45	6-56	8-84	-	4-79	1-01	100-00
घरेलू	3884-448	124814-508	7789-018	2582-928	988-058	280-238	2082-348	3283-748	327838-258
	11-62	37-92	23-55	7-65	2-75	0-61	6-12	9-79	100-00
40-50									
सिमांक	4185-188	141817-808	6988-718	2082-538	2082-538	881-018	580-588	881-018	312839-398
कार्यालयी	13-14	45-19	22-12	6-41	6-41	2-56	1-60	2-56	100-00
घरेलू	2783-158	88810-288	4385-028	5786-668	1289-338	-	580-588	480-468	236827-578
	11-44	37-29	18-22	24-15	5-09	-	2-12	1-00	100-00
50-60									
सिमांक	1882-118	6587-608	5986-908	3383-868	1281-408	780-828	1381-528	1681-978	225825-968
कार्यालयी	8-07	29-15	26-46	14-79	5-39	3-14	5-33	7-17	100-00
घरेलू	480-518	2683-288	3284-048	380-388	280-258	280-258	881-018	280-258	7989-978
	5-00	32-91	40-51	3-79	2-53	2-53	10-13	2-53	100-00
60-70									
सिमांक	1781-998	28831-718	6387-368	2182-458	980-708	580-588	-	480-468	144816-828
कार्यालयी	11-81	19-44	43-75	14-68	4-17	3-47	-	2-78	100-00
घरेलू	1381-528	1381-528	1982-118	1481-648	680-708	480-478	880-948	780-828	8389-718
	15-66	15-66	21-09	10-87	7-23	4-34	7-64	9-47	100-00
70-80									
सिमांक	480-518	2882-538	680-708	580-638	680-768	-	-	-	4185-138
कार्यालयी	9-76	4-88	14-64	2-19	14-63	-	-	-	100-00
घरेलू	780-528	2084-348	1581-758	480-468	780-818	1783-158	-	-	9085-358
	8-75	25-00	15-75	5-00	3-75	53-75	-	-	100-00
योग									
सिमांक	99811-588	253829-598	165819-298	7381-548	2783-168	1381-528	586-788	167819-538	855810048
कार्यालयी	100815-388	344843-438	168821-218	4085-058	26813-548	1081-268	3884-798	5887-328	798810028
घरेलू	152817-268	206831-078	202823-598	108812-528	6087-018	3283-748	2482-808	1281-008	856810048

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10.5 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में 27% प्रजनन प्रक्रिया में नहीं है, शेष 73% में सबसे छोटा परिवार आकार 1 मात्र एक शिशु 11.58% महिलाओं ने दो बच्चे 29.59% ने तीन बच्चे 19.29% ने चार बच्चे 8.54% ने पाँच बच्चे 3.16% ने एवं 1.52% शिक्षक महिलाओं ने पाँच से अधिक बच्चे परिवार आकार में किया है। कार्यालयी महिलाओं में 12% एवं घरेलू महिलाओं में लगभग 4% प्रजनन प्रक्रिया में नहीं है। सारिणी से स्पष्ट है कि मात्र दो बच्चों के विचार से घरेलू महिलाएँ, कार्यालयी महिलाओं से पीछे हैं अथवा सभी में शिक्षक महिलाओं से भी आगे हैं। निश्चित रूप से यह तथ्य शिक्षक महिलाओं के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, लेकिन यह स्वल्प तब स्पष्ट होता है जब हम देखते हैं कि न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 27% है ही नहीं। जबकि कार्यालयी 12% एवं घरेलू महिलाएँ मात्र 4% प्रक्रिया में नहीं हैं।

20-30 आयु वर्ग में सभी शिक्षक, कार्यालयी व घरेलू महिलाओं के परिवार में अधिकतर दो बच्चे हैं, दो बच्चे के पश्चात एक तथा तीन बच्चे वाली महिलाएँ हैं। 8% घरेलू महिलाओं के परिवार में पाँच बच्चे हैं, जो कि शिक्षक व कार्यालयी महिलाओं में नहीं है।

30-40 आयु वर्ग में भी दो बच्चे वाली महिलाएँ अधिक हैं लेकिन इस आयु वर्ग में शिक्षक, कार्यालयी व घरेलू सभी महिलाओं के परिवार में पाँच व उससे अधिक भी बच्चे हैं। जो कि 20-30 आयु वर्ग की महिलाओं में नहीं है।

40-50 आयु वर्ग में शिक्षक तथा कार्यालयी महिलाओं के परिवार में अधिकतर दो बच्चे हैं, जबकि घरेलू महिलाओं में तीन बच्चे हैं।

50-60 आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं के परिवार में अधिकतर तीन बच्चे, कार्यालयी महिलाओं में दो बच्चे तथा घरेलू महिलाओं में पाँच बच्चे से अधिक है।

अतः सारिणी से स्पष्ट है कि अधिकतर शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं, शिक्षक महिलाओं में अधिक आयु वर्ग में बच्चों की संख्या दो से बढ़कर तीन हो गयी, जबकि कार्यालयी महिलाओं में ऐसा नहीं पाया गया। घरेलू महिलाओं में आयु वर्ग बढ़ने के साथ - साथ परिवार के आकार में वृद्धि दिखायी पड़ी।

सांख्यिकी-सूची-10-6

शिक्षाक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार एक साक्षर परिवार के आकार का विस्तृत अध्ययन

साक्षर परिवार की आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पांच बच्चे	योग
20-30-						
शिक्षाक	121 401 192 22-461 161 1-871 10-121 10-121 221 25-961					
कार्यालयी	5-41 86-49 7-21 0-45 0-45 100-00					
घरेलू	102 12-881 249 131-311 101 1-261 2-78 360 14-5-451 100-00					
30-40						
शिक्षाक	25 12-921 249 129-121 48 15-611 4 10-471 10-121 327 139-251					
कार्यालयी	7-65 76-15 14-68 1-22 0-31 100-00					
घरेलू	28 13-541 234 129-551 50 16-311 16-03 312 139-391 100-00					
40-50						
शिक्षाक	10 1-171 174 120-351 33 13-861 6 10-701 2-69 223 126-091					
कार्यालयी	4-48 79-83 56 17-071 11 11-391 13-92 79 139-971 100-00					
घरेलू	12 1-521 15-19 70-89 15 11-751 8 10-931 5-56 144 116-821 100-00					
50-60						
शिक्षाक	9 10-941 66 17-721 9 11-051 10-84 93 139-711 100-00					
कार्यालयी	2 10-291 32 14-041 7 10-991 17-07 41 135-191 100-00					
घरेलू	4-89 12 11-401 41 16-791 27 13-151 33 75 80 139-351 100-00					
योग						
शिक्षाक	55 16-431 69 179-651 106 112-391 11 1-291 2 10 231 555 10021					
कार्यालयी	144 118-181 570 171-971 78 139-951 1- 792 110021					
घरेलू	96 111 21 1610 71 261 134 115-651 1 1-41-971 956 110021					

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10.6 में शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सर्वेक्षण में देखा गया है कि एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली महिलाये 8 शिक्षक 80% कार्यालयी 72% एवं घरेलू 72% में सबसे अधिक है। शिक्षक महिलाये कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं से अपेक्षाकृत दो अधिक उचित समझती है। कार्यालयी व घरेलू महिलाये लगभग बराबर दो बच्चे उचित समझती है। इसके पश्चात शिक्षक व घरेलू तीन बच्चे, उसके बाद एक बच्चे को उचित समझती है, जबकि कार्यालयी महिलाये दो बच्चे के बाद एक बच्चा उचित समझती है। तीन बच्चे के बाद चार व पाँच बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाये मात्र 1.52% है, जबकि कार्यालयी महिलाये ने तीन बच्चे तक ही उचित समझा है घरेलू महिलाये 1.87% उचित समझती है।

20-30 आयु वर्ग में 86% शिक्षक महिलाये दो बच्चे सबसे अधिक उचित समझती है, इसके पश्चात 75% घरेलू व 69% कार्यालयी महिलाओं ने उचित समझा है। इस आयु वर्ग में शिक्षक व घरेलू दो बच्चे के बाद तीन बच्चे उचित समझती है, तथा तीन के बाद एक बच्चे को, कार्यालयी महिलाये दो बच्चे के बाद एक बच्चा तथा एक बच्चे के बाद तीन बच्चे उचित समझती है।

30-40 आयु वर्ग में शिक्षक व कार्यालयी महिलाओं ने लगभग बराबर 76% तथा घरेलू ने 72% दो बच्चों को एक आदर्श परिवार का आकार माना है, इस आयु वर्ग में सभी महिलाओं ने दो के पश्चात तीन बच्चे उचित समझे है, शिक्षक महिलाओं में 1.54% ने तीन बच्चे के बाद आदर्श परिवार का आकार माना है, इनकी संख्या अत्यधिक कम होने के कारण कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। सम्भवतः इनका आदर्श परिवार आकार अधिक मानने का कारण इनका धर्म हो सकता है।

40-50 आयु वर्ग में सर्वाधिक 76% शिक्षक महिलाओं ने दो बच्चे उचित समझे हैं, इसके पश्चात् कार्यालयी तथा घरेलू महिलाये हैं, शिक्षक महिलाओं ने दो के पश्चात् एक के अपेक्षाकृत तीन को अधिक महत्त्व दिया है, जबकि कार्यालयी में दो के पश्चात् एक को अधिक महत्त्व दिया है घरेलू महिलाओं ने लगभग बराबर महत्त्व दिया।

50-60 आयु वर्ग में शिक्षक व कार्यालयी महिलाओं ने लगभग बराबर 79% दो बच्चे, जबकि घरेलू महिलाओं ने अपेक्षाकृत कम 51% उचित समझे हैं इस आयु वर्ग में सभी महिलाओं ने दो के बाद तीन बच्चे को महत्त्व दिया है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, सभी महिलाओं ने एक आदर्श परिवार का आकार दो बच्चे माना है, शिक्षक व घरेलू महिलाओं दो बच्चे के बाद एक की वरीयता में तीन को प्राथमिकता दी है, जबकि कार्यालयी महिलाओं ने दो बच्चे के बाद तीन की वरीयता में एक को अधिक महत्त्व दिया है।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार के

आकार का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10.7 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार "परिवार के आकार" का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी स्पष्ट है कि न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में 27% प्रजनन प्रक्रिया में नहीं है जब 73% में सबसे छोटा परिवार - आकार 1 मात्र एक शिशु 11.58% महिलाओं ने, दो बच्चे 29.59% ने, 3 बच्चे 19.29% ने चार बच्चे 8.54% ने, पाँच बच्चे 3.16% ने एवं 1.52% शिक्षक महिलाओं ने पाँच से अधिक बच्चे परिवार आकार में किया है। कार्यालयी महिलाओं में 12% एवं घरेलू महिलाओं में लगभग 4% प्रजनन प्रक्रिया में नहीं है। सारिणी से स्पष्ट है कि मात्र दो बच्चों के विचार में घरेलू महिलायें, कार्यालयी महिलाओं से पीछे हैं अथवा सभी में शिक्षक महिलाओं से भी आगे है। निश्चित रूप से तथ्य महत्वपूर्ण है, शिक्षक महिलाओं के संदर्भ में लेकिन शिक्षक महिलाओं के संदर्भ में यह स्वरूप तब स्पष्ट होता है जब हम देखते हैं कि न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 27% है ही नहीं। जबकि कार्यालयी 12% एवं घरेलू महिलायें मात्र 4% प्रक्रिया में नहीं है।

शिक्षा के अनुसार इन महिलाओं को देखने पर स्पष्ट होता कि शिक्षा के कारण शिक्षक महिलाओं में कम बच्चों के प्रति अधिक दुकाव हुआ है। उच्च शिक्षा ने अधिकांश शिक्षक महिलाओं को 1-2 बच्चों की ओर उन्मुख किया। पहले जहाँ वे अधिक बच्चों को परिवार आकार में पसन्द करती रही अधिक शिक्षा के कारण उनके हस्त पसन्दगी में तेजी से गिरावट भी आयी साथ में कम बच्चों के परिवार आकार के प्रति आकर्षण धीरे - धीरे बढ़ा। सारिणी से स्पष्ट है कि 1-2 शिशु के विचार को हाई स्कूल स्तरीय 35% ने,

ब्रण्टर मीडियम स्तरीय 35% ने, स्नातक स्तरीय 35% ने, स्नातकोत्तर 43% ने, एवं डी० फिल स्तरीय 53% ने महत्त्व दिया है। जो उनके उच्च शिक्षा के साथ परिवार के कम आकार को अधिक महत्त्व देने को प्रदर्शित करता है।

कम शिक्षित कार्यालयी महिलाओं में जहाँ पहले 1-2 शिशु के लिए कम इच्छा थी, उनके शिक्षक स्तर में वृद्धि के साथ 1-2 शिशु के लिए लोगों का आकर्षण बढ़ा। सर्वेक्षण में पाया गया कि हाई स्कूल की 29% एवं ब्रण्टर की 35% में 1-2 बच्चे की इच्छा रही वहीं अन्य शिक्षित 52% स्नातकों, 70% स्नातकोत्तरों एवं डी० फिल स्तरीय शत - प्रतिशत कार्यालयी महिलाओं ने महत्त्व दिया।

घरेलू महिलाओं में भी ठीक यही प्रवृत्ति दिखायी पड़ी। कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में 1-2 बच्चे के लिए शिक्षा के साथ आकर्षण बढ़ा। अधिक बच्चों के प्रति उनका मोह कम हुआ। यह आकर्षण, शिक्षक महिलाओं में अधिक रहा लेकिन, जब हम देखते हैं कि शिक्षक महिलाओं में 27% एवं कार्यालयी 12% तथा घरेलू महिलायें मात्र 4% प्रजनन प्रक्रिया से दूर हैं, तब आदर्श में शिक्षक महिलाओं के प्रजनन व्यवहार का स्वरूप स्पष्ट एवं उचित दिखायी पड़ता है।

सांख्यिकी-संख्या-10.8.

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार का

विभेदात्मक अध्ययन

आदर्श परिवार महिलाये एक बच्चा दो बच्चे तीन बच्चे चार बच्चे पांच बच्चे योग
 31-313131-
 शिक्षा

वर्गशिक्षित	शिक्षक	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	1281.408	2683.048	3083.508	-	-	6987.948
		17.65	33.24	44.12	-	-	100.00
ग्राहमरी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	1681.878	5085.848	480.478	-	-	7083.18
		22.86	71.43	5.71	-	-	100.00
जुनियर-हाई स्कूल	शिक्षक	-	480.478	280.238	-	-	680.708
		-	66.67	33.33	-	-	100.00
	कार्यालयी	-	981.148	780.888	-	-	1682.028
		-	56.25	43.75	-	-	100.00
	घरेलू	880.938	5686.548	1281.408	-	-	7689.888
		10.53	73.68	15.79	-	-	100.00
हाई स्कूल	शिक्षक	280.238	4284.918	580.588	280.238	-	5185.968
		3.92	82.35	9.80	3.92	-	100.00
	कार्यालयी	-	4085.058	881.018	-	-	4886.068
		-	83.33	16.67	-	-	100.00
	घरेलू	880.938	100811.688	2482.808	1281.408	-	144816.828
		5.56	69.44	16.67	8.33	-	100.00
इंटरमीडिएट	शिक्षक	680.708	87810.188	1381.528	-	-	106812.398
		5.66	82.08	12.26	-	-	100.00
	कार्यालयी	1682.028	6087.588	1281.528	-	-	88811.118
		18.18	68.18	13.64	-	-	100.00
	घरेलू	1281.408	8489.818	1681.878	480.478	-	116813.558
		10.34	72.41	13.79	3.45	-	100.00
स्नातक	शिक्षक	1882.118	214825.058	1882.118	480.478	280.238	256829.948
		7.03	83.59	7.03	1.56	0.78	100.00
	कार्यालयी	5687.078	208826.268	2182.658	-	-	285835.988
		19.65	72.99	7.37	-	-	100.00
	घरेलू	880.938	156818.228	2883.278	-	-	162822.438
		4.17	81.25	14.58	-	-	100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षक	2883.278	320837.438	6887.958	580.588	-	421849.248
		6.65	76.01	16.15	1.19	-	100.00
	कार्यालयी	7289.098	248831.318	3083.798	-	-	350844.198
		20.57	70.86	8.57	-	-	100.00
	घरेलू	3283.748	136815.898	2082.348	-	-	189821.968
		17.02	72.34	10.64	-	-	100.00
डी. फिल.	शिक्षक	180.128	1481.648	-	-	-	1381.758
		7.14	93.33	-	-	-	100.00
	कार्यालयी	-	580.638	-	-	-	580.638
		-	100.00	-	-	-	100.00
	घरेलू	-	280.238	-	-	-	280.238
		-	100.00	-	-	-	100.00
योग	शिक्षक	5586.438	681879.658	106812.398	1181.298	280.238	9558100.48
	कार्यालयी	14483.188	570871.978	7989.858	-	-	7928100.48
	घरेलू	96811.218	610871.268	134815.658	1681.878	-	8568100.28

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार

के आकार का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी सँख्या 10.8 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि एक आदर्श परिवार में एक बच्चे के आदर्श विचार में सबसे कम शिक्षक महिलायें 6% एवं सबसे अधिक 18% कार्यालयी महिलायें हैं। दो बच्चे के आदर्श परिवार आकार में सबसे अधिक 80% शिक्षक महिलायें, कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें बराबर हैं। तीन बच्चे के आदर्श परिवार आकार में सर्वाधिक घरेलू महिलायें एवं सबसे कम लगभग 10% कार्यालयी महिलायें हैं। चार एवं उससे अधिक बच्चे आदर्श परिवार के सम्बन्ध में मात्र 1.29% शिक्षक महिलायें एवं कार्यालयी महिलायें एक भी नहीं हैं। स्पष्ट है कि अधिक बच्चों के आदर्श आकार में मात्र थोड़े से ही लोग हैं, फलतः उनका विशेष महत्त्व नहीं है। तीन बच्चों के आदर्श आकार में 10-15% के बीच सभी प्रकार की महिलायें हैं।

शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार आकार देखने पर स्पष्ट होता है कि बढ़ते शैक्षिक स्तर में शिक्षक महिलाओं को एक शिशु परिवार आकार की ओर अवश्य प्रेरित किया है लेकिन यह धीमी गति से ही हुआ है। दो बच्चों के परिवार आकार में शिक्षक महिलायें सबसे आगे एवं तीसरे स्थान से प्रेरित हुई हैं। प्राथमिक स्तर से डी० फ़िन स्तर तक 67% से 93% का झुकाव उनकी प्रवृत्ति को स्पष्ट करता है। तीन शिशु के लिए किसी भी प्रकार की महिलाओं की स्पष्ट प्रवृत्ति नहीं दृष्टिगोचर हुई है।

घरेलू महिलाओं के एक बच्चे के आदर्श परिवार आकार के सम्बन्ध में स्पष्ट प्रवृत्ति शिक्षा के सम्बन्ध में नहीं दिखायी पड़ी, लेकिन दो बच्चों

के आकार में स्नातक स्तर से शिक्षा का प्रभाव दिखायी पड़ा है। कार्यालयी महिलाओं में सभी लोग एक से तीन बच्चे के आदर्श परिवार आकार में उनकी प्रवृत्ति समिट गयी है। यह अवश्य रहा है कि दो बच्चे हेतु सर्वाधिक, तब एक बच्चे हेतु एवं सबसे कम तीन बच्चे हेतु उनके आदर्श परिवार आकार की इच्छित प्रवृत्ति देखने को मिली है। कार्यालयी महिलायें अपेक्षाकृत शिक्षक महिलाओं के शीघ्र एवं कम प्रजननता में अधिक विश्वास में केन्द्रित करती दिखायी पड़ी है।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार उनके विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10.9 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार उनके विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

न्यादर्श की समस्त महिलाओं में 26% शिक्षक, 12% कार्यालयी एवं 4% घरेलू महिलाओं ने अपने विवाह न होने एवं सन्तान न होने के कारण उत्तर नहीं दिया है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू तीनों प्रकार की महिलाओं में सर्वाधिक ने विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य एक वर्ष अन्तराल अपनाया है। इसमें शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाये घरेलू से अधिक हैं। जन्म - अंतराल बढ़ने के साथ - साथ कम महत्त्व देने की प्रवृत्ति तीनों प्रकार की महिलाओं में देखी गयी।

विभिन्न आयु - वर्ग की महिलाओं को उनके जन्म अंतराल के विषय में देखने पर यह पाया गया कि यद्यपि एक वर्ष सर्वाधिक ने अपनाया लेकिन शिक्षक महिलाओं में प्रत्येक आयु - वर्ग ने, कार्यालयी महिलाओं में 20-30 एवं 30-40 आयु वर्ग की महिलाओं ने, एवं घरेलू महिलाओं में मात्र 50-60 आयु वर्ग को छोड़कर अन्य सभी आयु वर्ग की महिलाओं ने एक वर्ष अन्तराल को सर्वाधिक महत्त्व दिया है।

205

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा

पहिले बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 11.0 में शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि सर्वाधिक महिलाओं ने विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल एक वर्ष रखा है, इसके पश्चात दो वर्ष। पाँच वर्ष से अधिक का जन्म - अन्तराल किसी ने भी नहीं रखा। एक वर्ष का जन्म - अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें 50% है, जबकि कार्यालयी व घरेलू महिलायें 45% है। दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली कार्यालयी महिलाये सबसे अधिक 43% घरेलू 32% शिक्षक 26% है। तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली सबसे अधिक 15% घरेलू, कार्यालयी 12%, शिक्षक 10% है। चार वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली सबसे अधिक शिक्षक 8%, इसके पश्चात घरेलू 2.8% तथा मात्र .25% घरेलू है। पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक 6%, घरेलू 5%, कार्यालयी शून्य है।

20-30 आयु वर्ग में कार्यालयी महिलाओं ने विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य सबसे अधिक एक या दो वर्ष आदर्श माना है, इसके पश्चात एक या दो वर्ष के अन्तराल को शिक्षक महिलाओं ने तथा तुलनात्मक रूप में घरेलू महिलाओं ने कम आदर्श माना है तीन वर्ष का अन्तराल आदर्श मानने वाली महिलाओं में शिक्षक महिलायें सबसे अधिक चार, पाँच वर्ष के अन्तराल को शिक्षक तथा घरेलू ने स्वीकार किया है, जबकि कार्यालयी महिलाओं ने तीन वर्ष तक ही आदर्श माना है।

30-40 आयु वर्ग एक व दो वर्ष के जन्म - अन्तराल को शिक्षक व घरेलू महिलाओं ने एक बराबर आदर्श माना है जबकि कार्यालयी महिलाओं दो तथा तीन वर्ष को आदर्श माना है। तीन वर्ष के बाद आदर्श मानने वाली

महिलायें बहुत कम हैं, जिनमें कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

40-50 आयु वर्ग एक वर्ष के अन्तराल को सबसे अधिक घरेलू महिलाओं ने तथा शिक्षक महिलाओं ने स्वीकारा है, दो वर्ष के अन्तराल को कार्यालयी महिलाओं ने अधिक तथा शिक्षक व घरेलू महिलाओं ने अपेक्षाकृत कम आदर्श माना है। तीन वर्ष के अन्तराल को कार्यालयी महिलाओं ने सबसे अधिक आदर्श माना है, शिक्षक व घरेलू महिलायें बहुत कम हैं, चार तथा पाँच वर्ष के अन्तराल को शिक्षक, व घरेलू महिलाओं ने आदर्श माना है लेकिन कार्यालयी महिलाओं ने नहीं माना है।

50-60 आयु वर्ग शिक्षक महिलाओं ने एक वर्ष के जन्म - अन्तराल को सबसे अधिक आदर्श माना इसके पश्चात् घरेलू तथा सबसे कम कार्यालयी महिलाओं ने आदर्श माना है। दो वर्ष के अन्तराल को घरेलू महिलाओं ने सबसे अधिक तथा तीन वर्ष के अन्तराल को कार्यालयी महिलाओं ने तुलनात्मक रूप से अधिक आदर्श माना है चार तथा पाँच वर्ष के अन्तराल को शिक्षक तथा कार्यालयी ने स्वीकारा है, जबकि घरेलू महिलाओं ने नहीं स्वीकारा है।

सांख्यिकी संख्या II.1.

शिक्षक, कार्यलयी, पढ़, छोले, महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच अन्य अन्तराल

का विभेदात्मक अक्षय

बादरी महिलाये जनन अंतराल रिवाजा	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	कोई बच्चे नहीं	अविवा हित	योग	
शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
घरेलू	1281.40 17.65	242.80 35.27	1681.97 23.53	880.93 11.76	480.47 5.99	480.47 5.99	-	-	6989.94 100.00	
ग्राह- मरी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	
घरेलू	1982.22 27.14	1681.87 22.86	380.35 4.29	480.47 5.71	1681.87 22.86	-	-	480.47 5.71	9089.13 100.00	
जनि- यर	-	280.23 33.33	180.12 16.67	-	-	-	180.12 16.67	280.23 33.33	680.70 100.00	
हाई स्कूल	कार्यालयी	280.25 12.50	380.38 18.75	981.14 56.25	180.13 6.25	180.13 6.25	-	-	1682.02 100.00	
घरेलू	3283.74 42.11	1281.40 15.79	1281.40 15.79	480.47 5.26	480.47 5.26	880.93 10.53	480.47 5.26	-	7689.99 100.00	
हाई स्कूल	शिक्षक	3684.21 70.59	380.35 5.89	780.82 13.73	-	-	280.23 3.92	383.51 5.88	5185.96 100.00	
कार्यालयी	981.14 18.75	2182.65 43.75	780.88 14.58	480.51 8.33	-	-	380.38 6.25	480.51 8.33	4986.06 100.00	
घरेलू	3283.74 22.72	5686.54 39.99	2082.34 13.89	880.93 5.56	480.47 2.78	2082.34 13.99	-	480.47 2.79	144816.92 100.00	
इट- मीडि	शिक्षक	6687.72 62.26	1382.11 16.93	280.23 1.89	180.12 0.94	-	780.82 6.60	1281.40 11.32	106812.39 100.00	
कार्यालयी	2082.53 22.73	3183.91 35.23	1281.52 13.64	380.63 5.68	380.38 3.41	-	1281.52 13.64	580.63 5.69	88811.11 100.00	
घरेलू	5286.07 44.83	2482.80 20.69	1281.48 10.34	2082.34 17.24	880.93 6.89	-	-	-	116813.55 100.00	
स्नातक	शिक्षक	89810.47 34.77	2983.39 11.33	5786.67 22.27	1281.40 4.69	-	2182.46 8.20	4885.61 17.59	256829.94 100.00	
कार्यालयी	132816.67 46.32	7489.34 25.96	4185.19 14.39	480.51 1.40	280.25 0.70	-	1381.64 4.56	1982.39 6.67	295835.99 100.00	
घरेलू	7688.59 39.58	6487.48 33.33	1281.40 6.25	1281.40 6.25	880.93 4.17	1281.40 6.25	480.47 2.09	480.47 2.09	172822.43 100.00	
स्नात- कोत्तर	शिक्षक	184821.52 43.71	6687.72 15.68	3083.51 7.13	981.05 2.14	580.58 1.19	2783.16 6.41	100811.69 23.75	421849.24 100.00	
कार्यालयी	193824.37 55.14	6888.58 19.43	4685.91 13.14	380.38 0.86	-	-	1081.26 2.96	3083.79 8.57	350844.17 100.00	
घरेलू	108812.62 57.45	3684.21 19.15	2082.34 10.64	-	480.47 2.13	480.47 2.13	1681.87 8.51	-	189821.96 100.00	
डी. पिन	शिक्षक	380.35 20.00	280.23 13.33	880.94 53.33	-	-	-	280.23 13.33	1581.75 100.00	
कार्यालयी	480.51 80.00	180.13 20.00	-	-	-	-	-	-	580.63 100.00	
घरेलू	180.12 50.00	-	180.12 50.00	-	-	-	-	-	280.23 100.00	
योग	शिक्षक	378844.21	120814.04	145812.28	2282.57	580.58	-	5886.78	167819.53	8558100.8
कार्यालयी	360845.45	199825.00	115814.52	1782.15	860.76	-	3884.79	5987.32	7928100.8	
घरेलू	332838.79	232827.10	96811.21	8087.01	3684.21	6487.48	2482.90	1281.40	8568100.8	

शिक्षक, कार्यविधा एवं धरेलू महिलाओं का ज्ञान के अनुसार एकत्रित किया गया।

जोकेमध्य जन्म - अन्तराल का सामाजिक अध्ययन:-

तारिफों सेव्या [11] में शिक्षक, कार्यविधा, एवं धरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विचार तथा पढ़िने लख्य के मध्य जन्म अन्तराल का सामाजिक अध्ययन प्रस्तुत है।

सर्वेक्षण में यह देखा गया कि सर्वाधिक महिलाओं प्राथमिकीय प्रथम शिक्षा विचारोपरान्त वादती है। समस्त शिक्षक महिलाओं में 6.70% को एक भी जन्म नही था एवं 19.53% शिक्षिकायें आध्यात्मिक पाया गया। ऐसा रिजल्ट में सर्वाधिक लगभग 44% ने एक वर्ष 14% ने दो वर्ष, 12% ने तीन वर्ष, लगभग 3% ने चार वर्ष एवं मात्र 0.50% शिक्षक महिलाओं ने पांच वर्ष जन्म देना कहा है। कार्यविधा महिलाओं में लगभग 12% जन्म प्रक्रिया में नहीं जाता। फिर भी सर्वाधिक 45.45% ने एक वर्ष एवं 25% महिलाओं ने दो वर्ष का अन्तराल रखा है। धरेलू महिलाओं में यह रूप कुछ सीमित सा रीदयायी पड़ा। लगभग 4% धरेलू महिलायें इस प्रक्रिया में नहीं हैं फिर भी सर्वाधिक लगभग 29% ने एक वर्ष, 27% ने दो वर्ष, 11% ने तीन वर्ष, 7% ने चार वर्ष, 4% ने पांच वर्ष एवं 7.40% धरेलू महिलाओं ने पांच वर्ष से अधिक जन्म अन्तराल विचारोपरान्त रखा है।

न्यायर्ष का सामाजिक महिलाओं को उनके शैक्षिक - स्तर के अनुसार देखने पर यह पाया गया कि प्रत्येक शैक्षिक स्तर का महिलाओं ने जेम्सोद एवं प्रथम शिक्षा के मध्य कम से कम अन्तराल रखा है। ये महिलायें चाहे शिक्षक, कार्यविधा या धरेलू बयों न हों। शिक्षकों के सर्वाधिक, उसके बाद कार्यविधा महिलाओं ने एक वर्ष अन्तराल की महत्व दिया है। धरेलू महिलाओं ने सबसे कम लगभग 30% महत्व दिया है। धरेलू महिलाओं ने अपेक्षाकृत एक - दो वर्ष के अन्य वर्गों को भी महत्व दिया है।

सांख्यिकी संख्या 112

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में

आदर्श जन्म अन्तराल का विवेकात्मक अध्ययन

आदर्श जन्म अन्तराल शिक्षा	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांचवर्ष से अधिक	योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	44 85.14 64.71	20 82.34 29.61	4 80.47 5.88	-	-	-	69 87.94 100.00
प्राथमिकी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	32 83.74 45.71	20 82.34 28.57	19 82.10 25.71	-	-	-	70 89.19 100.00
जूनियर हाई स्कूल	शिक्षक	-	2 80.23 33.33	2 80.23 33.33	2 80.23 33.33	-	-	6 80.70 100.00
	कार्यालयी	9 81.14 56.25	5 80.63 31.25	2 80.25 12.50	-	-	-	16 82.02 100.00
	घरेलू	28 83.27 36.84	24 82.80 31.58	12 81.40 15.79	4 80.47 5.26	9 80.93 10.53	-	76 89.88 100.00
हाई स्कूल	शिक्षक	23 82.69 45.09	11 81.29 21.57	5 80.58 9.80	3 80.35 5.88	9 81.05 17.65	-	51 85.96 100.00
	कार्यालयी	28 83.54 58.33	12 81.50 25.00	8 81.01 16.67	-	-	-	48 86.06 100.00
	घरेलू	72 85.41 50.00	36 84.21 25.00	16 81.87 11.11	-	20 82.34 13.89	-	144 86.82 100.00
इंटरमीडिएट	शिक्षक	51 85.96 48.11	32 83.74 30.19	10 81.17 9.43	5 80.58 4.72	8 80.94 7.55	-	106 86.12 100.00
	कार्यालयी	61 87.70 67.32	20 82.53 22.73	7 80.88 7.95	-	-	-	88 88.11 100.00
	घरेलू	36 84.21 31.03	32 83.74 27.59	28 83.27 24.14	16 81.87 13.79	4 80.47 3.45	-	116 86.55 100.00
स्नातक	शिक्षक	128 84.97 50.00	64 87.49 25.00	26 83.04 10.16	18 82.11 7.03	20 82.34 7.81	-	256 89.94 100.00
	कार्यालयी	201 85.38 70.53	52 86.57 18.25	30 83.79 10.53	2 80.25 0.70	-	-	285 89.98 100.00
	घरेलू	80 89.35 41.67	72 88.41 37.50	40 84.67 20.83	-	-	-	192 89.43 100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षक	217 85.38 51.54	109 82.75 25.89	42 84.91 9.48	40 84.69 9.50	13 81.52 3.09	-	421 89.24 100.00
	कार्यालयी	55 86.94 15.71	24 83.09 70.00	50 86.31 14.28	-	-	-	350 89.19 100.00
	घरेलू	96 81.21 51.06	69 87.94 36.17	12 81.40 6.38	4 80.47 2.13	8 80.94 4.26	-	189 89.96 100.00
डी. फिल.	शिक्षक	8 80.94 53.33	5 80.59 33.33	2 80.23 13.33	-	-	-	15 81.75 100.00
	कार्यालयी	-	4 80.51 80.00	1 80.13 20.00	-	-	-	5 80.63 100.00
	घरेलू	-	-	2 80.23 100.00	-	-	-	2 80.23 100.00
योग	शिक्षक	427 84.94	223 82.68	97 81.18	68 87.95	50 85.95	-	855 89.94
	कार्यालयी	354 84.69	338 82.68	98 81.37	2 80.25	-	-	792 89.98
	घरेलू	389 85.33	272 83.75	132 81.52	24 82.90	40 84.67	-	855 89.96

शिक्षक, कार्यलयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले

बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विवेकात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या-11.2- में शिक्षक, कार्यलयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनके विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म अन्तराल का विवेकात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सर्वप्रथम मैं यह देखा गया कि विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म अन्तराल अधिकांशतः एक या दो वर्ष सर्वाधिक लोगों ने इच्छित किया है। शिक्षिकाओं में लगभग 50%, कार्यलयी महिलाओं में लगभग 49%, एवं घरेलू महिलाओं में लगभग 45% ने एक वर्ष आदर्श अन्तराल इच्छित किया। दो वर्ष अन्तराल हेतु शिक्षिकाओं ने लगभग 43% एवं घरेलू महिलाओं ने लगभग 38% ने आदर्श अन्तराल व्यक्त किया है। पाँच वर्ष से अधिक आदर्श अन्तराल कितना ने भी नहीं प्रस्तुत किया। तीन से पाँच वर्ष का अन्तराल शिक्षिकाओं ने अपेक्षाकृत अन्य लोगों के अधिक प्रतीयता दा है।

शिक्षक, कार्यलयी एवं घरेलू महिलाओं की उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक एवं सर्वोच्च शिक्षित स्नातकोत्तर स्तरीय शिक्षिकाओं में 49.24 % में लगभग 52% ने एक वर्ष एवं लगभग 26% ने दो वर्ष आदर्श अन्तराल व्यक्त किया। डी. फिलो स्तरीय शिक्षिकाओं में एक वर्ष अन्तराल सर्वाधिक लोगों ने इच्छित किया। लगभग 30% स्नातक शिक्षिकाओं में भी सर्वाधिक 53% ने एक वर्ष एवं 25% ने दो वर्ष व्यक्त किये। कम शिक्षित शिक्षिकाओं में भी यही विचार दिखाने पड़े।

समान 792 कार्यलयी महिलाओं की उन्हे शैक्षिक स्तर के अनुसार आदर्शमय अन्तराल देखने पर स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक एवं सर्वोच्च शिक्षित 44.19% महिलाओं में 70% ने दो वर्ष एवं लगभग 16% ने एक वर्ष आदर्श अन्तराल व्यक्त किया। स्नातक 22.43% कार्यलयी महिलाओं में लगभग 71% ने एक वर्ष एवं 18% दो वर्ष आदर्श अन्तराल व्यक्त किया। डी. फिलो स्तरीय यापि

लिया। नुन होने के कारण विशाल परिवर्णमानुगतम नही फिर भी सर्वाधिक दो वर्ष हो व्यक्त किया है। का शिक्षित कार्यवाही महिलाये भी एक या दो वर्ष हो हो करवा है।

धरेयू महिलाओं में भी जाक वही प्रदुहित दिनायी पड़ी। अतः एक शिक्षित महिलाओं ने भी एक या दो वर्ष के अन्तराल जो सर्वाधिक व्यक्त किया। इस प्रकार साक्षिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक महिलाये अपने प्रत्येक शिक्षित तार के अनुसार एक या दो वर्ष हो व्यक्त किया। प्रायः कुछ तारकोत्तर शिक्षित महिलाओं ने दो वर्ष अथवा एक वर्ष हो व्यक्त किया।

ग्राहिक-सूची- 113

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पढ़ाई करने वाले के जन्म के बीच अन्य स्तरान का शिक्षात्मक अध्ययन

अन्य स्तरान महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	कोई लब्धा करने	लगावली	योग
शिक्षक	1411-641	911-051	2613-011	811-941	610-701	-	112113-091	1711-991	3011-511
	6-31	2-05	11-71	3-10	2-70		50-45	7-63	13-51
कार्यालयी	5216-571	7611-121	0017-531	610-701	1211-521	211-011	43-10-06	2513-161	5717-101
	14-44	26-67	11-37	1-07	3-31	1-1	13-33	6-94	15-83
घरेलू	2212-571	1011-151	7218-411	5011-341	24-301	-	410-461	1912-221	11-791
	5-56	26-26	10-10	12-02	6-06		0-25	4-79	25-20
शिक्षक	3614-001	5015-351	92110-101	3313-601	2412-911	-	3213-741	2012-341	3914-441
	11-62	15-09	29-13	10-09	7-34		0-79	6-12	11-62
कार्यालयी	5917-451	7012-351	80110-101	1610-751	1812-271	710-951	811-011	510-631	4105-191
	18-91	25-00	25-54	5-13	5-77	2-24	2-56	1-60	13-14
घरेलू	4315-611	7113-251	4915-721	2412-301	-	3-0-931	410-461	510-59	2713-15
	20-34	30-06	20-76	10-17		3-39	1-69	2-12	11-44
शिक्षक	2913-591	3714-331	5717-341	2512-921	1812-111	-	1611-371	1311-521	1812-111
	13-00	16-59	30-04	11-21	9-07		7-17	5-83	8-07
कार्यालयी	1111-391	710-991	2513-161	911-141	510-531	911-011	210-251	911-011	410-1
	13-92	8-86	31-65	11-39	6-33	10-13	2-53	10-13	5-06
घरेलू	2102-901	3413-991	5115-951	111-111	510-931	10-461	410-461	-	1711-29
	17-36	77-27	35-41	0-09	5-56	2-13	2-78	39-63	11-00
शिक्षक	911-051	1311-521	2012-341	910-041	510-581	-	710-821	910-941	1311-521
	10-64	15-60	24-09	9-64	6-02		9-43	9-04	15-01
कार्यालयी	110-131	1111-391	1911-141	210-251	110-131	3-0-381	-	-	410-511
	2-44	2-83	40-34	2-33	2-44	7-32		9-76	1010-00
घरेलू	1912-221	2012-341	1111-291	1012-221	410-461	-	-	-	710-911
	23-75	25-00	13-75	23-75	5-00			8-11	1010-00
शिक्षक	90110-531	10911-721	205123-991	7413-651	5316-191	-	167119-531	5316-791	99111-591
कार्यालयी	123115-331	112124-241	181123-231	33114-111	3614-511	2212-731	5917-371	39114-791	106113-331
घरेलू	111113-311	259141-721	183111-55	94113-931	3511-111	3-11	1211-411	2413-46	1512-071

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 11.3 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं का उनके आयु के अनुसार पहिले व दूसरे शिशु के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में न्यायार्थ की विभिन्न महिलाओं में 38% शिक्षक 25% कार्यालयी एवं 4% घरेलू महिलाओं ने सर्वेक्षण समय पर अपने विवाह न होने, सन्तान न होने आदि के कारण पहिले व दूसरे शिशु के मध्य जन्म अन्तराल के सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया है।

सर्वाधिक 24% शिक्षक महिलाओं ने पहिले व दूसरे शिशु के मध्य तीन वर्ष का जन्म अन्तराल रखा है। एक एवं दो वर्ष का अन्तराल भी लगभग 23% ने रखा जबकि कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने एक एवं दो वर्ष अन्तराल को अपेक्षाकृत अधिक महत्त्व दिया। सर्वाधिक लगभग 24% कार्यालयी महिलाओं ने एवं 27% घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष अन्तराल रखा। तीन वर्ष अन्तराल को भी महत्त्व दिया, लेकिन शिक्षक महिलाओं से कम। शिक्षक महिलाओं ने चार एवं पांच वर्ष अन्तराल के बाद पांच से अधिक वर्ष का अन्तराल नहीं रखा है जबकि कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने पांच से अधिक वर्ष का भी अन्तराल रखा है।

शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल को यद्यपि सर्वाधिक महत्त्व दिया है लेकिन इसमें 30-40 एवं 40-50 आयु वर्ग की महिलाये अधिक है। इसी आयु वर्ग की महिलाओं ने तीन से अधिक वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया है। कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक दो वर्ष ने और उसमें भी 20-30 एवं 30-40 आयु की महिलाये अधिक है। घरेलू महिलाओं ने भी 2 वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया है। इसमें 30-40 एवं 40-50 आयु की महिलाये सर्वाधिक है। इसी आयु वर्ग की घरेलू महिलाओं ने तीन एवं तीन से अधिक वर्ष अन्तराल को भी महत्त्व दिया है।

जनसंख्या से कम है। वास्तव में पृथ्वी पर लगभग हर सातवाँ व्यक्ति भारतीय है।^x 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। 1941 में जनसंख्या 31.9 करोड़ थी जो कि 1971 में 54.8 करोड़ हो गयी और वृद्धि इस प्रकार 22.9 करोड़ हुई। 1901 भारत की कुल जनसंख्या लगभग 23.8 करोड़ थी। 1971-81 के दशक में भारत की जनसंख्या में 13.6 करोड़ वृद्धि हुई। 1971-1981 के दशक में भारत में जनसंख्या की दरअसल वृद्धि की दर से लगभग पाँच गुनी है जो वृद्धि की दर भारत में ही वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में थी। 1971-1981 के दशक में भारत की जनसंख्या की दर दुनिया की 1900-1950 की वृद्धि की दर का $2\frac{1}{2}$ गुना रही है।

जनसंख्या वृद्धि की दर केवल जन्म और मृत्यु दर पर ही निर्भर करती है। जन्म दर और मृत्यु दर का शुद्ध शेष ही वृद्धि दर के लगभग बराबर हो जायेगा। जन्म दर तथा मृत्यु दर के तेजी से बढ़ते हुए अन्तर के कारण जनसंख्या की वृद्धि की दर विस्फोटक आकार में बढ़ती रही है जिसके जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पैदा हो गयी। अब हमारे सम्मुख प्रश्न है कि प्रजननता क्या है। "प्रजननता" से आशय स्त्रियों द्वारा पैदा किये जाने वाले जीवित शिशुओं की वास्तविक संख्या है। प्रजननता की आधारभूत धारणा एक जनसंख्या की उपलब्धि का वह वास्तविक स्तर है जो वास्तव में होने वाले जीवित शिशु - जन्म की संख्या पर आधारित है। प्रजननता (Fertility) बहुप्रजना (Fecundity) से सर्वथा भिन्न है। बहु प्रजना (Fecundity) स्त्रियों के अधिकतम शिशु पैदा करने की भौतिक

*Population of India & Pakistan - Devis Kingsley

अन्तराल को आदर्श माना है।

40-50 आयु वर्ग में भी शिक्षक तथा घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष को आदर्श माना है तथा कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष को आदर्श माना है।

50-60 आयु वर्ग में शिक्षक महिलायें तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को, तत्पश्चात् एक वर्ष के जन्म - अन्तराल को, कार्यालयी ने एक वर्ष को घरेलू ने तीन वर्ष तथा इसके बाद पाँच वर्ष को महत्त्व दिया है।

इस प्रकार सारिणी से स्पष्ट है कि पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य तीन वर्ष का आदर्श अन्तराल शिक्षक, कार्यालयी व घरेलू महिलाओं ने इच्छित किया है चार, पाँच वर्ष के आदर्श जन्म अन्तराल की प्रवृत्ति घरेलू महिलाओं में तुलनात्मक रूप से अधिक है।

माहिती-संख्या-115

शिक्षक, कार्यस्थली पर घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के जन्म के बीच जन्म अन्तराल का विस्तारणक अध्ययन

जन्म अन्तराल	पहिले बच्चे	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पांच बच्चे	छात्र बच्चे	छात्र बच्चे	छात्र बच्चे	छात्र बच्चे	छात्र बच्चे
शिक्षा	शिक्षा	शिक्षा	शिक्षा	शिक्षा	शिक्षा	शिक्षा	शिक्षा	शिक्षा	शिक्षा	शिक्षा
बालिका	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यस्थली	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	1211.401 17.65	1611.871 23.53	1611.871 23.53	410.471 5.99	1211.401 17.65	-	610.931 11.76	-	611.7.941 100.00
प्राथमिक	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यस्थली	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	1812.101 25.71	2012.341 28.57	910.931 11.43	410.471 5.71	-	-	410.471 5.71	410.471 5.71	1211.401 17.14
द्वितीयक	शिक्षा	110.121 16.67	210.231 33.33	-	-	-	-	-	210.231 33.33	110.121 16.67
हाई स्कूल	कार्यस्थली	911.141 56.25	510.631 31.25	210.251 12.50	-	-	-	-	-	111.2.021 100.00
	घरेलू	410.471 5.26	4815.611 63.16	1611.871 21.05	810.941 10.53	-	-	-	-	7618.811 100.00
हाई स्कूल	शिक्षा	510.581 9.80	710.821 13.72	2112.461 41.18	310.351 5.71	510.581 9.40	-	510.581 9.40	310.351 5.88	210.231 3.92
	कार्यस्थली	2012.531 41.67	1211.521 25.00	610.761 12.50	-	-	-	310.351 6.25	410.511 8.33	310.351 6.25
	घरेलू	1211.401 8.33	4815.611 33.33	3614.211 25.00	2012.341 13.89	810.931 5.56	410.471 2.78	1211.401 8.33	410.471 2.78	-
कॉलेज	शिक्षा	1311.521 24.26	1211.401 11.32	4014.681 37.74	310.351 1.89	710.821 6.60	-	1211.401 11.32	1211.401 11.32	710.821 6.60
	कार्यस्थली	2413.031 27.27	1211.521 13.64	710.881 7.95	410.511 4.55	310.351 3.41	210.251 2.27	1912.391 21.59	310.631 3.68	1211.521 13.63
	घरेलू	410.471	3614.211 31.03	3013.501 25.86	1912.101 15.52	1211.401 10.34	-	1611.871 13.79	-	-
बालिका	शिक्षा	2713.161 10.54	3013.511 11.71	6217.251 24.21	1111.291 4.29	2713.161 10.54	-	3013.511 11.71	4815.611 18.75	2112.461 9.20
	कार्यस्थली	3013.791 10.53	9111.491 31.93	7210.091 25.26	510.631 1.75	410.511 1.40	410.511 1.40	4715.931 16.49	1912.391 6.67	1311.641 4.56
	घरेलू	2012.341 10.42	4815.611 25.00	4014.671 20.93	3213.741 16.67	410.471 2.08	-	4014.671 20.83	410.471 2.08	410.471 2.08
माध्यमिक	शिक्षा	4014.681 9.50	5516.431 13.66	9019.361 19.00	5716.671 13.53	1311.521 3.08	-	4915.731 11.63	10011.601 23.75	2713.161 6.41
	कार्यस्थली	4015.051 11.43	7219.091 20.57	9411.871 26.86	2413.031 6.86	2815.541 8.00	1612.021 4.57	3614.551 10.29	3013.791 8.57	1011.261 2.86
	घरेलू	4415.141 23.40	1211.401 6.38	3614.211 19.15	910.941 4.26	-	810.941 4.26	7219.411 39.29	-	810.941 4.26
डी.पी.एम.	शिक्षा	410.471 26.67	310.351 20.00	210.231 13.33	-	110.121 6.67	-	310.351 20.00	210.231 13.33	-
	कार्यस्थली	-	-	310.351 60.00	-	110.131 20.00	-	110.131 20.00	-	-
	घरेलू	-	110.121 50.00	110.121 50.00	-	-	-	-	-	-
योग	शिक्षा	90110.551 123.15.931	109112.751 124.24.1841	205123.981 23.231	7418.651 33.14.171	5316.191 36.14.551	-	99111.591 106.13.381	167119.531 28.17.321	5816.791 39.14.791
	कार्यस्थली	123115.931	192124.241	184123.231	3314.171	3614.551	2212.781	106113.381	2817.321	3914.791
	घरेलू	114113.321	229126.751	183121.381	94110.931	3614.211	1211.401	152117.761	1211.401	2412.501

शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे

बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 11.5 से शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले एवं दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि न्यायार्थ की समस्त शिक्षक महिलाओं में से लगभग 39% इस प्रजननता प्रक्रिया में नहीं पायी गयी है। 10.53% ने एक वर्ष, 12.75% ने दो वर्ष, 24% ने तीन वर्ष, 8.65% ने चार वर्ष, 6.19% ने पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा है। कार्यालयी महिलाओं में लगभग 25% प्रजननता प्रक्रिया में नहीं है। शेष 75% में - 15.53% ने एक वर्ष, 24.24% ने दो वर्ष, 23.23% ने तीन वर्ष, 4.17% ने चार वर्ष, 4.55% ने पाँच वर्ष एवं 2.78% ने पाँच से अधिक वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा है। घरेलू महिलाओं में लगभग 22% प्रजननता प्रक्रिया में नहीं है। शेष 78% में - सर्वाधिक 26.75% ने दो वर्ष, 21.38% ने तीन वर्ष, 12.85% ने एक वर्ष, 11% ने चार वर्ष, 4.21% ने पाँच वर्ष एवं 1.4% ने पाँच वर्ष से अधिक अन्तराल रखा है। इस प्रकार सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने जहाँ तीन वर्ष जन्म - अन्तराल प्रथम एवं द्वितीय शिशु के मध्य रखा वहीं कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक ने दो वर्ष ही रखा।

शिक्षा के अनुसार जन्म - अन्तराल देखने पर सारिणी से स्पष्ट है कि शिक्षा स्तर में वृद्धि के साथ - साथ शिक्षक महिलाओं के तीन वर्षीय जन्म - अन्तराल के विचार को निरपेक्ष रूप से बल मिला। जबकि कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के साथ यह तथ्य नहीं दिखायी पड़ा। इनमें दो वर्ष एवं एक वर्ष के विचार को भी बल मिला। सामान्य शैक्षिक स्तर के कार्यालयी महिलाओं ने तो एक वर्ष को अपेक्षाकृत अधिक बल दिया है। कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को भी महत्व दिया है।

लेकिन शिक्षक महिलाओं के तीन वर्ष या अपने सर्वाधिक दो वर्ष के जन्म - अन्तराल से कम। शिक्षक महिलाओं ने दो वर्ष को लगभग 13% एवं चार वर्ष को लगभग 9% ही महत्व दिया है। पाँच वर्ष के अन्तराल में शिक्षक महिलायें अन्य महिलाओं से अधिक हैं, लेकिन पाँच से अधिक वर्ष के अन्तराल में अन्य महिलाओं की अपेक्षा स्वयं शून्य है।

स्पष्ट है कि शिक्षा, शिक्षक महिलायें के लिये सबसे अधिक महत्वपूर्ण लेकिन कार्यालयी महिलाओं एवं घरेलू महिलाओं के लिये आंशिक महत्वपूर्ण जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में रहता।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल

सारिणी संख्या 11.6 से स्पष्ट है समस्त शिक्षक महिलाओं में 99% ने, कार्यालयी महिलाओं में 97% एवं घरेलू महिलाओं में लगभग 92% ने ही आदर्श जन्म - अन्तराल प्रथम एवं द्वितीय शिशु के मध्य व्यक्त किया है।

समस्त शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 45% ने पहिले व दूसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष जन्म - अन्तराल आदर्श बताया है। तीन वर्ष से कम अन्तराल लगभग 34% ने ही आदर्श कहा। शैक्षिक - स्तर में वृद्धि उनके आदर्श जन्म - अन्तराल वर्ष में वृद्धि की प्रवृत्ति को दर्शाती है।

49% कार्यालयी महिलाओं ने भी तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल आदर्श व्यक्त किया लेकिन इसमें तीन वर्ष से कम वर्ष अन्तराल को 37% ने आदर्श कहा। इनमें भी शैक्षिक स्तर में वृद्धि उनके आदर्श जन्म - अन्तराल में वृद्धि की प्रवृत्ति को व्यक्त करती है। लेकिन तीन वर्ष से अधिक अन्तराल के स्थान पर तीन एवं तीन से कम अन्तराल सर्वाधिक लोगों की प्रवृत्ति को स्पष्ट करती है।

घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 59% ने तीन वर्ष आदर्श व्यक्त किया है। लेकिन कार्यालयी महिलाओं की अपेक्षा इनकी प्रवृत्ति तीन वर्ष से पीछे या कम की अपेक्षा तीन एवं तीन से अधिक वर्ष अन्तराल की ओर अधिक देखी गयी। जो प्रथम व द्वितीय बच्चे के आदर्श जन्म - अन्तराल को स्पष्ट करती है।

सारिणी से स्पष्ट है कि तीनों प्रकार की महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल को आदर्श व्यक्त किया लेकिन घरेलू ने सर्वाधिक उसके बाद कार्यालयी एवं शिक्षक महिलाओं ने व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं में तीन वर्ष तीन से कम वर्ष की ओर प्रवृत्ति अन्य महिलाओं से अधिक दिखायी पड़ी।

भा.प्र.पि.-सू.प्र.पि.- 11-7

प्रारम्भ. कार्यप्रतिपदी एवं घरेलू मोहलाओं की आय के अनुसार दूसरे छ तिसरे बच्चे के बीच जन्म बन्तराल का विवेकात्मक अध्ययन

जन्म क्रम	मोहलाएँ	एकलक्ष	दो लक्ष	तीन लक्ष	चार लक्ष	पाच लक्ष	पाच लक्ष से अधिक	कोई अंश नहीं	अविवाहित	सुगा नहीं है	योग
20-30	शिलाब	210-231 0-90	110-121 0-45	510-511 2-25	310-351 1-35	110-121 0-45	-	1711-991 7-66	112113-091 50-45	91119-471 36-49	222125-961 110-00
	कार्यालयी	2012-531 5-56	610-761 1-67	4015-051 11-11	410-511 1-11	310-381 0-93	-	25113-161 6-94	49116-061 13-33	214127-021 59-44	360125-451 100-00
	घरेलू	310-351 0-76	1311-521 3-29	7311-531 13-43	32113-741 8-03	2112-451 5-30	-	19112-221 4-79	4111-461 1-01	231126-971 53-33	396126-261 100-00
30-40	शिलाब	810-941 2-25	1711-991 5-19	6817-951 20-79	1511-751 4-59	510-511 1-53	-	20112-341 6-12	32113-741 9-78	162119-951 49-54	327139-951 100-00
	कार्यालयी	2913-661 9-29	4916-191 15-71	2613-231 3-33	911-141 2-99	410-511 1-28	-	510-631 1-60	911-011 2-56	192122-991 59-33	312123-391 100-00
	घरेलू	610-701 2-54	911-051 3-91	3413-971 14-41	5216-071 22-03	1111-291 4-66	-	510-591 2-12	410-461 1-60	115113-431 43-73	236127-571 100-00
40-50	शिलाब	710-821 3-14	1611-971 7-17	7013-191 31-39	1411-641 6-28	410-471 1-79	-	1311-521 5-93	1611-971 7-17	33119-711 37-22	223126-091 100-00
	कार्यालयी	911-141 11-39	2112-651 26-59	510-631 6-33	310-391 3-79	110-131 1-27	-	911-011 10-13	210-251 2-53	30113-701 37-97	79119-971 100-00
	घरेलू	710-821 4-36	410-471 2-78	5015-841 34-72	2512-921 17-36	911-051 6-25	-	-	410-461 2-79	45115-261 31-25	144116-921 100-00
50-60	शिलाब	310-351 3-61	610-701 7-23	2613-041 31-33	510-591 6-02	210-231 2-41	-	810-941 9-64	710-921 9-43	26113-041 31-33	93119-711 100-00
	कार्यालयी	610-701 12-63	811-011 19-51	110-131 2-44	210-251 4-99	-	-	-	-	24115-031 58-54	41115-191 100-00
	घरेलू	410-471 5-00	710-921 9-75	2212-571 27-5	-	2012-341 25-00	-	-	-	27113-151 33-75	37119-351 100-00
योग	शिलाब	2012-341	4014-691	109119-771	3714-331	1211-401	-	5916-791	167119-531	352121-171	955110121
	कार्यालयी	6413-031	34110-611	7219-091	1912-271	911-011	-	3914-791	59117-321	450156-921	7571100121
	घरेलू	2012-341	3313-961	170120-91	110112-951	6017-011	-	24112-901	1211-401	219112-931	9561100121

जनसंख्या से कम है। वास्तव में पृथ्वी पर लगभग हर सातवाँ व्यक्ति भारतीय है।^x 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। 1941 में जनसंख्या 31.9 करोड़ थी जो कि 1971 में 54.8 करोड़ हो गयी और वृद्धि इस प्रकार 22.9 करोड़ हुई। 1901 भारत की कुल जनसंख्या लगभग 23.8 करोड़ थी। 1971-81 के दशक में भारत की जनसंख्या में 13.6 करोड़ वृद्धि हुई। 1971-1981 के दशक में भारत में जनसंख्या की दरउस वृद्धि की दर से लगभग पाँच गुनी है जो वृद्धि की दर भारत में ही वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में थी। 1971-1981 के दशक में भारत की जनसंख्या की दर दुनिया की 1900-1950 की वृद्धि की दर का $2\frac{1}{2}$ गुना रही है।

जनसंख्या वृद्धि की दर केवल जन्म और मृत्यु दर पर ही निर्भर करती है। जन्म दर और मृत्यु दर का शुद्ध शेष ही वृद्धि दर के लगभग बराबर हो जायेगा। जन्म दर तथा मृत्यु दर के तेजी से बढ़ते हुए अन्तर के कारण जनसंख्या की वृद्धि की दर विस्फोटक आकार में बढ़ती रही है जिसके जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पैदा हो गयी। अब हमारे सम्मुख प्रश्न है कि प्रजननता क्या है। "प्रजननता" से आशय स्त्रियों द्वारा पैदा किये जाने वाले जीवित शिशुओं की वास्तविक संख्या है। प्रजननता की आधारभूत धारणा एक जनसंख्या की उपलब्धि का वह वास्तविक स्तर है जो वास्तव में होने वाले जीवित शिशु - जन्म की संख्या पर आधारित है। प्रजननता (Fertility) बहुप्रजना (Fecundity) से सर्वथा भिन्न है। बहु प्रजना (Fecundity) स्त्रियों के अधिकतम शिशु पैदा करने की भौतिक

*Population of India & Pakistan - Devis Kingsley

जन्म अन्तराल पाया गया है।

अतः सारिणी से स्पष्ट है, कि शिक्षक तथा घरेलू महिलाओं में दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष का जन्म अन्तराल अधिक है, जबकि कार्यालयी महिलाओं में दो वर्ष का जन्म अन्तराल है।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार "दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल" का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 11-8 में विभिन्न वर्गीय महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य तीन वर्ष आदर्श जन्म - अन्तराल व्यक्त किया। घरेलू महिलाओं में दो वर्ष सर्वाधिक ने व्यक्त किया। सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक लगभग 50% शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष जन्म - अन्तराल, तीन से कम लगभग 17% ने, 4-5 वर्ष अन्तराल लगभग 29% ने एवं पांच से अधिक मात्र 2% ने आदर्श जन्म - अन्तराल व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं ने भी सर्वाधिक 43% ने यद्यपि तीन वर्ष को महत्व दिया है लेकिन एक वर्ष अन्तराल को शिक्षकों एवं घरेलू महिलाओं दोनों से अधिक एवं दो वर्ष अन्तराल को मात्र शिक्षकों से अधिक महत्व दिया है। तीन से अधिक अन्तराल लगभग 21% कार्यालयी महिलाओं ने आदर्श बताया। घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल के स्थान पर सर्वाधिक लगभग 32% ने दो वर्ष अन्तराल उचित बताया। एक वर्ष को 9%, तीन वर्ष का 15% एवं तीन से अधिक लगभग 18% ने उचित अन्तराल बताया। घरेलू महिलाओं में लगभग 26% ने इस सम्बन्ध में कोई भी उत्तर नहीं दिया है। आयु वर्गानुसार आदर्श अन्तराल देखने पर 20-30 आयु - वर्ग की सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष, कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष एवं घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष को आदर्श कहा। 30-40 आयु वर्ग की सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने तीन वर्ष, एवं घरेलू महिलाओं ने तीन से कम अन्तराल को सर्वाधिक महत्व दिया है। 40-50 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने तीन, एवं तीन से अधिक, कार्यालयी से तीन से अधिक तथा घरेलू महिलाओं ने किसी वर्ष को विशेष महत्व नहीं दिया है। 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं में तीन वर्ष से अधिक अन्तराल पर विशेष महत्व दिया है।

आदिवासी-कल्याण-११

शिक्षक, कार्यनियम एवं छोटे मजिनाओं की शिक्षा के अनुसार दूनों व तीनों बच्चों के बीच जन्म अन्तराल का विद्यार्थ्यक अध्ययन

जन्म अवधि शिक्षा	मजिनाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चारवर्ष	पांच वर्ष	षष्ठ वर्ष से अधिक	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	सामूहिक	योग
अशिक्षित शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घोम्	880.931 11.76	780.921 10.29	2683.041 39.24	1111.291 16.19	-	-	-	-	-	1611.971 23.53	6417.941 100.00
ग्रामपरी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घोम्	380.351 4.29	1181.291 19.71	2983.391 41.43	580.591 7.14	280.231 2.96	-	-	-	480.471 5.71	1681.971 22.86	7019.191 100.00
जूनियर	शिक्षक	-	280.231 33.33	180.121 16.67	-	-	-	180.121 16.67	280.231 33.33	--	680.701 100.00
हाई स्कूल	कार्यालयी	981.141 56.25	-	-	-	-	-	-	-	780.991 43.75	1682.021 100.00
घोम्	-	280.231 2.63	2482.801 31.58	2983.391 39.16	981.051 11.84	-	-	480.471 5.26	-	880.931 10.93	7681.841 100.00
हाई स्कूल	शिक्षक	280.231 3.92	480.471 7.84	1381.751 29.41	780.921 13.73	--	-	280.231 3.92	380.351 5.92	1882.111 35.29	5185.961 100.00
स्नान	कार्यालयी	1181.391 22.92	780.991 14.59	580.631 10.42	380.391 6.25	180.131 2.09	-	380.391 4.25	480.511 5.33	1481.771 29.17	4986.061 100.00
घोम्	580.991 3.47	780.821 4.86	3083.501 20.93	2683.041 13.06	1681.971 11.11	-	-	-	480.471 2.79	5686.541 39.99	14418.921 100.00
इटर	शिक्षक	480.471 3.77	1281.401 11.32	2582.921 23.58	280.231 1.89	780.821 6.60	-	780.921 8.60	1281.401 13.32	3786.331 34.91	106812.391 100.00
मीडियम	कार्यालयी	2382.901 26.14	881.011 9.09	981.141 10.23	-	-	-	1281.521 13.64	580.631 5.61	3183.981 35.23	99811.111 100.00
घोम्	-	280.231 1.72	3584.091 30.17	2082.341 17.24	580.351 2.59	-	-	-	-	5686.541 49.29	116813.551 100.00
स्नातक	शिक्षक	580.581 1.95	280.231 0.78	5685.851 21.89	1982.221 7.42	-	-	2182.461 5.20	4885.611 19.75	10812.981 41.02	256829.941 100.00
कार्यालयी	1982.391 6.67	681.331 23.16	1682.021 5.61	580.631 1.75	-	-	-	1381.641 4.86	1982.391 6.67	14718.561 51.55	288335.991 100.00
घोम्	480.471 2.09	480.471 2.08	2683.041 13.54	880.931 4.17	3083.501 15.63	-	-	480.471 2.09	480.471 2.09	112813.091 38.33	19222.431 100.00
स्नात	शिक्षक	981.051 2.14	2082.341 4.75	6983.071 16.39	981.051 2.14	580.351 0.71	-	2783.161 6.41	100811.691 23.75	18421.521 43.71	42149.241 100.00
कोल्लर	कार्यालयी	280.231 0.57	380.381 0.86	4283.301 12.00	1081.261 2.86	780.991 2.00	-	1081.261 2.86	3083.791 8.57	24631.061 70.29	35044.191 100.00
घोम्	-	-	981.051 4.79	1181.291 5.85	-	-	-	1681.871 8.51	-	152817.761 90.95	19821.961 100.00
डी.पिन	शिक्षक	-	-	380.351 20.00	-	280.231 13.33	-	-	280.231 13.33	880.941 53.33	1381.751 100.00
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	580.631 100.00	580.631 100.00
घोम्	-	-	-	-	-	-	-	-	-	280.231 100.00	280.231 100.00
योग	शिक्षक	2082.341 40.68	4084.681 84.10	169810.771 18.82	77837.431 12.14	1281.401 8.11	-	5886.781 2.86	167819.531 38.75	352841.171 55.55	1002100.21
कार्यालयी	6483.081 84.10	84810.611 18.82	72800.001 18.82	1882.271 8.11	881.011 8.11	-	-	3884.791 2.86	5887.321 38.75	430856.921 79.22	1002100.21
घोम्	2082.341 33.33	3383.861 86.61	179820.911 110.85	110812.851 160.70	17801.701 7.01	-	-	2582.801 12.81	1281.401 4.01	419845.531 456.10	1002100.21

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 11.9 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनके दूसरे एवं तीसरे बच्चे के जन्म के बीच जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में 19.53% अविवाहित, 6.78% सर्वेक्षण समय तक शिशु न होने, एवं 41.17% के मात्र दो बच्चों के कारण लगभग 32% शिक्षक महिलाओं ने ही दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल बताया है। मात्र 32% शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 20% ने तीन वर्ष का अन्तराल रखा। तीन से कम मात्र 7% ने ही महत्व दिया और तीन से अधिक 6% ने। शिक्षा के अनुसार देखने पर यह प्रवृत्ति पायी गई कि जैसे - जैसे शैक्षिक स्तर में वृद्धि हुई शिक्षक महिलाओं ने एक - दो वर्ष के अन्तराल से हटकर तीन वर्ष एवं तीन से अधिक वर्ष अन्तराल को महत्व दिया।

कार्यालयी महिलाओं में लगभग 31% के पास ही तीन बच्चे थे। अन्य 69% के अविवाहित, शिशु न होने या तीन शिशु सर्वेक्षण समय तर न होने के कारण इस प्रजनन अध्ययन में सम्मिलित नहीं हुए। कार्यालयी महिलाओं {31%} में सर्वाधिक 11% ने दो वर्ष अन्तराल को ही महत्व दिया है। शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ इनकी प्रवृत्ति एक वर्ष जन्म - अन्तराल से हटकर दो वर्ष अन्तराल पर सर्वाधिक पायी गई। तीन वर्ष को भी अपनाया लेकिन दो वर्ष से अधिक नहीं।

घरेलू महिलाओं में कार्यालयी महिलाओं की अपेक्षा शिक्षक महिलाओं की तरह प्रवृत्ति दिखायी पड़ी। लगभग 47% घरेलू महिलाओं के तीन शिशु हैं। जिसमें सर्वाधिक 21% ने तीन वर्ष जन्म अन्तराल को अपनाया है। तीन से कम को मात्र 6% एवं तीन से अधिक को लगभग 20% ने स्वीकार किया है। शिक्षा

का क्षन पर भी प्रभाव पड़ा है जो एक - दो वर्ष अन्तराल से तीन एवं तीन से अधिक वर्षों की ओर अतीरण किया है।

स्पष्ट है कि कार्यालयी महिलायें दूसरे व तीसरे के मध्य अपेक्षाकृत शिक्षक एवं घरलू महिलाओं के कम वर्ष जन्म - अन्तराल रखना चाहती है।

-सांख्यिकी-संख्या-12-2-

शिक्षक, कार्यालयी, एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म अन्तराल

का विभेदात्मक अध्ययन

आदर्श जन्म महिलाये उत्तरास शिक्षा		एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	नागू-नही है	योग
अशिक्षित	शिक्षाव	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	15१1.75१ 22.06	9१1.05१ 13.24	8१0.93१ 11.76	2१0.23१ 2.94	16१1.87१ 23.53	-	18१2.10१ 26.47	65१7.94१ 100.00
प्राथमरी	शिक्षाव	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	11१1.29१ 15.71	7१0.92१ 10.00	3१0.35१ 4.29	4१0.47१ 5.71	11१1.29१ 15.71	9१1.05१ 12.86	25१2.92१ 35.71	70१9.19१ 100.00
पूनिवर	शिक्षाव	-	-	3१0.35१ 50.00	1१0.12१ 16.67	2१0.23१ 33.33	-	-	6१0.70१ 100.00
	कार्यालयी	9१1.14१ 56.25	5१0.63१ 31.25	1१0.13१ 6.26	-	-	-	1१0.13१ 6.25	16१2.02१ 100.00
	घरेलू	12१1.40१ 15.79	22१2.57१ 28.95	7१0.82१ 9.21	3१0.35१ 3.95	6१0.70१ 7.89	4१0.47१ 5.26	22१2.57१ 29.95	76१9.98१ 100.00
हाई स्कूल	शिक्षाव	3१0.35१ 5.88	9१1.05१ 17.65	31१3.63१ 60.78	3१0.35१ 5.88	3१0.35१ 5.99	-	2१0.23१ 3.92	51१5.96१ 100.00
	कार्यालयी	25१3.16१ 52.08	13१1.64१ 27.08	7१0.88१ 14.58	-	-	-	3१0.39१ 6.25	49१6.06१ 100.00
	घरेलू	12१1.40१ 8.33	61१7.13१ 42.36	26१3.04१ 18.06	13१1.52१ 9.03	4१0.47१ 2.78	2१0.23१ 1.39	26१3.04१ 18.06	144१6.92१ 100.00
इंटरमीडियट	शिक्षाव	2१0.23१ 1.89	15१1.75१ 14.15	20१2.34१ 18.87	26१3.04१ 24.52	34१3.99१ 32.09	10१1.17१ 9.43	-	106१12.39१ 100.00
	कार्यालयी	54१6.82१ 61.36	9१1.14१ 10.23	8१1.01१ 9.09	7१0.89१ 7.95	6१0.76१ 6.82	-	4१0.51१ 4.55	88१11.11१ 100.00
	घरेलू	11१1.29१ 9.48	36१4.21१ 31.03	25१2.92१ 21.55	15१1.75१ 12.73	13१1.52१ 11.21	-	16१1.97१ 13.79	116१13.55१ 100.00
स्नातक	शिक्षाव	-	25१2.92१ 9.77	130१15.20१ 50.78	30१3.51१ 11.72	65१7.60१ 25.39	2१0.23१ 0.78	4१0.47१ 1.56	256१29.94१ 100.00
	कार्यालयी	65१8.21१ 22.81	75१9.47१ 26.32	110१13.89१ 38.59	7१0.89१ 2.46	29१3.54१ 9.92	-	-	295१35.99१ 100.00
	घरेलू	12१1.40१ 6.25	77१8.99१ 40.10	21१2.45१ 10.94	4१0.47१ 2.08	4१0.47१ 2.08	14१0.47१ 7.29	60१7.01१ 31.25	192१22.43१ 100.00
स्नातको- त्तर	शिक्षाव	38१4.44१ 9.03	45१5.26१ 10.69	136१15.91१ 32.30	20१2.34१ 4.75	66१7.72१ 15.69	8१0.94१ 1.90	7१0.91१ 1.66	421१49.24१ 100.00
	कार्यालयी	9१1.14१ 2.57	9१1.14१ 2.57	214१27.02१ 61.14	50१6.31१ 14.29	66१9.33१ 19.96	-	2१0.25१ 0.57	350१44.19१ 100.00
	घरेलू	7१0.82१ 3.72	63१7.36१ 33.51	35१4.09१ 18.62	12१1.40१ 6.39	19१2.10१ 9.57	-	53१6.19१ 29.19	199१21.96१ 100.00
डी फ्ल.	शिक्षाव	2१0.23१ 13.33	6१0.70१ 40.00	7१0.82१ 46.67	-	-	-	-	15१1.75१ 100.00
	कार्यालयी	-	-	3१0.38१ 60.00	-	2१0.25१ 40.00	-	-	5१0.63१ 100.00
	घरेलू	-	2१0.23१ 100.00	-	-	-	-	-	2१0.23१ 100.00
योग	शिक्षाव	45१5.26१ 100.00	110१11.70१ 100.00	427१48.94१ 100.00	90१9.36१ 100.00	170१19.99१ 100.00	20१2.34१ 100.00	13१1.52१ 100.00	555१100.0१ 100.00
	कार्यालयी	162१20.45१ 100.00	111१14.02१ 100.00	343१43.31१ 100.00	64१9.06१ 100.00	102१12.88१ 100.00	-	10१1.26१ 100.00	792१100.0१ 100.00
	घरेलू	80१9.35१ 100.00	277१32.36१ 100.00	36१125.14१ 100.00	53१6.19१ 100.00	72१9.41१ 100.00	29१3.33१ 100.00	220१25.70१ 100.00	556१100.0१ 100.00

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे

बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 12.0 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार "दूसरे एवं तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल" का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक 49% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श जन्म - अन्तराल तीन वर्ष व्यक्त किया है। लगभग 20% शिक्षक महिलाओं ने पाँच वर्ष एवं 2.34% ने पाँच से अधिक वर्ष अन्तराल आदर्श माना है। 5.26% ने एक वर्ष, लगभग 12% ने दो वर्ष एवं 9.36% शिक्षक महिलाओं ने चार वर्ष अन्तराल आदर्श माना है। कार्यालयी महिलाओं में भी सर्वाधिक 43.31% ने तीन वर्ष, 20.45% ने एक वर्ष, 14% ने दो वर्ष तथा चार वर्ष से अधिक आदर्श अन्तराल लगभग 21% ने माना है। घरेलू महिलाओं में लगभग 25% इस प्रक्रिया से अलग है। सर्वाधिक लगभग 32% ने दो वर्ष एवं 15% ने तीन वर्ष तथा 9.35% ने एक वर्ष जन्म - अन्तराल आदर्श इच्छित किया है। लगभग 21% महिलाओं ने चार वर्ष से अधिक अन्तराल आदर्श माना है। इस प्रकार शिक्षक महिलाओं ने तीन एवं तीन से अधिक, कार्यालयी महिलाओं ने तीन एवं तीन से कम तथा घरेलू महिलाओं ने दो एवं अधिक वर्ष अन्तराल को उचित माना है। कार्यालयी महिलाएँ अपने तीसरे सन्तान हेतु अधिक समय नहीं लगाना इच्छित करती हैं, यह बात सर्वेक्षण से स्पष्ट हुई।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं को उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि शिक्षक महिलाओं में शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ तीन वर्ष को आदर्श अन्तराल के प्रति अधिक दृढ़ता, तीन वर्ष से कम के प्रति कम इच्छा एवं तीन से अधिक वर्ष अन्तराल के प्रति भी महत्व देने की प्रकृति उभर कर आयी है। कार्यालयी महिलाओं में स्नातक से पूर्व स्तर में सर्वाधिक महिलाओं ने एक वर्ष या दो वर्ष को आदर्श अन्तराल माना है लेकिन स्नातक एवं अधिक शिक्षित कार्यालयी महिलाओं ने एक-दो वर्ष अन्तराल को कम आदर्श

वरीयता दिया अपेक्षाकृत तीन एवं अधिक वर्ष अन्तराल के। निश्चित रूप से कार्यालयी महिलाओं ने शिक्षा से जन्म - अन्तराल की प्रवृत्ति बढ़ती हुई स्पष्ट होती है।

घरेलू महिलाओं में शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ क्षीण होती हुई दो वर्ष आदर्श अन्तराल के प्रति आस्था अधिक दृढ़ हुई।

स्पष्ट है कि मात्र घरेलू महिलाओं को छोड़कर शिक्षक महिलाओं एवं कार्यालयी महिलाओं में दूसरे एवं तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श अन्तराल विभेद में शिक्षा महत्वपूर्ण कारक रही है।

સુવિધા-મુદ્રા-12.1

પ્રશ્નક, કાર્યાલયી અને ઘરેલું મહિલાઓ વીં પાચુ કે કન્યા : તો મેરે ય વોયે બચ્ચે કી દીવ જમ અન્નારામ કા ચિત્રેત્રા તમ અધ્યયન

અન્નારામ મહિલાઓ નાય વર્ગ	પ્રશ્નક	કાર્યાલયી	દો વર્ષ	તીન વર્ષ	ચાર વર્ષ	પાંચ વર્ષ	પાંચ વર્ષ સે અધિક	કોઈ બચ્ચા નહી	અધિકારિત	લગુ નહી	યોગ
20-30	શિક્ષક	-	-	-	-	1 ૫૦-૧૨ ૫	-	17 ૧૧-૧૧ ૧	112 ૧૩-૦૧ ૧	૧૦ ૧૧-૭૬ ૧	222 ૧૨-૫૬ ૧
						૦-૪૬	-	7-૬૬	50-૪૬	41-૪૪	10૧-૦૦
	કાર્યાલયી	3 ૫૦-૩૮ ૫	4 ૫૦-૫૧ ૫	3 ૫૦-૩૮ ૫	2 ૫૦-૨૬ ૫	-	-	25 ૧૩-૧૧ ૫	48 ૧૬-૦૬ ૫	275 ૧૩-૭૨ ૫	36૦ ૫-૪૬ ૫
		૦-૮૩	૧-૧૧	૦-૧૩	૦-૫૬	-	-	6-૧૪	13-૩૩	76-૩૧	10૦-૦૦
	ઘરેલું	4 ૫૦-૪૬ ૫	2 ૫૦-૨૩ ૫	2 ૫૦-૨૩ ૫	18 ૧૨-૧૦ ૫	9 ૧૧-૦૬ ૫	-	19 ૧૨-૨૨ ૫	4 ૫૦-૪૬ ૫	૧૩૧-૪૬ ૫	396 ૧૪-૨૬ ૫
30-40	શિક્ષક	5 ૫૦-૫૮ ૫	5 ૫૦-૫૮ ૫	18 ૧૨-૧૧ ૫	4 ૫૦-૪૭ ૫	3 ૫૦-૩૬ ૫	1 ૫૦-૧૨ ૫	20 ૨-૩૪ ૫	32 ૧૩-૭૪ ૫	૧૨૭-૧૨ ૫	327 ૧૩-૨૬ ૫
		1-૫૩	1-૫૩	5-૫૦	1-૨૨	૦-૧૨	૦-૩૧	૧-૧૨	9-૭૧	7૩-૦૧	10૦-૦૦
	કાર્યાલયી	14 ૫૧-૭૭ ૫	15 ૫૧-૮૧ ૫	14 ૧૧-૭૭ ૫	1 ૫૦-૧૩ ૫	4 ૫૦-૫૧ ૫	-	5 ૫૦-૬૩ ૫	8 ૫૧-૦૧ ૫	૧૨૫-૬૧ ૫	31૦ ૧૩-૩૧ ૫
		4-૪૧	4-૮૧	4-૪૧	૦-૩૨	1-૨૮	-	1-૬૦	2-૫૬	૫૦-૪૬	10૦-૦૦
	ઘરેલું	7 ૫૦-૮૧ ૫	27 ૫૩-૧૬ ૫	26 ૫૩-૦૪ ૫	6 ૫૦-૭૦ ૫	3 ૫૦-૩૬ ૫	-	5 ૫૦-૫૮ ૫	4 ૫૦-૪૭ ૫	૧૧૧-૪૬ ૫	236 ૧૬-૭૫ ૫
40-50	શિક્ષક	2-૧૭	11-૪૪	11-૦૨	2-૫૪	1-૨૭	1-૨૭	1-૬૦	1-૬૦	66-૧૬	10૦-૦૦
	કાર્યાલયી	8 ૫૦-૧૬ ૫	7 ૫૦-૮૨ ૫	25 ૧૨-૧૨ ૫	6 ૫૦-૭૦ ૫	5 ૫૦-૫૮ ૫	1 ૫૦-૧૨ ૫	13 ૧૧-૫૨ ૫	16 ૧૧-૫૨ ૫	૧૪૨ ૧૬-૬૧ ૫	223 ૧૬-૦૮ ૫
		3-૫૧	3-૧૪	11-૨૧	2-૬૧	૩-૨૪	૦-૪૬	5-૮૩	7-૧૭	6૩-૬૮	10૦-૦૦
	ઘરેલું	3 ૫૦-૩૮ ૫	2 ૫૦-૨૬ ૫	1 ૫૦-૧૩ ૫	1 ૫૦-૧૩ ૫	-	-	8 ૫૧-૦૧ ૫	2 ૫૦-૨૬ ૫	62 ૧૭-૮૩ ૫	79 ૧૭-૧૭ ૫
50-૬૦	શિક્ષક	૦-૭૧	2-૫૬	1-૨૧	1-૨૭	2 ૫૦-૨૩ ૫	-	10-૧૩	2-૫૩	7૧-૪૬	10૦-૦૦
	કાર્યાલયી	8 ૫૦-૧૬ ૫	9 ૫૧-૦૬ ૫	11 ૧૧-૨૧ ૫	2 ૫૦-૨૩ ૫	2 ૫૦-૨૩ ૫	-	-	4 ૫૦-૪૭ ૫	૧૦૧ ૧૬-૮૧ ૫	144 ૧૬-૮૨ ૫
		5-૫૬	6-૨૬	7-૬૪	1-૩૧	1-૩૧	-	-	2-૭૮	7૬-૦૦	10૦-૦૦
	ઘરેલું	4 ૫૦-૪૭ ૫	3 ૫૦-૩૬ ૫	12 ૧૧-૪૦ ૫	2 ૫૦-૨૩ ૫	3 ૫૦-૩૬ ૫	-	8 ૫૦-૧૬ ૫	7 ૫૦-૮૨ ૫	44 ૧૬-૧૬ ૫	93 ૧૭-૭૧ ૫
યોગ	શિક્ષક	4-૮૨	3 ૬૧	14-૪૬	2-૪૧	3-૬૧	-	7-૬૪	9-૪૩	52-૦૧	10૦-૦૦
	કાર્યાલયી	4 ૫૦-૫૧ ૫	5 ૫૦-૬૩ ૫	2 ૫૦-૨૬ ૫	-	-	-	-	-	30 ૧૩-૭૧ ૫	41 ૧૬-૧૮
		9-૭૬	12-૧૧	4-૮૧	-	-	-	-	-	7૩-૧૭	10૦-૦૦
	ઘરેલું	9 ૫૧-૦૬ ૫	2 ૫૦-૨૬ ૫	2 ૫૦-૨૩ ૫	5 ૫૦-૫૧ ૫	1 ૫૦-૧૨ ૫	-	-	42 ૧૬-૧૬ ૫	૫૦ ૧૭-૩૬ ૫	૧૦ ૧૭-૩૬ ૫
યોગ	શિક્ષક	17 ૧૧-૧૧ ૫	15 ૧૧-૧૬ ૫	55 ૧૬-૪૩ ૫	12 ૧૧-૪૦ ૫	12 ૧૧-૪૦ ૫	2 ૫૦-૧૩ ૫	58 ૧૬-૭૧ ૫	167 ૧૭-૫૩ ૫	૬૧૭ ૧૭-૪૦ ૫	૧૬૬ ૧૭-૪૦ ૫
	કાર્યાલયી	24 ૧૩-૦૩ ૫	2 ૫૩-૨૬ ૫	20 ૧૨-૫૩ ૫	4 ૫૦-૫૧ ૫	4 ૫૦-૫૧ ૫	-	3 ૫૧-૭૧ ૫	58 ૧૭-૩૨ ૫	61 ૧૭-૭૧ ૫	792 ૧૭-૦૩ ૫
	ઘરેલું	28 ૧૩-૨૭ ૫	5 ૧૬-૮૧ ૫	67 ૧૭-૮૩ ૫	3 ૧૩-૬૨ ૫	1 ૬૧-૭૬ ૫	-	24 ૧૭-૩૦ ૫	1 ૧૧-૪૦ ૫	6 ૧૭-૭૨ ૫	9૬૬ ૧૭-૦૩ ૫

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 12.1 में शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में मात्र 14% शिक्षक, 10% कार्यालयी एवं 23% घरेलू महिलाओं ने ही उत्तर दिया है। शेष ने विवाह न होने, स्वर्धन समय तक एक भी शिशु न होने या चौथा शिशु न होने के कारण उत्तर देने में असमर्थ रही।

कम उत्तरदाताओं के होने पर भी शिक्षकों में सर्वाधिक ने तीन वर्ष, कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष, एवं घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष जन्म अन्तराल रखा है। एक एवं दो वर्ष अन्तराल रखने में शिक्षक सबसे कम एवं घरेलू सबसे अधिक रही। पांच वर्ष से अधिक अन्तराल भी शिक्षक महिलाओं में पाये गये लेकिन उनकी संख्या कम होने के कारण कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकल सकता।

20-30 आयु वर्ग में शिक्षक महिलायें जहाँ लगभग शून्य रहीं वहीं 30-40 एवं 40-50 में अपेक्षाकृत अधिक एवं तीन वर्ष अन्तराल को सर्वाधिक ने स्वीकार भी किया है। 50 वर्ष के बाद यह प्रवृत्ति कम दिखायी पड़ी है। कार्यालयी महिलाओं में विभिन्न आयु वर्ग में विशेष प्रवृत्ति नहीं दिखायी पड़ी। हाँ यह अवश्य रहा कि अधिकांश एक से तीन वर्ष अन्तराल में संकेन्द्रित रहे।

घरेलू महिलाओं की 30-40, 40-50 एवं 50-60 आयु वर्ग में अधिकांश लोगो ने दो एवं तीन वर्ष अन्तराल को स्वीकार किया है।

आदिश्री-अंश-12.2

विशाल, कार्यकारी एवं प्रमुख अधिकारियों की विज्ञान के अनुसार तीनों व बोधे बच्चे के मध्य जन्म वस्तुमान का विवेकात्मक अध्ययन

जन्म वर्ष	पितामह	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	षष्ठ वर्ष से अधिक	कोई बच्चा नहीं	अविज्ञान - वित्त	सात वर्ष से	योग
विज्ञान											
आदिश्री											
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	11.31 29.8	7.60 82.8	6.30 70.8	-	-	-	-	-	-	44.35 14.8	63.37 94.8
	16.18	10.29	8.92							66.71	100.00
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	13.31 52.8	6.30 70.8	5.30 59.8	4.30 47.8	-	-	-	-	4.30 47.8	39.34 44.8	70.35 19.8
	13.57	9.57	7.14	5.71					5.71	54.29	100.00
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	4.30 51.8	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	25.00										
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	3.30 35.8	18.32 10.8	9.31 65.8	5.30 59.8	1.30 12.8	-	-	-	4.30 47.8	36.34 21.8	76.35 99.8
	3.95	23.68	17.84	8.57	14.47				5.26	47.37	100.00
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	2.30 23.8	1.30 12.8	2.30 23.8	4.30 47.8	4.30 47.8	1.30 12.8	2.30 23.8	3.30 35.8	32.33 74.8	51.35 96.8	6.30 70.8
	3.92	1.96	3.92	7.84	7.84	1.96	3.92	5.95	62.75	100.00	100.00
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	7.30 89.8	5.30 63.8	3.30 35.8	-	-	-	-	-	3.30 35.8	28.33 29.8	48.36 06.8
	14.58	10.42	6.25						6.25	54.17	100.00
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	1.30 12.8	2.30 23.8	1.30 12.8	4.30 47.8	2.30 23.8	-	-	-	4.30 47.8	92.30 75.8	144.36 82.8
	0.69	16.67	11.21	2.75	1.39				2.71	63.89	100.00
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	1.30 12.8	3.30 35.8	1.30 12.8	3.30 35.8	2.30 23.8	-	-	-	7.30 89.8	12.31 40.8	63.37 37.8
	0.94	2.93	14.15	2.93	1.59				6.60	11.32	59.43
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	12.31 52.8	2.30 23.8	2.30 23.8	-	2.30 23.8	-	-	-	12.31 52.8	3.30 35.8	53.36 69.8
	13.64	2.27	2.27		2.27				13.64	5.64	60.23
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	-	3.30 35.8	1.30 12.8	9.31 65.8	4.30 47.8	-	-	-	-	84.39 81.8	116.31 55.8
		2.59	13.79	7.76	3.45					72.41	100.00
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	5.30 59.8	6.30 70.8	11.31 29.8	2.30 23.8	6.30 70.8	1.30 12.8	2.30 23.8	4.30 47.8	19.35 61.8	156.31 9.24	256.32 94.8
	1.95	2.34	4.29	0.75	2.34	0.39	2.34	8.20	18.75	60.94	100.00
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	-	18.32 27.8	1.30 12.8	-	-	-	-	-	13.31 64.8	19.35 61.8	234.32 55.8
		6.32	0.35						4.56	6.67	82.11
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	-	-	1.30 12.8	7.30 89.8	6.30 70.8	-	-	-	4.30 47.8	4.30 47.8	160.31 60.8
			0.53	5.73	3.65				2.09	2.09	93.33
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	6.30 70.8	5.30 59.8	27.33 16.8	3.30 35.8	-	-	-	-	27.33 16.8	100.11 69.8	253.32 50.8
	1.43	1.19	6.41	0.71					6.41	25.75	60.09
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	1.30 13.8	1.30 13.8	14.33 77.8	4.30 51.8	6.30 70.8	-	-	-	10.31 24.8	30.33 79.8	298.33 36.8
	0.29	0.29	4.00	1.14	0.57				2.84	8.57	82.29
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	-	1.30 12.8	3.30 35.8	2.30 23.8	2.30 23.8	-	-	-	16.31 87.8	-	164.31 16.8
		0.53	1.59	1.06	1.06				8.51		87.23
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	3.30 25.8	-	-	-	-	-	-	-	2.30 23.8	10.31 16.8	15.31 75.8
	20.00								13.53	66.47	100.00
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	17.31 99.8	15.31 75.8	55.36 43.8	12.31 40.8	12.31 40.8	2.30 23.8	5.30 59.8	16.73 19.8	51.73 60.46	855.31 100.8	855.31 100.8
	25.33 03.8	26.33 28.8	20.32 53.8	4.30 51.8	4.30 51.8	-	3.30 35.8	5.30 59.8	61.33 78.03	792.31 100.8	792.31 100.8
आदिश्री	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यकारी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रमुख	28.33 27.8	59.36 89.8	67.37 83.8	31.33 62.8	15.31 75.8	-	24.32 90.8	12.31 40.8	620.32 72.43	956.31 108.8	956.31 108.8

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे एवं चौथे

बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 12.2 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे एवं चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 87% प्रजननता की इस प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं है। शेष 13% शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 6.43% ने तीन वर्ष जन्म - अन्तराल को महत्त्व दिया है। कार्यालयी महिलाओं में लगभग 10% महिलायें ही इस प्रक्रिया में हैं जिसमें सर्वाधिक 3.03% ने एक वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया है। अन्य वर्षों को लगभग 1% ने ही महत्त्व दिया है। घरेलू महिलाओं में लगभग 18% ने तीन वर्ष, 6.89% ने दो वर्ष एवं 3.27% ने एक वर्ष जन्म - अन्तराल को महत्त्व दिया है। तीन वर्ष से अधिक किसी ने भी महत्त्व नहीं दिया है। स्पष्ट है कि तीसरे एवं चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल में सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू ने तीन वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया है जबकि कार्यालयी ने एक वर्ष।

विभिन्न वर्ग की महिलाओं को उनके शिक्षक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि शिक्षक महिलाओं में प्रत्येक स्तर के साथ तीन वर्ष का अन्तराल अपनाया गया, जबकि कार्यालयी में प्रत्येक शैक्षिक स्तर की महिलाओं ने एक वर्ष को महत्त्व दिया।

घरेलू महिलाओं में जहाँ पहले अशिक्षित एवं प्राथमिक स्तरीय महिलाओं ने एक वर्ष को महत्त्व दिया, शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ उन्होंने भी तीन वर्ष एवं दो वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया।

भारियति-संख्या-123

पुर्ण परिवार वाली शिष्टाव, कर्मचारी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की हाउसीयता के स्तर में छात्रों को

दिये गये परामर्श का विमोचक अध्ययन				
पुर्ण-आयु-आयु-आयु	महिलायें	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	शिष्टाव	482-198	-	482-198
	कार्यालयी	100-00	-	100 00
	घरेलू	-	-	-
30-40	शिष्टाव	20810-998	4122-538	61833-528
	कार्यालयी	32 79	67-21	100-00
	घरेलू	-	-	-
40-50	शिष्टाव	43823-638	64835-168	107858-798
	कार्यालयी	40 19	59-91	100-00
	घरेलू	-	-	-
50-60	शिष्टाव	582-758	582-758	1085-498
	कार्यालयी	50-00	50-00	100-00
	घरेलू	-	-	-
योग	शिष्टाव	72839 568	110860 448	192810028
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 12.3 में परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिये गये परामर्श का अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि छात्रों का सम्बन्ध शिक्षक महिलाओं से प्रत्यक्ष है फलतः शिक्षक महिलाये ही उन्हें परामर्श दे सकती है। अन्य कर्मचालयी एवं घरेलू महिलाओं का छात्रों को परामर्श देने का औचित्य ही नहीं उठता। फलतः सारिणी में छात्रों को ही दिये गये परामर्श के विचार समकित हैं।

सर्वेक्षण में देखा गया कि पूर्ण परिवार की 182 शिक्षक महिलाओं में लगभग 40% ने ही छात्रों को परामर्श दिया है शेष 60% ने परामर्श नहीं दिया है। परामर्श देने वाली महिलाओं में सर्वाधिक 40-50 आयु वर्ग की। उसके बाद 30-40 आयु की महिलाये है। 20-30 एवं 50-60 आयु वर्ग की अत्यधिक कम महिलाये है। जिन्होंने कम ही छात्रों को परामर्श दिया है।

परामर्श न देने वालों में सर्वाधिक 40-50 एवं 30-40 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाये है। 20-30 आयु वर्ग की सभी ने परामर्श दिया है।

सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि सर्वाधिक शिक्षक महिलाये 40-50 आयु वर्ग की 59% एवं 30-40 आयु वर्ग की 34% है। 40-50 में 40% ने एवं 30-40 आयु वर्ग की 33% ने परामर्श दिया है जबकि 40-50 आयु वर्ग में 60% एवं 30-40 आयु वर्ग में 67% ने परामर्श नहीं दिया है।

इस प्रकार पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं में अधिकांश लोगों ने परामर्श नहीं दिया है। यद्यपि युवा शिक्षक महिलाओं की संख्या कम है लेकिन उनमें शत प्रतिशत परामर्श देने की प्रवृत्ति पायी गयी है।

माहिणी-संख्या-124
पूर्ण परिवार वाली शिक्षाक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार छात्रों को दिये गये परामर्श का विस्तृत अध्ययन

प्राप्ति	महिलाये	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
वसिष्ठत	शिक्षाक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
ग्राहनी	शिक्षाक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
दुग्धर	शिक्षाक	281-098	180-558	311-51
	कार्यालयी	66-67	33-35	100-00
	घरेलू	-	-	-
हाई स्कूल	शिक्षाक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
हाई	शिक्षाक	683-298	1387-148	19810-448
	कार्यालयी	31-58	68-42	100-00
	घरेलू	-	-	-
स्कूल	शिक्षाक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
इण्टर	शिक्षाक	1085-498	19813-448	29815-938
	कार्यालयी	34-48	65-52	100-00
	घरेलू	-	-	-
मी. एड	शिक्षाक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
स्नातक	शिक्षाक	1889-398	34810-268	52828-578
	कार्यालयी	34-62	65-38	100-00
	घरेलू	-	-	-
स्नात	शिक्षाक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
कोत्तर	शिक्षाक	33818-138	42823-088	75841-218
	कार्यालयी	44-00	56-00	100-00
	घरेलू	-	-	-
डी. फिल.	शिक्षाक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
योग	शिक्षाक	72839-568	110880-448	182810088
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार छात्रों को दिस गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 12.4 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार छात्रों को दिस गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिस गए परामर्श के सम्बन्ध में मात्र शिक्षक महिलायें ही महत्वपूर्ण हैं। अन्य महिलाओं का छात्रों को परामर्श का औचित्य ही नहीं उठता। पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं में अधिक 60% ने छात्रों को परामर्श नहीं दिया है, तथा 40% ने परामर्श दिया है।

छात्रों को परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं में सबसे अधिक स्नातकोत्तर शिक्षक महिलायें हैं, इसके पश्चात स्नातक, इण्टर मीडिएट, हाई स्कूल, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है। सर्वाधिक शिक्षित डी० एल० स्तरीय शिक्षक महिलायें मात्र 4 हैं जिसमें 75% ने परामर्श दिया है। परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं में शिक्षक स्तर में वृद्धि के साथ परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या बढ़ते है।

पूर्ण परिवार *Completed Family* & खाली शिष्टांक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आय के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता

सांख्यिकी-संख्या-12.5

के संदर्भ में मासिक व पिछले को दिये गये परास्पर्धा का विवेकात्मक अध्ययन

परास्पर्धा आय वर्ष	महिलाये	परास्पर्धा दिया है	परास्पर्धा नहीं दिया है	योग
20-30	शिष्टांक	391-654 75 00	180-554 25-00	482-194 100-00
	कार्यालयी	983-754 56-25	782-924 43-75	1666-674 100-00
	घरेलू	582-144 55-56	481-714 44-44	983-854 100-00
30-40	शिष्टांक	35819-234 57 38	26814-294 42-62	61833-524 100-00
	कार्यालयी	101842-084 67-33	49820-424 32-67	150862-504 100-00
	घरेलू	38816-244 40-91	34814-534 47-22	72830-774 100-00
40-50	शिष्टांक	71830-014 66-36	36819-784 33-64	107849-794 100-00
	कार्यालयी	2389-584 44-23	29812-084 55-77	52821-674 100-00
	घरेलू	45819-234 40 91	65827 754 59 09	110847 014 100 00
50-60	शिष्टांक	482-194 40-00	683-294 60-00	1085-494 100-00
	कार्यालयी	1385-424 59-09	983-754 40 91	2289-174 100-00
	घरेलू	1988-124 44-19	24810-264 55-51	43818-354 100-00
योग	शिष्टांक	113862-094	69837-914	182810024
	कार्यालयी	146860 834	94839-174	240810024
	घरेलू	107845-734	127854-274	234810024

पूर्ण परिवार , Completed Family । कार्यागार एवं धरतू मॉडलों का आयु के अनुसार परिवार नियोजन की परिभाषा के तहत व सन्तान एवं भित्त को दिए गए परामर्श का विवेकात्मक अध्ययन:-

तारीखी तथ्या-12.5- में पूर्ण परिवार & Completed Family । कार्यागार, कार्यागार एवं धरतू मॉडलों का आयु के अनुसार परिवार नियोजन का परिभाषा के तहत व सन्तान एवं भित्त को दिए गए परामर्श का विवेकात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

20-30 आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक मॉडलों ने परामर्श दिया है, जबकि इस वर्ग का कार्यागार महिलाएँ एवं धरतू मॉडलों परामर्श देने में अत्यधिक पाछे है। इस आयु वर्ग का शिक्षक मॉडलों का तथ्या काफी अपेक्षाकृत कम है, लेकिन महत्वपूर्ण है। दूसरी ओर अन्य वर्ग का मॉडलों का तथ्या अधिक है और उन्होंने परामर्श कम दिया है।

30-40 आयु वर्ग में कार्यागार मॉडलों की संख्या सबसे अधिक, इसके बाद शिक्षक मॉडलों, तथा धरतू मॉडलों है। इस आयु वर्ग की कार्यागार मॉडलों ने सबसे अधिक लगभग 67% ने सन्तान व भित्त को परामर्श दिया है, शिक्षक मॉडलों ने भी परामर्श दिया है कार्यागार मॉडलों का अपेक्षाकृत कम परामर्श दिया है। धरतू मॉडलों में अधिक ने परामर्श नहीं दिया है।

40-50 आयु वर्ग में शिक्षक मॉडलों लगभग 59%, कार्यागार मॉडलों 22% धरतू मॉडलों 47% है। इस आयु वर्ग में शिक्षक मॉडलों ने सबसे अधिक परामर्श दिया है, जबकि कार्यागार एवं धरतू मॉडलों में अधिकतर लगभग 60% ने परामर्श नहीं दिया है।

50-60 आयु वर्ग में सबसे अधिक घरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया। उनकी संख्या भी अपेक्षाकृत अधिक रही लेकिन परामर्श न देने वाली शिक्षित महिलायें रही।

सागरणी से स्पष्ट है कि यद्यपि पूर्ण परिवार की सर्वाधिक कार्यलयी महिलायें, उसके बाद घरेलू एवं शिक्षित महिलायें हैं। परामर्श न देने वाली में यह अनुक्रम भी ठीक है, लेकिन परामर्श देने वाली में अनुक्रमत्मक एवं गुणात्मक रूप से ठीक विपरीत है। सर्वाधिक परामर्श शिक्षित महिलाओं ने दिया है, घरेलू महिलाओं का स्थान दूसरा है, लेकिन कार्यलयी महिलाओं ने सर्वाधिक कम ५ घरेलू महिलाओं का आधो ४ ने परामर्श दिया है।

निश्चित रूप से, कार्यलयी महिलाओं में परिवार नियोजन की जागरूकता के संदर्भ में परामर्श देने के विषय में उनकी ज़रूरत निराशाजनक है, इसके विपरीत शिक्षित महिलाओं का व्यवहार उत्साहजनक रहा है।

सांख्यिकी-संख्या- 12.6

पूर्ण परिवार वाली शिक्षाक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धी व मित्रों को दिये गये परामर्श विभेदात्मक अध्ययन

प्रकार	महिलाये	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
आशिक्षित	शिक्षाक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	4 11.71 1/2 23.53	13 10.24 1/2 76.47	17 17.26 1/2 100.00
प्राथमिकी	शिक्षाक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	7 12.99 1/2 38.89	11 12.01 1/2 61.11	18 17.69 1/2 100.00
जूनियर	शिक्षाक	2 11.09 1/2 66.67	1 10.55 1/2 33.33	3 11.65 1/2 100.00
हाई स्कूल	कार्यालयी	5 12.08 1/2 62.50	3 10.55 1/2 37.50	8 13.33 1/2 100.00
	घरेलू	9 13.85 1/2 42.86	12 15.13 1/2 57.14	21 15.97 1/2 100.00
हाई स्कूल	शिक्षाक	13 17.14 1/2 68.42	6 13.29 1/2 31.58	19 15.44 1/2 100.00
	कार्यालयी	13 12.60 1/2 62.50	9 13.75 1/2 37.50	22 15.00 1/2 100.00
	घरेलू	12 15.13 1/2 32.43	25 10.68 1/2 67.57	37 15.91 1/2 100.00
इण्टर	शिक्षाक	16 18.79 1/2 55.17	13 17.14 1/2 44.83	29 15.93 1/2 100.00
नॉडिपट	कार्यालयी	21 18.75 1/2 52.50	19 19.12 1/2 47.50	40 17.09 1/2 100.00
	घरेलू	11 14.70 1/2 36.67	19 19.12 1/2 63.33	30 12.92 1/2 100.00
स्नातक	शिक्षाक	31 17.03 1/2 59.62	21 11.54 1/2 40.38	52 12.57 1/2 100.00
	कार्यालयी	34 14.17 1/2 53.13	30 12.5 1/2 46.88	64 12.67 1/2 100.00
	घरेलू	18 17.69 1/2 35.29	33 14.10 1/2 64.71	51 12.79 1/2 100.00
स्नात	शिक्षाक	47 25.82 1/2 62.67	28 15.39 1/2 37.33	75 14.21 1/2 100.00
कोत्तर	कार्यालयी	69 28.75 1/2 67.65	33 13.75 1/2 32.35	102 15.42 1/2 100.00
	घरेलू	44 18.80 1/2 75.86	14 15.99 1/2 24.14	58 14.79 1/2 100.00
डीपल	शिक्षाक	4 12.19 1/2 100.00	-	4 12.19 1/2 100.00
	कार्यालयी	2 10.83 1/2 100.00	-	2 10.83 1/2 100.00
	घरेलू	2 10.85 1/2 100.00	-	2 10.85 1/2 100.00
योग	शिक्षाक	113 162.09 1/2	69 137.91 1/2	182 100.00 1/2
	कार्यालयी	146 160.83 1/2	94 139.17 1/2	240 100.00 1/2
	घरेलू	107 145.73 1/2	127 154.27 1/2	234 100.00 1/2

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिए गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 12.6 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिए गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सबसे अधिक 62% शिक्षक महिलाओं ने सम्बन्धियों व मित्रों को परामर्श दिया है, इसके पश्चात लगभग बराबर 61% कार्यालयी महिलाओं ने परामर्श दिया है, तथा तुलनात्मक रूप से सबसे कम 46% घरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया है। परामर्श न देने वाली महिलाओं में सबसे अधिक 54% घरेलू महिलायें, इसके पश्चात कार्यालयी महिलायें 39% तथा सबसे कम शिक्षक महिलायें हैं।

शिक्षक महिलाओं में शिक्षा का सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिए गए परामर्श से निश्चित ही प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। अधिक परामर्श देने वालों का प्रतिशत उच्च शिक्षितों में अधिक एवं कम परामर्श दाताओं का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम शिक्षितों में अधिकतर देखा गया है। कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षित डी० फिल० ने शत प्रतिशत परामर्श दिया है। सबसे अधिक स्नातकोत्तर स्तरीय कार्यालयी महिलायें हैं, जिसमें 68% ने परामर्श दिया है। स्नातकोत्तर से कम घरेलू महिलाओं ने परामर्श अपेक्षाकृत कम दिया है। स्नातकोत्तर एवं डी० फिल० घरेलू महिलाओं ने परामर्श अधिक दिया है। शिक्षक स्तर में वृद्धि के साथ - साथ परामर्श देने वाली घरेलू महिलाओं का प्रतिशत बढ़ा है।

पूर्ण या Partial Completed Family) वाले शिक्षाक, कार्यन्वयी, घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की सांख्यिकी-सूचकांक-12.7

बाधनीयता के स्तर में जनसंख्या को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

परामर्श कायदर्शी	महिलायें	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	शिक्षाक	381.658 75.00	180.558 25.00	482.198 100.00
	कार्यान्वयी	280.838 12.5	1485.858 87.5	1686.698 100.00
	घरेलू	381.288 33.33	682.568 66.67	983.858 100.00
30-40	शिक्षाक	39821.438 63.93	22812.098 36.07	61833.528 100.00
	कार्यान्वयी	1887.508 12.00	132855.008 88.00	150862.508 100.00
	घरेलू	1385.568 18.06	59825.218 81.94	72830.778 100.00
40-50	शिक्षाक	78842.868 72.89	29815.938 27.10	107858.798 100.00
	कार्यान्वयी	983.788 17.31	43817.928 82.69	52821.668 100.00
	घरेलू	27111.548 24.55	83835.478 75.45	110847.018 100.00
50-60	शिक्षाक	683.298 60.00	482.198 40.00	1085.498 100.00
	कार्यान्वयी	582.088 22.72	1787.088 77.27	2289.178 100.00
	घरेलू	1616.948 37.21	27811.548 62.79	43828.488 100.00
योग	शिक्षाक	126869.238	56830.778	192800.018
	कार्यान्वयी	34813.338	206885.838	240899.178
	घरेलू	59825.218	175874.798	234899.918

पूर्ण परिवार $\frac{1}{2}$ Completed family, वही शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू

महिलाओं का आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में

जनसमुदाय को दिख गए परामर्श का विवेकात्मक अध्ययन:-

गौरव संध्या $\frac{12.7}{12.7}$ में, पूर्ण परिवार $\frac{1}{2}$ Completed family, वही शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं का आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिख गए परामर्श का विवेकात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

20-30 आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, जबकि इसी वर्ग की घरेलू महिलायें एवं कार्यालयी महिलायें परामर्श देने में अप्रत्याशित कम हैं। इस आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं का संख्या यथापि अपेक्षाकृत कम है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है। दूसरी ओर अन्य वर्ग की महिलाओं की संख्या अधिक है, और उन्होंने परामर्श कम दिया है।

30-40 आयु वर्ग में कार्यालयी महिलाओं की संख्या सबसे अधिक संख्या में इसके बाद घरेलू महिलायें तथा शिक्षक महिलायें हैं इस आयु वर्ग की 64% शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है, कार्यालयी महिलाओं में 88% ने जनसमुदाय को परामर्श नहीं दिया है, तथा घरेलू महिलाओं में 82% ने परामर्श नहीं दिया है।

40-50 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने अन्य आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं की तुलना में सबसे अधिक परामर्श दिया है। इस आयु वर्ग कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

50-60 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने अधिक परामर्श दिया है, इसके बाद घरेलू महिलाओं तथा सबसे कम इस आयु वर्ग में कार्यालयी महिलाओं ने परामर्श दिया है।

तालिका-संख्या- 12 8

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यलयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विवरण:

प्रशिक्षण शिक्षा	महिलाये	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	1787.268	1787.268
			100.00	100.00
प्राथमरी	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	381.288	1586.418	1867.698
		16.67	83.33	100.00
जूनियर-	शिक्षक	180.558	281.098	361.658
		33.33	66.67	100.00
हाई-स्कूल	कार्यालयी	180.428	782.928	863.358
		12.50	87.50	100.00
	घरेलू	582.148	1686.848	2168.998
		23.81	76.19	100.00
हाई-स्कूल	शिक्षक	1186.048	884.39	1970.44
		57.89	42.11	100.00
	कार्यालयी	280.838	289.178	570.018
		8.33	91.67	100.00
	घरेलू	782.978	30812.828	37695.818
		18.92	81.08	100.00
इण्टर -	शिक्षक	19810.448	1085.498	29665.938
		65.52	34.48	100.00
ग्रीड-एल	कार्यालयी	682.588	34814.178	40696.678
		15.00	85.00	100.00
	घरेलू	983.858	2189.978	3073.828
		30.00	70.00	100.00
स्नातक	शिक्षक	36819.788	168.798	52828.578
		69.23	30.77	100.00
	कार्यालयी	782.928	57823.758	64606.678
		10.94	89.06	100.00
	घरेलू	1385.568	38816.248	51601.798
		25.49	74.51	100.00
स्नात-	शिक्षक	55830.228	20810.998	75641.218
		73.33	26.67	100.00
कौत्तर	कार्यालयी	1886.678	86835.838	102642.508
		15.69	84.31	100.00
	घरेलू	2088.558	38816.248	59604.798
		34.48	65.52	100.00
डी.एन.ए.	शिक्षक	482.198	-	482.198
		100.00	-	100.00
	कार्यालयी	280.838	-	280.838
		100.00	-	100.00
	घरेलू	280.838	-	280.838
		100.00	-	100.00
योग	शिक्षक	126869.238	58830.778	182600.018
	कार्यालयी	34814.178	206835.838	240650.018
	घरेलू	59825.218	175874.798	234699.018

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 12.8 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 69% ने जनसमुदाय को परामर्श दिया है शेष 31% ने परामर्श नहीं दिया है। घरेलू महिलाओं में 25% ने परामर्श दिया है तथा 75% ने परामर्श नहीं दिया है। कार्यालयी महिलाओं में सबसे कम 14% ने परामर्श दिया है तथा शेष 86% ने परामर्श नहीं दिया है।

शिक्षा का जनसमुदाय को दिये गये परामर्श से निश्चित ही प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। अधिक परामर्श देने वालों का प्रतिशत उच्च शिक्षितों में अधिक एवं कम परामर्श दाताओं का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम शिक्षितों में अधिकतर देखा गया है। शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में विभिन्न शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ परामर्श देने में उनकी संख्या में भी वृद्धि दिखायी पड़ी है। शिक्षक महिलाओं ने अपेक्षाकृत घरेलू एवं कार्यालयी महिलाओं से अधिक परामर्श दिया है। कार्यालयी महिलाओं में शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ परामर्श न देने में धीरे - धीरे कमी आयी है, यह भी महत्वपूर्ण तथ्य पाया गया है।

सांख्यिकी-संख्या-129

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग वितरण के अनुसार उनकी विधवा की आयु का वितरण अध्ययन

विधवा की आयु	महिलाये	15वर्ष से नीचे	15-18 वर्ष	19-21 वर्ष	21-25 वर्ष	25-30 वर्ष	30वर्ष से अधिक	योग
20-30								
शिक्षा	-	-	-	381-658	110-558	-	-	412-198
				75-00	25-00			100-00
कार्यालयी	180-428	712-928		481-678	210-838	210-938	-	1686-678
	6-25	43-75		25-00	12-5	12-5		100-00
घरेलू	280-858	381-288		180-438	180-438	280-858	-	983-858
	22-22	33-33		11-11	11-11	22-22		100-00
30-40								
शिक्षा	-		482-198	180-558	348-19-688	158-248	783-858	61833-528
			6-56	1-64	55-73	24-59	11-48	100-00
कार्यालयी	180-428	512-098		428-17-58	99-41-258	381-258	-	150862-508
	0-67	3-33		25-00	6-00	2-00		100-00
घरेलू	1084-278	1285-138		208-558	158-418	158-418	-	72830-778
	13-89	16-67		27-78	20-83	20-83		100-00
40-50								
शिक्षा	-		783-858	180-558	698-37-918	268-14-29	4-2-198	107859-798
			6-54	0-93	64-49	24-29	3-74	100-00
कार्यालयी	280-838	381-258		782-928	378-15-428	381-258	-	52821-678
	3-85	5-77		13-46	71-15	5-77		100-00
घरेलू	381-288	1988-128		63-29-068	168-848	481-718	-	110847-01
	2-73	17-27		61-82	14-55	3-64		100-00
50-60								
शिक्षा	-		182-558	482-198	582-758	-	-	10885-498
			10-00	40-00	50-00			100-00
कार्यालयी	-		381-258	983-758	1084-178	-	-	22889-178
			13-64	40-91	45-45			100-00
घरेलू	381-288	1084-278		138-5-568	1184-718	6-2-568		438818-388
	6-98	23-26		30-28	25-58	13-95		100-00
योग								
शिक्षा	-		1286-598	984-958	1098-59-398	418-22-538	1186-048	182810028
			1987-508	628-25-838	1488-61-678	883-338	-	240810028
कार्यालयी	481-678							
	1387-698		448-18-808	918-38-898	458-18-238	368-15-398	-	234810028

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 12.9 में पूर्ण परिवार की महिलाओं का उनके आयु वर्ग के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं की विवाह आयु 21-25 आयु वर्ग एवं घरेलू सर्वाधिक घरेलू महिलाओं की 18-21 आयु वर्ग पायी गई। समस्त शिक्षक महिलाओं में 15 वर्ष से कम आयु में एक भी नहीं, 15-18 आयु वर्ग में लगभग 7%, 18-21 आयु वर्ग में 5%, 21-25 आयु वर्ग में 60%, 25-30 आयु वर्ग में 23% एवं 30 से अधिक आयु में विवाहित लगभग 6% शिक्षक महिलायें पायी गई। कार्यालयी महिलाओं में 15 वर्ष से कम आयु में लगभग 2%, 15-18 आयु वर्ग में 8%, 18-21 आयु वर्ग में 16%, 21-25 आयु वर्ग में 62% एवं 25-30 आयु वर्ग में 3% महिलायें विवाहित पायी गई। घरेलू महिलाओं में 15 वर्ष से कम आयु में विवाहित लगभग 8%, 15-18 आयु वर्ग में 19%, 18-21 आयु वर्ग में 39%, 21-25 आयु वर्ग में 19%, एवं 25-30 आयु वर्ग में 15% महिलाओं को विवाहित पाया गया। इस प्रकार घरेलू महिलाओं में कम आयु वर्ग में विवाहित महिलायें अपेक्षकृत अधिक पायी गई हैं।

शिक्षक महिलाओं में जहां 15-30 एवं 30 से अधिक आयु में विवाहित महिलायें पायी गई वहीं कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में 15 से कम आयु में विवाहित तथा 15-30 आयु में विवाहित महिलायें देखी गई। सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21-25 आयु में पाया गया वहीं घरेलू महिलाओं का 18-21 आयु में सर्वाधिक देखा गया।

तालिका-संख्या-13.0

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा से अनुसार तालिका की आयु का विभाजन है।

विद्या की महिलाये	15वर्ष से नीचे	15-18वर्ष	19-21वर्ष	21-25वर्ष	25-30वर्ष	30वर्ष से अधिक	योग
शिक्षा							
कार्यालयी							
घरेलू							
ग्रामरी							
शिक्षा							
कार्यालयी							
घरेलू							
जूनियर- हाई स्कूल							
शिक्षा							
कार्यालयी							
घरेलू							
हाई स्कूल							
शिक्षा							
कार्यालयी							
घरेलू							
इण्टर- मीडियट							
शिक्षा							
कार्यालयी							
घरेलू							
स्नातक							
शिक्षा							
कार्यालयी							
घरेलू							
स्नात- पोस्तर							
शिक्षा							
कार्यालयी							
घरेलू							
जुनियर- हाई स्कूल							
शिक्षा							
कार्यालयी							
घरेलू							
योग							
शिक्षा							
कार्यालयी							
घरेलू							

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 13.0 में विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। सर्वेक्षण में पूर्ण परिवार की महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 60% शिक्षक महिलाओं ने 21-25 वर्षायु में, 62% कार्यालयी महिलाओं ने 21-25 वर्षायु में एवं सर्वाधिक 39% घरेलू महिलाओं ने 15-18 वर्षायु में विवाह किया है।

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में लगभग 7% ने 15-18 वर्षायु में, 5% ने 18-21 वर्षायु में, 23% ने 25-30 एवं 6% ने 30 से अधिक आयु में विवाह किया है। इस प्रकार लगभग 89% शिक्षक महिलाओं का विवाह 21 से अधिक आयु में हुआ है। कार्यालयी महिलाओं में लगभग 2% ने 15 वर्ष से कम आयु में, 8% ने 15-18 आयु में, 26% ने 18-21 आयु में विवाह किया है। 25 से अधिक आयु में मात्र लगभग 3% कार्यालयी महिलाओं का विवाह हुआ है। घरेलू महिलाओं में 15 से कम आयु में लगभग 8%, 15-18 आयु में 19%, 18-21 आयु में 39% 21-25 आयु में 19% एवं 25-30 आयु में 15% घरेलू महिलाओं का विवाह हुआ है।

शिक्षा के अनुदान इन महिलाओं की विवाह आयु को देखने पर सर्वेक्षण में पाया गया कि शिक्षा के स्तर में वृद्धि ने विवाह आयु को बढ़ाया है। जहाँ 15-18 एवं 18-21 वर्षायु को लोक महत्व देते रहे शैक्षिक स्तर में परिवर्तन ने 21-25 एवं 25-30 आयु में विवाह को निर्धारित किया। कार्यालयी महिलाओं की ठीक यही प्रवृत्ति देखी गयी लेकिन इसमें सर्वाधिक 21-25 एवं 18-21 वर्षायु में विवाहित महिलाएँ पायी गईं। शैक्षिक स्तर में वृद्धि ने घरेलू महिलाओं के विवाह आयु को भी प्रभावित किया यह बात सारिणी से स्पष्ट है। कम आयु में विवाह से अधिक आयु में 18-21 एवं उससे अधिक आयु में विवाह आयु का परिवर्तन देखा गया।

गौरी-रिया-131

गौरी-रिया-131 का विवरण नीचे दिया गया है।

वर्ष	21वर्ष	22वर्ष	23वर्ष	24वर्ष	25वर्ष	26वर्ष	27वर्ष	28वर्ष	29वर्ष	30वर्ष	योग
शिक्षा	-	-	-	-	180.55	281.09	180.55	-	-	-	480.19
कार्यालय	-	-	-	-	25.00	50.00	25.00	-	-	-	100.00
घरेलू	-	-	-	-	280.83	381.25	481.67	180.42	381.25	-	1686.67
योग	-	-	-	-	12.50	18.75	25.00	6.25	18.75	-	100.00
शिक्षा	-	-	-	-	280.85	481.71	280.85	180.43	-	-	983.85
कार्यालय	-	-	-	-	22.22	44.44	22.22	11.11	-	-	100.00
घरेलू	-	-	-	-	158.24	138.71	148.88	228.12	58.27	-	6183.52
योग	-	-	-	-	3.28	21.31	6.56	36.09	8.19	-	100.00
शिक्षा	-	-	-	-	180.42	381.25	481.67	180.42	381.25	-	15082.50
कार्यालय	-	-	-	-	2.00	4.00	2.00	1.00	2.00	-	100.00
घरेलू	-	-	-	-	782.99	2581.06	3281.36	8281.23	481.71	-	7230.77
योग	-	-	-	-	9.72	34.72	44.44	4.17	5.56	-	100.00
शिक्षा	-	-	-	-	884.39	1085.49	684.36	2684.95	984.95	-	10758.79
कार्यालय	-	-	-	-	7.48	9.35	61.68	8.41	8.41	-	100.00
घरेलू	-	-	-	-	381.25	180.42	983.75	1485.83	1887.58	-	52821.67
योग	-	-	-	-	5.77	1.92	17.31	26.92	34.62	-	100.00
शिक्षा	-	-	-	-	1586.41	57824.36	280.85	180.43	1586.41	-	110847.01
कार्यालय	-	-	-	-	13.64	51.82	1.82	0.91	13.64	-	100.00
घरेलू	-	-	-	-	180.55	482.19	-	180.55	-	-	1085.49
योग	-	-	-	-	10.00	40.00	-	10.00	-	-	100.00
शिक्षा	-	-	-	-	381.25	280.83	-	280.83	1885.83	-	2889.17
कार्यालय	-	-	-	-	13.64	9.09	-	9.09	63.64	-	100.00
घरेलू	-	-	-	-	180.43	1084.27	481.71	280.85	280.85	-	4813.83
योग	-	-	-	-	2.33	23.26	6.93	4.65	4.65	-	100.00
शिक्षा	-	-	-	-	180.55	186.04	30816.48	81844.51	1588.24	31817.03	1828100.28
कार्यालय	-	-	-	-	481.67	582.08	882.50	883.33	1987.92	31812.92	157865.42
घरेलू	-	-	-	-	180.43	284.12	580.28	468.39	16.67	218.97	280.85
योग	-	-	-	-	14.58	582.14	180.43	280.85	280.85	-	284810.28

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार "लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु" का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 13.1 में पूर्ण परिवार की महिलाओं के अनुसार लड़कों के लिए आदर्श विवाह आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। सर्वेक्षण में देखा गया कि सर्वाधिक 45% शिक्षक महिलाओं ने 26 वर्ष, 65% कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्ष एवं 38% घरेलू महिलाओं ने 25 वर्ष लड़कों के आदर्श विवाह आयु हेतु व्यक्त किया है।

शिक्षक महिलाओं में 21-29 वर्ष आदर्श व्यक्त किया गया है जिसमें सर्वाधिक 26 वर्ष के साथ - साथ 17% ने 28 वर्ष, 16% ने 25 वर्ष, 6% ने 24 वर्ष, 5% ने 29 वर्ष आदर्श व्यक्त किया है। वस्तुतः 24 वर्ष से कम आयु को विवाह हेतु कम आदर्श माना गया है। कार्यालयी महिलाओं में 22-29 वर्ष आदर्श आयु विवाह हेतु व्यक्त किया गया। जिसमें अधिकतर महिलाओं ने 25 वर्षों परान्त आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया है। घरेलू महिलाओं में 21 वर्ष से कम आयु को लगभग 9% ने आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया। लगभग 61% ने 21-25 वर्ष को उचित एवं आदर्श बताया इस प्रकार मात्र 31% ने 25 से अधिक आयु को आदर्श विवाह आयु बताया।

लड़कों हेतु विवाह आयु को आयु वर्गानुसार देखने पर यह पाया गया कि मात्र 50-60 को छोड़कर शेष अन्य आयु वर्ग की महिलाओं ने अधिक आयु को विवाह हेतु आदर्श कहा। प्रत्येक वर्ग की कार्यालयी महिलाओं ने अधिक & अपेक्षाकृत शिक्षक महिलाओं ने भी अधिक & आयु वर्ग को आदर्श व्यक्त किया। घरेलू महिलाओं में यह स्थिति नहीं देखी गई। अधिक आयु की महिलाओं के शीघ्र विवाह को आदर्श कहा जो महत्वपूर्ण प्रवृत्ति है। 20-30, 30-40 आयु वर्ग की महिलाओं ने अपेक्षाकृत अधिक आयु को आदर्श कहा है।

तालिका-कृ. 1-18.2

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यरत की धरो श्रमिकों की शिक्षा के अनुसार ताली के विवेक की आधार धरो का विवेकता तालिका

शिक्षा मापनार्थ	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	26 वर्ष	27 वर्ष	28 वर्ष	29 वर्ष	30 वर्ष	गण
शिक्षा											
शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यरत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
धरो	612.55	-	-	-	311.25	210.75	512.14	110.43	-	-	1777.26
	35.29	-	-	-	17.65	11.76	29.41	5.89	-	-	100.00
शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यरत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
धरो	512.14	-	-	-	-	411.71	411.71	311.25	210.43	-	1177.26
	27.78	-	-	-	-	22.72	22.72	16.67	11.11	-	100.00
शिक्षा	-	211.09	-	110.55	-	-	-	-	-	-	311.66
	-	66.67	-	33.33	-	-	-	-	-	-	100.00
कार्यरत	-	-	210.83	210.83	311.25	110.42	-	-	-	-	913.33
	-	-	25.00	25.00	37.50	12.50	-	-	-	-	100.00
धरो	110.43	110.43	110.43	-	110.43	110.43	411.71	-	210.83	-	913.33
	4.76	4.76	4.76	-	4.76	52.39	19.05	-	9.52	-	100.00
शिक्षा	-	110.55	-	-	110.55	512.75	512.75	311.65	412.19	-	1910.44
	-	5.26	-	-	5.26	26.32	26.32	15.29	21.05	-	100.00
कार्यरत	-	-	-	110.43	311.25	311.25	711.71	512.05	512.05	-	2410.00
	-	-	-	4.76	12.50	12.50	39.17	20.83	20.83	-	100.00
धरो	-	813.42	210.83	-	411.71	813.42	717.85	-	411.71	210.95	3713.91
	-	21.62	5.41	-	10.31	21.62	24.32	-	10.91	5.41	100.00
शिक्षा	-	-	-	-	311.25	512.75	110.43	110.43	110.43	-	7913.93
	-	-	-	-	10.31	17.14	4.76	4.76	6.89	5.26	100.00
कार्यरत	-	-	-	-	-	110.43	311.25	191.91	177.08	-	4016.17
	-	-	-	-	-	4.76	7.50	4.76	4.76	-	100.00
धरो	411.71	512.14	-	-	612.56	313.42	110.43	-	612.56	-	3011.91
	13.33	10.67	-	-	20.00	6.67	3.33	-	0.00	-	100.00
शिक्षा	-	-	-	-	412.19	417.69	2010.90	412.19	914.95	110.55	5199.57
	-	-	-	-	7.69	26.92	38.46	7.69	17.31	1.92	100.00
कार्यरत	-	-	210.83	110.43	-	210.83	512.08	311.25	4719.58	411.67	64126.67
	-	-	3.13	1.56	-	3.13	7.81	4.69	73.44	1.25	100.00
धरो	512.14	717.85	210.83	-	1315.56	177.26	1014.27	210.83	210.83	-	5121.79
	9.80	4.76	3.92	-	25.49	33.33	19.61	3.92	3.92	-	100.00
शिक्षा	-	-	-	-	311.65	613.29	4122.53	512.75	11619.70	412.19	75141.21
	-	-	-	-	4.00	8.00	34.67	6.67	21.33	5.33	100.00
कार्यरत	-	-	-	110.42	-	110.42	411.67	411.67	8736.25	512.08	102142.50
	-	-	-	0.90	-	0.90	3.92	3.92	83.29	4.90	100.00
धरो	-	-	-	110.43	712.99	3916.67	512.14	110.43	512.14	-	58124.79
	-	-	-	1.72	12.07	67.24	9.62	1.72	8.62	-	100.00
शिक्षा	-	-	-	-	-	-	311.65	110.55	-	-	412.19
	-	-	-	-	-	-	75.00	25.00	-	-	100.00
कार्यरत	-	-	-	-	-	-	-	-	110.42	110.42	210.83
	-	-	-	-	-	-	-	-	50.00	50.00	100.00
धरो	-	-	-	-	-	110.43	110.43	-	-	-	210.83
	-	-	-	-	-	50.00	50.00	-	-	-	100.00
शिक्षा	-	311.65	-	110.55	111.04	30116.48	81144.51	1513.24	3117.03	1015.49	187.100
कार्यरत	-	-	411.71	311.03	612.50	813.33	1917.92	3111.91	157165	4210.417	2401100
धरो	2118.97	1415.98	512.14	110.43	34114.23	90139.46	39116.67	712.99	2118.97	210.95	2341100

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 13.2 में पूर्ण परिवार वाली महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए आदर्श विवाह आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक लगभग 45% शिक्षक महिलाओं ने 26 वर्ष को, 65% कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्ष को एवं 38% घरेलू महिलाओं ने 25 वर्षायु में विवाह आदर्श माना है।

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 45% ने 26 वर्ष, 8% ने 27 वर्ष, 17% ने 28 वर्ष एवं 5% ने 29 वर्ष में विवाह आदर्श व्यक्त किया। 16% ने 25 वर्ष को एवं लगभग 8% ने 25-24 वर्ष में विवाह आदर्श माना। कार्यालयी महिलाओं में लगभग 65% 28 वर्ष को एवं 4% ने 29 वर्ष को महत्व दिया है। 8% कार्यालयी महिलाओं ने 26 वर्ष एवं 13% ने 27 वर्ष को लड़कों हेतु आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया। लगभग 10% कार्यालयी महिलाओं ने 21-25 आयु में विवाह आदर्श माना। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 38% ने 25 वर्ष को आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया। 25-29 आयु में विवाह 29% ने आदर्श माना। 24 वर्ष में विवाह को 15% ने एवं 21-23 वर्ष के विवाह को 9% ने तथा 21 से कम आयु में 9% ने आदर्श विवाह आयु किया।

शिक्षा के अनुसार लड़कों हेतु आदर्श विवाह आयु देखने पर यह पाया गया कि कम शिक्षित महिलाओं ने अपेक्षाकृत कम आयु में विवाह एवं अन्य शिक्षितों ने अधिक आयु में विवाह को आदर्श व्यक्त किया है। शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं में जहाँ अधिकतर लोगों ने 26 वर्ष के बाद विवाह को आदर्श कहा वहीं घरेलू महिलाओं ने 24 वर्ष के बाद विवाह को उचित एवं आदर्श कहा।

सारणी-संख्या I-133

पूर्ण परिवार वाली शराब, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु की अवधि के अनुसार लक्ष्यों के लिये विवाह की वांछनी आयु का विन्दोत्तर सम्बन्ध

विवाह की आयु वांछनी	प्रतिशत	18 वर्ष से नीचे	19 वर्ष	20 वर्ष	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	25 वर्ष तक	योग
20-30											
शराब	-	-	-	-	-	-	281.09	281.09	-	-	482.19
कार्यालयी	-	-	-	-	280.83	1084.27	481.71	-	-	-	100.00
घरेलू	-	-	-	381.28	381.28	381.28	-	-	-	-	1686.33
				33.33	33.33	33.33					100.00
30-40											
शराब	-	-	-	2181.54	482.19	23812.64	482.19	984.95	-	-	6183.52
कार्यालयी	-	-	-	34.43	6.56	57.70	6.56	14.75	-	-	100.00
घरेलू	-	-	381.25	782.99	883.42	883.42	24810.26	96841.63	481.71	-	150864.16
			2.00	4.67	5.33	5.33	16.00	64.00	2.67	-	100.00
	180.43	1285.13	682.56	29812.39	1987.69	-	-	381.28	381.28	-	72830.77
	1.39	16.67	8.33	40.28	25.00			4.17	4.17	-	100.00
40-50											
शराब	-	683.29	281.09	1683.79	35819.23	29815.93	11.6.04	884.39	-	-	10788.79
कार्यालयी	-	5.61	1.87	14.95	32.71	27.10	10.28	7.48	-	-	100.00
घरेलू	-	-	-	280.83	582.08	682.56	1586.25	2289.17	280.83	-	52821.67
				3.95	9.62	11.54	29.85	42.31	3.85	-	100.00
	682.56	280.83	-	54823.08	12851.38	1987.69	381.28	983.85	682.56	-	110847.01
	5.45	1.82		49.09	10.91	16.36	2.73	8.18	5.45	-	100.00
50-60											
शराब	-	482.19	180.55	-	281.09	-	381.65	-	-	-	1085.49
कार्यालयी	-	40.00	10.00	-	20.00	-	30.00	-	-	-	100.00
घरेलू	-	481.67	381.25	582.08	381.25	280.83	280.83	280.83	180.42	-	2289.17
		19.18	13.64	22.73	13.64	9.09	3.09	9.09	4.55	-	100.00
	682.56	582.14	-	1988.12	-	481.71	381.28	682.56	-	-	43818.39
	13.95	11.63		44.19		9.30	6.98	13.95		-	100.00
योग											
शराब	-	1085.49	381.65	3820.33	481.25	5289.57	20810.99	-	-	-	1828100.28
कार्यालयी	-	481.67	682.50	1485.83	1987.50	26810.85	45818.75	120850.00	1782.92	-	2408100.28
घरेलू	1385.56	1988.12	682.56	105844.87	33814.10	25810.68	682.56	1887.69	983.85	-	2348100.28

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग के अनुसार लड़कियों के विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 13.3 में विभिन्न पूर्ण परिवार की महिलाओं के आयु-वर्गानुसार लड़कियों के विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। सर्वेक्षण में देखा गया कि सर्वाधिक महिलाओं ने 20-24 आयु वर्ग को लड़कियों हेतु आदर्श व्यक्त किया गया है।

सर्वाधिक लगभग 29% शिक्षक महिलाओं ने लड़कियों हेतु विवाह की आदर्श आयु 22 वर्ष व्यक्त किया है। 22 से अधिक 23 एवं 24 आयु को समान महत्त्व देकर लगभग 21% ने आदर्श व्यक्त किया है। 24 से अधिक आयु किसी ने भी आदर्श व्यक्त नहीं किया है। यदि 20-22 आयु वर्ग को देखे तो स्पष्ट होता है कि लगभग 71% ने मात्र इन्हीं तीन आयु को आदर्श माना है। 20 से कम मात्र 7% ने ही आदर्श व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं ने आदर्श विवाह हेतु कुछ अधिक ही आयु - वर्गों को आदर्श माना है। 50% महिलाओं ने 24 वर्ष को, 19% ने 23 वर्ष को, 11% ने 22 वर्ष को 8% ने 21 आयु को उचित माना है। 24 से अधिक मात्र 25 आयु को लगभग 3% ने ही उचित बताया है। 21 से कम आयु को लगभग 10% आदर्श माना है। घरेलू महिलाओं में यह आदर्श अपेक्षाकृत निम्न आयु को महत्त्व देकर व्यक्त किया गया है। लगभग 45% ने 20 वर्ष को, 14% ने 21 वर्ष को एवं 11% ने 22 वर्षायु को उचित आदर्श व्यक्त किया है। 20 से कम आयु को 16% ने एवं 22 से अधिक आयु को लगभग 14% ने आदर्श माना। मात्र घरेलू महिलाओं ने ही 18 से कम आयु को भी 5.56% ने आदर्श माना है।

पूर्ण परिवार की महिलाओं को उनके आयु वर्गानुसार लड़कियों के आदर्श आयु के विचारों को देखने पर स्पष्ट होता है कि मात्र 20-30 आयु वर्ग ने 20 से कम आयु को आदर्श नहीं माना है इसमें भी शिक्षक महिलायें 22 से अधिक, कार्यालयी 20 से अधिक एवं घरेलू 19 से अधिक आयु को उचित मानती है। अधिक आयु को आदर्श व्यक्त करने में 30-40 एवं 40-50 आयु वर्ग की महिलायें अधिक पायी गई है। शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने तो 18 से कम आयु में विवाह को पूर्णतः वर्जित किया है। मात्र घरेलू नहीं ठीक माना है।

-माहिती-क्रमांक-13.4

पूर्ण पांवार घाली विभाग, कार्यलयी एवं घरेलू मोसमाको विविधता - गुणवत्ता नियमों के तहत विभाग की कार्यलयी एवं घरेलू सेवा प्रदान

विभाग की कार्यलयी सेवा	18वर्ष से नीचे	19वर्ष	20वर्ष	21वर्ष	22वर्ष	23वर्ष	24वर्ष	25वर्ष	योग
विभाग									
अतिरिक्त विभाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	863.46	923.85	-	-	-	-	-	-	1787.31
	47.06	22.94	-	-	-	-	-	-	100.00
प्रधानी विभाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	522.14	411.71	-	522.14	411.71	-	-	-	1867.66
	27.78	22.22	-	27.78	22.22	-	-	-	100.00
जुनियर-विभाग	180.59	211.09	-	-	-	-	-	-	391.68
	33.83	66.67	-	-	-	-	-	-	100.00
जुनियर-रूल	-	210.93	180.42	210.93	180.42	180.42	-	180.42	863.33
कार्यलयी	-	210.93	180.42	210.93	180.42	180.42	-	180.42	863.33
घरेलू	-	31.28	31.28	125.13	31.28	-	-	-	218.97
	-	14.29	14.29	57.14	14.29	-	-	-	100.00
जुनियर-रूल	311.65	-	211.09	77.35	211.09	77.35	311.65	-	1081.04
	15.78	-	10.53	3.84	10.53	3.84	15.78	-	100.00
कार्यलयी	-	10.93	52.03	102.47	52.03	10.93	-	-	248.46
घरेलू	-	9.33	20.93	41.67	20.93	9.33	-	-	100.00
	-	210.93	-	25.11	210.93	210.93	52.14	10.43	371.59
	-	5.41	-	7.57	5.41	5.41	13.51	2.70	100.00
जुनियर-विभाग	-	180.59	-	94.95	94.30	94.95	211.09	-	595.93
	-	3.45	-	31.03	27.59	31.03	11.09	-	100.00
जुनियर-रूल	-	-	-	260.83	62.50	93.75	114.58	125.00	403.67
कार्यलयी	-	-	-	5.00	15.00	22.50	27.50	30.00	100.00
घरेलू	-	-	280.83	125.13	93.85	180.43	-	41.71	503.12
	-	-	6.67	40.00	30.00	3.33	-	13.33	100.00
सातक-विभाग	-	180.59	180.59	158.24	116.04	137.14	63.29	52.75	522.57
	-	1.92	1.92	28.85	21.15	25.00	11.54	9.62	100.00
कार्यलयी	-	-	-	62.50	41.67	187.50	34.14	210.83	642.67
घरेलू	-	-	180.43	36.38	83.42	41.71	210.93	-	512.17
	-	-	1.96	70.59	15.69	7.84	3.92	-	100.00
सातक-विभाग	-	42.19	-	116.04	158.24	28.13	71.85	103.49	754.12
	-	5.33	-	14.67	20.00	37.33	9.33	13.33	100.00
कोर-कार्यलयी	-	-	-	-	-	104.17	16.67	73.42	311.25
घरेलू	-	-	-	158.41	72.99	17.21	41.71	93.95	282.27
	-	-	-	25.86	12.07	27.31	6.99	13.32	100.00
जी 1 फल-विभाग	-	-	-	-	-	-	381.65	180.55	462.19
	-	-	-	-	-	-	75.00	25.00	100.00
कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	-	2.93	2.93
घरेलू	-	180.43	-	-	-	180.43	-	-	260.83
	-	50.00	-	-	-	50.00	-	-	100.00
योग	-	1025.49	311.65	3720.33	4122.53	5229.57	2010.99	1918.44	182100.2
कार्यलयी	-	41.67	62.50	14.83	19.75	2010.83	45.19	75.12	240.10
घरेलू	1385.56	1913.12	62.56	105.44	97.33	114.10	2510.69	612.54	234100.2

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 13.4 में शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि आदर्श आयु व्यक्त करने वाली पूर्ण परिवार की समस्त महिलाओं में मात्र घरेलू महिलाओं ने 18 वर्ष से कम आयु में आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया है। पूर्ण परिवार की महिलाओं ने अधिकतम विवाह की आदर्श आयु 25 वर्ष व्यक्त किया है लेकिन इसमें शिक्षक महिलाएँ नहीं हैं।

सर्वाधिक लगभग 29% शिक्षक महिलाओं ने 22 वर्षायु में विवाह आदर्श बताया है। लगभग 23% ने 21 वर्षायु, 20% ने 20 वर्षायु, 11% ने 23 वर्षायु, 10% ने 24 वर्षायु तथा मात्र 7% शिक्षक महिलाओं ने 18 एवं 19 वर्षायु में विवाह आदर्श बताया है। कार्यालयी महिलाओं ने 18-25 आयु में विवाह आदर्श बताया। इसमें सर्वाधिक 50% महिलाओं ने 24 वर्ष में विवाह आदर्श व्यक्त किया है। लगभग 19% ने 23 वर्ष, 11% ने 22 वर्ष, 8% ने 21 वर्ष, 6% ने 20 वर्ष, एवं मात्र लगभग 4% ने 18 एवं 19 वर्षायु में विवाह आदर्श बताया। लगभग 60% घरेलू महिलाओं ने सर्वाधिक महत्त्व 20-22 वर्ष को दिया है। 20 से कम आयु को 16% एवं 22 से अधिक आयु को लगभग 14% ने आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया। इस प्रकार सर्वाधिक 29% शिक्षक महिलाओं ने 22 वर्ष को, 50% कार्यालयी महिलाओं ने 24 वर्ष को एवं 45% शिक्षक महिलाओं ने 20 वर्षायु को आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया है।

शिक्षा के अनुसार आदर्श विवाह आयु के विचारों को देखने पर शिक्षक महिलाओं में यह प्रवृत्ति देखी गई कि शैक्षिक स्तर में वृद्धि विवाह की आदर्श आयु में परिवर्तन की स्पष्ट करती है। अधिकांशतः उच्च शिक्षित शिक्षक महिलाएँ 20-25 आयु को सर्वाधिक 29% ने 22 वर्षायु को महत्त्व दिया है। कार्यालयी महिलाओं ने 22-25 आयु वर्ग को सर्वाधिक 50% ने 24 वर्षायु को सर्वाधिक महत्त्व दिया है। उच्च शिक्षा ने अधिक आयु में विवाह को प्रेरित किया है।

घरेलू महिलाओं में लगभग 17% ने कम आयु में विवाह को आदर्श व्यक्त किया है। इसमें सर्वाधिक लोग कम शिक्षित पाये गये। यद्यपि घरेलू महिलाओं ने अधिक आयु में भी विवाह आदर्श व्यक्त किया लेकिन इसमें उनकी संख्या अपेक्षाकृत कम पायी गई।

गौरी-मुन्हा-135

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग वितरण से अनुसार उनके परिवार के प्रकार का

विवेकात्मक अध्ययन

परिवार का प्रकार	महिलाये	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाच बच्चे	पाच बच्चे से अधिक	योग
20-30								
	शिक्षा	-	180-55	311-65	-	-	-	482-19
			25-00	75-00				100-00
	कार्यालयी	-	913-75	712-92				1686-67
			56-25	43-75				100-00
	घरेलू	311-28	612-56	-				953-85
		33-33	66-67					100-00
30-40								
	शिक्षा	613-29	25113-74	179-34	713-85	512-75	110-55	61833-5
		9-84	40-99	27-87	11-48	9-19	1-64	100-00
	कार्यालयी	813-33	78132-50	3911-25	2018-33	512-08	-	150862-50
		5-33	52-00	26-00	13-33	3-33		100-00
	घरेलू	1113-42	1919-12	2711-54	913-95	612-56	-	72830-77
		15-28	26-37	37-50	12-50	9-33		100-00
40-50								
	शिक्षा	1116-04	34118-69	3119-78	1417-69	613-29	613-29	107859-79
		10-28	31-78	33-64	13-08	5-61	5-61	100-00
	कार्यालयी	-	32113-35	1717-09	311-25	-	-	52621-67
			61-54	32-09	5-77			100-00
	घरेलू	-	29111-97	59125-21	2113-97	210-85	-	110147-01
			25-45	53-64	19-09	1-82		100-00
50-60								
	शिक्षा	-	412-19	-	613-29	-	-	1015-49
			40-00		60-00			100-00
	कार्यालयी	-	913-75	612-50	512-03	210-83		2719-17
			40-00	27-27	21-75	9-09		100-00
	घरेलू	-	1918-12	1315-56	411-71	712-99	-	431-33
			44-19	30-23	9-30	16-28		100-00
योग								
	शिक्षा	1719-54	64135-16	56130-77	27114-84	1116-04	713-95	182810028
	कार्यालयी	813-33	128153-33	69123-75	28111-67	712-92	-	240110028
	घरेलू	1415-99	72130-71	99147-31	34111-55	1511-41	-	2342034

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं को आयु के अनुसार

उनके परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या -13.5- में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग के अनुसार उनके परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि तीनों वर्ग की महिलाओं में सर्वाधिक कार्यालयी 240 तथा घरेलू 234 एवं उसके अनन्तर शिक्षक महिलायें हैं। इन सभी के परिवार पूर्ण हो चुके हैं। भविष्य में इनकी प्रजननता पर प्रतिबन्ध लग गया है।

20-30 आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं एवं कार्यालयी महिलाओं के परिवार का आकार दो एवं तीन बच्चे पाये गए पाया गया, जबकि घरेलू महिलाओं में परिवार का आकार अधिकतम दो पाया गया।

30-40 आयु वर्ग में परिवार का आकार घरेलू एवं कार्यालयी महिलाओं में पाँच जबकि शिक्षक महिलाओं में पाँच से अधिक भी पाया गया। शिक्षक महिलाओं में भी पाँच से भी अधिक आकार पाया गया लेकिन इनकी संख्या मात्र एक महिला होने के कारण महत्वहीन है। इस आयु - वर्ग में सर्वाधिक महिलाओं का परिवार का आकार मात्र दो - तीन शिशु रहा। समस्त शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 41% एवं समस्त कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 52% के परिवार का आकार अधिकतम दो शिशु इच्छित किया, जबकि घरेलू महिलाओं में दो से अधिक शिशु इच्छा की प्रवृत्ति देखी गयी।

40-50 आयु - वर्ग की महिलाओं में मात्र कार्यालयी, महिलाओं को छोड़कर अन्य महिलाओं के परिवार का आकार पाँच बच्चों से अधिक ही पाया गया। इस आयु की कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं के परिवार का आकार मात्र दो सन्तान है, जबकि शिक्षक महिलाओं में दो एवं तीन सन्तान दोनों महत्वपूर्ण हैं।

सर्वेक्षण में 50-60 आयु वर्ग की अपेक्षाकृत कम महिलाएं हैं, फिर भी 20-30 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं के परिवार का आकार दो से चार सन्तान तक जबकि अन्य महिलाओं ने पाँच रखा। एक शिक्षक के विचार को 40-50 एवं 50-60 आयु वर्ग में मान शिक्षक महिलाओं को छोड़कर 40-50 आयु की किसी ने भी स्वीकार नहीं किया।

अध्ययन में देखा गया कि एक सन्तान या पाँच से अधिक सन्तान के विचार को कम महिलाओं ने स्वीकार किया लेकिन अधिकार महिलाओं ने दो से चार सन्तान को परिवार आकार को गड़त्ता दी है। इन सभी में दो, सात परिवार आकार को शिक्षक महिलाओं एवं कार्यविद्या महिलाओं ने गड़त्ता दिया। धरेलू महिलाओं ने दो चार के परिवार के आकार को गड़त्ता दिया है।

सांख्यिकी-संख्या- 136

पूर्ण परिवार वाली शिक्षाक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार - एक ब्राह्मण परिवार के आकार का विधेयात्मक अध्ययन

शिक्षाक महिलाएं एक बच्चा		दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पांच बच्चे	योग
कुल आकार कार्यालयी						
20-30	शिक्षाक	100-550 25-00	100-550 50-00	200-090 50-00	-	400-190 100-00
	कार्यालयी	200-930 12-50	500-750 56-25	300-030 31-25	-	1600-670 100-00
	घरेलू	600-560 66-67	300-290 33-33	-	-	900-850 100-00
30-40	शिक्षाक	1100-040 18-03	3900-210 63-93	900-950 14-75	200-090 3-28	6100-330 100-00
	कार्यालयी	800-330 6-67	1100-490 77-22	2600-100 21-67	-	1500-620 100-00
	घरेलू	1500-410 20-83	4200-170 58-33	1500-410 20-83	-	7200-300 100-00
40-50	शिक्षाक	1000-500 9-35	9200-450 76-64	1500-200 14-02	-	10700-590 100-00
	कार्यालयी	1200-500 16-67	2900-120 5-77	1100-400 13-41	-	5200-210 100-00
	घरेलू	1000-270 9-09	9400-350 76-36	1300-560 11-82	300-290 2-73	1100-470 100-00
50-60	शिक्षाक	100-550 10-00	300-650 30-00	600-270 60-00	-	1000-500 100-00
	कार्यालयी	100-420 4-55	190-700 86-36	200-930 9-09	-	2200-170 100-00
	घरेलू	200-850 4-65	1500-400 34-88	2600-110 60-47	-	4300-180 100-00
योग	शिक्षाक	2300-120 23-12-64	12500-680 173-72-09	3200-700 44-18-33	200-090 -	18200-100 2400-100
	कार्यालयी	2300-580 33-14-10	17300-090 144-61-54	4400-330 54-23-08	-	2400-100 23400-100
	घरेलू	3300-140 33-14-10	14400-610 54-23-08	5400-230 3-1-29	-	23400-100 23400-100

जनसंख्या से कम है। वास्तव में पृथ्वी पर लगभग हर सातवाँ व्यक्ति भारतीय है।^x 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। 1941 में जनसंख्या 31.9 करोड़ थी जो कि 1971 में 54.8 करोड़ हो गयी और वृद्धि इस प्रकार 22.9 करोड़ हुई। 1901 भारत की कुल जनसंख्या लगभग 23.8 करोड़ थी। 1971-81 के दशक में भारत की जनसंख्या में 13.6 करोड़ वृद्धि हुई। 1971-1981 के दशक में भारत में जनसंख्या की दरउस वृद्धि की दर से लगभग पाँच गुनी है जो वृद्धि की दर भारत में ही वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में थी। 1971-1981 के दशक में भारत की जनसंख्या की दर दुनिया की 1900-1950 की वृद्धि की दर का $2\frac{1}{2}$ गुना रही है।

जनसंख्या वृद्धि की दर केवल जन्म और मृत्यु दर पर ही निर्भर करती है। जन्म दर और मृत्यु दर का शुद्ध शेष ही वृद्धि दर के लगभग बराबर हो जायेगा। जन्म दर तथा मृत्यु दर के तेजी से बढ़ते हुए अन्तर के कारण जनसंख्या की वृद्धि की दर विस्फोटक आकार में बढ़ती रही है जिसके जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पैदा हो गयी। अब हमारे सम्मुख प्रश्न है कि प्रजननता क्या है। "प्रजननता" से आशय स्त्रियों द्वारा पैदा किये जाने वाले जीवित शिशुओं की वास्तविक संख्या है। प्रजननता की आधारभूत धारणा एक जनसंख्या की उपलब्धि का वह वास्तविक स्तर है जो वास्तव में होने वाले जीवित शिशु - जन्म की संख्या पर आधारित है। प्रजननता (Fertility) बहुप्रजना (Fecundity) से सर्वथा भिन्न है। बहु प्रजना (Fecundity) स्त्रियों के अधिकतम शिशु पैदा करने की भौतिक

*Population of India & Pakistan - Devis Kingsley

सांख्यिकी-सूचकांक- 13.7

पूर्ण पारवार वाली शिक्षा, कार्यालयीय घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार के स्तर का विवेचना - २०११

परिवार का 'मोडलाय' प्रति...	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पांच बच्चे	पांच बच्चे से योग	अर्थ
शिक्षा							
अशिक्षित	शिक्षा	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	100.43%	100.43%	83.42%	31.28%	41.71%	-
		5.89	5.83	47.06	17.65	23.53	177.26%
							100.00
प्राथमिक	शिक्षा	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	200.85%	31.28%	72.99%	31.28%	31.28%	-
		11.11	16.67	39.89	16.67	16.67	187.69%
							100.00
मध्यम	शिक्षा	-	-	31.65%	-	-	-
				100.00			31.65%
							100.00
हाई स्कूल	कार्यालयी	-	31.25%	31.25%	-	20.93%	-
			37.50	37.50		25.00	83.33%
							100.00
	घरेलू	-	100.43%	125.13%	31.28%	52.14%	-
			4.76	57.14	14.28	23.81	71.97%
							100.00
बैचलर	शिक्षा	100.55%	63.30%	73.95%	21.09%	31.65%	-
		5.26	31.58	36.84	10.53	15.78	1910.44%
							100.00
	कार्यालयी	-	93.75%	104.17%	31.25%	20.83%	-
			37.50	41.67	12.50	8.33	7410.00%
							100.00
	घरेलू	100.43%	41.71%	187.69%	13.5.56%	10.43%	-
		2.70	10.81	48.65	35.14	2.70	3715.91%
							100.00
इण्टर-	शिक्षा	31.65%	84.39%	94.95%	42.19%	21.09%	31.65%
		10.34	27.59	31.03	13.79	6.99	10.34
							2915.93%
							100.00
मीट्रिक	कार्यालयी	200.83%	125.0%	229.17%	10.42%	31.25%	-
		5.00	30.00	55.00	2.50	7.5	4011.67%
							100.00
	घरेलू	100.09%	156.41%	93.42%	31.28%	20.95%	-
		6.67	50.00	26.67	10.00	6.67	3011.97%
							100.00
स्नातक	शिक्षा	52.15%	153.24%	179.34%	11.6.04%	21.09%	21.09%
		9.62	28.85	32.69	21.15	3.85	3.85
							52.28.57%
							100.00
	कार्यालयी	41.67%	30.12.50%	218.75%	93.75%	-	-
		6.25	46.89	32.81	14.06		
							64126.67%
							100.00
	घरेलू	31.28%	52.14%	3715.81%	62.56%	-	-
		5.89	9.80	72.55	11.76		
							51.21.79%
							100.00
स्नात-	शिक्षा	84.40%	31.17.03%	2010.99%	105.49%	42.19%	21.09%
		10.67	41.33	26.67	13.33	5.33	2.67
							75141.21%
							100.00
दो स्तर	कार्यालयी	200.83%	72.30.00%	1315.42%	156.25%	-	-
		1.96	70.59	12.75	14.71		
							102142.50%
							100.00
	घरेलू	52.14%	41.17.52%	93.85%	31.28%	-	-
		8.62	70.69	15.52	5.17		
							59.24.79%
							100.00
जी.फिल.	शिक्षा	-	42.19%	-	-	-	-
			100.00				42.19%
							100.00
	कार्यालयी	-	20.93%	-	-	-	-
			100.00				20.93%
							100.00
	घरेलू	-	20.85%	-	-	-	-
			100.00				20.85%
							100.00
योग	शिक्षा	179.35%	64135.16%	56130.77%	27.14.94%	11.6.04%	713.95%
							1821100.2%
	कार्यालयी	83.33%	128.53.33%	69.29.75%	28.11.67%	7.2.92%	-
							2401100.2%
	घरेलू	14.5.99%	72.30.77%	92.42.31%	34.14.53%	15.6.41%	-
							234.100.2%

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं को शिक्षा के अनुसार उनके परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन :-

सारिणी संख्या 137 में पूर्ण परिवार वाली विभिन्न महिलाओं का उनके "परिवार आकार" का अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में शिक्षक महिलाओं के परिवार का आकार पाँच बच्चों से अधिक भी पाया गया। जबकि कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के अधिकतम पाँच बच्चे देखे गये। शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 36% के परिवार का आकार दो शिशु पाया गया। लगभग 9% के एक शिशु एवं 31% के तीन शिशु पाया गया। कार्यालयी महिलाओं में भी सर्वाधिक 53% का परिवार आकार दो शिशु, 3% के एक शिशु एवं 29% के तीन शिशु परिवार आकार में पाये गये। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लोगों ४ लगभग 42% ४ के परिवार का आकार तीन शिशु पाया गया। लगभग 6% के एक शिशु, एवं 31% के परिवार का आकार दो शिशु पाया गया।

शिक्षा एवं परिवार आकार को साथ - साथ देखने पर स्पष्ट होता है, कि जहाँ इन शिक्षित शिक्षक महिलाओं में दो से अधिक शिशु पाये गये वही अधिक शिक्षित शिक्षक महिलाओं में दो एवं एक शिशु वाले परिवार आकार के प्रति जागरूकता देखी गयी। यद्यपि यह प्रभाव पूर्णतया नहीं स्पष्ट है लेकिन आंशिक रूप से अवश्यमेव दिखायी पड़ती है। कार्यालयी महिलाओं के साथ यह स्पष्ट दिखायी पड़ता है। तीन परिवार आकार से विकुचन की प्रवृत्ति दिखायी पड़ि है। घरेलू महिलाओं में जहाँ स्नातक स्तर तक शिक्षितों में तीन एवं तीन से अधिक शिशु के परिवार आकार अधिक महिलाओं के देखे गये वही स्नातकोत्तर एवं डी० फिल० स्तरीय में दो शिशु वाले परिवार आकार को सर्वाधिक घरेलू महिलाओं ने अपनाया है।

सारणी-सूची-13.8

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार "एक जार्ज परिवार के भाग" का विभाजन

जार्ज जन्म अंतराल	महिलाये	एक जार्ज	दो जार्ज	तीन जार्ज	चार जार्ज	पांच जार्ज	पांच जार्ज से अधिक	योग
शिक्षा								
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	280.858	1184.708	481.718	-	-	-	1787.284
		11.76	64.71	23.53	-	-	-	100.00
राक्षसी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	481.718	1285.138	280.358	-	-	-	1987.208
		22.22	66.67	11.11	-	-	-	100.00
जूनियर-	शिक्षक	-	180.558	281.098	-	-	-	381.658
		-	33.33	66.67	-	-	-	100.00
वर्क लू	कार्यालयी	-	682.588	280.838	-	-	-	983.428
		-	75.00	25.00	-	-	-	100.00
	घरेलू	280.838	1485.988	582.148	-	-	-	2189.978
		9.52	66.67	23.81	-	-	-	100.00
वर्क लू	शिक्षक	-	1387.148	482.178	281.098	-	-	1989.418
		-	68.42	21.05	11.11	-	-	100.00
	कार्यालयी	-	2083.338	481.678	-	-	-	2485.018
		-	83.33	16.67	-	-	-	100.00
	घरेलू	582.148	1988.128	1184.708	280.858	-	-	3785.838
		13.51	51.35	29.73	5.41	-	-	100.00
इण्टर-	शिक्षक	281.098	1988.448	984.398	-	-	-	2983.938
		6.89	65.52	27.59	-	-	-	100.00
नी. जेट	कार्यालयी	381.258	3182.918	682.508	-	-	-	4086.678
		7.50	77.50	15.00	-	-	-	100.00
	घरेलू	481.718	1988.128	682.568	180.438	-	-	3082.848
		13.33	63.33	20.00	3.33	-	-	100.00
स्नातक	शिक्षक	482.198	37820.338	1186.048	-	-	-	5088.578
		7.69	71.15	2.15	-	-	-	100.00
	कार्यालयी	983.758	40818.678	1386.258	-	-	-	6488.678
		14.06	62.50	23.44	-	-	-	100.00
	घरेलू	582.148	35814.988	1184.708	-	-	-	5181.838
		9.80	68.63	21.57	-	-	-	100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षक	1789.348	51828.028	783.358	-	-	-	7581.728
		22.67	69.00	9.33	-	-	-	100.00
	कार्यालयी	1184.588	74830.338	1787.098	-	-	-	1081.018
		10.78	72.55	16.67	-	-	-	100.00
	घरेलू	1184.708	32813.638	1386.418	-	-	-	5881.758
		18.97	55.17	25.86	-	-	-	100.00
डी. फिल	शिक्षक	-	482.198	-	-	-	-	482.198
		-	100.00	-	-	-	-	100.00
	कार्यालयी	-	280.838	-	-	-	-	280.838
		-	100.00	-	-	-	-	100.00
	घरेलू	-	280.358	-	-	-	-	280.358
		-	100.00	-	-	-	-	100.00
योग	शिक्षक	23812.648	125868.688	32817.588	281.098	-	-	132810.818
	कार्यालयी	2389.588	173872.088	44819.338	-	-	-	240810.018
	घरेलू	33814.108	144861.548	54823.088	381.238	-	-	234810.818

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन :-

सारिणी संख्या 13.8 में एक आदर्श परिवार आकार का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। सर्वेक्षण में देखा गया कि सर्वाधिक महिलाओं ने अपने परिवार में दो बच्चों के परिवार आकार को आदर्श व्यक्त किया है। दो शिशु के आदर्श परिवार हेतु 69% शिक्षक महिलाओं ने, 72% कार्यालयी महिलाओं ने, एवं 62% घरेलू महिलाओं ने विचार व्यक्त किये हैं। लगभग 13% शिक्षक, 10% कार्यालयी एवं 14% घरेलू महिलाओं ने एक आदर्श परिवार में एक बच्चे को आदर्श बताया है। तीन बच्चों को आदर्श बताने में लगभग 18% शिक्षक, 18% कार्यालयी एवं 23% घरेलू महिलायें हैं। चार बच्चों के आदर्श परिवार आकार हेतु मात्र शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने विचार व्यक्त किये हैं। कार्यालयी महिलायें चार शिशु के आदर्श परिवार के सम्बन्ध में मौन रही।

शिक्षा के साथ आदर्श परिवार आकार की संकल्पना को देखने पर सर्वेक्षण में यह पाया गया कि अत्यधिक शिक्षित महिलाओं ने एक एवं दो शिशु को अधिक आदर्श बताया। दो से अधिक बच्चों के लिए कम शिक्षितों में आदर्श अपेक्षाकृत अधिक पाया गया।

सांख्यिकी-संख्या-139

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी, एवं घरेलू महिलाओं के आयु-वर्ग अंतराल के अनुसार विवाह तथा परिवार बन्ध के मध्य जन्म - अन्तराल का विवेचनात्मक अध्ययन

जन्म अन्तराल आयु वर्ग	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
20-30	शिक्षा	281-09	-	281-09	-	-	-	482-19
		50-00		50-00				100-00
	कार्यालयी	983-75	280-83	582-08	-	-	-	1686-67
	घरेलू	56-25	12-50	31-25	-	-	-	100-00
		-	381-28	682-56	-	-	-	983-85
			33-33	66-67				100-00
30-40	शिक्षा	25813-74	29815-93	482-19	281-09	180-55	-	61833-52
		40-98	47-50	6-56	3-78	1-64	-	100-00
	कार्यालयी	32813-33	86835-83	24810-00	883-33	-	-	150862-58
	घरेलू	21-33	57-33	16-00	5-33	-	-	100-00
		27811-54	1988-12	682-56	682-56	582-14	983-85	72830-77
		37-50	26-39	8-33	8-33	6-97	12-50	100-00
40-50	शिक्षा	48826-37	37820-33	1487-69	683-29	281-09	-	107859-79
		44-86	34-58	13-08	5-40	1-87	-	100-00
	कार्यालयी	1285-00	2088-33	1787-08	381-25	-	-	52821-67
	घरेलू	23-08	38-46	32-69	5-77	-	-	100-00
		34814-53	34814-53	24810-26	883-42	381-28	782-97	110847-01
		30-91	30-91	21-82	7-27	2-73	6-36	100-00
50-60	शिक्षा	180-55	884-39	180-55	-	-	-	1085-49
		10-00	80-00	10-00				100-00
	कार्यालयी	481-67	883-33	782-92	381-25	-	-	2289-17
	घरेलू	18-18	36-36	31-82	13-64	-	-	100-00
		280-85	27811-54	883-42	280-95	180-43	381-28	43813-38
		4-65	62-79	18-60	4-65	2-33	6-98	100-00
योग	शिक्षा	76841-76	74840-66	21811-54	884-39	381-65	-	18281002
	कार्यालयी	57823-75	116843-33	53822-08	1485-83	-	-	24081002
	घरेलू	63826-92	83835-47	44819-80	1686-84	983-85	1988-12	23481002

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के

अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक

अध्ययन:-

सारिणी संख्या 189 में विभिन्न आयु को भी पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सर्वेक्षण में पाया गया है कि पूर्ण परिवार की 182 शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल एक वर्ष $\{ 41.76\%$ या दो वर्ष $\{ 40.66\%$ ने रखा है। पांच वर्ष से अधिक अन्तराल किसी ने भी नहीं रखा है। पूर्ण परिवार की 240 कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने दो वर्ष $\{ 48.33\%$ का जन्म - अन्तराल रखा। पांच वर्ष से अधिक का जन्म - अन्तराल किसी ने भी नहीं रखा। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने दो वर्ष $\{ 35.47\%$ एवं एक वर्ष $\{ 26.92\%$ का अन्तराल विवाह तथा प्रथम शिशु के मध्य रखा।

20-30 आयु वर्ग में अधिकांश महिलाओं ने तीन वर्ष का अन्तराल रखा। इनकी संख्या ही अत्यधिक कम है, फलतः महत्वपूर्ण निष्कर्ष नहीं निकल सकते। 30-40 आयु वर्ग की महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने एक एवं दो वर्ष के जन्म - अन्तराल को बराबर महत्व दिया, कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने एक वर्ष के जन्म - अन्तराल को सर्वाधिक महत्व दिया। मात्र घरेलू महिलाओं ने अधिक वर्ष के जन्म - अन्तराल को ह्छित किया। 40-50 आयु वर्ग की विभिन्न महिलाओं में मात्र शिक्षक महिलाओं को छोड़कर शेष कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लोगो ने दो वर्ष के जन्म - अन्तराल को महत्व दिया। इस वर्ग की सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने एक वर्ष को महत्व दिया।

50-60 आयु वर्ग की महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षित महिलायें एवं कार्यालयी महिलाओं ने विवाह तथा प्रथम शिशु के मध्य दो वर्ष का एवं घरेलू महिलाओं ने एक वर्ष की सर्वाधिक महत्व दिया। इस आयु वर्ग में अधिकतम महिलायें अधिक वर्ष का जन्म - अन्तराल नहीं रखना चाहती है, यह तारिणी से स्पष्ट है।

इस प्रकार तारिणी से स्पष्ट है कि विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल सर्वाधिक शिक्षित महिलाओं ने एक दो वर्ष, एवं कार्यालयी तथा घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष का अन्तराल रखा है।

सांख्यिकी-संख्या-140

पूर्ण परिवार वाली शिशु, कार्यलयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग अंतराल के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म

के मुख्य आदर्श अन्य अंतराल का विश्लेषण

आदर्श अन्य अंतराल आयु वर्ग	महिलायें	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	पाँच वर्ष से अधिक	योग
20-30	शिशु	-	381-658	180-558	-	-	-	4,92-198
			75-00	25-00				100-00
	कार्यलयी	983-758	582-088	280-838	-	-	-	1686-678
		56-25	31-25	12-50				100-00
	घरेलू	582-148	381-288	180-438	-	-	-	983-858
		55-56	33-33	11-11				100-00
30-40	शिशु	482-198	418-22-538	1085-498	683-298	-	-	61883-528
		6-56	67-21	16-39	9-84			100-00
	कार्यलयी	110849-178	24810-008	883-338	-	-	-	150862-508
		79-67	10-00	5-33				100-00
	घरेलू	26811-118	37815-818	983-858	-	-	-	72830-778
		36-11	51-39	12-50				100-00
40-50	शिशु	39829-438	51829-028	984-948	482-198	482-198	-	107858-798
		36-45	47-61	8-41	3-74	3-74		100-00
	कार्यलयी	2188-758	25810-428	682-588	-	-	-	52821-678
		40-38	49-08	11-54				100-00
	घरेलू	52822-228	34814-538	1086-848	883-428	-	-	110847-088
		47-27	33-91	14-55	7-27			100-00
51-6	शिशु	180-558	988-418	-	-	-	-	1083-498
		10-00	90-00					100-00
	कार्यलयी	481-678	682-508	1285-008	-	-	-	2288-178
		18-18	27-27	54-55				100-00
	घरेलू	1686-848	27811-548	-	-	-	-	43839-388
		37-21	62-79					100-00
योग	शिशु	44824-188	104857-148	20810-998	1085-498	482-198	-	1828508
	कार्यलयी	152863-338	60825-008	28811-678	-	-	-	24881082
	घरेलू	99842-318	101843-108	26811-118	883-428	-	-	2381008

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार

विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक

अध्ययन:-

सारिणी संख्या 140 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग के अनुसार उनके विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सर्वेक्षण में विवाह तथा प्रथम सन्तान के मध्य जन्म - अन्तराल तथा डोना चाहिए, तथ्यान्वेषण में देखा गया है कि 20-30 वर्गीय महिलाओं में मात्र शिक्षक महिलाओं ने एक वर्ष का जन्म - अन्तराल आदर्श माना है। यद्यपि ऐसी शिक्षक महिलाओं का संख्या अति अल्प है, लेकिन महत्वपूर्ण है। 30-40 आयु वर्ग में सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 67.21% ने विवाह तथा प्रथम शिशु के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल दो वर्ष, सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं 78.67% ने एक वर्ष एवं सर्वाधिक घरेलू महिलाओं 51.39% ने दो वर्ष माना है। सर्वाधिक चार वर्ष का आदर्श अन्तराल मात्र शिक्षक महिलाओं ने माना है।

40-50 आयु वर्ग में घरेलू महिलाओं को छोड़कर अन्य महिलाओं ने दो वर्ष का आदर्श अन्तराल सर्वाधिक लोगो ने माना है। घरेलू महिलाओं ने एक ही वर्ष माना है। सर्वाधिक आदर्श अन्तराल 5 वर्ष मात्र शिक्षक महिलाओं 3.74% ने स्वीकार किया है। 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं ने अधिक अन्तराल को इच्छित नहीं किया है। यहाँ की कार्यालयी ने तानवधे एवं अन्य सर्वाधिक महिलाओं ने दो वर्ष का अन्तराल आदर्श माना है।

सारिणी से स्पष्ट है कि शिक्षक महिलायें में सर्वाधिक 57.14% ने दो वर्ष, 24.18% ने एक वर्ष, 11% ने तीन वर्ष, 5.49% ने चार वर्ष एवं 2.19% ने पाँच वर्ष का अन्तराल आदर्श माना है। कार्यालयी महिलायें कम अन्तराल होना अधिक पसन्द करती हैं, यथा लगभग 63% ने एक वर्ष, 25% ने दो वर्ष, एवं 12% ने तीन वर्ष का अन्तराल उचित स्वीकार किया है। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 45% ने दो वर्ष, 42% ने एक वर्ष, 11% ने तीन वर्ष एवं लगभग 3% ने चार वर्ष को विवाह तथा प्रथम शिशु के मध्य अन्तराल आदर्श माना है।

सांख्यिकी-सूची-14.1

प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के क्षेत्रों में शिक्षा के अभाव में अनुसूचित जाति और अनुसूचित वर्ग के लोगों के बीच में अंतर

का विधेयात्मक अध्ययन

अनुसूचित जाति	अनुसूचित जाति	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
शिक्षा	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	घरेलू	41.71	72.99	280.95	280.85	180.43	180.43	1787.26
		23.53	41.13	11.76	11.76	5.89	5.89	100.00
शिक्षा	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	घरेलू	43.47	52.14	180.43	180.43	381.28	-	1887.69
		44.44	27.78	5.56	5.56	16.67	-	100.00
शिक्षा	शिक्षा	-	21.09	180.55	-	-	-	381.65
कार्यालयी	कार्यालयी	52.03	28.83	180.42	-	-	-	381.33
घरेलू	घरेलू	62.50	25.00	12.50	-	-	-	100.00
		1084.27	52.14	280.95	180.43	180.43	280.85	2181.97
		47.62	23.81	9.52	4.76	4.76	9.52	100.00
शिक्षा	शिक्षा	84.39	63.29	381.65	180.55	180.55	-	1981.04
कार्यालयी	कार्यालयी	42.11	31.58	15.79	5.26	5.26	-	100.00
घरेलू	घरेलू	83.33	114.58	52.03	-	-	-	2481.00
		53.33	45.83	20.83	-	-	-	100.00
		381.29	83.42	114.70	280.85	180.43	125.13	3781.51
		8.11	21.62	29.73	5.41	2.70	32.43	100.00
शिक्षा	शिक्षा	1085.49	116.04	783.85	-	180.55	-	2981.59
कार्यालयी	कार्यालयी	34.48	37.93	24.14	-	3.45	-	100.00
घरेलू	घरेलू	182.50	178.09	52.08	-	-	-	4081.67
		45.00	42.50	12.50	-	-	-	100.00
		83.44	93.75	52.14	782.79	180.43	-	3081.29
		26.67	30.00	16.67	23.33	3.33	-	100.00
शिक्षा	शिक्षा	22612.09	23812.64	482.19	281.09	180.55	-	5281.57
कार्यालयी	कार्यालयी	42.31	44.23	7.69	3.85	1.92	-	100.00
घरेलू	घरेलू	1987.92	2087.33	1184.58	1485.83	-	-	6481.67
		29.69	31.25	17.19	21.85	-	-	100.00
		72.99	2811.97	983.85	381.29	180.43	381.28	5181.79
		13.73	54.90	17.65	5.89	1.96	5.89	100.00
शिक्षा	शिक्षा	3818.13	31817.03	683.29	582.75	-	-	7581.21
कार्यालयी	कार्यालयी	44.00	41.33	8.00	6.67	-	-	100.00
घरेलू	घरेलू	782.92	64826.67	31812.92	-	-	-	10281.50
		6.86	62.75	30.39	-	-	-	100.00
		2289.40	2188.97	1385.56	-	180.43	180.43	5881.79
		37.93	36.21	22.41	-	1.72	1.72	100.00
शिक्षा	शिक्षा	381.65	180.55	-	-	-	-	481.19
कार्यालयी	कार्यालयी	75.00	25.00	-	-	-	-	100.00
घरेलू	घरेलू	-	280.83	-	-	-	-	280.83
		-	100.00	-	-	-	-	100.00
		180.43	-	180.43	-	-	-	280.85
		50.00	-	50.00	-	-	-	100.00
शिक्षा	शिक्षा	7641.70	74840.61	21811.54	884.39	381.65	-	18281.02
कार्यालयी	कार्यालयी	57823.75	116140.33	53822.03	1485.93	-	-	24081.00
घरेलू	घरेलू	63826.92	83835.47	44819.80	1686.84	983.95	-	23481.00

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन :-

सारिणी संख्या 14.1 में विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। कार्यालयी महिलाओं ने चार वर्ष से अधिक अन्तराल एवं शिक्षक महिलाओं ने पांच वर्ष से अधिक अन्तराल किसी ने नहीं रखा लेकिन न्यादर्श के पूर्ण परिवार वाली 8.12% घरेलू महिलाओं ने पांच से अधिक वर्ष भी जन्म - अन्तराल रखा है। शिक्षक महिलाओं में एक एवं दो वर्ष का जन्म - अन्तराल सर्वाधिक लगभग 82% में पाया गया। तीन, चार एवं पांच वर्ष अन्तराल कम महिलाओं ने रखे। कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 48% ने दो वर्ष का जन्म अन्तराल रखा उसके बाद लगभग 24% ने एक वर्ष एवं 22% तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा। घरेलू महिलाओं ने विवाह के बाद प्रथम शिशु हेतु कुछ अपेक्षाकृत संतुलित जन्म - अन्तराल रखा। लगभग 27% घरेलू महिलाओं ने एक वर्ष, 35% ने दो वर्ष, 19% ने तीन वर्ष, 7% ने चार वर्ष 4% ने पांच वर्ष एवं लगभग 8% ने पांच से अधिक वर्ष से अधिक वर्ष जन्म - अन्तराल रखा। स्पष्ट है कि अधिकांशतः शिक्षक महिलाओं ने विवाह के बाद शीघ्र ही एवं कार्यालयी व घरेलू ने दो वर्ष के बाद प्रथम शिशु का जन्म दिया है।

शिक्षक महिलाओं को उनकी शिक्षा के साथ देखने पर कोई विशेष प्रवृत्ति नहीं दिखायी पड़ी। अधिकांशतः महिलायें एक एवं दो वर्ष जन्म - अन्तराल से लगी रहती। कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में थोड़े परिवर्तन की प्रवृत्ति दिखायी पड़ी। शिक्षा के कारण एक वर्ष अन्तराल से दो एवं कुछ अधिक अन्तराल की ओर विचलन दिखायी पड़ा।

घटिउणी-संख्या-14.2

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म

अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

उत्प-उत्प-उत्प महिलाये शिक्षा	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	12१5.13१	5१2.14१	-	-	-	-	17१7.26१
	70.59	29.41					100.00
उत्प-उत्प	-	-	-	-	-	-	-
शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	10१4.27१	6१2.56१	2१0.85१	-	-	-	18१7.69१
	55.56	33.33	11.11				100.00
जूनियर-	-	-	-	-	-	-	-
शिक्षा	-	2१1.09१	1१0.55१	-	-	-	3१1.65१
		66.67	33.33				100.00
हाईस्कूल	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	7१2.92१	1१0.42१	-	-	-	-	8१3.33१
	87.50	12.50					100.00
घरेलू	9१3.85१	7१2.99१	4१1.71१	1१0.43१	-	-	21१8.97१
	42.86	33.33	19.05	4.76			100.00
हाईस्कूल	-	-	-	-	-	-	-
शिक्षा	5१2.75१	11१6.04१	3१1.65१	-	-	-	19१10.44१
	26.32	57.89	15.79				100.00
कार्यालयी	19१7.92१	3१1.25१	2१0.93१	-	-	-	24१10.00१
	79.17	12.50	9.33				100.00
घरेलू	15१10.69१	9१3.85१	3१1.28१	-	-	-	37१15.81१
	67.57	24.32	8.11				100.00
जूनियर-	-	-	-	-	-	-	-
शिक्षा	6१3.29१	13१7.14१	8१4.39१	-	2१1.09१	-	29१15.93१
	20.69	44.83	27.59		6.89		100.00
हाईस्कूल	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	33१13.75१	5१2.08१	2१0.83१	-	-	-	40१16.67१
	82.50	12.50	5.00				100.00
घरेलू	14१9.98१	8१3.42१	5१2.14१	3१1.28१	-	-	30१12.82१
	46.67	26.67	16.67	10.00			100.00
स्नातक	-	-	-	-	-	-	-
शिक्षा	16१8.79१	24१13.18१	2१1.09१	8१4.39१	2१1.09१	-	52१28.57१
	30.77	46.15	3.85	15.38	3.85		100.00
कार्यालयी	49१20.42१	9१3.75१	6१2.50१	-	-	-	64१26.67१
	76.56	14.06	9.38				100.00
घरेलू	5१2.14१	39१16.24१	8१3.42१	-	-	-	51१21.79१
	9.90	74.51	15.69				100.00
स्नातक	-	-	-	-	-	-	-
शिक्षा	17१9.34१	50१27.47१	6१3.29१	2१1.09१	-	-	75१41.21१
	22.67	66.67	8.00	2.67			100.00
को-ऑपर	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	44१18.33१	40१16.67१	18१7.50१	-	-	-	102१42.50१
	43.14	39.22	17.65				100.00
घरेलू	24१10.26१	28१11.97१	2१0.85१	4१1.71१	-	-	58१24.79१
	41.38	48.28	3.45	6.89			100.00
सी.फिल.	-	-	-	-	-	-	-
शिक्षा	-	4१2.19१	-	-	-	-	4१2.19१
		100.00					100.00
कार्यालयी	-	2१0.83१	-	-	-	-	2१0.83१
		100.00					100.00
घरेलू	-	-	2१0.85१	-	-	-	2१0.85१
			100.00				100.00
योग	-	-	-	-	-	-	-
शिक्षा	44१24.18१	104१57.14१	20१10.99१	10१5.49१	4१2.19१	-	182१100.4११
							100.00
कार्यालयी	152१63.53१	60१25.00१	28१11.67१	-	-	-	240१100.१११
							100.00
घरेलू	99१42.31१	101१43.16१	26१11.11१	8१3.42१	-	-	234१100.१११
							100.00

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 14.2 में विवाह तथा पहले बच्चे मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का अध्ययन प्रदर्शित है।

अध्ययन से स्पष्ट है कि सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने 1-2 वर्ष अन्तराल को आदर्श व्यक्त किया है लेकिन सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने एक ही वर्ष अन्तराल आदर्श माना है। शिक्षक महिलाओं ने 1-5 वर्ष, कार्यालयी महिलाओं ने 1-3 वर्ष एवं घरेलू महिलाओं ने 1-4 वर्ष अन्तराल आदर्श व्यक्त किया है।

लगभग 24% शिक्षक महिलाओं ने एक वर्ष, 57% ने दो वर्ष, 11% ने तीन वर्ष, 6% ने चार एवं 2.19% ने पांच वर्ष अन्तराल आदर्श व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष को सर्वाधिक एवं दो तीन वर्ष को कम महत्त्व देते देखा गया। घरेलू महिलाओं में अधिकांशतः एक एवं दो अन्तराल को आदर्श माना है।

शिक्षा के अनुसार पूर्ण परिवार के जन्म - अन्तराल को देखने पर सारिणी से स्पष्ट होता है कि शैक्षिक स्तर में परिवर्तन जन्म - अन्तराल में भी परिवर्तन वृद्धि के रूप में प्रकट होता है लेकिन कार्यालयी महिलाओं में कुछ विपरीत रहा। अधिक उच्च शिक्षितों में तीन वर्ष को पूर्व की अपेक्षा अधिक महत्ता मिली। घरेलू महिलाओं ने एक एवं दो वर्ष अन्तराल को शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर समान महत्त्व दिया।

सांख्यिकी-सूचकांक-143

पूर्ण परिवार वाली शिक्षाक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग अंतराल के अनुसार " पहिले व दूसरे बच्चे के

मध्य न्यून अंतराल का विवेकात्मक अध्ययन

प्रत्यक्ष आयु वर्ग	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
20-30	शिक्षाक	140-55१	-	3१1-65१	-	-	-	-	4१2-19१
		25-00		75-00					100-00
	कार्यालयी	3१0-42१	5१2-08१	8१3-33१	-	-	-	-	16१6-67१
30-40		18-75	31-25	50-00					100-00
	घरेलू	-	3१1-28१	-	3१1-28१	-	-	3१1-28१	9१3-85१
			33-33		33-33			33-33	100-00
40-50	शिक्षाक	14१7-69१	23१12-64१	13१7-14१	3११-65१	2१1-09१	-	6१3-29१	61(33 52)
		22-95	37-70	24-59	4-92	3-28		9-84	100-00
	कार्यालयी	22१9-17१	75१31-25१	29१12-08१	9१3-75१	7१2-92१	-	8१3-33१	150१62-50१
50-60		14-67	50-00	19-33	6-00	4-67		6-33	100-00
	घरेलू	18१7-69१	28१11-97१	9१3-85१	5१2-50१	-	-	11१4-70१	72१30-76१
		25-00	38-89	12-50	8-33			15-28	100-00
40-50	शिक्षाक	22१12-09१	37१20-32१	22१12-09१	7१3-85१	8१4-39१	-	11१6-04१	107१58-79१
		20-56	34-57	20-56	6-54	7-48		10-28	100-00
	कार्यालयी	11१4-71१	7१2-99१	15१7-69१	11१4-71१	5१2-14१	-	-	52१22-22१
50-60		21-15	13-46	34-62	21-15	9-62			100-00
	घरेलू	18१7-69१	34१14-53१	49१20-94१	1१0-43१	8१3-42१	-	-	110१47-01१
		16-36	30-91	44-55	0-91	7-27			100-00
50-60	शिक्षाक	-	-	6१3-29१	4१2-19१	-	-	-	10१5-49१
				60-00	40-00				100-00
	कार्यालयी	1१0-42१	10१4-17१	9१3-75१	2१0-83१	-	-	-	22११9-17१
योग		4-55	45-45	40-91	9-09				100-00
	घरेलू	9१3-85१	13१5-56१	11१4-70१	10१4-27१	-	-	-	45११3-38१
		20-93	30-23	25-58	23-26				100-00
योग	शिक्षाक	37१20-33१	60१32-97१	44१24-18१	14१7-69१	10१5-49१	-	17१9-34१	18१2१100१
	कार्यालयी	37१15-42१	97१40-42१	64१26-67१	22१9-17१	12१5-00१	-	8१3-33१	2१2१107१
योग									
	घरेलू	45१19-23१	78१33-33१	69११-११-44१	20१8-55१	8१3-42१	-	14११5-99१	23११100१

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार

पहले बच्चे तथा दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन: -

सारिणी संख्या 14.3 में पूर्ण परिवार वाली विभिन्न प्रकार की सर्वेक्षित महिलाओं यथा शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के विभिन्न आयु वर्ग के उनके पुनर्जनन व्यवहार के सम्बन्ध में पहले तथा दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि न्यादश के समस्त महिलाओं में शिक्षक महिलायें 182, कार्यालयी महिलायें 240 एवं घरेलू महिलायें 234 हैं, जिन्होंने अपना परिवार पूर्ण कर लिया है।

विभिन्न आयु वर्ग के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि 20-30 आयु वर्ग की महिलाओं में यद्यपि प्रथम एवं द्वितीय शिशु के मध्य सर्वाधिक जन्म - अन्तराल घरेलू महिलाओं ने चार वर्ष रखा लेकिन उनकी संख्या अपेक्षाकृत शिक्षक महिलाओं एवं कार्यालयी महिलाओं से कम है। इन्होंने अन्तराल मात्र तीन वर्ष ही रखा है।

30-40 आयु वर्ग की महिलाओं में सर्वाधिक कार्यालयी महिलायें हैं। इन्होंने जहाँ पाँच वर्ष का सर्वाधिक अन्तराल शिशुओं के मध्य रखा वहीं शिक्षक महिलाओं ने तो इससे कम लेकिन घरेलू महिलाओं ने नहीं रखा।

40-50 आयु वर्ग की महिलाओं में प्रथम एवं द्वितीय शिशु के मध्य अधिकतम अन्तराल शिक्षक, घरेलू : ने पाँच वर्ष से अधिक रखा। वहीं अन्य महिलाओं को पाँच से कम वर्ष ही अन्तराल रखा। 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं ने शिशुओं के मध्य अधिकतम जन्म - अन्तराल मात्र चार वर्ष ही रखा।

विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं में यद्यपि यह प्रवृत्ति देखी गयी कि दो एवं तीन वर्ष का अन्तराल होने पर लोगों की संख्या में उत्तरोत्तर कमी हुई

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार

पहले बच्चे व दूसरे बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक

अध्ययन:-

सारिणी संख्या 14.4- में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग अन्तराल के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि 20-30 आयु वर्ग में किसी को विशिष्ट जन्म वर्ष अन्तराल को महिलाओं ने परानन्द नहीं किया है। यहाँ यह अवश्य है कि दो या दोसे से अधिक वर्ष जन्म - अन्तराल रखना उचित समझा है।

30-40 आयु वर्ग में सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं 50.81 ने तीन वर्ष एवं 26.23% ने दो वर्ष का तथा 6.56% ने एक वर्ष का जन्म - अन्तराल उचित माना है। कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 49% ने तीन वर्ष एवं 26.67% ने दो वर्ष का अन्तराल आदर्श माना है। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक 52.78% ने तीन एवं लगभग 21% ने चार वर्ष का जन्म - अन्तराल माना है।

40-50 आयु वर्ग की महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षक महिलायें 41.12% ने तीन वर्ष, 21.49% ने दो वर्ष, कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक 32.69% ने दो वर्ष, 57.27% ने तीन वर्ष नया घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 57% ने तीन वर्ष एवं लगभग 19% ने चार वर्ष का जन्म - अन्तराल आदर्श माना है।

50-60 आयु वर्ग में भी तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को शिक्षक, घरेलू महिलाओं ने सर्वाधिक महत्त्व दिया है। कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष के अन्तराल को महत्त्व दिया है।

इस प्रकार सर्वेक्षण में यह देखा गया कि पूर्ण परिवार की महिलाओं ने अपनी आयु वर्गानुसार प्रथम एवं द्वितीय शिशु के जन्म के मध्य तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल आदर्श माना है। शिक्षक महिलाओं ने जहाँ तीन वर्ष के अन्तराल को सर्वाधिक लोगो ने लगभग 45% ने आदर्श माना वहीं सर्वाधिक लगभग 38% कार्यालयी महिलाओं ने तीन एवं 17% ने पाँच वर्ष को आदर्श माना। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 60% ने तीन वर्ष के अन्तराल को आदर्श माना है।

विभेदात्मक अध्ययन

जन्म अंतराल महिलाये शिक्षा		एकवर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांचवर्ष	पांचवर्ष से अधिक	ज्ञात नहीं	योग
अशिक्षित	शिक्षाक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	31.28 17.65	41.71 23.53	41.71 23.53	20.85 11.76	41.71 23.53	-	-	177.2 100.00
ग्रामरी	शिक्षाक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	41.71 22.22	62.56 33.33	62.56 33.33	20.85 11.11	-	-	-	187.69 100.00
जूनियर- हाई-स्कूल	शिक्षाक	10.55 33.33	21.09 66.67	-	-	-	-	-	31.65 100.00
	कार्यालयी	41.67 50.00	31.25 37.50	10.42 12.50	-	-	-	-	83.33 100.00
	घरेलू	10.43 4.76	15.64 71.43	31.28 14.29	20.85 9.52	-	-	-	218.97 100.00
हाई-स्कूल	शिक्षाक	10.55 5.26	63.29 31.57	52.75 26.32	10.55 5.26	52.75 26.32	-	10.55 5.56	1910.44 100.00
	कार्यालयी	72.92 29.17	114.58 45.83	62.50 25.00	-	-	-	-	2410.00 100.00
	घरेलू	41.71 10.81	145.98 37.84	114.70 29.73	72.99 18.92	10.43 2.70	-	-	3715.81 100.00
इण्टर- मीडिएट	शिक्षाक	73.85 24.15	63.29 20.69	116.04 37.93	10.55 3.45	10.55 3.45	-	31.65 10.34	2915.93 100.00
	कार्यालयी	187.50 45.00	114.58 27.50	62.50 15.00	20.83 5.00	10.42 2.50	-	20.83 5.00	4016.67 100.00
	घरेलू	20.85 6.67	125.13 40.00	83.42 26.67	52.14 16.67	31.28 10.00	-	-	3012.82 100.00
स्नातक	शिक्षाक	147.69 26.92	179.34 32.69	116.04 21.15	10.55 1.92	42.19 7.69	-	52.75 9.62	5228.57 100.00
	कार्यालयी	41.67 6.25	3012.50 46.93	2410.00 37.50	20.83 3.13	10.42 1.56	-	41.67 6.25	6426.67 100.00
	घरेलू	114.70 21.57	197.69 35.29	93.85 17.65	20.85 3.92	-	-	114.70 21.57	5121.79 100.00
स्नात- कोत्तर	शिक्षाक	137.14 17.33	2714.83 36.00	168.79 21.33	116.04 14.67	-	-	84.39 10.67	7541.21 100.00
	कार्यालयी	41.07 3.92	4211.50 41.18	2510.42 24.51	197.50 17.65	104.17 9.80	-	20.93 1.96	10242.50 100.00
	घरेलू	208.55 34.48	93.42 13.79	2711.54 46.55	-	-	-	31.28 5.17	5924.79 100.00
जी.पी.एल.	शिक्षाक	10.55 25.00	21.09 50.00	10.55 25.00	-	-	-	-	42.19 100.00
	कार्यालयी	-	-	20.83 100.00	-	-	-	-	20.83 100.00
	घरेलू	-	10.43 50.00	10.43 50.00	-	-	-	-	20.85 100.00
योग	शिक्षाक	3120.33 3715.42	6031.98 9740.42	4424.18 6426.67	147.69 229.17	105.49 125.00	-	179.34 83.33	182100.0 240.100.0
	कार्यालयी	3715.42 4519.23	9740.42 7833.33	6426.67 6929.48	229.17 208.55	125.00 83.42	-	83.33 145.99	240.100.0 234.100.0
	घरेलू	4519.23 34.48	7833.33 13.79	6929.48 46.55	208.55 3.92	83.42 10.00	-	145.99 21.57	234.100.0 100.00

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन :-

सारिणी सँख्या 14.5 में पहिले व दूसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक महिलाओं ने पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य दो वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा है। इन महिलाओं ने सर्वाधिक अन्तराल पाँच वर्ष का रखा है। इससे अधिक अन्तराल रखने वाली महिलायें सर्वेक्षण में नहीं पायी गई। शिक्षक महिलाओं में 9.34%, कार्यालयी 3.33% एवं लगभग 6% घरेलू महिलाओं ने पहिले व दूसरे शिशु के मध्य जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया। इसका कारण उनके मात्र एक ही शिशु का होना रहा। दूसरे शिशु के जन्म का कोई औचित्य ही नहीं उठता क्योंकि उनका परिवार भी पूर्ण हो चुका है।

एक वर्ष जन्म - अन्तराल रखने वाली सर्वाधिक लगभग 20% शिक्षक, 19% घरेलू एवं 15% कार्यालयी महिलायें पायी गई। दो वर्ष का जन्म - अन्तराल सर्वाधिक लगभग 40% कार्यालयी, 33% घरेलू एवं 32% शिक्षक महिलायें पायी गई। तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल रखने वाली सर्वाधिक लगभग 29% घरेलू, 27% कार्यालयी एवं 24% शिक्षक महिलायें पायी गईं। चार एवं पाँच वर्ष का भी अन्तराल देखा गया।

शिक्षा के अनुसार जन्म - अन्तराल देखने पर यह पाया गया कि शैक्षिक स्तर में वृद्धि होने पर शिक्षक महिलाओं ने एक वर्ष एवं तीन से अधिक वर्ष के जन्म अन्तराल को कम महत्त्व देकर दो एवं तीन वर्ष अन्तराल को अधिक महत्त्व दिया है। कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में कोई विशिष्ट प्रवृत्ति नहीं फिर भी दो वर्ष अन्तराल को सर्वाधिक महत्त्व देते देखा गया।

जनसंख्या से कम है। वास्तव में पृथ्वी पर लगभग हर सातवाँ व्यक्ति भारतीय है।^x 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। 1941 में जनसंख्या 31.9 करोड़ थी जो कि 1971 में 54.8 करोड़ हो गयी और वृद्धि इस प्रकार 22.9 करोड़ हुई। 1901 भारत की कुल जनसंख्या लगभग 23.8 करोड़ थी। 1971-81 के दशक में भारत की जनसंख्या में 13.6 करोड़ वृद्धि हुई। 1971-1981 के दशक में भारत में जनसंख्या की दरउस वृद्धि की दर से लगभग पाँच गुनी है जो वृद्धि की दर भारत में ही वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में थी। 1971-1981 के दशक में भारत की जनसंख्या की दर दुनिया की 1900-1950 की वृद्धि की दर का $2\frac{1}{2}$ गुना रही है।

जनसंख्या वृद्धि की दर केवल जन्म और मृत्यु दर पर ही निर्भर करती है। जन्म दर और मृत्यु दर का शुद्ध शेष ही वृद्धि दर के लगभग बराबर हो जायेगा। जन्म दर तथा मृत्यु दर के तेजी से बढ़ते हुए अन्तर के कारण जनसंख्या की वृद्धि की दर विस्फोटक आकार में बढ़ती रही है जिसके जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पैदा हो गयी। अब हमारे सम्मुख प्रश्न है कि प्रजननता क्या है। "प्रजननता" से आशय स्त्रियों द्वारा पैदा किये जाने वाले जीवित शिशुओं की वास्तविक संख्या है। प्रजननता की आधारभूत धारणा एक जनसंख्या की उपलब्धि का वह वास्तविक स्तर है जो वास्तव में होने वाले जीवित शिशु - जन्म की संख्या पर आधारित है। प्रजननता (Fertility) बहुप्रजना (Fecundity) से सर्वथा भिन्न है। बहु प्रजना (Fecundity) स्त्रियों के अधिकतम शिशु पैदा करने की भौतिक

*Population of India & Pakistan - Devis Kingsley

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 14.6 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। सर्वेक्षण में पाया गया कि सर्वाधिक 45% शिक्षक महिलाओं ने 38% कार्यालयी महिलाओं ने एवं 60% घरेलू महिलाओं ने पहले व दूसरे बच्चे के मध्य तीन वर्ष आदर्श जन्म - अन्तराल व्यक्त किया है। 4% शिक्षक, 5% कार्यालयी एवं 8% घरेलू महिलाओं ने इस सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया है।

प्रथम एवं द्वितीय शिशु के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल एक वर्ष लगभग 7%, दो वर्ष 21%, तीन वर्ष 45%, चार वर्ष 10%, पांच वर्ष 10%, एवं पांच से अधिक 2% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श अन्तराल व्यक्त किया है। पूर्ण परिवार वाली लगभग 8% कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष, 25% ने दो वर्ष, 38% ने तीन वर्ष, 8% ने चार वर्ष, 17% ने पांच वर्ष जन्म - अन्तराल आदर्श व्यक्त किया है। पांच से अधिक किसी कार्यालयी महिला ने आदर्श अन्तराल नहीं व्यक्त किया है। घरेलू महिलाओं ने 2-5 वर्ष को ही आदर्श अन्तराल माना है। 2 वर्ष को 13% ने, तीन वर्ष को 60% ने चार वर्ष को 15% ने एवं पांच वर्ष का मात्र 4% ने आदर्श अन्तराल व्यक्त किया है।

शिक्षा के अनुसार पहले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल को देखने पर स्पष्ट होता है कि शिक्षा का शिक्षक महिलाओं के आदर्श जन्म - अन्तराल के विचारों पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है। कम शिक्षितों में जहाँ एक एवं दो वर्ष अन्तराल के प्रति अधिक महत्ता देते देखा गया। उच्च शिक्षितों में तीन एवं तीन से अधिक को महत्ता देते पाया गया। कार्यालयी महिलाओं में एक दो एवं तीन वर्ष अन्तराल को सर्वाधिक तथा अधिक एवं उच्च शिक्षितों में तीन तथा अधिक वर्ष अन्तराल को आदर्श व्यक्त करते पाया गया। घरेलू महिलाओं ने सर्वाधिक तीन वर्ष को आदर्श जन्म - अन्तराल व्यक्त किया है।

सारणी-मह्या-147

पूर्ण पत्तवार वाली शिदाव, कायालिया एव घरेलू महिलाओं के आयु, वर्ष अन्तराल के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य

अन्तर्गत		अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन					
महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाचवर्ष	पाच वर्ष से अधिक	योग
आयुवर्ग							
20-30							
शिदाव	110-55	-	21-09	-	-	110-55	412-19
	25-00		50-00			25-00	100-00
कायालिया	110-42	41-67	210-83	-	-	913-75	1616-67
	6-25	25-00	12-50			56-25	100-00
घरेलू	-	-	-	-	-	913-85	913-95
						100-00	100-00
30-40							
शिदाव	814-39	1513-24	713-85	-	-	3117-03	61133-52
	13-11	24-59	11-48			50-82	100-00
कायालिया	913-75	3414-17	1917-92	210-83	-	86135-83	150162-50
	6-00	22-67	12-67	1-33		57-33	100-00
घरेलू	612-56	913-85	1415-93	1014-27	311-28	30112-82	72130-77
	8-33	12-50	19-44	13-89	4-17	41-67	109-00
40-50							
शिदाव	713-85	1613-79	2111-54	613-29	1211-59	45124-73	107151-79
	6-54	14-95	19-63	5-61	11-21	42-06	100-00
कायालिया	311-25	1215-00	311-25	110-42	110-42	32113-33	52121-67
	5-77	23-08	5-77	1-92	1-92	61-54	100-00
घरेलू	712-99	411-71	57124-36	913-95	512-14	28111-97	110147-01
	6-36	3-64	51-82	8-18	4-55	25-45	100-00
50-60							
शिदाव	311-65	-	311-65	-	-	412-19	1015-49
	30-00		30-00			40-0	100-00
कायालिया	512-08	512-03	110-42	210-83	-	913-75	2219-17
	22-73	22-73	4-55	9-09		40-91	100-00
घरेलू	210-85	512-14	1114-70	-	612-50	1913-12	43113-39
	4-65	11-63	25-53		13-95	44-19	100-00
योग							
शिदाव	19110-44	31117-03	33118-13	613-29	1216-59	81144-51	18211002
कायालिया	117-51	55122-92	25110-42	512-03	110-42	136136-67	24011002
घरेलू	1516-41	1817-69	82135-04	1913-12	14115-98	86136-75	23411002

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी, एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार

दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या-147--- में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग के अनुसार उनके दूसरे एवं तीसरे बच्चे के मध्य जन्म अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी में स्पष्ट है कि एक वर्ष के जन्म अन्तराल को अपनाने वाली शिक्षक महिलायें 10.44%, कार्यालयी महिलायें 7.5 एवं घरेलू महिलायें 7.69 हैं। दो वर्ष का अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें 17.03%, कार्यालयी महिलायें 23 एवं घरेलू महिलायें 7 हैं। तीन वर्ष का अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें 18.13, कार्यालयी महिलायें 10.42 एवं 35.04, घरेलू महिलायें हैं। चार वर्ष का अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें 3.29%, कार्यालयी महिलायें 2.08 एवं 8.12, घरेलू महिलायें हैं। चार से अधिक वर्ष का अन्तराल रखने वाला मात्र शिक्षक महिलायें एवं घरेलू महिलायें अधिक हैं।

सर्वेक्षण में यह पाया गया कि 20-30 आयु वर्ग में कम महिलायें होने के कारण विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है, फिर भी उनमें शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष एवं घरेलू महिलाओं ने एक परिवार में मात्र दो बच्चों को महत्व दिया है। 30-40 आयु वर्ग की महिलाओं में यद्यपि 50.82 शिक्षक महिलायें, 57.33 कार्यालयी महिलायें एवं 41.67 घरेलू महिलायें इस प्रक्रिया में लागू नहीं हैं, फिर भी सर्वाधिक लगभग 25% शिक्षक महिलाओं ने दो वर्ष अन्तराल 23% कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष अन्तराल एवं सर्वाधिक घरेलू महिलाओं 19.44 ने भी तीन वर्ष का अन्तराल दूसरे व तीसरे शिशु के मध्य रखा है।

40-50 आयु वर्ग की समस्त महिलाओं में यद्यपि लगभग 42% शिक्षक महिलायें, 62% कार्यालयी महिलायें एवं 25% घरेलू महिलायें प्रक्रिया में लागू नहीं हैं, फिर भी इनमें सर्वाधिक लगभग 15% शिक्षक महिलाओं ने, 23%

कार्यालयी महिलाओं ने दो लगभग 52% घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को रखा है। 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं ने तीन वर्ष के मात्र कार्यालयी महिलाओं को छोड़कर 2 वर्ष के अन्तराल रखा है। यद्यपि उनको संख्या अत्यधिक नहीं है, फिर भी अति महत्वपूर्ण नहीं कहे जा सकते।

इस प्रकार स्पष्ट है कि सर्वाधिक महिलाओं ने दूसरे एवं तीसरे बच्चे के मध्य दो वर्ष का अन्तराल रखा है। कार्यालयी महिलाओं को छोड़कर घरेलू एवं शिक्षक महिलाओं ने चार वर्ष से अधिक जन्म अन्तराल को स्वीकार किया है।

सारणी-संख्या-148

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग अन्तराल के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श

जन्म - अन्तराल का विवेकात्मक अध्ययन									
आदर्श जन्म-अन्तराल-आयु वर्ग	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग	
शिक्षाक	-	-	482-198	-	-	-	-	482-198	100-00
कार्यालयी	582-088	381-258	481-678	186-258	-	-	3818-758	1686-678	100-00
घरेलू	31-25	18-75	25-00	6-25	-	-	18-75	983-858	100-00
	-	-	381-288	280-858	-	-	481-718	44-44	100-00
	-	-	33-33	22-22	-	-	-	-	-
शिक्षाक	582-758	1286-598	36819-788	-	-	482-198	482-198	61833-528	100-00
	8-19	19-07	59-02	-	-	6-56	6-56	100-00	-
कार्यालयी	1987-928	34814-178	86835-838	782-928	481-678	-	-	150862-508	100-00
	15-83	22-67	57-33	5-93	3-33	-	-	72830-768	100-00
घरेलू	782-998	2289-408	883-428	-	582-148	-	30812-828	41-67	100-00
	9-72	30-56	11-11	-	6-94	-	-	-	-
शिक्षाक	1387-148	19810-448	41822-538	683-298	1286-598	1085-498	683-298	107858-798	100-00
	12-15	17-76	38-32	5-61	11-21	9-35	5-61	52821-678	100-00
कार्यालयी	385-428	582-088	1084-178	1385-428	1987-928	-	280-838	100-00	-
	15-85	6-09	19-23	15-00	23-17	-	2-44	110847-018	100-00
घरेलू	381-288	582-148	481-718	883-428	883-428	582-178	77832-918	70-00	100-00
	2-73	4-55	3-64	7-27	7-27	4-55	-	-	-
शिक्षाक	180-558	-	984-958	-	-	-	-	1085-498	100-00
	10-00	-	90-00	-	-	-	-	2289-178	100-00
कार्यालयी	481-678	280-838	180-428	782-928	481-678	-	481-678	100-00	-
	18-18	9-09	4-55	31-82	18-18	-	18-18	43818-388	100-00
घरेलू	-	-	180-438	380-558	582-148	-	34814-538	79-07	100-00
	-	-	2-33	6-98	11-63	-	-	-	-
शिक्षाक	19810-448	31817-038	90849-458	683-298	1286-598	1487-698	1085-498	182810028	240810028
कार्यालयी	31812-928	44818-338	10184-088	11-678	27811-258	-	983-758	234810028	234810028
घरेलू	1084-278	27811-548	1686-848	1385-568	1887-698	582-148	145861-978	-	-

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग अन्तराल के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 1418 में पूर्ण परिवार की विभिन्न महिलाओं के आयु वर्गों के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है की लगभग 5% शिक्षक, 4% कार्यालयी एवं 61% घरेलू महिलाओं ने इस सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया है। सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल जहाँ तीन वर्ष व्यक्त किया है वहीं सर्वाधिक घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष अन्तराल आदर्श माना है।

शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य पाँच वर्ष से अधिक अन्तराल की आदर्श माना है जबकि कार्यालयी महिलाओं ने बिल्कुल नहीं माना है। एक वर्ष अन्तराल आदर्श मानने में कार्यालयी सबसे आगे देखी गयी और घरेलू सबसे पीछे। दो वर्ष अन्तराल में भी ठीक यही स्थिति देखी गयी लेकिन तीन वर्ष अन्तराल में शिक्षक महिलाएँ सर्वाधिक पायी गईं। अधिक वर्ष अन्तराल में तीनों प्रकार की महिलाओं को देखा गया लेकिन घरेलू सर्वाधिक नहीं।

आयु वर्गानुसार 20-30 में तो नहीं लेकिन 30-40 में पाँच एवं पाँच से भी अधिक वर्ष, आदर्श अन्तराल माना गया। कार्यालयी महिलाओं ने पाँच वर्ष से अधिक वर्ष अन्तराल आदर्श स्वीकार नहीं किया है। 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं ने तीन वर्ष अधिकतम लेकिन कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने पाँच वर्ष अधिकतम आदर्श अन्तराल दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य व्यक्त किया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल का

विधेयात्मक अध्ययन

अनुसूचित शिक्षा	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पाँचवर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	7४2.99५ 41.18	5४2.14४ 29.41	3४1.28४ 17.65	1४0.43४ 5.89	-	-	1४0.43४ 5.88	17४7.२६५ 100.00
प्राथमरी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	3४1.29४ 16.67	५४1.28४ 16.६7	11४4.70४ 67.11	-	-	-	1४0.43४ 5.56	19४7.69५ 100.00
माध्यमिक	शिक्षक	-	2४1.09५ 66.67	1४0.55४ 33.33	-	-	-	-	3४1.65५ 100.00
	कार्यालयी	3४1.25५ 3.75	-	-	-	-	-	5४2.01४ २५.50	8४3.33५ 100.00
	घरेलू	-	2४0.85५ 9.52	9४3.85४ 42.86	7४2.99५ 33.33	3४1.28४ 14.29	-	-	21४8.93५ 100.00
हाई-स्कूल	शिक्षक	2४1.09५ 10.53	4४2.19५ 21.05	4४2.19५ 21.05	1४0.55५ 5.26	1४0.55५ 5.26	-	7४3.85५ 36.84	19४10.4५ 100.00
	कार्यालयी	4४1.67५ 16.67	5४2.00५ 20.83	2४0.83५ 8.33	1४0.42५ 4.17	1४0.42५ 4.17	-	11४4.58५ 45.83	24४10.00 100.00
	घरेलू	4४1.71५ 10.81	2४0.85५ 5.41	21४8.97५ 56.76	6४2.56५ 16.22	1४0.43५ 2.70	-	3४1.28५ 8.11	37४15.91५ 100.00
इण्टर-	शिक्षक	3४1.65५ 10.34	4४2.19५ 13.79	8४4.39५ 27.59	1४0.55५ 3.45	2४1.09५ 6.89	-	11४6.04५ 37.93	29४15.93५ 100.00
	कार्यालयी	3४1.28५ 7.50	7४2.92५ 17.50	8४3.33५ 20.00	-	-	-	22४9.17५ 55.00	40४16.67५ 100.00
	घरेलू	-	1४0.43५ 36.37	1६४6.84५ 53.33	4४1.71५ 13.33	3४1.28५ 10.00	-	6४2.56५ 20.00	30४12.9५५ 100.00
स्नातक	शिक्षक	7४3.85५ 13.46	11४6.04५ 21.15	6४3.29५ 11.54	2४1.09५ 3.85	6४3.29५ 11.54	-	20४10.99५ 38.46	52४28.57५ 100.00
	कार्यालयी	8४3.33५ 12.50	40४16.67५ 62.50	5४2.09५ 7.81	2४0.83५ 3.13	-	-	9४3.75५ 14.06	64४2६.67५ 100.00
	घरेलू	1४0.43५ 1.96	1४0.43५ 1.96	22४9.40५ 43.14	1४0.43५ 1.96	7४2.99५ 13.33	-	19४५.12५ 37.25	51४21.79५ 100.00
स्नात - कोत्तर	शिक्षक	7४3.35५ 9.33	10४५.49५ 13.33	14४7.69५ 19.67	2४1.09५ 2.67	3४1.65५ 4.00	-	39४21.43५ 52.00	75४41.21५ 100.00
	कार्यालयी	-	3४1.25५ 2.94	10४4.17५ 9.80	2४0.83५ 1.96	-	-	87४36.25५ 85.29	102४42.50५ 100.00
	घरेलू	-	4४1.71५ 6.89	-	-	-	-	54४23.08५ 93.10	58४24.79५ 100.00
जी.फिल.	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	4४2.19५ 100.00	4४2.19५ 100.00
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	2४0.83५ 100.00	8४0.83५ 100.00
	घरेलू	-	-	-	-	-	-	2४0.95५ 100.00	2४0.85५ 100.00
योग	शिक्षक	19४10.44५	31४17.03५	33४18.13५	6४3.29५	12४6.59५	-	81४44.51५	182४100.४५
	कार्यालयी	18४7.50५	55४22.92५	25४10.42५	5४2.09५	1४0.42५	-	136४५6.67५	240४100.४५
	घरेलू	15४6.41५	18४7.69५	87४35.04५	19४8.12५	14४५.98५	-	86४36.75५	234४100.४५

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन :-

सारिणी संख्या 14.9 में दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं के तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा। सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष का ही अन्तराल रखा। दूसरे व तीसरे बच्चों के मध्य लगभग 10% शिक्षक, 8% कार्यालयी एवं 6% घरेलू महिलाओं ने एक वर्ष जन्म - अन्तराल रखा। दो वर्ष जन्म - अन्तराल लगभग 17% शिक्षक, 23% कार्यालयी एवं 8% घरेलू महिलाओं ने जन्म - अन्तराल रखा। तीन वर्ष जन्म अन्तराल लगभग 18% शिक्षक, 10% कार्यालयी एवं 35% घरेलू महिलाओं ने जन्म - अन्तराल रखा। चार एवं पाँच वर्ष का भी अन्तराल पाया गया। शिक्षक महिलाओं में लगभग 45%, कार्यालयी में 57% एवं 37% घरेलू महिलाओं के तीसरा बच्चा न होने से उत्तर नहीं दिया।

शिक्षा के अनुसार जन्म - अन्तराल का अध्ययन करने पर शिक्षक महिलाओं में कोई विशेष प्रवृत्ति नहीं पायी गयी। अधिकांशतः दो एवं तीन वर्ष अन्तराल को सर्वाधिक ने रखा। कार्यालयी महिलाओं के शैक्षिक स्तर में वृत्ति उनके दो वर्ष अन्तराल को अधिक महत्त्व देने को व्यक्त करता है। घरेलू महिलाओं में भी शिक्षा स्तर में परिवर्तन एक दो वर्ष से तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को महत्त्व देना व्यक्त करता है।

पूर्व पाठ्यार वाणी शिक्षा, कार्यलयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्त

विधेयात्मक अध्ययन

तुल्य जन्म संख्या	नोटलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
शिक्षा									
प्राथमिक	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	20.95 11.76	20.85 11.76	-	-	31.28 17.65	-	10.41 58.82	17.71 100.00
उत्तमरी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	10.43 5.56	10.43 5.56	-	10.43 5.56	31.28 16.67	-	12.21 66.67	18.71 100.00
मौलिक	शिक्षक	-	-	21.09 66.67	10.55 33.33	-	-	-	31.65 100.00
	कार्यालयी	51.25 37.5	31.25 37.5	10.42 12.5	-	-	-	10.42 12.5	8.33 100.00
	घरेलू	20.95 9.52	20.85 9.52	10.43 4.76	10.43 4.76	10.43 4.76	-	14.59 66.67	21.89 100.00
उत्तमरी	शिक्षक	21.09 10.53	21.09 10.53	11.60 57.79	-	21.09 10.53	-	21.09 10.53	19.10 100.00
	कार्यालयी	11.45 45.83	8.33 33.33	20.83 8.33	-	-	-	31.25 12.5	24.10 100.00
	घरेलू	20.95 5.41	5.14 13.51	20.95 5.41	20.95 5.41	10.43 2.70	10.43 2.70	24.10 64.86	37.15 100.00
उत्तमरी	शिक्षक	10.55 3.45	4.19 13.79	9.45 31.03	21.09 6.99	5.27 17.24	8.43 27.59	-	29.15 100.00
	कार्यालयी	6.25 15.00	9.75 22.50	8.33 20.00	7.29 17.5	6.25 15.00	-	4.16 10.00	40.16 100.00
	घरेलू	10.43 3.33	20.85 6.67	31.28 10.00	5.14 16.67	31.28 10.00	-	16.84 53.33	30.12 100.00
स्नातक	शिक्षक	-	5.27 9.68	38.20 73.08	4.19 7.69	3.65 5.77	2.09 3.85	2.09 3.85	52.28 100.00
	कार्यालयी	9.75 14.06	21.87 32.81	27.11 42.19	20.83 3.13	5.20 7.81	-	-	64.26 100.00
	घरेलू	10.43 1.96	7.29 13.73	5.14 9.80	10.43 1.96	10.43 1.96	4.71 7.84	32.13 62.75	51.21 100.00
स्नातक	शिक्षक	14.76 18.67	20.10 26.67	29.15 38.67	-	21.09 2.67	4.19 5.33	6.29 8.00	75.41 100.00
	कार्यालयी	20.83 1.96	31.25 2.94	61.25 59.80	19.79 19.63	16.67 15.69	-	10.42 0.98	102.42 100.00
	घरेलू	10.43 1.72	6.25 10.34	5.14 8.62	31.28 5.17	6.25 10.34	-	37.15 63.79	58.24 100.00
जी.फिल.	शिक्षक	21.09 50.00	10.55 25.00	10.55 25.00	-	-	-	-	4.19 100.00
	कार्यालयी	-	-	20.83 100.00	-	-	-	-	20.83 100.00
	घरेलू	-	20.85 100.00	-	-	-	-	-	20.83 100.00
योग	शिक्षक	19.10 18.67	31.17 26.67	90.49 38.67	6.32 19.63	12.65 15.69	14.76 5.33	10.54 8.00	182.10 100.00
	कार्यालयी	31.12 1.96	44.18 2.94	101.42 59.80	28.11 19.63	27.11 15.69	-	9.38 0.98	240.10 100.00
	घरेलू	10.44 1.72	27.11 10.34	16.84 8.62	13.55 5.17	19.76 10.34	5.14 -	14.59 63.79	234.10 100.00

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 15.0 में विभिन्न पूर्ण परिवार वाली महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का अध्ययन प्रदर्शित है।

अध्ययन से स्पष्ट है कि लगभग 5% शिक्षक, 4% कार्यालयी एवं 62% घरेलू महिलाओं ने इस सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया है फलतः 95% शिक्षक, 96% कार्यालयी एवं 38% घरेलू महिलाओं के दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म-अन्तराल के विचार प्रस्तुत है। शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 49% ने तीन वर्ष, 17% ने दो वर्ष, 10% ने एक वर्ष, 8% ने पाँच वर्ष से अधिक, 7% ने पाँच वर्ष एवं 3% ने चार वर्ष अन्तराल दूसरे व तीसरे के मध्य आदर्श व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 42% ने तीन वर्ष, 18% ने दो वर्ष, 13% ने एक वर्ष, 12% ने चार वर्ष एवं 11% ने पाँच वर्ष अन्तराल आदर्श बताया। घरेलू महिलाओं में इस सम्बन्ध में 62% महिलायें मौन रहीं, जो तीसरी सन्तान को आदर्श नहीं मानती है। फिर भी 38% महिलाओं में सर्वाधिक ने दो वर्ष, फिर पाँच वर्ष अन्तराल को आदर्श माना। तीन वर्ष अन्तराल को मात्र 7% ने ही महत्व दिया।

शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे सन्तान हेतु आदर्श जन्म - अन्तराल देखने पर शिक्षक महिलाओं में यह प्रवृत्ति दिखायी पड़ी कि जहाँ कम शिक्षित महिलायें एक, दो, एवं तीन वर्ष अन्तराल को महत्व देती हैं वहीं अधिक एवं उच्च शिक्षित तीन वर्ष से सर्वाधिक के साथ - साथ चार पाँच एवं पाँच से अधिक वर्ष अन्तराल को भी आदर्श व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं ने भी सर्वाधिक महत्व तीन वर्ष को आदर्श कह कर दिया है। उच्च शिक्षितों में चार - पाँच वर्ष अन्तराल की प्रवृत्ति उभरी लेकिन कोई महत्वपूर्ण नहीं। घरेलू महिलाओं में बहुत ही कम लोगो ने उत्तर दिया है। संख्या में अल्प होने पर कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

पूर्ण परिवार वाली शिशु, कार्यक्षम एवं घरेलू महिलाओं के आयु-वर्ग अंतराल के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अंतराल का

विश्लेषात्मक अध्ययन

जन्म अंतराल आयु वर्ग	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	संग्रहीत	योग
20-30	शिशु	-	-	-	-	-	-	4,82-19, 100-00	4,82-19, 100-00
	कार्याक्षम	-	-	-	-	-	-	16,86-67, 100-00	16,86-67, 100-00
	घरेलू	-	-	-	-	-	-	9,83-85, 100-00	9,83-85, 100-00
30-40	शिशु	3,81-65, 4-92	5,82-75, 8-19	4,82-19, 6-56	1,80-55, 1-64	-	-	48,826-37, 78-69	61,833-52, 100-00
	कार्याक्षम	7,82-92, 4-67	7,82-92, 4-67	8,83-33, 5-33	1,80-42, 0-67	2,80-83, 1-33	-	125,852-08, 83-33	150,862-50, 100-00
	घरेलू	3,81-28, 4-17	5,82-14, 6-94	3,81-28, 4-17	2,80-85, 2-78	2,80-85, 2-78	-	57,824-36, 79-17	72,830-77, 100-00
40-50	शिशु	4,82-19, 3-74	7,83-85, 6-54	13,87-14, 12-15	2,81-09, 1-87	-	-	81,844-51, 75-70	107,858-79, 100-00
	कार्याक्षम	7,82-92, 13-46	2,80-83, 3-85	1,80-42, 1-92	-	-	-	49,820-42, 94-23	52,821-67, 100-00
	घरेलू	7,82-99, 6-36	8,83-42, 7-27	7,82-99, 6-36	1,80-43, 0-91	-	-	87,837-18, 79-09	110,847-01, 100-00
50-60	शिशु	1,80-55, 10-00	3,81-65, 30-00	1,80-55, 10-00	1,80-55, 10-00	-	-	4,82-19, 40-00	10,83-49, 100-00
	कार्याक्षम	2,80-83, 9-09	3,81-25, 13-64	2,80-83, 9-09	-	-	-	15,86-25, 68-18	22,89-17, 100-00
	घरेलू	3,81-28, 6-98	4,81-71, 9-30	2,80-85, 4-65	1,80-43, 2-33	1,80-43, 2-33	-	32,813-68, 74-42	43,813-33, 100-00
योग	शिशु	8,84-39, 9,83-75	15,88-24, 12,80-00	18,89-89, 11,86-58	4,82-19, 1,80-42	-	-	137,875-27, 205,893-42	182,890-27, 240,890-27
	कार्याक्षम	13,85-56, 17,87-26	17,87-26, 12,85-13	12,85-13, 4,81-71	4,81-71, 3,81-28	-	-	195,879-06, 234,899-27	234,899-27, 234,899-27

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 15.1 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि 75% शिक्षक, 85% कार्यालयी एवं 80% घरेलू महिलाओं ने इस सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया है। मात्र 25% शिक्षक, 15% कार्यालयी एवं 20% घरेलू महिलाओं के तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म अन्तराल के संभव प्रदर्शित है।

शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 10% ने तीन वर्ष, 8% ने दो वर्ष, 4% ने एक वर्ष तथा मात्र 2% ने चार वर्ष अन्तराल रखा। चार से अधिक अन्तराल किसी ने भी नहीं रखा। पूर्ण परिवार की कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने दो वर्ष एवं तीन वर्ष तथा 4% ने एक वर्ष अन्तराल रखा। चार एवं पांच वर्ष अन्तराल कम ही लोगों ने रखा जिनसे कोई स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल सकता है। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक 7% ने दो वर्ष, 6% ने एक वर्ष, 5% ने तीन वर्ष, 2% ने चार वर्ष, एवं मात्र एक प्रतिशत ने पांच वर्ष अन्तराल रखा। किसी ने भी पांच से अधिक वर्ष अन्तराल नहीं रखा। इस प्रकार दो वर्ष से अधिक जन्म - अन्तराल शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू तीनों ने ही कम रखा। अधिकतर महिलाओं ने दो से कम वर्ष अन्तराल रखा।

आयु वर्ग के अनुसार देखने पर उनकी संख्या अधिकतर कम होने के कारण किसी विशेष निष्कर्ष पर नहीं पहुँचा जा सकता। हाँ इतना अवश्य रहा कि सर्वाधिक शिक्षकों, कार्यालयी महिलाओं एवं घरेलू महिलाओं ने तीन से कम वर्ष अन्तराल को अधिक महत्व दिया।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा में अनुसार तीसरे व चौथे स्तर के माध्य जन्म जनसंख्या का विभेदक अध्ययन

जन्म अंतराल	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	हागू नहीं है	योग
शिक्षा									
अशिक्षित	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	41.71%	10.43%	-	-	-	-	125.13%	177.26%
		23.53	5.97					70.59	100.00
प्राथमिकी	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	72.99%	10.43%	-	-	-	-	104.07%	187.49%
		33.89	5.56					55.56	100.00
जूनियर-हाईस्कूल	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	31.65%	31.65%
	कार्यालयी	20.83%	-	-	-	-	-	62.50	83.33%
	घरेलू	20.85%	6.17%	20.35%	-	10.47%	-	104.07%	213.97%
		9.52	28.57	9.52		4.76		47.62	100.00
हाईस्कूल	शिक्षा	21.09%	10.55%	10.55%	10.55%	-	-	147.60%	191.44%
	कार्यालयी	31.25%	20.83%	20.33%	-	-	-	177.09%	241.00%
	घरेलू	-	9.37%	20.95%	-	20.95%	-	24.10%	37.15%
			24.32	5.41		5.41		64.81	100.00
इण्टर-मीडियट	शिक्षा	21.09%	10.55%	52.75%	10.55%	-	-	70.10%	79.15%
	कार्यालयी	31.25%	10.42%	20.93%	-	-	-	34.14%	40.16%
	घरेलू	-	-	31.09%	10.43%	-	-	16.11%	31.15%
				10.00	3.33			96.67	100.00
स्नातक	शिक्षा	21.09%	52.75%	84.39%	-	-	-	3720.33%	5228.57%
	कार्यालयी	-	9.37%	-	-	-	-	5522.92%	6426.67%
	घरेलू	-	-	20.85%	10.43%	-	-	4820.51%	5121.79%
				3.92	1.96			94.12	100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षा	21.09%	10.55%	10.55%	21.09%	-	-	5932.42%	7541.21%
	कार्यालयी	10.42%	-	72.92%	10.42%	20.83%	-	9137.92%	10247.50%
	घरेलू	-	-	31.28%	20.85%	-	-	5322.65%	5824.79%
				5.17	3.45			91.38	100.00
डी.फिल.	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	42.19%	42.19%
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	20.83%	20.83%
	घरेलू	-	-	-	-	-	-	20.85%	20.85%
								100.00	100.00
योग	शिक्षा	84.39%	179.34%	1588.24%	42.19%	-	-	13775.27%	182100.7%
	कार्यालयी	93.75%	125.00%	1184.58%	180.42%	20.93%	-	20585.42%	240100.2%
	घरेलू	135.80%	177.26%	125.13%	41.71%	31.28%	-	18579.06%	234100.7%

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 15.2 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि तीसरे व 75% शिक्षक महिलाओं, 85% कार्यालयी महिलाओं, 79% घरेलू महिलाओं के तीन बच्चे हैं, अतः तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। शिक्षक महिलाओं में तीन वर्ष तथा इसके पश्चात लगभग बराबर दो वर्ष का जन्म - अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें हैं, दो एवं तीन वर्ष के बाद एक वर्ष का जन्म - अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें 4% हैं, पाँच तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म - अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें नहीं हैं। कार्यालयी महिलाओं ने भी सबसे अधिक दो तथा तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को महत्त्व दिया है, कार्यालयी महिलाओं में बहुत कम 0.83% लोगों ने पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा है। घरेलू महिलाओं में दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली घरेलू महिलायें सबसे अधिक, इसके पश्चात एक वर्ष तथा तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें हैं। घरेलू महिलाओं ने चार तथा पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें बहुत कम हैं। स्पष्ट है कि तीन वर्ष के बाद के जन्म - अन्तराल को किसी न भी महत्त्व नहीं दिया है।

विभिन्न वर्ग की महिलाओं को उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि शिक्षक महिलाओं ने प्रत्येक स्तर एक दो तथा तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को अपनाया है, कार्यालयी महिलाओं ने भी दो तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को महत्त्व दिया है।

घरेलू महिलाओं में जहाँ पहले अशिक्षितों एवं प्रथमिक स्तरीय महिलाओं ने एक वर्ष को महत्त्व दिया शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ इन्होंने भी दो तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को अधिक महत्त्व दिया है।

અધ્યાય - 6

નિષ્કર્ષ

(CONCLUSIONS)

निष्कर्ष

अपने अध्ययन तथा आवश्यक व्याख्या के उपरान्त निम्नलिखित निष्कर्षों पर पहुँचते हैं -

परिवार नियोजन से सहमति एवं असहमति

शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से सहमति एवं असहमति देखने पर यह पाया गया कि 98.95% सहमत एवं मात्र 1.05% असहमत महिलाएँ हैं। आयु के अनुसार मात्र 40-50 आयु वर्ग की एक प्रतिशत एवं 50-60 आयु वर्ग की लगभग 6% शिक्षक महिलाओं को छोड़कर शेष सभी सहमत पायी गई। इन महिलाओं का उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर उच्च शिक्षितों में सहमत का उच्च स्तर पाया गया। विवाहिक स्थिति के अनुसार विवाहित 99% एवं अविवाहित शत प्रतिशत सहमत हैं। धर्मानुसार हिन्दुओं एवं ईसाईयों में शत प्रतिशत सहमति एवं मुसलमानों एवं सिक्ख धर्माभ्यासियों में अपेक्षाकृत कुछ कम सहमति देखी गई।

परिवार नियोजन के विचार से सहमति के कारणों को देखने पर लगभग 37% बच्चों के अच्छे पालन पोषण के लिए, 27% आर्थिक कारणों से, 19% महिलाओं के सुखी जीवन के विचार से एवं 18% जनसंख्या के विचार से शिक्षक महिलाएँ सहमत पायी गईं। असहमत होने के कारणों के अनुसार मात्र अल्प शिक्षक महिलाओं ने इसे धर्म के विरुद्ध, महिलाओं के लिए हानिकारक एवं सन्तोषजनक सुरक्षात्मक विधि की अनुपलब्धता बताया।

89% शिक्षक महिलाओं के स्वयं के विचार से शिक्षक वर्ग परिवार नियोजन कार्यक्रम को जन कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। शेष 11% ने इसके विरुद्ध विचार प्रकट किये। लगभग 96% शिक्षक महिलाओं ने जनसंख्या शिक्षा को पाठ्यक्रम में समावेश की स्वीकृत प्रदान की शेष 4% ने अस्वीकृति दी है। जनसंख्या शिक्षा के प्रदान करने के शैक्षिक स्तर के सम्बन्ध में सर्वाधिक महिलाओं ने हाई स्कूल एवं इससे अधिक शैक्षिक स्तर से शुरू करने की स्वीकृत दी है। परिवार नियोजन कार्यक्रम की निरुत्साहित करने वाले लोगों को 80% शिक्षक महिलाओं

ने दण्ड की स्वीकृति दी है जबकि शेष 20% ने इसे अनुचित माना है।

परिवार नियोजन की वांछनीयता एवं शिक्षक महिलाओं द्वारा परामर्श

परिवार नियोजन की विचार धारा से लगभग 99% सहमत है। सर्वेक्षण में देखा गया कि शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के सम्बन्ध में लोगों को परामर्श भी दिया है। प्रचार कार्य में इनका योगदान महत्वपूर्ण कहा जा सकता है। शिक्षिकाओं ने न केवल छात्रों को वरन जन समुदाय मित्रों एवं सम्बन्धियों को भी परामर्श दिया है। न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 77% ने छात्रों को परामर्श दिया है। इसमें प्रत्येक आयु वर्ग एवं शैक्षिक स्तर की महिलाओं का योगदान है। परिवार नियोजन की वांछनीयता के सम्बन्ध में परामर्श देने का कार्यक्रम शिक्षित शिक्षिकाओं में कम एवं अधिक शिक्षितों में अधिक देखा गया है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 61% शिक्षक महिलाओं ने अपने सम्बन्धियों एवं मित्रों को भी परिवार नियोजन की वांछनीयता के सम्बन्ध में उचित परामर्श दिया है। इसमें प्रत्येक आयु वर्ग एवं शैक्षिक स्तर की शिक्षिकाएँ हैं।

परिवार नियोजन की वांछनीयता के सम्बन्ध में शिक्षक महिलाओं ने जनसमुदाय को भी परामर्श दिया है। न्यादर्श की लगभग 66% शिक्षिकाओं ने जनसमुदाय को उचित परामर्श दिया है।

उपर्युक्त मुख्य तथ्यों से स्पष्ट है कि शिक्षक महिलाओं ने सर्वाधिक छात्रों को, उसके बाद जनसमुदाय को एवं सम्बन्धियों तथा मित्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता के सम्बन्ध में उचित परामर्श दिया है। छात्रों को सर्वाधिक परामर्श उनके सन्निकटता का परिचायक है, लेकिन अपने परिधि से निकल कर जनसमुदाय, मित्रों एवं सम्बन्धियों को भी जनसंख्या, एवं परिवार नियोजन की वांछनीयता को स्पष्ट करके समाज में अपनी विशिष्टता एवं उपयोगिता को सिद्ध एवं सार्थक किया है। परिवार नियोजन के विचारों को समाज के आदर्शों के प्रतिमूर्ति इन शिक्षक महिलाओं ने प्रसारित एवं प्रचारित कर नियोजन कार्य में अपने अस्तित्व को भी स्पष्ट किया है।

जनसंख्या से कम है। वास्तव में पृथ्वी पर लगभग हर सातवाँ व्यक्ति भारतीय है।^x 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। 1941 में जनसंख्या 31.9 करोड़ थी जो कि 1971 में 54.8 करोड़ हो गयी और वृद्धि इस प्रकार 22.9 करोड़ हुई। 1901 भारत की कुल जनसंख्या लगभग 23.8 करोड़ थी। 1971-81 के दशक में भारत की जनसंख्या में 13.6 करोड़ वृद्धि हुई। 1971-1981 के दशक में भारत में जनसंख्या की दरअसल वृद्धि की दर से लगभग पाँच गुनी है जो वृद्धि की दर भारत में ही वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में थी। 1971-1981 के दशक में भारत की जनसंख्या की दर दुनिया की 1900-1950 की वृद्धि की दर का $2\frac{1}{2}$ गुना रही है।

जनसंख्या वृद्धि की दर केवल जन्म और मृत्यु दर पर ही निर्भर करती है। जन्म दर और मृत्यु दर का शुद्ध शेष ही वृद्धि दर के लगभग बराबर हो जायेगा। जन्म दर तथा मृत्यु दर के तेजी से बढ़ते हुए अन्तर के कारण जनसंख्या की वृद्धि की दर विस्फोटक आकार में बढ़ती रही है जिसके जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पैदा हो गयी। अब हमारे सम्मुख प्रश्न है कि प्रजननता क्या है। "प्रजननता" से आशय स्त्रियों द्वारा पैदा किये जाने वाले जीवित शिशुओं की वास्तविक संख्या है। प्रजननता की आधारभूत धारणा एक जनसंख्या की उपलब्धि का वह वास्तविक स्तर है जो वास्तव में होने वाले जीवित शिशु - जन्म की संख्या पर आधारित है। प्रजननता (Fertility) बहुप्रजना (Fecundity) से सर्वथा भिन्न है। बहु प्रजना (Fecundity) स्त्रियों के अधिकतम शिशु पैदा करने की भौतिक

*Population of India & Pakistan - Devis Kingsley

लगभग 30% ने 22 वर्ष आदर्श माना है। 23 वर्ष को 10% एवं 24 वर्ष को 15% शिक्षक महिलाओं ने उचित एवं आदर्श माना है। शिक्षक महिलाओं ने कम आयु में विवाह को आदर्श नहीं माना है। और न प्रोत्साहित किया है। 20 से नीचे आयु में विवाह 8% ने, 20 वर्ष को 18% ने एवं 21 वर्ष को 15% ने उचित एवं आदर्श माना है। 24 वर्ष से अधिक आयु में विवाह को शिक्षिकाओं ने स्वीकृति नहीं दिया है।

अध्ययन में यह देखा गया कि स्नातकोत्तर स्तरीय एवं अन्य शैक्षिक स्तरीय सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 20-24 आयु के मध्य विवाह एवं डी० फिल० स्तरीय ने सर्वाधिक शिक्षिकाओं ने 22 वर्ष आयु में विवाह आदर्श माना है। निश्चित रूप से आदर्श विवाह आयु बढ़ने पर शिक्षक महिलाओं के प्रजननता व्यवहार के नये प्रतिमानों की स्थापना होगी।

लड़को हेतु आदर्श विवाह आयु शिक्षक महिलाओं ने अलग ही व्यक्त किया है। सर्वाधिक लगभग 53% शिक्षिकाओं ने 26 वर्ष आदर्श विवाह आयु लड़को हेतु उचित माना है। 27 वर्ष को 20% ने एवं 28 वर्ष को 12% ने उचित माना है इसमें सर्वाधिक शिक्षिकाओं 30-40 आयु वर्ग की है। मात्र 2% ने 21 वर्ष आयु को विवाह हेतु आदर्श आयु माना है। स्नातकोत्तर शिक्षिकाओं को 26 वर्ष आयु उचित माना है। स्नातक शिक्षिकाओं में भी सर्वाधिक क्रमशः 26, 27 तब 28 वर्षायु को उचित माना है। सर्वाधिक शिक्षित डी० फिल० स्तरीय ने 26 एवं 27 वर्ष को आदर्श माना है। जू० हा० स्कूल स्तरीय ने 23 एवं हाई स्कूल स्तरीय ने 24 वर्षायु में विवाह उचित माना है।

शिक्षक महिलायें एवं उनके परिवार का आकार

अध्ययन में 20% महिलायें अविवाहित एवं शेष 80% अविवाहित पायी गई। लगभग 7% विवाहित महिलाओं के सर्वेक्षण समय तक एक भी सन्तान नहीं थी। इस प्रकार शेष 73% शिक्षक महिलाओं के परिवार आकार में सबसे कम एक शिशु 12%, दो शिशु 30%, तीन शिशु 19%, चार शिशु 9%, पांच शिशु 3% एवं पांच से अधिक मात्र 1.52% शिक्षक महिलाओं के पाया गया। सर्वाधिक 30%

जनसंख्या से कम है। वास्तव में पृथ्वी पर लगभग हर सातवाँ व्यक्ति भारतीय है।^x 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। 1941 में जनसंख्या 31.9 करोड़ थी जो कि 1971 में 54.8 करोड़ हो गयी और वृद्धि इस प्रकार 22.9 करोड़ हुई। 1901 भारत की कुल जनसंख्या लगभग 23.8 करोड़ थी। 1971-81 के दशक में भारत की जनसंख्या में 13.6 करोड़ वृद्धि हुई। 1971-1981 के दशक में भारत में जनसंख्या की दरउस वृद्धि की दर से लगभग पाँच गुनी है जो वृद्धि की दर भारत में ही वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में थी। 1971-1981 के दशक में भारत की जनसंख्या की दर दुनिया की 1900-1950 की वृद्धि की दर का $2\frac{1}{2}$ गुना रही है।

जनसंख्या वृद्धि की दर केवल जन्म और मृत्यु दर पर ही निर्भर करती है। जन्म दर और मृत्यु दर का शुद्ध शेष ही वृद्धि दर के लगभग बराबर हो जायेगा। जन्म दर तथा मृत्यु दर के तेजी से बढ़ते हुए अन्तर के कारण जनसंख्या की वृद्धि की दर विस्फोटक आकार में बढ़ती रही है जिसके जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पैदा हो गयी। अब हमारे सम्मुख प्रश्न है कि प्रजननता क्या है। "प्रजननता" से आशय स्त्रियों द्वारा पैदा किये जाने वाले जीवित शिशुओं की वास्तविक संख्या है। प्रजननता की आधारभूत धारणा एक जनसंख्या की उपलब्धि का वह वास्तविक स्तर है जो वास्तव में होने वाले जीवित शिशु - जन्म की संख्या पर आधारित है। प्रजननता (Fertility) बहुप्रजना (Fecundity) से सर्वथा भिन्न है। बहु प्रजना (Fecundity) स्त्रियों के अधिकतम शिशु पैदा करने की भौतिक

*Population of India & Pakistan - Devis Kingsley

द्वितीय एवं तृतीय शिक्षा के मध्य सर्वाधिक लगभग 20% शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल रखा है। इसमें लगभग 32% शिक्षिकाओं के ही प्राथमिक समक इकट्ठे हैं जो विभिन्न आयु वर्ग एवं शैक्षिक स्तर को धारण करते हैं।

तृतीय एवं चतुर्थ शिक्षा के मध्य 13% शिक्षिकाओं में सर्वाधिक लोगों ने 3 वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया है। इसमें स्नातकोत्तर सर्वाधिक है। डी० फिल० स्तरीय शिक्षिकाओं के एक या दो ही शिक्षा होने के कारण उनके मध्य अन्तराल के प्रश्न का औचित्य ही नहीं उठता है।

आदर्श जन्म - अन्तराल

अध्ययन में देखा गया कि प्रत्येक आयु की महिलाओं ने विवाह एवं प्रथम शिक्षा के मध्य कम से कम जन्म - अन्तराल आदर्श माना है। लगभग 50% ने एक वर्ष एवं 26% ने 2 वर्ष तथा मात्र 6% ने 3 एवं अधिक अन्तराल को आदर्श माना है। सर्वाधिक स्नातकोत्तर शिक्षिकाओं में अधिकांशतः 25% ने एक वर्ष एवं 13% ने दो वर्ष अन्तराल आदर्श माना है।

प्रथम एवं द्वितीय शिक्षा के मध्य जन्म - अन्तराल सर्वाधिक लगभग 45% ने तीन वर्ष एवं 29% ने दो वर्ष आदर्श माना है। इसमें सर्वाधिक स्नातकोत्तर स्तरीय शिक्षिकाओं में सर्वाधिक ने 3 वर्ष एवं डी० फिल० स्तरीय शिक्षिकाओं में दो वर्ष जन्म - अन्तराल आदर्श माना है।

द्वितीय एवं तृतीय शिक्षा के मध्य सर्वाधिक लोगों ने तीन वर्ष जन्म - अन्तराल उचित एवं आदर्श माना है। इसमें लगभग 50% शिक्षिकाएँ हैं, जो प्रत्येक आयु वर्ग एवं शैक्षिक स्तर की हैं।

शिक्षक महिलाएँ पूर्ण परिवार

न्यादर्श की समस्त 855 शिक्षक महिलाओं में 182 ऐसी महिलाएँ हैं। जिनका परिवार पूर्ण हो चुका है। इन शिक्षक महिलाओं के प्रजननता सम्बन्धी व्यवहार इस प्रकार है -

परिवार नियोजन की वांछनीयता सम्बन्धी परामर्श

समस्त 182 पूर्ण परिवार की महिलाओं में लगभग 40% ने छात्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता सम्बन्धी उचित परामर्श दिया है शेष ने परामर्श नहीं दिया है। छात्रों के साथ यह प्रवृत्ति देखी गयी कि शिक्षक महिलाओं की आयु बढ़ने के साथ - साथ परामर्श देने की प्रवृत्ति में कमी हो आयी। जू0 डा0 स्कूल एवं डि0 फ़िन0 स्तरीय शिक्षिकाओं में सर्वाधिक ने परामर्श दिया लेकिन अन्य शैक्षिक स्तरीय शिक्षिकाओं में अधिकांशतः लोगों ने परामर्श नहीं दिया है।

सम्बन्धी एवं मित्रों को 62% ने परामर्श दिया। शेष 38% शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया। मात्र 50-60 आयु वर्ग को छोड़कर। शेष सभी आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं में अधिकांशतः लोगों ने परामर्श दिया है। इसमें सभी शैक्षिक स्तर की महिलायें सम्मिलित हैं। डी0 फ़िन0 स्तरीय शत - प्रतिशत ने परामर्श दिया है।

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में लगभग 69% ने जनसमुदाय को भी परामर्श दिया है। शेष 31% ने परामर्श नहीं दिया। इसमें सभी आयु वर्ग की शिक्षिकायें सम्मिलित हैं।

मात्र छात्रों को छोड़कर शेष सम्बन्धी - मित्रों एवं जनसमुदाय को परिवार नियोजन की वांछनीयता सम्बन्धी परामर्श में यह देखा गया कि शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या में भी वृद्धि हुई है। लेकिन छात्रों के साथ ठीक विपरीत प्रवृत्ति देखी गयी।

विवाह आयु

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 60% की विवाह आयु 21-25 वर्ष में पायी गयी। 21 से कम आयु में विवाहित मात्र 5% शिक्षिकायें ही पाई गईं। 25-30 आयु में लगभग 26% एवं 30 से अधिक आयु में भी विवाहित

लगभग 7% शिक्षक महिलायें पाई गयीं। 21-25 आयु में विवाहित सर्वाधिक स्नातकोत्तर महिलायें रही। अन्य शैक्षिक स्तर में भी यही आयु वर्ग सर्वाधिक पाया गया।

आदर्श विवाह आयु

पूर्ण परिवार की सर्वाधिक 45% शिक्षक महिलाओं ने लड़कों के लिए आदर्श विवाह आयु 26 वर्ष आयु उचित आदर्श बताया है। इसमें सर्वाधिक शिक्षिकायें 30-40 एवं 40-50 आयु वर्ग से सम्बन्धित हैं। जो विभिन्न शैक्षिक स्तर की शिक्षक महिलायें हैं। डी० फिल० स्तरीय अधिकांश शिक्षिकाओं ने 28 वर्ष को आदर्श विवाह आयु कहा।

लड़कियों के लिए 30-40 आयु वर्ग की सर्वाधिक शिक्षिकाओं ने 20 एवं 22 वर्ष उचित कहा। 40-50 आयु वर्ग ने भी 20, 21 एवं 23 वर्ष उचित रखा। लेकिन 50-60 आयु वर्ग में सर्वाधिक महिलाओं ने 18 वर्ष ही आदर्श रखा। वस्तुतः सर्वाधिक लोगों ने 22 वर्ष ही आदर्श कहा है। इसमें उच्च शिक्षित सर्वाधिक हैं।

परिवार आकार

पूर्ण परिवार की सर्वाधिक लगभग 35% ने 2 बच्चे एवं 31% शिक्षक महिलाओं ने 3 बच्चे के परिवार आकार को महत्व दिया। मात्र 1 बच्चे को 9% ने ही महत्व दिया। जिन्होंने अधिक बच्चों को परिवार आकार में सम्मिलित किया। ऐसे लोगों का प्रतिशत 25 है कम आयु की महिलाओं में कम १ 2 बच्चे १ एवं अधिक आयु की महिलाओं में 3 बच्चों के महत्व की प्रवृत्ति देखी गयी। शिक्षा के अनुसार भी जैसे - जैसे शैक्षिक स्तर में वृद्धि हुई परिवार आकार कुछ सिमटता सा दिखायी पड़ा।

आदर्श परिवार आकार

आदर्श परिवार में पूर्ण परिवार की सर्वाधिक 69% शिक्षक महिलाओं ने 2 बच्चे को ही उचित कहा। 1 बच्चे को 13% ने एवं 2 से अधिक को 18% ने

ही उचित कहा। इसमें प्रत्येक शिक्षक स्तर एवं आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें हैं।

शिक्षण जन्म - अन्तराल

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में देखा गया कि दीर्घकालीन शैक्षणिक जीवन के बाद वे भी विवाह के बाद यथा शीघ्र सन्तान चाहती हैं। एक वर्ष अन्तराल जहाँ 42% ने रखा वहीं 2 वर्ष अन्तराल 41% ने रखा।

प्रथम एवं द्वितीय सन्तान के मध्य दो एवं तीन वर्ष, द्वितीय एवं तृतीय तथा तृतीय एवं चतुर्थ के मध्य सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 3 एवं 2 वर्ष जन्म अन्तराल रखा। इसमें 50-60 एवं 40-50 आयु वर्गीय सर्वाधिक एवं प्रत्येक शिक्षक स्तर की शिक्षक महिलायें हैं।

आदर्श शिक्षा - जन्म - अन्तराल

पूर्ण परिवार वाली विभिन्न शिक्षक महिलाओं ने विवाह एवं प्रथम शिक्षण के मध्य 2 वर्ष के अन्तराल को आदर्श सर्वाधिक लगभग 57% महिलाओं ने माना है। एक वर्ष को भी लगभग 24% ने आदर्श रखा। लेकिन प्रथम एवं द्वितीय सन्तान के मध्य तथा द्वितीय तथा तृतीय सन्तान के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष आदर्श व्यक्त किया।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं का विभेदात्मक अध्ययन

शोध कार्य में शिक्षक महिलाओं के प्रजननता व्यवहार के साथ - साथ कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं को भी विभेदात्मक अध्ययन किया गया है। समाज में आदर्श स्वरूप शिक्षक महिलायें एवं कार्यालयी, महिलाओं तथा घरेलू महिलाओं के जनानिकी विचार शोध को नयी दिशा देते हैं। 855 शिक्षक महिलाओं के साथ - साथ 792 कार्यालयी एवं 856 घरेलू महिलाओं के सम्बन्ध में प्राथमिक तमक एकत्रित किये गये।

परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में लोगों के परामर्श देने के सम्बन्ध में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के विचार देखने पर यह पाया

गया कि शिक्षकों ने इस क्षेत्र में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महिला शिक्षकों ने न केवल छात्रों को वरचु मित्रों व सम्बन्धियों तथा जनसमुदाय को भी परामर्श दिया है जबकि अन्य महिलाओं से छात्रों को परामर्श का औचित्य ही नहीं उठता। मित्रों एवं सम्बन्धियों को भी सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है। सबसे कम लगभग 42% कार्यालयी महिलाओं ने मित्रों व सम्बन्धियों को परामर्श दिया है। प्रत्येक शिक्षक स्तर की शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है जबकि यह प्रवृत्ति कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में अधिक शिक्षितों में देखी गयी। यद्यपि शिक्षक महिलाओं में प्रत्येक आयु की महिलाओं ने परामर्श दिया है लेकिन 20-30 आयु वर्ग में घरेलू महिलायें अधिक हैं। जनसमुदाय को भी सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने एवं सबसे कम लगभग 38% कार्यालयी महिलाओं ने परामर्श दिया है। शिक्षा के स्तर वृद्धि के साथ परामर्श दाताओं की संख्या वृद्धि जुड़ी पायी गयी।

विवाह - आयु के सम्बन्ध में भी विभेदात्मक अध्ययन किया गया। सर्वोच्चतम सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं की विवाह आयु 21-25 वर्ष जबकि सर्वाधिक घरेलू महिलाओं की 18-21 वर्ष पायी गयी। कम आयु में विवाहित अपेक्षाकृत उच्च शिक्षित नहीं पायी गईं। 21-25 आयु में विवाहित अधिक शिक्षित महिलायें देखी गईं। कार्यालयी एवं शिक्षक महिलाओं में पाया गया कि निम्न स्तरीय शिक्षा शीघ्र विवाह प्रवृत्ति एवं उच्च शिक्षा विलम्ब विवाह को प्रोत्साहित करती है। घरेलू महिलाओं में भी देखा गया लेकिन स्पष्टतया नहीं।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने विवाह की आदर्श आयु के सम्बन्ध में विभिन्न विचार प्रकट किये हैं। लड़कियों हेतु सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 22 वर्षायु, सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने 24 वर्षायु एवं सर्वाधिक घरेलू महिलाओं ने 20 वर्षायु, आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया है। शिक्षा का कार्यालयी एवं शिक्षक महिलाओं पर पड़े प्रभाव अपेक्षाकृत घरेलू महिलाओं के अधिक पाया गया। शिक्षक महिलाओं ने लड़कियों हेतु 18 से कम से या 25 वर्ष आयु के बाद विवाह आदर्श नहीं माना है। कार्यालयी महिलाओं ने भी शीघ्र विवाह

को आदर्श नहीं माना है। 24 वर्षायु को सर्वाधिक एवं सबसे भी 20-30 की अधिकतर महिलाओं ने आदर्श व्यक्त किया है। लगभग प्रत्ये आयु - वर्ग की घरेलू महिलाओं ने शीघ्र ॥ सर्वाधिक ने 20 वर्षायु ॥ विवाह को आदर्श महत्व दिया है।

लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु के सम्बन्ध में शिक्षक महिलाओं ने सबसे अधिक 26 वर्ष को, कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्ष को तथा घरेलू महिलाओं ने 25 वर्ष माना है। शैक्षिक स्तर के अनुसार जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाओं को छोड़कर शेष सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं में शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु में वृद्धि दिखायी पड़ी है। घरेलू महिलाओं में उच्च शिक्षित महिलाओं ने 23 वर्ष से कम आयु को आदर्श नहीं माना है। लगभग 61% घरेलू महिलाओं ने 25-26 वर्ष को आदर्श माना है। आयु वर्ग के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि 20-30 आयु वर्ग में मात्र घरेलू महिलाओं को छोड़कर किसी ने भी 21 वर्ष से कम आयु को आदर्श नहीं माना है। सभी आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने 26 वर्ष को ही आदर्श माना है जबकि कार्यालयी महिलाओं में अधिक आयु वर्ग की महिलाएँ कम आयु को आदर्श मानती हैं। घरेलू महिलाओं में 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं को छोड़कर शेष सभी विवाह की आदर्श आयु अधिक चाहती हैं।

परिवार आकार के सम्बन्ध में पाया गया कि सर्वाधिक महिलाओं का परिवार आकार दो शिशु का है। लगभग 12% शिक्षक महिलाओं का परिवार आकार एक शिशु, 30% के दो शिशु एवं 19% के तीन शिशु पाया गया। कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में भी ठीक यही प्रवृत्ति पायी गई है। सभी आयु वर्ग की महिलाओं ने दो शिशु को महत्व दिया लेकिन 50-60 आयु वर्ग में दो से अधिक शिशु को महत्व प्राप्त हुआ।

सर्वाधिक लगभग 80% शिक्षक, 72% कार्यालयी एवं 71% घरेलू महिलाओं ने आदर्श परिवार आकार में दो शिशु आदर्श व्यक्त किया। शिक्षिकाओं की तुलना में लगभग तीन गुनी कार्यालयी महिलाओं ने एक सन्तान को आदर्श माना।

तीन से अधिक को भी मात्र कार्यालयी महिलाओं को छोड़कर अन्य ने महत्व दिया। शैक्षिक स्तर में वृद्धि ने शिक्षक महिलाओं को तीन से दो शिक्षा की ओर प्रेरित किया। कार्यालयी महिलायें शीघ्र एवं कम शिक्षा को अधिक महत्व देती पायी गई। युवा महिलाओं में दो शिक्षा के आदर्श आकार को महत्व अधिक देते पाया गया। बच्चों के जन्म के सम्बन्ध में जन्म - अन्तराल का भी अध्ययन किया गया। विवाह एवं प्रथम शिक्षा के मध्य प्रत्येक वर्गीय महिलाओं ने कम ही अन्तराल रखने का प्रयत्न किया है। यद्यपि एक वर्ष अन्तराल सभी आयु - वर्ग की महिलाओं ने अपनाया लेकिन शिक्षक महिलाओं में प्रत्येक आयु वर्ग ने 20-30 एवं 30-40 आयु वर्ग की कार्यालयी महिलाओं ने, एवं मात्र 50-60 आयु वर्ग को छोड़कर सभी घरेलू महिलाओं ने एक वर्ष को महत्व दिया है। आदर्श जन्म - अन्तराल सर्वाधिक महिलाओं ने एक वर्ष ही व्यक्त किया है। एक के बाद दो वर्ष अन्तराल को ही सर्वाधिक महत्व दिया है।

प्रथम एवं द्वितीय शिक्षा के मध्य जन्म - अन्तराल जहाँ सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष रखा वहीं कार्यालयी ने दो एवं घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष अन्तराल रखा। शिक्षा - स्तर में वृद्धि ने शिक्षक महिलाओं के तीन वर्ष अन्तराल को अधिक बल प्रदान किया। इसमें प्रौढ़ महिलायें अधिक हैं। आदर्श अन्तराल सभी ने तीन वर्ष व्यक्त किया है लेकिन इसमें घरेलू महिलायें सर्वाधिक एवं शिक्षक महिलायें कम रही। कार्यालयी महिलाओं ने तीन एवं इससे कम अन्तराल आदर्श कहे जबकि घरेलू एवं शिक्षक महिलाओं ने तीन एवं तीन से अधिक आदर्श व्यक्त किये। 20-30 आयु वर्ग की सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल को आदर्श कहा जिसमें शिक्षक अपेक्षाकृत कम हैं।

द्वितीय एवं तृतीय शिक्षा के मध्य जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल रखा, जबकि कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष। इनके शैक्षिक स्तर में वृद्धि शिक्षिकाओं के दो से तीन वर्ष अन्तराल कार्यालयी महिलाओं के एक से दो वर्ष अन्तराल एवं घरेलू महिलाओं के एक - दो से तीन वर्ष अन्तराल की ओर अंतरण स्पष्ट करता है। आदर्श अन्तराल के विचार वास्तविकता से भिन्न हैं। सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने तीन

वर्ष एवं घरेलू ने दो वर्ष ही आदर्श व्यक्त किया है।

तृतीय एवं चतुर्थ शिक्षा के मध्य जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में चौथे शिक्षा हेतु यद्यपि 14% शिक्षक महिलाओं ने, 10% कार्यालयी ने, एवं 23% घरेलू महिलाओं ने उत्तर दिया है फिर भी इसमें सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू ने तो तीन वर्ष अन्तराल रखा और सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष। तृतीय एवं चतुर्थ सन्तान हेतु आदर्श जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में लगभग सभी मौन ही रहे जो उनके प्रजननता व्यवहार को स्पष्ट करता है।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें : पूर्ण परिवार

आदर्श की 855 शिक्षक महिलाओं में पूर्ण परिवार की 182, 792 कार्यालयी महिलाओं में 240, एवं 856 घरेलू महिलाओं में 234 पूर्ण परिवार वाली महिलायें हैं।

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में लगभग 40% ने छात्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में परामर्श दिया है। शेष ने परामर्श नहीं दिया है। शिक्षक महिलाओं के आयु - वृद्धि के साथ परामर्श देने की प्रवृत्ति में वृद्धि देखी गई। लेकिन शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ यह प्रवृत्ति नहीं देखी गयी। छात्रों को मात्र शिक्षक महिलाओं ने ही परामर्श दिया है। अन्य लोगों के द्वारा परामर्श का औचित्य भी नहीं उठता। सम्बन्धी एवं मित्रों को परामर्श देने में शिक्षक महिलायें अग्रणी रही। कार्यालयी महिलायें भी अधिक पायी गई। लेकिन घरेलू महिलाओं में अधिक अनुपात नहीं देखा गया। युवा शिक्षक महिलाओं में परामर्श देने का कार्य अधिक देखा गया। कम शिक्षित महिलाओं में कम एवं अपेक्षाकृत उच्च स्तरीय महिलाओं में अत्यधिक परामर्श देने की प्रवृत्ति पायी गई। परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में इन महिलाओं के द्वारा जनसमुदाय को दिये गये परामर्श को देखने पर यह देखा गया कि मात्र शिक्षक महिलायें ही ऐसी सर्वाधिक हैं जिन्होंने जनसमुदाय को सहयोग दिया है। घरेलू में अपेक्षाकृत कम एवं कार्यालयी महिलाओं में अत्यधिक कम परामर्श देने की प्रवृत्ति पायी गई। युवा शिक्षक महिलाओं में परामर्श

की अधिक प्रवृत्ति तो युवा कार्यालयी महिलाओं में ठीक विपरीत स्थिति देखी गयी शिक्षक - स्तर में वृद्धि के साथ - साथ शिक्षक महिलाओं में ही परामर्श की अधिक प्रवृत्ति पायी गई।

विवाह की आयु के विभेदात्मक अध्ययन में यह देखा गया कि सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21-25 वर्ष में एवं घरेलू महिलाओं का 18-21 आयु में हुआ है। कम शिक्षित महिलाओं विशेषकर घरेलू महिलाओं का कम आयु एवं अधिक व उच्च शिक्षित विशेषकर शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं का अधिक आयु में विवाह हुआ है। निश्चित रूप से शिक्षा का विवाह आयु से सम्बन्ध स्पष्ट दिखायी पड़ता है। लड़कों हेतु आदर्श विवाह - आयु के सम्बन्ध में सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 26 एवं इससे अधिक वर्ष, कार्यालयी महिलाओं ने 28 एवं अधिक वर्ष लेकिन घरेलू महिलाओं ने 25 एवं उसे कम आयु को अधिक महत्व एवं उचित बताया। शिक्षा का आदर्श विवाह आयु पर प्रभाव पड़ता है। यह तथ्य देखने में आया। अधिक शिक्षितों ने अधिक आयु में लड़कों हेतु विवाह आदर्श बताया। लड़कियों हेतु आदर्श विवाह - आयु के सम्बन्ध में सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 20-22 वर्ष, कार्यालयी महिलाओं ने 24 वर्ष एवं घरेलू महिलाओं ने 20 वर्ष आदर्श आयु उचित बताया। कम शिक्षित महिलाओं ने लड़कियों हेतु कम आदर्श आयु व्यक्त किया जबकि अधिक उच्च शिक्षित महिलाओं ने अधिक आयु लेकिन 24 वर्ष से कम को आदर्श बताया।

परिवार के आकार के सम्बन्ध में सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने दो बच्चे, एवं घरेलू महिलाओं ने तीन बच्चों को परिवार के आकार में महत्व दिया है। एक बच्चे मात्र शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक पाये गये। उच्च शिक्षितों में परिवार आकार कम पाया गया। सर्वाधिक शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने बच्चों के परिवार आकार को आदर्श बताया। इसमें कार्यालयी एवं शिक्षक महिलायें अवेक्षकृत अधिक है। ग्रीढ़ महिलाओं में परिवार आकार अधिक उचित नहीं माना गया है। युवा घरेलू महिलायें भी कम परिवार आकार को आदर्श व्यक्त करती पायी गई। उच्च शिक्षितों ने एक एवं दो बच्चों को आदर्श बताया है, जो महत्वपूर्ण तथ्य है।

पूर्ण परिवार की विभिन्न महिलाओं के बच्चों के मध्य जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में भी अध्ययन किया गया। सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने विवाह तथा पहले शिशु जन्म के मध्य एक वर्ष, कार्यालयी एवं घरेलू ने दो वर्ष रखा है लेकिन इन्होंने आदर्श में परिवर्तित रूप उचित व्यक्त किया है। शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष लेकिन कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष उचित व्यक्त किया है। पहले व दूसरे शिशु के मध्य जन्म - अन्तराल विभिन्न महिलाओं में सर्वाधिक ने दो वर्ष रखा है। लेकिन इन्होंने आदर्श अन्तराल तीन वर्ष उचित व्यक्त किया है। दूसरे व तीसरे बच्चों के मध्य जन्म - अन्तराल सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष एवं कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष रखा है लेकिन आदर्श - अन्तराल के सम्बन्ध में शिक्षकों ने पूर्ववत् लेकिन कार्यालयी ने तीन वर्ष एवं घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष उचित माना है। इसमें उच्च शिक्षित अधिक महिलायें पायी गईं। तीसरे एवं चौथे शिशु के मध्य सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष, एवं कार्यालयी तथा घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष का अन्तराल रखा है। यद्यपि इनकी संख्या कम है फिर भी पूर्ण परिवार की होने के कारण महत्वपूर्ण है।

अध्याय - 7

सर्वेक्षण - अनुभव

(FIELD - EXPERIENCE)

सर्वेक्षण अनुभव (Field Experience)

प्रस्तुत शोध " शिक्षक महिलाओं और प्रजननता " के अनुभवगम्य अध्ययन हेतु सर्वेक्षण झलाहाबाद नगर के सदर्ग में किया गया है । 7 अगस्त 1983 से प्रारम्भ होकर 20 जुलाई 1984 में लगभग 11 महीने के अन्तराल में सर्वेक्षण अनुभव की विभिन्न परिस्थितियों से गुजरना पड़ा । सर्वेक्षण दो भिन्न चरणों में सम्पन्न हुआ । प्रथम - विद्यालयों के ग्रीष्मावकाश के पूर्व , द्वितीय ग्रीष्मावकाश के बाद । सर्वेक्षण शोध का अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग होता है । इसमें शोधकर्त्ता को विभिन्न नियमों व परिनियमों में बह होकर Investigation करना पड़ता है ।

सर्वेक्षण में पुरुष शोध कर्त्ता को अत्यधिक कठिनाइयाँ सहनी पड़ती हैं लेकिन यदि शोध कर्त्ता महिला हो तो, सर्वेक्षण अवधि में उत्पन्न हुई कठिनाइयाँ और अधिक दुष्कर रहती हैं ।

लगभग एक दशक से परिवार नियोजन एवं परिवार कल्याण सम्बन्धी कार्यक्रमों एवं घोषित सरकारी नीतियों के अनुचित क्रियान्वयन से प्रत्येक शोध कर्त्ता को क्षेत्र में परेशानी होती है । सर्वेक्षण कर्त्ता शोध एवं अनुसन्धान का सजग प्रहरी होता है लेकिन यह बात निर्भर करती है कि , सर्वेक्षण - क्षेत्र एवं न्यादर्श की क्या वस्तु स्थिति है ।

प्रजननता के विषय में किए गए सर्वेक्षण में यह देखा गया कि सामान्य लै गों के अलावा शिक्षक आदर्श वर्ग , शिक्षक महिलाओं में भी भ्रम एवं अपूर्ण धारणाएँ व्याप्त हैं । शिक्षकों एवं समाज के आदर्श वर्ग माने गए शिक्षिकाओं से ही यह आशा की जा सकती है , कि वे अवश्य सहयोग देंगे, लेकिन उनसे शोध सम्बन्धी पूर्ण जानकारीयाँ प्राप्त करना अत्यधिक कठिन कार्य है । समाज में महिलाओं की स्थिति विशेष अच्छी नहीं है । जहाँ एक ओर हम महिला वर्ष एवं महिला

संस्थानों के माध्यम से महिलाओं के उत्थान के लिए कुछ करना चाहते हैं 'वहीं' इस क्षेत्र में विपरीत तथ्य मिले । न्यादर्श की महिला शिक्षिकाओं से पूर्णतया सहयोग न मिलना इस बात की पुष्टि करता है, कि आज की महिलाओं के उत्थान में महिलायें ही बाधक हैं । विद्यालय की प्रधानाचार्याओं से अपेक्षा एवं असहयोग मिला । अपने प्रशासनिक प्रधानाचार्या के पद का दुरुपयोग करते हुए , " चलो , हटो यहाँ से । ऐसे फालतू काम के लिए मेरे पास वक्त नहीं है, कमरे में मत घुसिए निकलिये" आदि कटु व्यवहार ने स्वयं उनकी प्रजननता व्यवहार के अध्ययन में बाधा एवं शोध अध्ययन के क्षेत्र में निराशा उत्पन्न की । वस्तुतः शिक्षक महिलाओं का अध्ययन विद्यालयों में ही संभव है, और विद्यालयों में प्रधानाचार्याओं की अनुमति के बिना सर्वेक्षण कार्य होना संभव ही नहीं था । ऐसी स्थिति में किसी ऐसी महिला या शिक्षिका की खोज करके सर्वेक्षण की अनुमति एवं सर्वेक्षण प्रक्रिया का प्रारम्भ करना मेरे लिए अत्यधिक कठिन था । फिर भी आशा, विश्वास एवं धैर्य से मुझे शोध में होने वाली परेशानियों को विशेषकर महिलाओं के लिए यह समस्या स्वभाविक है , ऐसा मानकर मैं अपने कार्य में हतोत्साहित नहीं हुई ।

अध्ययन के विषय में शिक्षक महिलाओं का भी ज्ञान विशेष उल्लेखनीय नहीं रहा । प्रायः उनके अन्दर शिक्षक एवं तात्कालिक उत्पन्न हुई अज्ञानता को मैं पूर्णतया दूर नहीं कर पायी लेकिन इस मनोवृत्ति को अत्यधिक कम करने में अवश्य सफल रही, जिसके कारण शोध प्रक्रिया अप्रभावित रही । विषम परिस्थितियों के होने पर भी अधिकांशतः महिला शिक्षिकाओं ने सहयोग दिया । शिक्षिकाओं के प्रजननता व्यवहार के अध्ययन के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन हेतु कार्यालयी एवं सामान्य घरेलू महिलाओं का भी अध्ययन किया गया जिनसे अपर्याप्त सहयोग मिला ।

शोध उपाधि हेतु बिना किसी आर्थिक सहायता के अनुभवगम्य अध्ययन निश्चित रूप से दुःसह्य कार्य है । नगर के विभिन्न विद्यालयों की स्थिति में अत्यधिक विषमता है । शोध स्थल को खोजना एवं व्यय साध्य वाहन से पहुँचना

सारिणी संख्या 4 8

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
ग्रुनियर हाई स्कूल	-	480.478	280.238	-	-	-	680.708 100.00
		66.67	33.33				
हाईस्कूल	280.238	428.918	580.588	280.238	-	-	518.968 100.00
	3.92	82.35	9.80	3.92			
इण्टरमीडिएट	680.708	878.10.188	1381.528	-	-	-	1068.398 100.00
	5.66	82.08	12.26				
स्नातक	1882.118	2148.25.038	1882.118	480.478	280.238	-	2568.29.948 100.00
	7.03	83.59	7.03	1.56	0.78		
स्नातकोत्तर	2883.278	3208.37.438	6887.928	580.588	-	-	4218.49.248 100.00
	6.65	76.01	16.15	1.18			
डी०फिल०	180.128	1481.648	-	-	-	-	1581.758 100.00
	7.14	93.33					
योग	5586.438	6818.79.658	1068.12.398	1181.298	280.038	-	8558.100.88

अध्याय - 8

नीति हेतु संस्तुतियाँ

(POLICY - RECOMMENDATIONS)

नीति हेतु संस्तुतियाँ (Policy Recommendations)

शिक्षक महिलायें एवं उनके प्रजननता सम्बन्धी व्यवहार को इलाहाबाद नगर की परिधि के सम्बन्ध में अध्ययन करने पर नीति में परिवर्तन के लिए निम्न सुझाव प्रस्तावित है-

- 1- समाज में महिलाओं की शिक्षा के प्रति संकीर्ण दृष्टिकोण बदलना चाहिए तथा उनकी शिक्षा के प्रति उदार नीति अपनानी चाहिए ।
- 2- शिक्षक वर्ग , समाज का आदर्श वर्ग होने के कारण परिवार नियोजन कार्यक्रम को जनकार्यक्रम बनाने में सर्वाधिक सहयोग दे सकता है, इसमें महिला शिक्षकों का योगदान पुरुष शिक्षकों से अधिक ही हो सकता है। इसलिए शिक्षक महिलायें अपने प्रयत्नों द्वारा राष्ट्र के आर्थिक विकास के बढ़ते अवरोधों को कम कर सकती हैं। यद्यपि कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें भी अपवाद नहीं हैं, लेकिन इनका क्षेत्र कुछ सीमित अवश्य होता है।
- 3- समाज में शैक्षिक स्तर के परिणामात्मक एवं गुणात्मक स्तर में वृद्धि एवं उन्नयन हेतु प्रयत्न करना चाहिए । साथ ही, प्रौढ़ शिक्षा को भी प्रोत्साहन देना चाहिए ।
- 4- जनसंख्या शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए । इस सम्बन्ध में उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान भी अपेक्षित है।
- 5- जनसंख्या शिक्षा को पूर्व माध्यमिक स्तर या उसके पूर्व ही लागू करना चाहिए ।
- 6- शिक्षिकाओं एवं कार्यालयी महिलाओं के लिए जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ (Population education cell), Population education workshop और Population club की स्थापना, स्वायत्त संस्थाओं एवं सरकारी संस्थाओं एवं उनके नियोजकों द्वारा करना चाहिए ।

7- घरेलू महिलाओं के लिए सरकार की ओर से निःशुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, परिवार कल्याण केन्द्र, चल अस्पताल (Mobile Hospital) एवं उचित सलाह केन्द्रों की स्थापना करनी चाहिए। प्रचार एवं प्रसार का क्षेत्र विस्तृत होना चाहिए। निजी अस्पताल की स्थापना को प्रोत्साहन देना चाहिए। शिक्षिकाओं को जनसंख्या शिक्षा, परिवार कल्याण या परिवार नियोजन के विषय में अपने सम्पर्क में आने वाले लोगों को विस्तृत एवं वैज्ञानिक रूप से तथ्य बताना चाहिए। शिक्षक महिलाओं को छात्रों को बताने में उचित सन्तुलन एवं विवेकपूर्वक काम करना चाहिए। परिवार कल्याण कार्यक्रमों के प्रति शिक्षक महिलाएँ आदर्श परिवार के विषय में जानकारी देकर, बढ़ते आर्थिक भार को स्पष्ट करके एवं गिरते स्वास्थ्य को बताकर लोगों की अभिरूचि बढ़ा सकती हैं।

8- परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत आवश्यक शिशु विहीन महिलाओं को वैज्ञानिक एवं चिकित्सीय सहायता उपलब्ध करानी चाहिए।

9- प्राथमिक परिवार कल्याण केन्द्रों पर उचित व्यवस्था होनी चाहिए। चिकित्सकों, नर्सों, सेविकाओं की संख्या में वृद्धि तथा प्रचार हेतु अधिक साधन विनिधान की आवश्यकता है।

10- राज्यों को दी जाने वाली केन्द्रीय सहायता बढ़नी चाहिए तथा निम्न जन्म दर लाने हेतु आवश्यक कानून बनाने में स्वतन्त्रता देनी चाहिए।

11- परिवार कल्याण के बजट एवं वास्तविक हुए व्यय के मध्य अन्तर को कम करना चाहिए।

12- निम्न जन्म दर अपनाने वाले लोगों को द्रव्यिक सहायता देनी चाहिए।

13- विवाह पंजीकरण अनिवार्य होना चाहिए। तथा नव विवाहित दम्पतियों समुचित जानकारी निःशुल्क उपलब्ध करानी चाहिए।

14- समाज में लड़कियों को लड़कों के समान महत्त्व देना चाहिए।

- 15- शिशु जन्म-अन्तराल 3-5 वर्ष अवश्य होना चाहिए ।
- 16- परिवार आकार में मात्र दो शिशु ही होना चाहिए । " एक युगल एक शिशु के प्रचार को भी प्रोत्साहन देना चाहिए ।
- 17- विवाह आयु में वृद्धि होनी चाहिए । लड़कियों के लिए 21-24 वर्ष तथा लड़कों के लिए 26-28 वर्ष होनी चाहिए ।
- 18- शिशु मृत्यु दर घटानी चाहिए ।
- 19- प्रवास एवं शहरीकरण को प्रोत्साहन देना चाहिए ।
- 20- परिवार आकार के संकुचन में धर्म बाधक है, इसलिए राष्ट्रीय हित में धर्म की संकीर्णताओं को ध्यान नहीं देना चाहिए ।
- 21- परिवार कल्याण - कार्यक्रम में सरकारी संस्थाओं के साथ -2 निजी संस्थाओं का समावेश व प्रोत्साहन आवश्यक है ।
- 22- प्रजननता सम्बन्धी तथ्यों का विश्लेषण वैज्ञानिक दृंग से अपेक्षित है, यह कार्य विभिन्न स्वैच्छिक संस्थाओं समितियों यथा रेडियो , दूरदर्शन, समाचार पत्र साहित्य, सिनेमा, प्रचार - प्रसार एवं जनमत द्वारा ही संभव है । राज्यकीय तंत्र का क्रियाशील होना भी आवश्यक है ।
- 23- परिवार कल्याण कार्यक्रम को निरूत्साहित करने वालों के प्रति वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए ।

अध्याय - 9

अविषय में शोध हेतु संस्तुतियाँ
(RECOMMENDATIONS FOR FURTHER RESEARCH)

भविष्य में शोध हेतु संस्तुतियाँ

§ Recommendations for further research §

शोध - प्रक्रिया एक निश्चित परिधि में सीमित होने पर शोध कर्ता की दृष्टि प्रत्येक स्थान पर यद्यपि केन्द्रित नहीं होती है, तथापि उसके तीक्ष्ण चक्षु वस्तुगत या विषयगत परिधि को भेदने एवं इसके दर्शन को आत्मसात करने में नहीं चूकते हैं।

“नियोजन” अपने आप में एक संतुलित संकल्पना है, चाहे वह आर्थिक नियोजन से अपना सम्बन्ध रखती हो या प्रजननता के “परिवार नियोजन” अवधारणा से। शोध में “प्रकृति” की सीमितता एवं “प्रकृति” के विस्तार दोनों को समान महत्त्व देना चाहिए। परिवार-कल्याण पर हुए शोध, परिवार नियोजन पर हुए शोध कार्यों से कम नहीं होना चाहिए अन्यथा मानव कल्याणकारी इन विभिन्न शास्त्रों की अपनी उपयोगिता ही संदिग्ध दृष्टिगोचर होगी।

मानव के प्रजननता व्यवहार अध्ययन में आवश्यकता है अब उन शोधों को प्रश्रय देने की, जो प्रजननकारियों के उत्प्रेरक बन सकें। मानव संहार यदि मनुष्य द्वारा संभव है, तो मानव-कल्याण भी उन्हीं से ही होगा। इस दिशा में जनसंख्या शिक्षा पर होने वाले शोध कार्यों एवं अनुसंधानों को प्रोत्साहन प्रजननता व्यवहार अध्ययन को और अधिक सरल एवं सुरुचिपूर्ण बना सकता है।

शिक्षक महिलाओं के प्रजननता व्यवहार अध्ययन में सिवके के दूसरे पहलू, उनके पतियों के प्रजननता व्यवहार का अध्ययन और भी महत्त्वपूर्ण हो जाता है। ठीक इसी प्रकार से पुरुष शिक्षकों के प्रजननता-व्यवहार अध्ययन में उनकी पत्नियों के व्यवहार का अध्ययन अपेक्षित हो जाता है। अध्ययन में दृष्टव्य है कि, शिक्षक महिलाएँ अपने प्रजननता व्यवहार की प्रक्रिया में अपने पतियों पर अधिक दायित्व सौंपने की कोशिश करती हैं, जो एक विशिष्ट, सीमा में शोध अध्ययन का विषय हो सकता है, तो निश्चित रूप से समाज में आदर्श के प्रतिरूप शिक्षक,

शिक्षिकाओं का अपना अस्तित्व क्या होगा यह विचारणीय है। बौद्धिक जगत के इन प्रजननकारियों को सामान्य लोगों में गणना करना अपने आप में अविशेषपूर्ण

एवं असंगत होगा।

हमारा समाज इतना रुढ़िवादी है कि, परिवार नियोजन कार्यक्रम के सम्बन्ध में और परिवार नियोजन विधियों के अनुसरण के सम्बन्ध में भी लोगों को संकोच होता है, तथा परिवार नियोजन विधियाँ भी पूरी तरह से सन्तोषजनक नहीं हैं जो सर्वसाधारण को पूरी तरह से आवश्यक जानकारी से सन्तुष्ट कर सकें। न जाने क्यों सरकारी प्रयत्न एवं निजी क्षेत्र में विभिन्न प्रयासों के बाद भी लोग समुचित लाभ नहीं उठा पा रहे हैं? नियोजन कार्यक्रम से सम्बन्धित कर्मचारियों की भूमिका अपेक्षाकृत कम सफल एवं कुछ संदिग्ध होती जा रही है। अतः इस दिशा में पर्याप्त सफलता न मिलने का बहुआयामी दृष्टिकोण पुनः शोध अनुसंधानों को निर्देशित करता है।

अध्याय - 10

ग्रंथ - संदर्भ - सूची

(BIBLIOGRAPHY)

BIBLIOGRAPHY

1. Agrawal, S.N.
Some Problems of India's Population. Vora and Co.
Publishers Ltd., Bombay.
2. Agrawal, S.N.
India's Population Problems. Tata McGraw Hill
Pub. Co., Bombay.
3. Agrawal, Dr.S.K.
Principles of Demography.
4. Bown, Iane
Population Book, Cambridge University Press,
1955.
5. Barclay, George, W.
Technique of Population Analysis. John Willey
& Sons, New York, 1958.
6. Berelson and others
Family Planning and Population Programs. The
University of Chicago Press, Chicago & London.
7. Bhande, Asha, A. and Kanitkar, Tara
Principles of Population Studies.
8. Brien, John, A.O.
Family Planning in an Exploding Population.
Amerind Publishing Co. Pvt. Ltd., New Delhi,
Bombay, Calcutta, New York.

9. Barbara, K. Herg
Official Development Assistance for Population activities.
10. Bajpeyi, Dr.S.R.
Social Research and Surveys, Kitab Mahal.
11. Casseen, R.H.
Population, economy and Society. The Mac Millan Company of India, Delhi, 1983.
12. Coal, A.J. and Hooves, E.M.
Population Growth and economic development in India, 1956.
13. Chandrasekhar, S. (Edited)
Asia's Population Problems.
14. Chandrasekhar, C. and Kuder, Kathesine
Family planning through clinic report of a survey of family Planning Clinics in Greater Bombay. Allied Publishers Private Ltd., Bombay, London, New York.
15. Davis, Kingslay
The Population of India and Pakistan. Princeton, Princeton University Press.
16. Desai, P.B.
Size and Sex Composition of Population in India (1901-1961). Asia Publishing House, 1969.

17. Donald, Bogue, J.
Demographic Techniques of Fertility analysis.
Community and Family Study Center, University
of Chicago, 1970.
18. Gyan Chand
Some aspect of population in India, 1957.
19. Gyan Chand
Population in perspective study of population
crisis in India in the context of new social
Horizons. Orient Longman Ltd., New Delhi, 1972.
20. Goel, R.P.
Fertility and Family Planning in Western Uttar
Pradesh. Demographic Research Centre, Draft
Report.
21. Goad, W.J.
World Revolution and Family Patterns.
22. Hauper and Duncan
The study of Population (edited).
23. Heer, David, M.
Society and Population.
24. Janes, Hywel, G.
An Introduction to modern theories of Economic
Growth, McGraw Hill Book Company, 1976.
25. Jail Pal, P.Ambannavap.
A Demographic study of Maharashtra State,
N.I.F.P., New Delhi, 1975.

26. Kapadia, K.M.
Marriage and Family in India.
27. Ohlin Goran
Population Control & Economic Development, 1967.
28. Myr^Aal Gunnar
Asian Drama, An enquiry into the Poverty of
nations - Vol. II. Penguin Books Ltd., Middlesex
England, 1968.
29. Memoria, C.B.
Population Growth and Economic Development in
India, Sahitya Bhawan, Agra.
30. Mishra, Bhaskar, D.
An Introduction to the study of Population.
South Asian Publishers Pvt. Ltd., 1980.
31. Oberoi, A.S. and Singh, H.K. Manmohan
Cause and consequences of Internal Migration.
Oxford University Press, 1983.
32. Peterson, W.
Population in Economic Growth, North Holland
Publishing Co. Amsterdam, 1977.
33. Pitchford J.D.
Contributions to economic Analysis Population in
Economic Growth, North Holland/American
Elsevier, 1974.

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले

बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल:-

सारिणी संख्या $\frac{8.0}{-}$ में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म - अन्तराल आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक 104 § 57.14% § तथा पांच तथा पांच से अधिक जन्म - अन्तराल आदर्श मानने वाली न्यूनतम 4 § 2.19% § है। दो वर्ष के पश्चात् एक वर्ष आदर्श मानने वाली 44 § 24.18% §, तीन वर्ष 20 § 10.99% § तथा चार वर्ष 10 § 5.49% § शिक्षक महिलायें आदर्श मानती हैं।

सम्पूर्ण न्यादर्श को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है 20-30 आयु वर्ग में 4 § 2.19% §, 30-40 आयु वर्ग में 61 § 33.52% §, 40-50 आयु वर्ग में 10 § 5.49% § है। इसमें सभी आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें दो वर्ष को विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल मानती हैं।

42. Uppal, J. S. (Edited)
India's Economic Problems.
43. Valentey, Prof. D.I. (Edited)
The theory of population. Essays in Marxist
Research Progress Publishers, Moscow, 1978.
44. Wilpinson and Bhandarkar
Research Methodology on Social Sciences,
Himalayan Publishing House, Nagpur.

सारिणी संख्या 4 8

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
ग्रुनियर हाई स्कूल	-	4१0.47१	2१0.23१	-	=	-	6१0.70१ 100.00
हाईस्कूल	2१0.23१ 3.92	42१4.91१ 82.35	5१0.58१ 9.80	2१0.23१ 3.92	-	-	51१5.96१ 100.00
इण्टरमीडिएट	6१0.70१ 5.66	87१10.18१ 82.08	13१1.52१ 12.26	-	-	-	106१12.39१ 100.00
स्नातक	18१2.11१ 7.03	214१25.03१ 83.59	18१2.11१ 7.03	4१0.47१ 1.56	2१0.23१ 0.78	-	256१29.94१ 100.00
स्नातकोत्तर	28१3.27१ 6.65	320१37.43१ 76.01	68१7.92१ 16.15	5१0.58१ 1.18	-	-	421१49.24१ 100.00
डी०फिल०	1१0.12१ 7.14	14१1.64१ 93.33	-	-	-	-	15१1.75१ 100.00
योग	55१6.43१	681१79.65१	106१12.39१	11१1.29१	2१0.03१	-	855१100.११

11. Demography India
Vol. 7, No. 1 & 2, Jan.-Dec, 1978.
Vol.12, No. 1 Jan.-June,1983.
Vol.12, No. 2 July-Dec, 1983.
Vol.13, No. 1 & 2, Jan.-Dec.,1984.
Vol.14, No. 1 Jan.-June,1985.
12. District Plan Allahabad, 1984 and 1985. Office of
the District Magistrate.
13. District Census Book, Allahabad, 1971. Part XA,
Part XB, Govt. of Uttar Pradesh.
14. District Statistical Diary, Allahabad District
Statistical Office, Allahabad.
15. Demographic Situation in India. N.I.F.P. Report
Series No. 15, April 1975.
16. Economic and Political Weekly, ASameeksha Trust
Publication, Bombay.
17. Economic Survey, 1985-86. Ministry of Finance,
Government of India.
18. Economic Times, Bombay, Nov. 1986. F.P. Programmes,
"Are we putting the cart before the horse ?"
19. Family Planning Enquiry in Dharwar Talupa (Mysore
State), B.D. Kale. Demographic Research Centre
Institute of Economic Research Yidyagiri - Dharwal-4
(Mysore State), 1966.
20. Hand Book on Population - Centre for Adult, Continuing
Education and Extension, University of Delhi, 1983.

21. Indian Economic Review, Vol. IV, No. 1, Feb. 1958.
22. In search of Population Policy, National Academy of Sciences, Washington, 1974.
23. India - Town and Country Planning Organisation
Towards a human Settlement Policy in India,
New Delhi - 1975.
24. India, 1984, 1985, Ministry of Information, Government
of India.
25. Income and Superimposing Variables and Fertility by
Dr. A.D. Sharma.
26. Journal of Population Research, National Institute
of Family Planning, New Delhi.
27. Journal of Development Economics (A Stochastic
learning model of Migration), Vol. 5/ No. 2,
June 1978, U.S.A.
28. Milbank Memorial Fund, Quarterly, 40 Wall street,
New York, N.Y. 10005

Article "Changes in the Social and Demographic
Attributes of women in "Who's Who", Myrna E. Frank
and Clyde V. Kiser.
29. Milbank Memorial Fund Quarterly, July, 1962, Vol. XL,
No. 3, 40, Wall Street, New York -5.

Article, "A Family Planning Program in a Large
Population Group by Yoshio Koya, President,
Family Planning Federation of Japan, Consultant
to Japanese National Railways.

30. Milbank Memorial Fund Quarterly, Jan. 1965, Vol. XLIII,
No. 1.
Article, "Female Employment and Fertility in Lima,
Peru. J. Mayona Styees.
31. News Letter - Published by the Family Planning Association,
Mostimer St. London.
32. Population Bulletin - Population Reference Bureau,
I.N.C., Washington.
33. Population Index - Office of the Population Research,
Princeton University, New Jersey.
34. Population and Development - International Conference
on Population, Mexico City, August, 1984.
35. Population Reports -
Series M, No. 7, Sept. - Oct. 1983
Series M, No. 8, Sept. - Oct. 1985
Series C, No. 9, May 1985.
The Johns Hapkins University, U.S.A.
36. Population and Development Series No. 1, World Bank
Staff Working Papers, Number 676, Family Planning
Programs, The Client's Perspective, Ainsworth,
Martha.
37. Population and Development Series No. 17, World Bank
Staff Working Papers, Number 676, Recent Fertility
Declines, Brazil, Colombia and Mexico, Thomas
W. Merrick.

45. The Indian Journal of Economics, Published by
Department of Economics, University of Allahabad,
Allahabad.
46. World Population Conference, Vol. III, 1965, United
Nations.
47. Year-book, 1974-75. Family Welfare Planning in
India.
48. Yojana (Weekly) - Published by Ministry of Home
affairs, Government of India.

परिशिष्ट
(APPENDICES)

- अ - इलाहाबाद नगरः आकड़े एवं तथ्य
ब - प्रश्नावली - पत्रक (QUESTIONNAIRE)

सारिणी संख्या 15.3

झलाहाबाद नगर की जनसंख्या वृद्धि 1853-1981

जनगणना वर्ष	जनसंख्या	दशक वृद्धि	प्रतिशत वृद्धि
1853	72,093	-	-
1966	1,05,924	+ 33,831	46.9
1972	1,43,693	+ 37,769	36.0
1881	1,60,118	+ 16,425	11.4
1891	1,75,246	+ 15,128	9.4
1901	1,72,032	- 3,214	-1.8
1911	1,71,697	- 1,335	-0.8
1921	1,57,220	-14,477	-8.4
1931	1,73,895	+ 16,675	10.6
1941	2,46,229	+ 72,324	41.6
1951	3,32,615	+ 86,386	35.1
1961	4,43,964	+121,349	36.5
1971	4,90,622	+46,658	10.5
1981	6,16,051	+1,25,429	25.6

स्त्रोत: झलाहाबाद रिट्रास्पेक्ट सन्ड प्रास्पेक्ट-बी०एन० पाण्डेय

सारिणी संख्या 154

इलाहाबाद नगर एवं जनपद की जनसंख्या वृद्धि

जनगणना वर्ष	इलाहाबाद नगर		इलाहाबाद जनपद	
	जनसंख्या	प्रतिशत वृद्धि	जनसंख्या	प्रतिशत वृद्धि
1921	1,57,220	-	14,02,350	-
1931	1,73,895	10.5	14,88,303	6.2
1941	2,46,229	41.6	18,08,866	21.5
1951	3,32,615	35.1	20,44,117	13.0
1961	4,43,964	33.5	24,38,376	19.3
1971	4,90,622	10.5	29,37,278	20.5
1981	6,16,051	25.6	37,97,033	29.3

स्रोत: सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद- इलाहाबाद, 1984
अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान- उ०प्र०

सारिणी संख्या 155

इलाहाबाद का विगत तीन जनगणना वर्षों में जनसंख्या संरचना

जनगणना वर्ष	जनसंख्या			
	कुल जनसंख्या	पुरुष	प्रतिशत	स्त्री
			प्रतिशत	प्रतिशत
1961	2438376	1263981	५१.८४%	४८.१६%
1971	2937278	1546282	५२.६८%	४७.३२%
1981	3797033	200877	५२.९%	४७.१%

स्रोत: सांख्यिकीय पत्रिका, जनमद- इलाहाबाद-1984

अर्थ एवं संख्या प्रमाण, राज्य नियोजन संस्थान, 3090

सारिणी-संख्या 15.6

इलाहाबाद की ग्रामीण व, नगरी जनसंख्या 1961-1981

जनगणना वर्ष	जनसंख्या				
	कुल	ग्रामीण	प्रतिशत	नगरी	प्रतिशत
1961	2438376	1994412	81.79	443969	18.21
1971	2937278	2395175	81.54	542103	18.46
1981	3797003	3023445	79.63	773588	20.37

स्रोत: सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद इलाहाबाद, 1984

अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य निर्धोजन संस्थान, 2050

सारिणी संख्या 157

धर्मानुसार जनपद की जनसंख्या - 1981

धर्म	जनसंख्या	प्रतिशत
हिन्दू	33,01,290	86.94
इस्लाम	4,84,948	12.77
ईसाई	6,722	0.18
सिख	2,728	0.07
अन्य	1,275	0.03
अधोक्षित	70	—
योग	37,97,033	100.00

स्रोत : जिला जनगणना पुस्तिका , 1981 जनगणना , झाडाबाद ।

सागरणा संख्या 1518

जनपद में मान्यताप्राप्त शिक्षा संस्थाएं

वर्ष	ज०बे० स्कूल	सी०बे०लिक स्कूल	डाईस्कूल तथा इण्टरमीडिएट	महा विद्यालय	विश्वविद्यालय		
	कुल	कुल बालिका	कुल बालिका				
1981-82	1766	360	68	206	30	16	1
1982-83	1842	404	68	211	30	16	1
1983-84	1842	404	68	213	39	16	1
ग्रामीण क्षेत्र में	1699	319	52	160	6	3	-
नगरीय क्षेत्र में	143	85	16	53	24	13	1

स्रोत: सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद- झज्जर, 1984

अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, उ०१०

सारिणी संख्या 15.9

साक्षरता एवं जनसंख्या घनत्व-1981

इलाहाबाद जनपद/नगर	साक्षरता प्रतिशत			क्षेत्र वर्ग किमी	घनत्व प्रति वर्ग किमी
	कुल	पुरुष	स्त्री		
जनपद	27.99	41.51	12.81	7261	523
नगर	28.61	-	-	62.94	9788

स्रोत:

सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद-इलाहाबाद, 1984

xइलाहाबाद 1985, निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग,

उ०प्र०, लखनऊ।

एवं

प्रगति- इलाहाबाद

जनसम्पर्क कार्यालय, इलाहाबाद।

भारत की कुल जनसंख्या 16.0

॥ अविभाजित देश के लिए अनुमान ॥

<u>वर्ष</u>	<u>जन संख्या ॥ करोड़ों में ॥</u>
300 ईसा पूर्व	10.0 में 14.0
1600 ईसवी	10.0
1800	12.0
1834	13.0
1845	13.0
1855	17.5
1867	19.4
1872	25.5

जनसंख्या ॥ भारत की आज की सीमाओं ॥ के लिए

<u>वर्ष</u>	<u>जनसंख्या ॥ करोड़ों में ॥</u>
1901	23.8
1911	25.2
1921	25.1
1931	27.9
1941	31.9
1951	36.1
1961	43.9
1971	54.8
1981	68.4

2.9 करोड़ की वृद्धि

x स्रोत: किंगले डेविस - "पापुलेशन ऑफ इन्डिया एण्ड पाकिस्तान"

शिक्षक महिलायें एवं प्रजननता

॥ इलाहाबाद नगर की शिक्षक महिलाओं का वैयक्तिक अध्ययन ॥
प्रश्नावली

संस्था का नाम

1. नाम _____
2. आयु _____
3. शिक्षा उच्चतम शैक्षिक अर्हता _____
4. धर्म _____
5. पता _____
6. वैवाहिक स्थिति _____ विवाहित / अविवाहित / विधवा / परोक्ष
7. विवाह के समय आयु _____
8. व्यवसाय _____
9. उत्तरदाता का वर्गीकरण _____ शिक्षक / कार्यालयी / घरेलू महिला

पृष्ठ भूमि

1. पिता का नाम श्री _____
2. पिता का पता _____
3. पिता की उम्र _____
4. पिता का धर्म _____
5. पिता की शिक्षा _____
6. पिता का व्यवसाय _____
7. पिता की सन्तान _____

स्वयं के व्यवसाय का वर्ष

- | | | |
|----------|-------------|----------------|
| | प्रवेश तिथि | छोड़ने की तिथि |
| 1. पहला | _____ | _____ |
| 2. दूसरा | _____ | _____ |
| 3. तीसरा | _____ | _____ |

परिवार नियोजन के बारे में ज्ञान

1. आपको परिवार नियोजन के बारे में जानकारी किस आयु में हुई।
2. आपमें परिवार नियोजन के विषय में रुचि किस प्रकार उत्पन्न हुई।

परिवार नियोजन के विषय में विचार

1. क्या आप परिवार नियोजन के विचार से सहमत हैं ? ॥ हाँ/नहीं ॥
2. यदि हाँ तो उसके क्या कारण हैं ?
 - ॥अ॥ आर्थिक कारणों से
 - ॥ब॥ बच्चों के अच्छे पालन-पोषण के लिए।
 - ॥स॥ महिलाओं के अच्छे जीवन के लिए
 - ॥द॥ जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए
3. यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?
 - ॥अ॥ यह धर्म के विरुद्ध है।
 - ॥ब॥ यह महिलाओं के लिए हानिकारक है।
 - ॥स॥ कोई सन्तोषजनक, सुव्यवस्थित विधि उपलब्ध नहीं है।
 - ॥द॥ अन्त में संयमित जीवन न बिताने के कारण सामाजिक आदर्शों का पतन हो जायेगा।
4. क्या आपने अपना निजी परिवार नियोजित किया है ? हाँ / नहीं

5. §अ§ क्या आपने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है ? हाँ / नहीं
- §क§ अपने सम्बन्धी और मित्रों को हाँ / नहीं
- §2§ अपने छात्रों को हाँ / नहीं
6. क्या आप कुछ ऐसी प्रेरणा प्रस्ताव सेवाओं में कार्यरत/घरेलू/शिक्षक महिलाओं के लिए प्रस्तावित कर सकती हैं जिससे कि वह अपने सहकर्मियों/छात्रों व अन्य को जनसंख्या समस्या व परिवार नियोजन की जानकारी दे सकें ?
7. क्या आप सोचती है कि घरेलू/सेवाओं में कार्यरत/शिक्षक महिला वर्ग परिवार नियोजन को जन - कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। हाँ / नहीं
8. आपके विचार से क्या जनसंख्या शिक्षा को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाना चाहिए। हाँ / नहीं
9. यदि हाँ तो विद्यार्थी को किस स्तर से जनसंख्या की : प्राथमिक/जूनियर शिक्षा मिलनी चाहिए। हाई स्कूल/हाई स्कूल/विश्वविद्यालय
10. परिवार नियोजन कार्यक्रम के सम्बन्ध में इस योजना को निरुत्साहित करने वाले लोगों को दण्डित किया हाँ / नहीं जाना चाहिए।
11. आपके विचार से विवाह की आदर्श आयु क्या होनी चाहिए लड़कियों के लिए _____
लड़कों के लिए _____
12. परिवार नियोजन के प्रकार में जो संस्थाएँ कार्य कर रही हैं, उनकी कार्यविधि में क्या आप परिवर्तन प्रस्तावित कर सकती हैं ?
- §1§ सरकारी संस्थाएँ _____
- §2§ निजी संस्थाएँ _____

जानकारी देने वालों की अपनी स्थिति

1. क्या आपके विचार से आदर्श परिवार में बच्चों की संख्या कितनी होनी चाहिए 1/ 2/ 3/ 4/ 5/ 5+

2. आपके परिवार में बच्चों की संख्या कितनी है 1/ 2/ 3/ 4/ 5/ 5+

3. आपके बच्चों के जन्म के बीच में कितना अन्तराल है?

§1§ पहले बच्चे के जन्म के पहले _____

§2§ पहले और दूसरे बच्चे के बीच में _____

§3§ दूसरे और तीसरे बच्चे के बीच में _____

§4§ तीसरे और चौथे बच्चे के बीच में _____

§5§ अन्य _____

4. आपके विचार से आदर्श जन्म अन्तराल क्या होना चाहिए

§1§ पहले बच्चे के जन्म के पहले _____

§2§ पहले और दूसरे बच्चे के बीच में _____

§3§ दूसरे और तीसरे बच्चे के बीच में _____

§4§ तीसरे और चौथे बच्चे के बीच में _____

§5§ अन्य _____

5. आप यदि अपने उचित विचार के अनुसार अपने परिवार को नहीं बना पाये हैं तो उसके लिए आप किन कारणों को उत्तरदायी समझती हैं

§1§ आपके पति की आपके विचारों से _____
असहमति

§2§ आपके पति के इस सम्बन्ध में कम _____
सहयोग के कारण

§3§ यू ही कुछ आलस्य और कम दृढ़ता _____
के कारण

§4§ आवश्यक बातों तथा परिवार नियोजन _____
विधियों के कम जानने के कारण

§5§ अन्य कारण _____